THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH

स्वतंत्र वार्ता

epaper.vaartha.com
Vaartha Hindi
@Vaartha_Hindi
Vaartha official
www.hindi.vaartha.com

वर्ष-30 अंक : 20 (हैदराबाद, निजामाबाद, विशाखापट्टणम, तिरुपति से प्रकाशित) वैशाख कृ.4 2082 गुरुवार, 17 अप्रैल-2025

प्रधान संपादक – डॉ. गिरीश कुमार संघी हैदराबाद नगर * पृष्ठ : 16 मूल्य : 8 रुपये

खरगे बोले-जो गलत नहीं, उसे गलत साबित किया जा रहा है

नई दिल्ली, 16 अप्रैल (एजेंसियां)। नेशनल हेराल्ड मामले में कुछ कांग्रेस नेताओं के खिलाफ प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) द्वारा आरोप पत्र दाखिल करने के बाद देशभर की सियासत में गर्माहट है। आरोप-प्रत्यारोप की राजनीति भी सातवें आसमान पर पहुंच चुकी है। इसी बीच कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने मामले में सोनिया गांधी और राहुल गांधी का बचाव किया। उन्होंने कहा कि यह मामला बेबुनियाद है और केवल राजनीतिक बदले की भावना से उठाया गया है। उन्होंने कहा कि इस मामले में कुछ भी नहीं है। >14

वक्फ कानून पर आज फिर सुनवाई

> सरकार ने मांगा था समय, कोर्ट ने कोई अंतरिम आदेश नहीं सुनाया

नई दिल्ली, 16 अप्रैल (एजेंसियां)। सुप्रीम कोर्ट में वक्फ (संशोधन) अधिनियम, 2025 की संवैधानिक वैधता के खिलाफ याचिकाओं पर सुनवाई गुरुवार को फिर होगी। सुनवाई शुरू होते ही मुख्य न्यायाधीश जस्टिस संजीव खन्ना, जस्टिस संजय कुमार और जस्टिस केवी विश्वनाथन की पीठ ने पक्षों से दो बिंदुओं पर विचार करने को कहा। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि उसके सामने दो सवाल हैं, पहला-क्या उसे मामले की सुनवाई करनी चाहिए या इसे हाईकोर्ट को सौंप देना चाहिए और दूसरा-वकील किन बिंदुओं पर बहस करना चाहते हैं। इसके बाद याचिकाकर्ताओं ने कोर्ट के सामने कानून की खामियां गिनाईं। सरकार ने कानून के पक्ष में दलीलें दीं। कोर्ट ने 'वक्फ बाय यूजर' को लेकर भी सरकार से कठिन सवाल किए।

इसके बाद केंद्र ने कोर्ट से मामले की सुनवाई कल करने का निवेदन किया। सरकार की बात मानते हुए कोर्ट ने मामले की सुनवाई के लिए कल दोपहर दो बजे का समय तय किया। सुनवाई के दौरान सीजेआई ने यह भी कहा कि एक बात बहुत परेशान करने वाली है, वह है-हिंसा। यह मुद्दा न्यायालय के समक्ष है और हम इस पर निर्णय लेंगे। इस पर सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने कहा कि ऐसा नहीं होना चाहिए कि हिंसा का इस्तेमाल दबाव बनाने के लिए किया जाए।

इससे पहले याचिकाकर्ताओं में से एक की ओर से वरिष्ठ अधिवक्ता कपिल सिब्बल ने अपनी दलीलें शुरू करते हुए कहा कि संसदीय कानून के जरिए जो करने की कोशिश की जा रही है, वह एक आस्था के आवश्यक और अभिन्न अंग में हस्तक्षेप करना है। अगर कोई वक्फ स्थापित करना चाहता है तो उसे यह दिखाना होगा कि वह पांच साल से इस्लाम का पालन कर रहा है। राज्य को यह कैसे तय करना चाहिए कि वह व्यक्ति मुसलमान है या नहीं? >14

नेशनल हेराल्ड मामले में ईडी की चार्जशीट के खिलाफ सड़क पर उतरी कांग्रेस

नई दिल्ली, 16 अप्रैल (एजेंसियां)। नेशनल हेराल्ड मामले में जांच एजेंसी ईडी की ओर से अदालत में चार्जशीट दायर किए जाने के बाद कांग्रेस सड़क पर उतर आई है। क्योंकि ईडी की चार्जशीट में कांग्रेस की पूर्व अध्यक्ष सोनिया गांधी, लोकसभा में नेता राहुल गांधी, इंडियन ओवरसीज कांग्रेस के अध्यक्ष सैम पित्रोदा, सुमन दूबे सहित कई लोगों के नाम शामिल हैं।

बताना होगा कि दिल्ली की राउज एवेन्यू कोर्ट में ईडी की ओर से चार्जशीट दायर की गई है। अदालत इस मामले में 25 अप्रैल को सुनवाई करेगी। 11 अप्रैल को ईडी ने दिल्ली, मुंबई और लखनऊ के संपत्ति रजिस्ट्रारों को नोटिस जारी किए थे, जहां एसोसिएटेड जर्नल्स लिमिटेड (एजेएल) की संपत्तियां हैं। कांग्रेस ने कहा है कि नेशनल हेराल्ड मामले में ईडी की ओर से दायर की गई चार्जशीट की कार्रवाई पूरी तरह बदले की राजनीति है और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, गृहमंत्री अमित शाह विपक्षी नेताओं को डराने के लिए सरकारी एजेंसियों का इस्तेमाल कर रहे हैं लेकिन बीजेपी ने भी इसका जवाब दिया है।

जस्टिस बीआर गवई होंगे अगले मुख्य न्यायाधीश

नई दिल्ली, 16 अप्रैल (एजेंसियां)। भारत के अगले मुख्य न्यायाधीश (सीजेआई) के लिए न्यायमूर्ति भूषण आर गवई के नाम की सिफारिश की गई है। सर्वोच्च न्यायालय ने यह सिफारिश विधि मंत्रालय को भेज दी है। प्रस्ताव वर्तमान मुख्य न्यायाधीश संजीव खन्ना की ओर से भेजा गया है। वे 13 मई को सेवानिवृत्त होने वाले हैं। परंपरा के अनुसार, वर्तमान सीजेआई अपने उत्तराधिकारी के रूप में सबसे वरिष्ठ न्यायाधीश की सिफारिश करते हैं।

जस्टिस गवई वरिष्ठता के क्रम में सबसे आगे हैं, जिसके चलते उनके नाम की सिफारिश की गई है। गौरतलब है कि इससे पहले कानून मंत्रालय ने सीजेआई जस्टिस खन्ना से उनके उत्तराधिकारी का नाम देने की आधिकारिक अपील की थी। जस्टिस गवई के नाम पर अगर मुहर लगती है तो वे देश के 52वें मुख्य न्यायाधीश होंगे।

हैदराबाद विवि के पास पेड़ों की कटाई मामले में शीर्ष कोर्ट सख्त

> रेड्डी सरकार से पूछा-इतनी जल्दी क्या थी?

हैदराबाद, 16 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। सुप्रीम कोर्ट ने बुधवार को हैदराबाद के कांचा गच्चीबावली इलाके में बड़े पैमाने पर पेड़ों की कटाई को लेकर तेलंगाना सरकार को फटकार लगाई और चेतावनी दी कि अवैध वनों की कटाई में शामिल अधिकारियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जा सकती है।

कोर्ट ने अधिकारियों को एक विस्तृत बहाली योजना तैयार करने और प्रभावित वन क्षेत्र में वन्यजीवों की सुरक्षा के लिए उपायों की रूपरेखा तैयार करने का आदेश दिया। जस्टिस बी.आर. गवई और जस्टिस ए.जी. मसीह की पीठ ने कथित पर्यावरण उल्लंघनों से संबंधित स्वप्रेरणा मामले की समीक्षा की। कोर्ट ने अगली सुनवाई 15 मई के लिए निर्धारित की है, जिसमें तेलंगाना को केंद्रीय अधिकार प्राप्त समिति (सीईसी) की रिपोर्ट पर विचार करने के लिए चार सप्ताह का समय दिया गया है और राज्य के वन्यजीव वार्डन को विस्थापित जानवरों की सुरक्षा के लिए की जा रही कार्रवाई को स्पष्ट करने की आवश्यकता है। तेलंगाना का प्रतिनिधित्व करने वाले वरिष्ठ अधिवक्ता अभिषेक मनु सिंघवी ने न्यायालय को सूचित किया कि क्षेत्र में सभी विकास गतिविधियों को निलंबित कर दिया गया है। हालांकि, न्यायमूर्ति गवई ने इस बारे में एक सवाल उठाया कि क्या वन अधिकारियों से आवश्यक अनुमति प्राप्त की गई है। सिंघवी ने जवाब दिया कि कुछ पेड़ों को छोड़कर अधिकांश पेड़ों की कटाई को मंजूरी मिल गई है। इसके विपरीत, वरिष्ठ अधिवक्ता परमेश्वर ने तर्क दिया कि सरकार ने एक स्व-प्रमाणन प्रक्रिया लागू की है और एकतरफा रूप से कुछ पेड़ों की प्रजातियों को छूट दी है। न्यायमूर्ति गवई ने आवारा जानवरों से सुरक्षा के लिए वन्यजीवों को भागते हुए दिखाने वाले वीडियो पर चिंता व्यक्त की। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि न्यायालय मुख्य रूप से कई बुलडोजरों की उपस्थिति और 100 एकड़ जंगल को साफ करने पर केंद्रित था। उन्होंने बुलडोजर का उपयोग करते हुए तीन दिन की छुट्टी अवधि के दौरान जंगल को साफ करने की तत्काल आवश्यकता के बारे में पूछताछ की। >14

सोनिया-राहुल गांधी ही नहीं...

इन नेताओं के लिए भी परेशानी खड़ी कर चुके हैं सुब्रमण्यम स्वामी

नई दिल्ली, 16 अप्रैल (एजेंसियां)। फिलहाल नेशनल हेराल्ड मामले में गांधी परिवार मुश्किल में है। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) की टीम ने इस मामले में लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी, राज्यसभा सांसद सोनिया गांधी और ओवरसीज कांग्रेस के अध्यक्ष सैम पित्रोदा के खिलाफ चार्जशीट दाखिल किया है। अदालत ने इस पर बहस के लिए 25 अप्रैल की तारीख तय की है। इससे पहले ईडी ने इस मामले से जुड़ी संपत्तियों पर कब्जा करने की प्रक्रिया शुरू कर दी थी। बीजेपी नेता सुब्रमण्यम स्वामी ने साल 2012 में आरोप लगाया था कि यंग इंडिया प्राइवेट लिमिटेड ने एजेएल की 2,000 करोड़ रुपए से अधिक की संपत्तियों को मात्र 50 लाख रुपए में हासिल किया और उन्होंने धोखाधड़ी और मनी लॉन्ड्रिंग का आरोप लगाया। मामला अदालत में भी गया और बाद में ईडी ने इसकी जांच शुरू की लेकिन नेशनल हेराल्ड कोई पहला मामला नहीं है जिसमें सुब्रमण्यम स्वामी के आरोप लगाए जाने के बाद जांच पड़ताल की जा रही है, बल्कि ऐसे मामलों की एक लंबी फेहरिस्त जिसमें स्वामी ने भ्रष्टाचार के आरोप लगाए हैं जिनमें लंबी जांच प्रक्रिया चली। कई मामलों में नेताओं को जेल तक जाना पड़ा।

पी चिदंबरम और कार्ति चिदंबरम

सुब्रह्मण्यम स्वामी ने 2017 में पी। चिदंबरम और उनके बेटे कार्ति चिदंबरम पर भ्रष्टाचार और मनी लॉन्ड्रिंग के गंभीर आरोप लगाए थे। स्वामी का दावा था कि कार्ति ने अपने पिता के प्रभाव का गलत इस्तेमाल कर विभिन्न कंपनियों को विदेशी निवेश प्रमोशन बोर्ड (एफआईपीबी) से मंजूरी दिलाने में मदद की, जिसमें एयरसेल-मैक्सिस और आईएनएक्स मीडिया के मामले शामिल हैं। इन्हीं आरोपों में कार्ति को सीबीआई ने गिरफ्तार किया और उन पर कई कानूनी मामले दर्ज किए गए। उस दौरान कांग्रेस ने इन आरोपों को राजनीतिक प्रतिशोध बताया था।

सुब्रमण्यम स्वामी ने जयललिता पर लगाए थे आरोप

सुब्रमण्यम स्वामी ने 1996 में जयललिता के खिलाफ आय से अधिक संपत्ति का मामला दायर किया था। सुब्रमण्यम स्वामी ने आरोप लगाया कि 1991 से 1996 के बीच, जब जयललिता तमिलनाडु की मुख्यमंत्री थीं, तब उनकी संपत्ति में अवैध रूप से बेहिसाब वृद्धि हुई। जयललिता और उनके करीबी रिश्तेदारों शशिकला, इलावरासी और सुधाकरन के पास उनकी घोषित आय से कहीं अधिक संपत्ति थी। आरोप था कि उन्होंने अवैध तरीके से 66 करोड़ रुपए की संपत्ति बनाई, जो उस वक्त एक बहुत बड़ी रकम मानी जाती थी।

जयललिता को भ्रष्टाचार मामले में दोषी ठहराया गया

1996 में सुब्रमण्यम स्वामी ने यह केस दर्ज करवाया। उसी साल जयललिता सत्ता से बाहर हुईं और अन्नाद्रमुक हार गई। 1997 में तमिलनाडु पुलिस ने जयललिता और शशिकला के घर पर छापे मारे। भारी मात्रा में नकदी, गहने और कीमती चीजें बरामद हुईं। वर्ष 2000 में जयललिता को इस मामले में पहली बार दोषी ठहराया गया, लेकिन उन्होंने इसके खिलाफ अपील की। 2014 में बेंगलुरु (क्योंकि केस ट्रांसफर हो गया था) की विशेष अदालत ने जयललिता को दोषी करार देते हुए 4 साल की सजा और 100 करोड़ का जुर्माना लगाया। उन्हें तत्काल मुख्यमंत्री पद छोड़ना पड़ा।

2015 में कर्नाटक हाईकोर्ट ने जयललिता को बरी कर दिया। हाईकोर्ट का कहना था कि उनकी संपत्ति और आय में विसंगति साबित नहीं होती। 2017 में सुप्रीम कोर्ट ने हाईकोर्ट के फैसले को पलट दिया और जयललिता, शशिकला और अन्य को फिर से दोषी करार दिया। हालांकि, उस समय तक जयललिता का निधन (दिसंबर 2016) हो चुका था। सुप्रीम कोर्ट ने माना कि 'आरोपी नंबर 1' जयललिता की मृत्यु के चलते उनके खिलाफ मुकदमा समाप्त हो गया, लेकिन बाकी आरोपियों को सजा सुनाई गई।

पूर्व पीएम मनमोहन सिंह को भी घेरा

सुब्रमण्यम स्वामी ने 2जी घोटाले में मनमोहन सिंह की निष्क्रियता पर सवाल उठाए थे और आरोप लगाया कि उन्होंने ए। राजा के खिलाफ कार्रवाई करने में देरी की। स्वामी का 2जी घोटाले में डॉ। मनमोहन सिंह की भूमिका और उनकी 'निष्क्रियता' को लेकर जो रुख था, वो काफी चर्चित रहा। 2007-08 के दौरान केंद्र की यूपीए सरकार के टेलीकॉम मंत्री ए। राजा पर आरोप लगे कि उन्होंने 2जी स्पेक्ट्रम लाइसेंस बेहद सस्ते दामों पर मनमाने तरीके से कुछ कंपनियों को बांटे। स्वामी ने 29 नवंबर 2008 को प्रधानमंत्री डॉ। मनमोहन सिंह को एक पत्र लिखा, जिसमें उन्होंने 2जी घोटाले की जांच कराने और ए। राजा के खिलाफ मुकदमा चलाने की अनुमति की मांग की थी। सीएजी रिपोर्ट के अनुसार इससे सरकार को कथित तौर पर 1.76 लाख करोड़ रुपए का नुकसान हुआ। स्वामी ने आरोप लगाया कि डॉ। मनमोहन सिंह, जो उस वक्त प्रधानमंत्री थे, ए। राजा के खिलाफ पहले से ही शिकायतें और जानकारी होने के बावजूद कार्रवाई करने में विफल रहे। बाद में स्वामी सुप्रीम कोर्ट पहुंचे और मामले में जांच हुई और टूजी नीलामी रद्द कर दी गई। हालांकि 2017 में सीबीआई कोर्ट ने सभी आरोपियों को सबूतों के अभाव में बरी कर दिया।

फिल्म राम सेतु में अक्षय कुमार पर निशाना साधा

ये मामला भी सुब्रमण्यम स्वामी की बेबाकी और सांस्कृतिक मामलों में सक्रियता का एक अच्छा उदाहरण है। स्वामी ने बॉलीवुड अभिनेता अक्षय कुमार और फिल्म राम सेतु के निर्माताओं के खिलाफ तथ्यों से छेड़छाड़ का आरोप लगाते हुए केस दर्ज करने की बात कही थी। उनका दावा था कि फिल्म में ऐतिहासिक और सांस्कृतिक तथ्यों को गलत तरीके से प्रस्तुत किया गया। 2021-22 में बॉलीवुड अभिनेता अक्षय कुमार ने फिल्म 'राम सेतु' की घोषणा की थी। ये फिल्म रामायण और भारतीय पौराणिक इतिहास से जुड़ी उस ऐतिहासिक श्रृंखला (एडम्स ब्रिज / राम सेतु) पर आधारित है, जो भारत और श्रीलंका के बीच समुद्र में मौजूद है। फिल्म में दिखाया गया कि एक पुरातत्वविद् (अक्षय कुमार का किरदार) राम सेतु के अस्तित्व और उसकी ऐतिहासिकता को साबित करने की कोशिश करता है।

ऐतिहासिकता और सांस्कृतिक महत्व को तोड़-मरोड़ कर पेश करने का आरोप

वहीं सुब्रमण्यम स्वामी ने आरोप लगाया कि फिल्म में राम सेतु की ऐतिहासिकता और सांस्कृतिक महत्व को तोड़-मरोड़ कर पेश किया गया है। उनका कहना था कि फिल्म निर्माताओं ने ऐतिहासिक तथ्यों और हिंदू आस्था का गलत चित्रण किया है, जिससे जनता को गुमराह किया जा रहा है। स्वामी का कहना था कि उन्होंने खुद राम सेतु के संरक्षण के लिए सुप्रीम कोर्ट में केस दायर किया हुआ है। उन्होंने लंबे समय से राम सेतु को राष्ट्रीय धरोहर घोषित करने की मांग की है और इसके लिए कानूनी लड़ाई भी लड़ी है। उनका तर्क था कि चूंकि ये मुद्दा पहले से सुप्रीम कोर्ट में लंबित है और वो खुद उसमें याचिकाकर्ता हैं, इसलिए फिल्म निर्माताओं को इस विषय पर कोई भी काल्पनिक या तथ्यों से छेड़छाड़ करने वाली सामग्री बनाने का अधिकार नहीं है।

अहमद पटेल पर भ्रष्टाचार के आरोप लगाए

सोनिया गांधी के करीबी माने जाने वाले अहमद पटेल पर भी स्वामी ने भ्रष्टाचार और राजनीतिक षड्यंत्रों के आरोप लगाए थे। उन्होंने उन पर आरोप लगाया कि वे सोनिया गांधी के राजनीतिक और आर्थिक हितों को संरक्षित करने वाले प्रमुख चेहरे थे और कई संदिग्ध सौदों तथा राजनीतिक साजिशों में उनकी भूमिका रही। स्वामी ने विशेष रूप से अगस्ता वेस्टलैंड हेलिकॉप्टर घोटाले और कुछ अन्य रक्षा सौदों में अहमद पटेल की कथित संलिप्तता का मुद्दा उठाया था, यह दावा करते हुए कि पटेल ने इन सौदों में बिचौलियों और विदेशी कंपनियों से संबंध रखे। स्वामी का आरोप था कि पटेल पर सीधे-सीधे तो भ्रष्टाचार के मामले शायद साबित न हों, लेकिन वे कांग्रेस के भीतर सत्ता के पीछे का दिमाग और कई गुप्त राजनीतिक खेलों के सूत्रधार रहे हैं।

बीजेपी नेता अरुण जेटली पर सवाल उठाए

भले ही सुब्रमण्यम स्वामी और अरुण जेटली दोनों बीजेपी के नेता रहे, लेकिन स्वामी ने जेटली की नीतियों और कामकाज को लेकर कई बार खुलकर आलोचना की, खासकर तब जब जेटली वित्त मंत्री थे। स्वामी ने आर्थिक नीतियों, जीएसटी लागू करने के तरीके और सरकारी बैंकों की हालत को लेकर जेटली की क्षमता पर सवाल उठाए। उन्होंने जेटली पर आरोप लगाया कि वे अर्थव्यवस्था की जमीनी सच्चाइयों से कटे हुए हैं और उनकी नीतियों से देश को आर्थिक नुकसान हो रहा है। स्वामी ने यहां तक कहा था कि जेटली ना तो अर्थशास्त्री हैं और ना ही वित्त मामलों के विशेषज्ञ, बल्कि वे सिर्फ राजनीतिक जोड़तोड़ के माहिर हैं।

नरेंद्र मोदी सरकार के अन्य मंत्री

स्वामी ने कई बार सरकार की आर्थिक नीतियों, रिज़र्व बैंक गवर्नर की नियुक्ति और अधिकारियों की निष्क्रियता पर सवाल उठाए हैं, जिससे केंद्र सरकार को असहज स्थिति का सामना करना पड़ा।

पंजाब के नेता प्रतिपक्ष प्रताप सिंह बाजवा की गिरफ्तारी पर लगी रोक

हाई कोर्ट से कांग्रेस नेता को बड़ी राहत

चंडीगढ़, 16 अप्रैल (एजेंसियां)। पंजाब-हरियाणा हाई कोर्ट से कांग्रेस नेता और विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष प्रताप सिंह बाजवा को बड़ी राहत मिली है। प्रताप सिंह बाजवा की याचिका पर सुनवाई करते हुए हाई कोर्ट ने पंजाब सरकार को नोटिस जारी कर जवाब मांगा और अगली सुनवाई तक उनकी गिरफ्तारी पर रोक लगा दी। बाजवा को संबंधित मामले में प्रेस स्टेटमेंट जारी करने पर हाई कोर्ट ने रोक लगाई है। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता प्रताप सिंह बाजवा ने मंगलवार को पंजाब एवं हरियाणा हाई कोर्ट में याचिका दायर कर अपने खिलाफ दर्ज एफआईआर को रद्द करने की मांग की थी। "पंजाब में 50 बम पहुंच चुके हैं" बाजवा के बयान पर पुलिस ने केस दर्ज किया है। इस मामले में बाजवा से पूछताछ भी हुई है। बाजवा पर भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की धारा 197(1)(डी) (देश की संप्रभुता और एकता को खतरे में डालने वाली झूठी और भ्रामक सूचना) और 353(2) (दुश्मनी और नफरत या दुर्भावना पैदा करने के इरादे से झूठे बयान) के तहत मामला दर्ज किया गया है।

कांग्रेस नेता पर भ्रामक जानकारी देने का आरोप

कांग्रेस नेता पर देश की संप्रभुता और एकता को खतरे में डालने वाली भ्रामक जानकारी देने समेत कई आरोप लगाए गए थे। बाजवा के वकील ए।पी।एस। देओल ने कहा कि एफआईआर को रद्द करने के लिए याचिका दायर की गई है। देओल ने कहा कि बाजवा के खिलाफ लगाए गए आरोप निराधार हैं।

बाजवा ने किया था ये दावा

बता दें कि एक निजी टेलीविजन चैनल को दिए गए इंटरव्यू में बाजवा ने दावा किया था, मुझे पता चला है कि पंजाब में 50 बम पहुंच चुके हैं। इनमें से 18 फट चुके हैं, 32 अभी फटने बाकी हैं। 13 अप्रैल को पंजाब पुलिस की एक टीम बाजवा के आवास पर गई और उनके बयान के सोर्स के बारे पूछताछ की। इस बयान के बाद बाजपा पर गिरफ्तारी की तलवार लटक रही थी लेकिन अब हाई कोर्ट से राहत मिलने के बाद यह साफ हो गया है कि बाजपा को अभी गिरफ्तार नहीं किया जाएगा।

डिप्टी सीएम एकनाथ शिंदे ने अचानक चेक की मुंबई के सड़कों की ग्राउंड रियलिटी

अफसरों को दी ये हिदायत

मुंबई, 16 अप्रैल (एजेंसियां)। महाराष्ट्र में गड्ढा मुक्त सड़क परियोजना के तहत बृहन्मुंबई नगर निगम क्षेत्र में लगभग 400 किलोमीटर सड़कों पर सीमेंट कंक्रीटिंग का काम तेजी से चल रहा है। बीएमसी ने कंक्रीटिंग कार्य को पूरा करने के लिए 31 मई 2025 तक का लक्ष्य रखा है। इस बीच उपमुख्यमंत्री और मुंबई के पालकमंत्री एकनाथ शिंदे ने शहर और पूर्वी उपनगरों में सीमेंट कंक्रीटिंग के काम का जायजा लिया। डिप्टी सीएम एकनाथ शिंदे ने बॉम्बे हॉस्पिटल चौक, सी सेक्शन से आर। एस। सप्रे मार्ग, माटुंगा क्षेत्र में जामे जमशेद मार्ग और एम पश्चिम प्रभाग के चेंबूर क्षेत्र में सड़क क्रमांक 21 जैसे सड़क कार्यों का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने स्थानीय नागरिकों से भी बातचीत की। डिप्टी सीएम एकनाथ शिंदे ने कहा, हम मुंबई को गड्ढा मुक्त बनाने का संकल्प पूरा करने जा रहे हैं।

एके-47, एम-4 और विस्फोटक के साथ आए थे आतंकी

लंबे समय तक ठहरने की थी तैयारी सेना ने फेल कर दिया प्लान

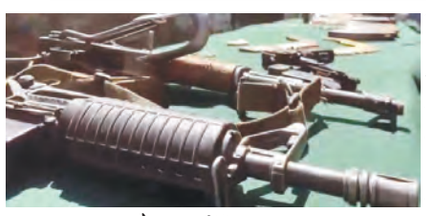

कठुआ, 16 अप्रैल (एजेंसियां)। सुफैन में ढ़ेर किए गए आतंकियों से बरामद हथियारों को कठुआ पुलिस ने राजबाग थाने में प्रदर्शित किया। एसएसपी कठुआ शोभित सक्सेना ने बताया कि आतंकियों के साथ पुलिस की चार जगह मुठभेड़ हुई। आप्रेशन में दो आतंकी मार गिराए गए और चार हमारे सिपाही शहीद हुए। इसके अतिरिक्त जगह जगह आतंकियों को घेरकर मुठभेड़ की गई । उन्होंने कहा कि आज भी आतंकी भाग रहे हैं हम इनके पीछे हैं। बताया कि ताजा घुसपैठ के बाद चार से पांच आतंकियों की जानकारी थी। दो को ढ़ेर कर दिया गया है, शेष बचे आतंकियों को भी ढ़ेर कर दिया जाएगा। उन्होंने बताया कि सुरक्षा को काफी बढ़ाया गया है। बार्डर से लेकर पहाड़ों तक निगरानी रखी जा रही है। विभिन्न सुरक्षाबल मिलकर काम कर रहे हैं। उन्होंने बताया कि आतंकियों से दो ए के हथियार और एक एम 4 के साथ भारी मात्रा में विस्फोटक भी बरामद हुए हैं। एसएसपी ने बताया कि सामान से यह यकीन किया जा सकता है कि गलत ईरादे से और लंबे समय तक टिकने की तैयारी कर आए थे। यह आतंकी अब बिना सामान और हथियारों के घूम रहे हैं। सेना, पुलिस और सीआरपीएफ मिलकर इनके खिलाफ अभियान चला रहे हैं। आतंकियों की कोई बड़ी योजना है, एक स्टेज नाकाम किया है। उन्होंने बताया कि आतंकियों से छोटे पैकेट में चिट्टा और नसवार भी मिले हैं। विस्फोटक से पता चलता है ज्यादा दहशत फैलाने और आईईडी लगाने के ईरादे से आए थे जिसे विफल किया गया है।

उन्होंने कहा कि आतंकी कहां हैं, हमें पता है किस इलाके में हैं, जल्द ही उन्हें भी ढ़ेर कर दिया जाएगा। उन्होंने आप्रेशन के दौरान आम लोगों से सुरक्षाबलों को मिल रहे सहयोग को भी सराहा। एसएसपी ने कहा कि घुसपैठ के पारंपरिक रूट अब एक्सपोज हो चुके हैं और इन्हें इन रास्तों से अब निकलने नहीं दिया जाएगा। बताया कि ओवरग्राउंड वर्करों के खिलाफ मामला दर्ज है। कुछ लोग चिन्हित किए गए हैं उनकी संलिप्तता जांची जा रही है। मददगारों को कतई बक्शा नहीं जाएगा।

जुमे को आधे दिन की छुट्टी स्कूलों को पड़ी भारी, मुख्य शिक्षा अधिकारी ने जारी की नोटिस; मांगा जवाब

श्रीनगर, 16 अप्रैल (एजेंसियां)। जुमे को आधे दिन की छुट्टी करने पर मुख्य शिक्षा अधिकारी ने तीन स्कूलों को नोटिस जारी कर एक दिन में जवाब मांगा है। जवाब न देने पर कार्रवाई की चेतावनी भी दी गई है। मुख्य शिक्षा अधिकारी की ओर से जारी सूचना में बताया गया है कि जेएनवी विशेष परीक्षा के सुचारू संचालन के लिए शुक्रवार को परीक्षा केंद्रों का औचक निरीक्षण किया गया था। निरीक्षण में पाया गया कि हजाद पब्लिक स्कूल अवंतीपोरा, डॉल्फिन इंटरनेशनल स्कूल टेंगपोना पुलवामा और दिल्ली मॉडर्न पब्लिक स्कूल क्रेंचू पंपोर पुलवामा में बच्चों को आधे दिन की छुट्टी दे दी गई थी।नोटिस में कहा गया है कि यह गंभीर लापरवाही है। सभी सरकारी और सरकारी मान्यता प्राप्त निजी संस्थानों से अपेक्षा की जाती है

अनुच्छेद 370 हटाने का फारूक अब्दुल्ला ने किया था समर्थन

किताब में दावे से जम्मू-कश्मीर में सियासी बवाल

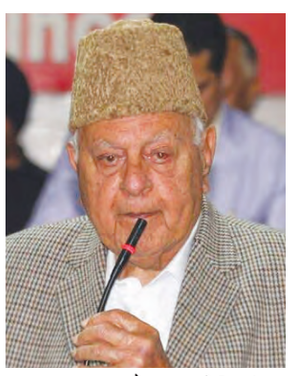

जम्मू, 16 अप्रैल (एजेंसियां)। कश्मीर पूर्व रॉ (रिसर्च एंड एनालिसिस विंग) प्रमुख ए एस दुल्लत की नई किताब में किए गए दावे ने जम्मू-कश्मीर में सियासी हलचल मचा दी है। किताब में कहा गया है कि जम्मू-कश्मीर के पूर्व मुख्यमंत्री और नेशनल कॉन्फ्रेंस (एनसी) के अध्यक्ष डॉ। फारूक अब्दुल्ला ने अनुच्छेद 370 को हटाने का 'गुप्त रूप से' समर्थन किया था। दुल्लत ने अपनी नई किताब द चीफ मिनिस्टर एंड द स्पाई में ये दावा किया है। कई विपक्षी नेताओं ने इसको लेकर तीखी प्रतिक्रिया दी है।

सज्जाद लोन ने क्या कहा?

पीपुल्स कॉन्फ्रेंस (पीसी) के अध्यक्ष और हंदवाड़ा के विधायक सज्जाद गनी लोन ने एक्स पोस्ट में कहा कि उन्हें इस खुलासे पर कोई आश्चर्य नहीं हुआ और 4 अगस्त, 2019 को मौजूदा मुख्यमंत्री और फारूक अब्दुल्ला की पीएम से मुलाकात उनके लिए कभी रहस्य नहीं रहा। उन्होंने कहा, दुल्लत साहब ने अपनी आने वाली किताब में खुलासा किया है कि फारूक साहब ने निजी तौर पर अनुच्छेद 370 को हटाने का समर्थन किया था। दुल्लत साहब के इस खुलासे से यह बात बहुत विश्वसनीय लगती है। दुल्लत साहब फारूक साहब के सबसे करीबी सहयोगी और मित्र हैं।" सज्जाद लोन ने कहा, "बेशक एनसी इससे इनकार करेगी। इसे एनसी के खिलाफ एक और साजिश कहा जाएगा। विक्टिम कार्ड खेलने में माहिर हैं। उनके विधायक निजी तौर पर विपक्ष के नेता सुनील शर्मा से मिलेंगे और उन्हें बताएंगे कि वे कुंभ मेले में बिछड़े भाई हैं।"

इल्तिजा मुफ्ती का निशाना

पीपुल्स डेमोक्रेटिक पार्टी (पीडीपी) की नेता और महबूबा मुफ्ती की बेटी इल्तिजा मुफ्ती ने कहा कि यह स्पष्ट है कि फारूक अब्दुल्ला ने जम्मू-कश्मीर के संविधान को खत्म करने और उसके बाद विश्वासघात को सामान्य बनाने में मदद करने के लिए संसद के बजाय कश्मीर में रहना चुना। उन्होंने एक्स पर लिखा, दुल्लत साहब, जो अब्दुल्ला के समर्थक हैं, ने साझा किया है कि कैसे फारूक साहब दिल्ली के अनुच्छेद 370 को निरस्त करने के अवैध कदम से सहमत थे। जम्मू-कश्मीर का विशेष दर्जा समाप्त किए जाने से पहले अब्दुल्ला और पीएम के बीच क्या हुआ, इस पर पहले से ही संदेह था।" बता दें कि 5 अगस्त 2019 को मोदी सरकार ने जम्मू-कश्मीर से अनुच्छेद 370 खत्म करने का ऐलान किया था। साथ ही जम्मू-कश्मीर को दो भागों लद्दाख और जम्मू-कश्मीर में बांटते हुए दोनों को केंद्र शासित प्रदेश घोषित किया। केंद्र सरकार का कहना है कि उचित समय पर जम्मू-कश्मीर को पूर्ण राज्य का दर्जा दिया जाएगा।

राजकोट में ट्रैफिक सिग्नल पर बस ने कई वाहनों को मारी टक्कर

पैदल यात्रियों को भी कुचला; तीन की मौत

राजकोट, 16 अप्रैल (एजेंसियां)। गुजरात के राजकोट शहर में बुधवार सुबह स्थानीय नगर निगम की ओर से संचालित तेज रफ्तार बस ने ट्रैफिक सिग्नल पर कई वाहनों और पैदल यात्रियों को कुचल दिया। इस दौरान तीन लोगों की मौत हो गई और दो अन्य घायल हो गए। सीसीटीवी फुटेज में इलेक्ट्रिक बस को व्यस्त ट्रैफिक सिग्नल पर दोपहिया और कारों सहित वाहनों को टक्कर मारते हुए देखा जा सकता है। पुलिस उपायुक्त (जोन -2) जगदीश भांगरवा ने बताया कि राजकोट नगर निगम (आरएमसी) की ओर से संचालित एक इलेक्ट्रिक सिटी बस ने ट्रैफिक सिग्नल पर कई लोगों को कुचल दिया। इस दौरान बस ने कई चारपहिया और दोपहिया वाहनों को भी टक्कर मार दी। दुर्घटना में तीन लोगों की मौत हो गई और दो अन्य घायल हो गए। बस ने दोपहिया और चार पहिया वाहनों के साथ-साथ पैदल यात्रियों सहित कई वाहनों को चपेट में लिया। गांधीग्राम पुलिस थाने की इंस्पेक्टर सेजल मेघानी ने बताया कि यह दुर्घटना सुबह करीब 10 बजे इंदिरा सर्किल पर हुई। गुस्साई भीड़ ने बस में तोड़फोड़ की। जब बस दुर्घटनास्थल से कुछ दूरी पर रुकी तो लोगों ने इसे घेर लिया और जमकर बस पर पत्थर बरसाए। अधिकारियों ने बताया कि भीड़ को तितर-बितर करने के लिए पुलिस ने लाठीचार्ज किया। बस चालक को हिरासत में ले लिया गया है और आगे की जांच जारी है।

एससी: आरएसएस नेता हत्याकांड में पीएफआई सदस्यों की जमानत के खिलाफ एनआईए की याचिका खारिज, विशेष कोर्ट जाने को कहा

पलक्कड़, 16 अप्रैल (एजेंसियां)। केरल के पलक्कड़ में आरएसएस नेता श्रीनिवासन की हत्या मामले में आरोपियों को दी गई जमानत के खिलाफ दायर याचिका सुप्रीम कोर्ट ने खारिज कर दी। कोर्ट ने याचिकाकर्ताओं को विशेष अदालत या हाईकोर्ट जाने के लिए कहा। केरल हाईकोर्ट ने 2022 में हुई आरएसएस नेता की हत्या के मामले में पॉपुलर फ्रंट ऑफ इंडिया (पीएफआई) के 17 सदस्यों को सशर्त जमानत दे दी थी। जमानत के खिलाफ एनआईए ने सुप्रीम कोर्ट में याचिका दायर की। न्यायमूर्ति अभय एस ओका और न्यायमूर्ति एन कोटिश्वर सिंह की पीठ ने कहा कि आरोपी को जमानत देने का केरल उच्च न्यायालय का आदेश एक साल पुराना है और यदि जमानत की शर्तों का उल्लंघन किया जाता है तो हाईकोर्ट को जमानत रद्द करने का अधिकार है। पीठ ने कहा कि आदेश के अंतिम भाग में उच्च न्यायालय ने याचिकाकर्ताओं को जमानत रद्द करने के लिए विशेष अदालत में आवेदन करने की स्वतंत्रता दी है। इसलिए याचिकाकर्ता इन याचिकाओं में दायर हलफनामों में बताए गए आधारों पर जमानत रद्द करने के लिए विशेष अदालत में आवेदन कर सकते हैं। विशेष अदालत इसके लिए ठीक होगी। पीठ ने कहा कि एजेंसी आरोपी के खिलाफ सामग्री पेश करके जमानत देने की शर्तों के उल्लंघन के बारे में विशेष अदालत को संतुष्ट कर सकती है। कोर्ट ने कहा कि हम विशेष अनुमति याचिकाओं पर विचार करने से इनकार करते हैं और याचिकाकर्ताओं को जमानत रद्द करने के लिए विशेष अदालत/उच्च न्यायालय में जाने की स्वतंत्रता देते हैं। यदि याचिकाकर्ता की अपील विशेष अदालत/उच्च न्यायालय में सफल नहीं होती है तो याचिकाकर्ताओं के पास विकल्प खुले हैं। हम स्पष्ट करना चाहते हैं कि जब भी जमानत रद्द करने के लिए आवेदन किया जाएगा तो विशेष अदालत या उच्च न्यायालय इस पर जोर नहीं देंगे कि सुप्रीम कोर्ट ने याचिकाओं पर विचार करने से इनकार कर दिया है। एनआईए की ओर से पेश अतिरिक्त सॉलिसिटर जनरल राजा ठाकरे ने जमानत रद्द करने की मांग की और कहा कि आरोपियों ने जमानत की शर्तों का उल्लंघन किया है और गवाहों से संपर्क किया है।

बता दें कि केरल हाईकोर्ट ने 25 जून को पॉपुलर फ्रंट ऑफ इंडिया (पीएफआई) के 17 आरोपियों को राहत दी थी। ये सभी राज्य और देश के अन्य हिस्सों में सांप्रदायिक हिंसा भड़काने के आरोप में मुकदमे का सामना कर रहे हैं। 26 आरोपियों में से 17 को जमानत देते हुए हाईकोर्ट ने कड़ी शर्तें लगाईं थीं। इसमें जांच अधिकारी के साथ अपने सेलफोन नंबर और वास्तविक समय के जीपीएस लोकेशन को साझा करना शामिल है। इसके अलावा, आरोपियों को केरल न छोड़ने, अपने पासपोर्ट जमा करने और अपने सेलफोन को चौबीसों घंटे चार्ज और चालू रखने का आदेश दिया गया था। पीठ ने 17 आरोपियों को विशेष अदालत के समक्ष पेश होने का निर्देश भी दिया और कहा था कि विशेष अदालत आवश्यक समझे तो इन्हें शर्तों पर जमानत पर रिहा कर सकती है। प्रारंभ में 16 अप्रैल, 2022 को श्रीनिवासन की हत्या के सिलसिले में 51 लोगों को आरोपी बनाया गया था। पकड़े गए लोगों में से एक की मौत हो गई और सात अन्य को गिरफ्तार नहीं किया जा सका, क्योंकि वे फरार हो गए थे। शेष के खिलाफ जुलाई और दिसंबर, 2022 में दो चरणों में आरोपपत्र दाखिल किए गए थे।

जम्मू-कश्मीर में भूकंप के झटके, दहशत में घर से बाहर निकले लोग, 2.4 रही तीव्रता

जम्मू, 16 अप्रैल (एजेंसियां)।

कश्मीर के लोगों ने बुधवार को सुबह भूकंप के झटके महसूस किए। राष्ट्रीय भूकंप विज्ञान केंद्र (एनसीएस) ने बताया कि बुधवार सुबह जम्मू और कश्मीर के किश्तवाड़ जिले में 2.4 तीव्रता का भूकंप आया। एनसीएस द्वारा एक्स पर साझा की गई पोस्ट के अनुसार, भूकंप भारतीय मानक समय (आईएसटी) के अनुसार सुबह करीब 5:14 बजे अक्षांश 33.18 एन और देशांतर 75.89 ई पर आया। भूकंप की गहराई 5 किमी बताई गई है।

दिल्ली एनसीआर में भी महसूस हुए भूकंप के झटके

बुधवार की सुबह अफगानिस्तान के हिंदू कुश क्षेत्र में 5.9 की तीव्रता का भूकंप आया, जिसके झटके तिब्बत और बांग्लादेश समेत भारत के जम्मू कश्मीर में महसूस किए गए। नेशनल सेंटर फॉर सीस्मोलॉजी (एनसीएस) की रिपोर्ट के अनुसार, भूकंप आज सुबह 04:43 बजे आया था, जो 75 किलोमीटर की गहराई पर आया। इसके अलावा, बुधवार की सुबह अफगानिस्तान और बांग्लादेश में क्रमशः 5.9 और 2.9 तीव्रता के भूकंप आए। इसके झटके दिल्ली एनसीआर तक महसूस किए गए।

THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH

स्वतंत्र वार्ता

मेरा हैदराबाद

युविचार

एक दीपक जिस तरह अंधकार को दूर करता है आप भी जीवन में रोशनी लाने का प्रयास करे ।

आईएएस अधिकारी स्मिता सभरवाल को नोटिस

गच्चीबावली पुलिस ने कांचा गच्चीबावली भूमि विवाद जांच में दी नोटिस

हैदराबाद, 16 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। गच्चीबावली पुलिस ने वरिष्ठ आईएएस अधिकारी स्मिता सभरवाल को नोटिस जारी कर उनसे कांचा गच्चीबावली विवादित भूमि मामले से जुड़ी कोई भी जानकारी बुधवार को जांच अधिकारियों के साथ साझा करने का आग्रह किया है। हालांकि, अधिकारी की ओर से कोई प्रतिक्रिया नहीं मिलने के कारण पुलिस उन्हें दूसरी बार नोटिस भेजने की योजना बना रही है।

नोटिस में पुलिस ने कहा कि सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर छेड़छाड़ और संपादित क्लिप, वीडियो और छवियों को साझा करके फर्जी खबरें फैलाने से संबंधित मामला पहले से ही जांच के दायरे में था, यह पाया गया है कि अधिकारी ने अपने सत्यापित एक्स अकाउंट पर कुछ सामग्री को फिर से पोस्ट किया था।

नोटिस में कहा गया है कि आप मामले के तथ्यों और परिस्थितियों से परिचित हैं, इसलिए आप अपनी पसंद के स्थान पर जांच अधिकारी के समक्ष उपस्थित होकर इस संबंध में आपके पास उपलब्ध कोई भी जानकारी प्रदान कर सकते हैं। हालाँकि, उनकी ओर से कोई जवाब नहीं मिलने पर पुलिस एक और नोटिस जारी करने की योजना बना रही है। गच्चीबावली के एक पुलिस अधिकारी ने कहा कि हमें पहले भेजे गए नोटिस का कोई जवाब नहीं मिला। हम अधिकारी को एक और नोटिस जारी कर सकते हैं, जिसमें उसे अपनी पसंद की जगह पर पुलिस अधिकारियों के सामने पेश होने के लिए कहा जाएगा, ताकि उसके पास मौजूद कोई भी जानकारी उसके साथ साझा की जा सके।

बीआरएस ने सुप्रीम कोर्ट के निर्देशों का किया स्वागत

कांचा गच्चीबावली भूमि में वन्यजीवों और वृक्षों के संरक्षण के लिए दिया है निर्देश

हैदराबाद, 16 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। भारत राष्ट्र समिति (बीआरएस) ने बुधवार को कांचा गच्चीबावली में जंगल को बहाल करने और क्षेत्र में वन्यजीवों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए सुप्रीम कोर्ट के निर्देश की सराहना की और इसे तेलंगाना में पर्यावरण संरक्षण प्रयासों के लिए एक बड़ी जीत बताया। तेलंगाना सरकार के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट की कड़ी टिप्पणियों पर प्रतिक्रिया देते हुए बीआरएस के कार्यकारी अध्यक्ष केटी रामा राव ने कहा कि यह आदेश पर्यावरणविदों और बीआरएस द्वारा कांचा गाचीबोवली जंगल में बड़े पैमाने पर पेड़ों की कटाई पर उठाई गई चिंताओं को सही साबित करता है। उन्होंने उम्मीद जताई कि रेवंत रेड्डी सरकार खुद को मूर्ख नहीं बनाएगी।

उन्होंने एक बयान में कहा कि बीआरएस सुप्रीम कोर्ट के निर्देशों का तहे दिल से स्वागत करता है। हमें उम्मीद है कि यह मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी और कांग्रेस सरकार के लिए एक चेतावनी होगी कि वे पर्यावरण की हत्या करके बच नहीं सकते। हैदराबाद विश्वविद्यालय (यूओएच) के छात्रों और शिक्षकों को धन्यवाद देते हुए, जिन्होंने बेजुबान पेड़ों और वन्यजीवों के लिए आवाज़ उठाई, पूर्व मंत्री ने 400 एकड़ के जंगल की रक्षा के लिए उनके अथक प्रयासों का श्रेय दिया। उन्होंने हैदराबाद के हरित आवरण के लिए आवाज़ उठाने वाले सभी नागरिकों को भी धन्यवाद दिया।

रामा राव ने सुप्रीम कोर्ट द्वारा नियुक्त केंद्रीय अधिकार प्राप्त समिति (सीईसी) की रिपोर्ट का भी स्वागत किया, जिसमें कांचा गाचीबोवली की जमीन को एक निजी पार्टी को गिरवी रखने में संभावित वित्तीय धोखाधड़ी का उल्लेख किया गया है।

उन्होंने कहा कि यह बीआरएस पार्टी के इस आरोप को पुष्ट करता है कि मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी 10,000 करोड़ रुपये के घोटाले के केंद्र में हैं और उन पर राज्य के वन और वन्यजीवों के खिलाफ 'खलनायक नंबर 1' बनने का आरोप लगाया।

19 अप्रैल से अनिश्चितकालीन हड़ताल की घोषणा

हैदराबाद, 16 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। अपनी सेवाओं को नियमित करने की मुख्य मांग के साथ, तेलंगाना विश्वविद्यालय अनुबंध सहायक प्रोफेसर संयुक्त कार्रवाई समिति ने 19 अप्रैल से अनिश्चितकालीन हड़ताल की घोषणा की है और बुधवार को यहां धरना चौक पर महाधरना आयोजित करने का फैसला किया है। 12 विश्वविद्यालयों के अनुबंध शिक्षक इस विरोध प्रदर्शन में हिस्सा लेंगे। इसमें टी हरीश राव (बीआरएस), ईटाला राजेंद्र (भाजपा), आर. कृष्णैया (बीसीडब्ल्यूए), कुनम नेनी संबाशिवा राव (सीपीआई), जॉन वेस्ले (सीपीएम), एमएलसी टीनमार मल्लन्ना और जजुला श्रीनिवास गौड़, प्रो. हरगोपाल, न्यायमूर्ति सुदर्शन रेड्डी और अन्य राजनीतिक नेता भाग लेंगे।

इस बीच, जेएसी के आह्वान पर 12 विश्वविद्यालयों के अनुबंध शिक्षण कर्मचारियों ने अपने-अपने प्रशासनिक भवनों पर विरोध प्रदर्शन किया तथा कुलपतियों को 19 अप्रैल से होने वाली अनिश्चितकालीन हड़ताल के बारे में नोटिस दिया। जेएसी सदस्य डॉ. धर्मतेजा, डॉ. परसुराम, डॉ. उपेन्द्र, डॉ. कुमार, डॉ. विजयेंदर रेड्डी, डॉ. ओ. कृष्णैया, डॉ. तिरूपति, डॉ. पांडेय्या, डॉ. तल्लापल्ली वेंकटेश्वरलु, डॉ. रेशमा रेड्डी और अन्य ने विरोध प्रदर्शन में भाग लिया।

सुप्रीम कोर्ट के आदेश ने सरकार को आईना दिखाया : हरीश राव

हैदराबाद, 16 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। पूर्व मंत्री और वरिष्ठ बीआरएस विधायक टी हरीश राव ने कांचा गचीबोवली मामले में सुप्रीम कोर्ट के निर्देशों को तेलंगाना में कांग्रेस सरकार की मूर्खतापूर्ण कार्रवाइयों के लिए मुंह पर करारा तमाचा करार दिया। उन्होंने कहा कि सुप्रीम कोर्ट की टिप्पणियों, खासकर छुट्टियों के दौरान बुलडोजर के इस्तेमाल पर उसकी निंदा ने रेवंत रेड्डी सरकार द्वारा जानबूझकर और खतरनाक तरीके से पर्यावरण को नष्ट करने की पोल खोल दी है। उन्होंने कहा कि ये निर्देश उस सरकार के मुंह पर तमाचा है, जिसने विकास की आड़ में हैदराबाद को उसकी हरियाली से वंचित करने की कोशिश की।

स्कूल के पीने के पानी में ज़हर मिलाने के आरोप में एक गिरफ्तार

आदिलाबाद, 16 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। इचोदा मंडल के धर्मपुरी गांव में एक प्राथमिक विद्यालय में मध्याह्न भोजन रसोई में खाना पकाने के लिए इस्तेमाल किए जाने वाले पानी में कथित रूप से जहर मिलाने के आरोप में बुधवार को एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया गया। पुलिस अधीक्षक अखिल महाजन ने एक बयान में कहा कि धर्मपुरी गांव के एक व्यक्ति सोयम किष्टू को मध्याह्न भोजन के पानी में जहर मिलाने के आरोप में गिरफ्तार किया गया है। पूछताछ के दौरान, किष्टू ने अपराध कबूल कर लिया क्योंकि वह पारिवारिक विवादों के कारण अवसाद में था। उसने खाना पकाने के लिए पीने के पानी में कीटनाशक मिलाना स्वीकार किया जो निर्मल में अपने भाई के घर से लाया गया था। उसने खुलासा किया कि उसने रसोई का ताला तब तोड़ा जब स्कूल दो दिनों के लिए बंद था। स्कूल की शिक्षिका प्रतिभा ने मंगलवार को स्कूल परिसर में कीटनाशक की खाली बोतलें मिलने के अलावा पानी में कीटनाशक मिला होने की बात पता चलने पर पुलिस में शिकायत दर्ज कराई। अगर मिड-डे मील का सेवन करते तो करीब 30 छात्रों की जान को खतरा हो सकता था।

केसीआर की कांग्रेस सरकार गिराने की कोई योजना नहीं: कमलाकर

करीमनगर, 16 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। करीमनगर के विधायक गंगुला कमलाकर ने स्पष्ट किया कि न तो बीआरएस और न ही इसके अध्यक्ष के चंद्रशेखर राव की राज्य सरकार को गिराने की कोई योजना है। लोगों ने कांग्रेस पार्टी को पांच साल के लिए राज्य में शासन करने के लिए चुना है। बीआरएस भी चाहती है कि कांग्रेस पांच साल तक सत्ता में रहे और जनता को बेहतर सुविधाएं प्रदान करे। बुधवार को करीमनगर ग्रामीण मंडल में धान क्रय केंद्रों का उद्घाटन करने के बाद कमलाकर ने कहा कि सरकार गिराने की कोई योजना नहीं है। हो सकता है कि कुछ कांग्रेस विधायकों की ऐसी योजना हो।

कमलाकर ने बताया कि बीआरएस सरकार के दौरान रियल एस्टेट का कारोबार खूब फला-फूला था। उन्होंने बताया कि मुंबई, दिल्ली और विदेशों से भी रियल एस्टेट कारोबारियों ने हैदराबाद में पैसा लगाया था। हालांकि, कांग्रेस पार्टी के सत्ता में आने के बाद रियल एस्टेट सेक्टर में मंदी आ गई। रियल एस्टेट कंपनियां निवेश के लिए आगे नहीं आ रही हैं क्योंकि उन्हें कांग्रेस सरकार और मुख्यमंत्री ए रेवंत रेड्डी पर भरोसा नहीं है । उन्होंने कहा कि अगर सरकार ने तोड़फोड़ की और चंद्रशेखर राव को गाली देना जारी रखा तो कारोबारी निवेश करने की हिम्मत नहीं करेंगे। अलग राज्य की स्थापना करने वाले चंद्रशेखर राव चाहते थे कि लोग हमेशा खुश रहें, जैसा कि बीआरएस के शासनकाल में था। अगर रेवंथ रेड्डी बीआरएस अध्यक्ष के पदचिन्हों पर चलते तो राज्य के लोग खुश होते। लेकिन ऐसा नहीं हो रहा था और लोगों ने सरकार के खिलाफ विद्रोह करना शुरू कर दिया था।

कांग्रेस नेताओं ने सोनिया, राहुल गांधी पर ईडी चार्जशीट के खिलाफ विरोध प्रदर्शन किया

हैदराबाद, 16 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। नेशनल हेराल्ड मामले के संबंध में सोनिया गांधी और राहुल गांधी के खिलाफ ईडी चार्जशीट में नाम शामिल किए जाने के विरोध में, तेलंगाना प्रदेश कांग्रेस कमेटी (टीपीसीसी) के अध्यक्ष और एमएलसी महेश कुमार गौड़ के नेतृत्व में बुधवार को यहां एक विशाल रैली का आयोजन किया गया। यह रैली शहर में एमएलए क्वार्टर से बीएसएनएल भवन तक आयोजित की गई, जिसमें आरोप लगाया गया कि प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने नेशनल हेराल्ड मामले में गांधी परिवार के खिलाफ केवल केंद्र सरकार के इशारे पर आरोप पत्र दायर किया था, जो देश में विपक्ष की आवाज को दबाना चाहती थी। टीपीसीसी अध्यक्ष महेश कुमार गौड़ ने कहा कि नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाली सरकार कांग्रेस पार्टी के नेताओं सोनिया गांधी और राहुल गांधी की छवि खराब करने की कोशिश कर रही है क्योंकि वह देश भर में नेताओं की बढ़ती लोकप्रियता को पचा नहीं पा रही है। उन्होंने केंद्र सरकार के प्रति अपनी नाराजगी व्यक्त करते हुए कहा कि केंद्र में भाजपा को सत्ता में आए एक दशक हो गया है। टीपीसीसी प्रमुख ने बताया कि ईडी द्वारा लाए गए लगभग 95 प्रतिशत मामले विपक्षी नेताओं के खिलाफ हैं। "2014 से, दर्ज किए गए हर 100 मामलों में से लगभग 95 में विपक्षी दल शामिल हैं। ईडी आरोप पत्र दायर कर रही है जिसमें विपक्षी सदस्यों के नाम प्रमुखता से हैं। भाजपा सीबीआई और ईडी को विपक्षी नेताओं और वरिष्ठ हस्तियों को गलत तरीके से निशाना बनाने के लिए साधन के रूप में इस्तेमाल कर रही है," महेश कुमार गौड़ ने दावा किया। कांग्रेस पार्टी के कार्यकर्ताओं ने काले झंडे के साथ बड़े पैमाने पर रैली में भाग लिया और भाजपा और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के खिलाफ नारे लगाए।

अनुसूचित जाति आरक्षण पर अध्यादेश जारी करने के लिए चंद्रबाबू की सराहना की

हैदराबाद, 16 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। एमआरपीएस के संस्थापक महासचिव कृपाकर मदिगा ने आज आंध्र प्रदेश मंत्रिपरिषद द्वारा बुधवार को अनुसूचित जाति आरक्षण के वर्गीकरण के लिए अध्यादेश जारी करने के निर्णय पर प्रसन्नता व्यक्त की। इस अवसर पर कृपाकर ने मुख्यमंत्री चंद्रबाबू नायडू का आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि यह वह दिन है जिसका कई वर्षों से इंतजार था, कृपाकर मदीगा ने अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति के छात्रों और बेरोजगार लोगों से इस वर्गीकरण अध्यादेश द्वारा प्रदान की गई शिक्षा और नौकरी के अवसरों का लाभ उठाने का आह्वान किया। हम राजीव रंजन मिश्रा आयोग और राज्य सरकार से अपील करते हैं कि वे वर्गीकरण पर राजीव रंजन मिश्रा आयोग द्वारा अनुशंसित रोस्टर प्वाइंट सिस्टम को तुरंत संशोधित करें, जो कि सबसे पिछड़ी एससी जातियों के अधिमान्य उपचार पर सुप्रीम कोर्ट के फैसले की भावना के खिलाफ है और इसे तुरंत संशोधित करें ताकि पहला समूह, रेल्ली संबद्ध जातियां, एक प्रतिशत, दूसरा समूह, माडिगा संबद्ध जातियां, सात प्रतिशत और तीसरा समूह, माला संबद्ध जातियां, सात प्रतिशत प्राप्त करें। कृपकर ने इस अवसर पर अपनी चिंता व्यक्त की कि यदि इसमें संशोधन नहीं किया गया, तो माडिगाओं को उनके साथ हो रहे अन्याय के लिए न्याय मांगने के लिए उच्च न्यायालय की सीढ़ियां चढ़नी पड़ेंगी। उन्होंने कहा कि इस अध्यादेश के कार्यान्वयन के पीछे कई एमआरपीएस कार्यकर्ताओं का बलिदान है। हजारों कार्यकर्ताओं और नेताओं द्वारा दशकों से किए गए प्रयास और बलिदान हैं, जिन्होंने अपना करियर, नौकरी और रोजगार के अवसर खो दिए हैं सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि यह मदिगा लोगों का है, जो अनुसूचित जातियों में खानाबदोश और अर्ध-खानाबदोश जातियों से संबंधित हैं। 1997 में तत्कालीन चंद्रबाबू नायडू सरकार ने वर्गीकरण की रक्षा के लिए सुप्रीम कोर्ट में विशेष अनुमति याचिका दायर की थी। अगर मंदाकृष्णा, जो एका वहीदार के नाम से थे, ने तत्कालीन सरकार पर इस याचिका को वापस लेने का दबाव नहीं डाला होता, तो मदिगाओं के साथ न्याय हो जाता। मदिगाओं और उनकी संबद्ध जातियों को इतने दशकों का समय और बलिदान नहीं देना पड़ता। मदिगाओं को लाभार्थी होने के बजाय लगातार विपक्ष में रखा जाता है, जिससे वर्गीकरण का मुद्दा एक अंतहीन कहानी बन जाता है और वे एक ही स्थान पर अपना जीवन यापन करते हैं।"

जेईई मेन सेशन-2 की प्रारंभिक उत्तर कुंजी में कथित त्रुटियों पर एनटीए करेगा कार्रवाई

हैदराबाद, 16 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। संयुक्त प्रवेश परीक्षा (जेईई) मुख्य सत्र-2 की प्रारंभिक उत्तर कुंजी में छात्रों और विशेषज्ञों द्वारा त्रुटियों को चिन्हित किए जाने के बाद, राष्ट्रीय परीक्षण एजेंसी (एनटीए) द्वारा विवादित प्रश्नों के साथ ऐसा किए जाने की संभावना है।

2, 3, 4, 7 और 8 अप्रैल को आयोजित जेईई मेन सेशन-2 की प्रारंभिक उत्तर कुंजी जारी होने के बाद छात्रों को नौ प्रश्नों में गलतियाँ मिली हैं। उन्होंने इन प्रश्नों को हटाने का सुझाव दिया है। नियमों के अनुसार, परीक्षा आयोजित करने वाली एनटीए प्रारंभिक उत्तर कुंजी पर छात्रों द्वारा उठाई गई आपत्तियों पर विचार करने के लिए विषयवार विशेषज्ञों की एक समिति का गठन करती है। यदि समिति को विवादित प्रश्न गलत, अस्पष्ट या गलत उत्तर कुंजी लगता है, तो वह एनटीए को उस प्रश्न को हटाने की सिफारिश करेगी।

ऐसे परिदृश्य में, जिस सत्र में गलत/अस्पष्ट प्रश्न आया था, उस सत्र में परीक्षा देने वाले अभ्यर्थियों को पूरे अंक दिए जाएँगे। इसका मतलब यह है कि यदि कोई प्रश्न छोड़ दिया जाता है, तो छात्र को चार पूर्ण बोनस अंक मिलेंगे। इससे कोई फर्क नहीं पड़ता कि अभ्यर्थी ने उस प्रश्न का प्रयास किया था या नहीं। जेईई मेन पेपर-I (बीई/बीटेक) में गणित, भौतिकी और रसायन विज्ञान विषयों से 25-25 प्रश्न सहित कुल 75 प्रश्न होंगे, जिनकी कुल संख्या 300 होगी। यदि कोई प्रश्न हटा दिया जाता है, तो प्रश्नों की संख्या 74 हो जाती है, लेकिन फिर भी अभ्यर्थी को 300 में से अंक दे दिया जाता है। हटाए गए प्रश्न के अंक, परीक्षा के उस सत्र में उपस्थित होने वाले विद्यार्थियों के कुल अंकों में जोड़ दिए जाते हैं। चूंकि जेईई मेन परीक्षा अलग-अलग प्रश्नपत्रों के साथ कई सत्रों में आयोजित की जाती है, इसलिए बोनस जोड़ने के बाद छात्रों द्वारा प्राप्त कच्चे अंकों को प्रतिशत विधि का उपयोग करके सामान्यीकृत किया जाता है। प्रतिशत अंक की गणना उस विशेष सत्र में परीक्षा के लिए उपस्थित होने वाले सभी उम्मीदवारों के सापेक्ष प्रदर्शन के आधार पर की जाती है।

उदाहरण के लिए, यदि सत्र I में किसी छात्र को बोनस अंक मिले हैं, तो उसकी तुलना केवल सत्र I में उपस्थित अन्य छात्रों से की जाती है। इसी तरह, यदि सत्र II के छात्रों को कोई बोनस अंक नहीं मिला है, तो उनकी तुलना सत्र II के छात्रों से की जाती है। श्री चैतन्य जूनियर कॉलेज की अखिल भारतीय आईआईटी समन्वयक उमा शंकर ने कहा कि सामान्यीकरण हो चुका है और प्रतिशत अंक दे दिए गए हैं, इसलिए छात्रों को अपने अंकों के बारे में चिंता करने की आवश्यकता नहीं है। रिपोर्ट के अनुसार, एनटीए ने जेईई मेन 2025 सत्र I की अंतिम उत्तर कुंजी से त्रुटियों के कारण 12 प्रश्न हटा दिए हैं। हाल के वर्षों में हटाए गए प्रश्नों की यह सबसे अधिक संख्या थी।

चेहरे से पहचान की प्रक्रिया अपनाने का निर्देश

एनएमसी ने सभी मेडिकल कॉलेजों को दिए निर्देश

हैदराबाद, 16 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। देश में चिकित्सा शिक्षा के नियामक प्राधिकरण, राष्ट्रीय चिकित्सा आयोग (एनएमसी) ने बुधवार को सभी मेडिकल कॉलेज और संस्थानों को निर्देश दिया कि 1 मई, 2025 से उपस्थिति दर्ज करने के लिए चेहरे पर आधारित आधार प्रमाणीकरण अपनाया जाए।

वर्तमान में, देश के सभी निजी/सरकारी मेडिकल कॉलेज एईबीएएस (आधार समर्थित बायोमेट्रिक उपस्थिति प्रणाली) प्रणाली के माध्यम से संकाय और कर्मचारियों की उपस्थिति दर्ज कर रहे हैं। एनएमसी ने बुधवार को एक अधिसूचना में कहा कि नवीनतम प्रौद्योगिकी का लाभ उठाने और उपस्थिति प्रक्रिया को उपयोगकर्ता के अनुकूल बनाने के लिए, एनएमसी ने 1 मई से उपस्थिति दर्ज करने के लिए पूरी तरह से चेहरे पर आधारित आधार प्रमाणीकरण को अपनाने का निर्णय लिया है। यूआईडीएआई आरडी (पंजीकृत डिवाइस) के साथ चेहरा आधारित आधार प्रमाणीकरण वर्तमान में राष्ट्रीय सूचना विज्ञान केंद्र (एनआईसी) के माध्यम से विभिन्न सरकारी कार्यालयों में उपयोग में है। चेहरा-आधारित एईबीएएस उपस्थिति रिकॉर्डिंग प्रणाली को सुचारू रूप से लागू करने के लिए, मेडिकल कॉलेजों को अपने जीपीएस स्थान को एनएमसी के साथ साझा करने का निर्देश दिया गया है, जिससे कॉलेज में दिए गए जीपीएस स्थान के 100 मीटर के दायरे में उपस्थिति दर्ज करना संभव हो सकेगा।

विहिप प्रतिनिधिमंडल ने तेलंगाना डीजीपी से मुलाकात की

हैदराबाद, 16 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। विहिप नेताओं के एक प्रतिनिधिमंडल ने आज राज्य के डीजीपी डॉक्टर जितेन्द्र से मुलाकात की और उनसे राज्य को मुस्लिम चरमपंथी संगठनों के खतरे से बचाने के लिए कदम उठाने का आग्रह किया, जो वक्फ बोर्ड (संशोधन) अधिनियम का विरोध करने की आड़ में हिंदुओं पर हमला करने की साजिश कर रहे हैं। अपने ज्ञापन में नेताओं ने दावा किया कि तेलंगाना भर के मदरसों और मस्जिदों में बड़ी संख्या में संदिग्ध व्यक्ति रह रहे हैं। मुस्लिम चरमपंथी संगठनों को विरोध प्रदर्शन करने की अनुमति न दें। लाखों करोड़ रुपये की वक्फ संपत्ति लूटने वाला ओवैसी परिवार हैदराबाद में सांप्रदायिक झड़पें पैदा करने की कोशिश कर रहा है। एमआईएम नेता तेलंगाना में सांप्रदायिकता भड़का रहे हैं। तेलंगाना भर में बांग्लादेशी और रोहिंग्या मुसलमानों के खिलाफ कार्रवाई करें। हैदराबाद में आईएसआईएस के झंडे फहराने वालों के खिलाफ कार्रवाई करें। इस अवसर पर एक ज्ञापन डीजीपी को सौंपा गया। डीजीपी से मिलने वालों में विहिप की राष्ट्रीय प्रवक्ता डॉ. रविनुतला शशिधर, विहिप की प्रदेश उपाध्यक्ष डॉ. सुनीता रेड्डी, विहिप के राष्ट्रीय मठ मंदिर विभाग संयोजक एम. रामाराजू मौजूद थे।

दक्षिण मध्य रेलवे

हमें @SCRailwayindia पर फॉलो करें. द.म. रेलवे की विविदा सूचनाओं के विवरणों को हमारी वेबसाइट : www.scr.indianrailways.gov.in पर देखा जा सकता है

नं. जीएनटी/सी. ई-आक्शन कैटलाग/2024-25 दि.16.04.2025
ई नीलामी लीजिंग माध्यम से प्रदान, गैर-किराया राजस्व संविदाओं हेतु गुंटूर डिवीजन की संयुक्त मासिक सूची

भारत के राष्ट्रपति की ओर से, वरिष्ठ विभागीय वाणिज्यिक प्रबंधक, दक्षिण मध्य रेलवे(दमरे), गुंटूर डिवीजन द्वारा आईआरइपीएस के वेब पोर्टल के ई-नीलामी लीजिंग माड्यूल के माध्यम से ई-बोलियां (ई-बिड्स) आमंत्रित हैं। तत्संबंधित कैटलाग्ज का विवरण निम्न प्रकार है।

वाणिज्यिक प्रचारः -

क्रम सं.	संविदा का प्रकार -	स्टेशन/लोकेशन/रेक लिन्क-	संविदा या ठेका अवधि	ईएमडी रु	नीलामी शुरू होने की तिथि व समय
1	गुंटूर डिवीजन के रेलवे स्टेशनों पर प्रधानमंत्री भारतीय जन औषधि केंद्रों का संचालन	गुंटूर	3 वर्ष	50,000	दि.9-5-2025 के दोप.12.00 बजे
2		नन्द्याल			
3		नलगोण्डा			

ई-निविदाओं में भाग लेने के लिए, निविदादाताओं को, अनिवार्य रूप से डिजीटल सिग्नेचर सर्टिफिकेट प्राप्त करना होगा तथा उन्हें, आईआरइपीएस के ई नीलामी लीजिंग में पंजीकरण होगा। आईआरइपीएस के वेब पोर्टल के वेबसाइटः www.ireps.gov.in के मैन्युएल एवम् दिशा-निर्देशों के तहत ई नीलामी लीजिंग में पंजीकरण तथा सहभागिता के लिए, तत्संबंधित पूर्व आवश्यकताएं, उपलब्ध है। निविदादाता को, जब कभी भी अधोहस्ताक्षरी कार्यालय में बुलाए जानेपर, तत्संबंधित आवश्यक दस्तावेजों को प्रस्तुत करना होगा। इस निविदा से संबंधित आवश्यक दस्तावेजों की अपलोडिंग या भुगतान करने के दौरान आईआरइपीएस पोर्टल में आई किसी भी तकनीकी खराबी के लिए, रेल प्रशासन उत्तरदायी नही होगा। निविदा प्रपत्र में निर्धारित नियम शर्तों सहित यथोचित न भरे हुए निविदाओं को, सरसरी तौर पर अस्वीकार किया जायेगा। उपरोक्त निविदा की पूरी जानकारी को, वेबसाइट पोर्टल www.ireps.gov.in के ई -नीलामी लीजिंग माड्यूल में उपलब्ध किया गया है।

A0508 वरिष्ठ विभागीय वाणिज्यिक प्रबंधक, गुन्टूर

3831 करोड़ के पुल में क्या सच में आई दरार? नितिन नवीन ने किया निरीक्षण

पटना, 16 अप्रैल (एजेंसियां)। 3831 करोड़ की लागत से तैयार दीघा से दीदारगंज गंगा पथ में पिलर नंबर ए-3 में आई दरार की खबरों के बाद से हड़कंप मचा है। दीदारगंज तक विस्तार के बाद मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने 10 अप्रैल को उद्घाटन किया था, लेकिन दो दिन बाद ही पुल में दरार की खबर आ गई। बुधवार को पथ निर्माण मंत्री नितिन नवीन ने मौके पर पहुंचकर निरीक्षण किया। दरार को लेकर नितिन नवीन ने बताया कि कुछ टेक्निकल प्रॉब्लम हुई है। इसे दरार नहीं कहा जा सकता है। पुल में कुछ नहीं हुआ है। जो पुल के बाद सड़क बनती है उसमें गैपिंग है। वह टेक्निकल रूप से रखा जाता है। उसे ठीक किया जा रहा है। भविष्य में ऐसी कोई समस्या ना हो उसका निराकरण किया जा रहा है। दूसरी ओर इस खबर के सामने आने के बाद विपक्ष हमलावर है। कांग्रेस ने पटना के जेपी गंगा पथ के नए खंड में कथित रूप से आई दरारों और कई पुलों के ढहने की घटनाओं की न्यायिक जांच किए जाने की मांग की। पार्टी ने कहा कि मामले की जांच पटना उच्च न्यायालय के किसी मौजूदा न्यायाधीश से कराई जानी चाहिए। कांग्रेस विधायक दल के नेता शकील अहमद खान ने संवाददाता सम्मेलन में कहा, बिहार में पुल नहीं बन रहे हैं, बल्कि भ्रष्टाचार की नींव रखी जा रही है। राज्य के विभिन्न जिलों में 2024 में छोटे-बड़े एक दर्जन पुल ढहने की घटनाएं हुईं। यह भी कहा,राज्य सरकार को मुख्यमंत्री नीतीश कुमार द्वारा उद्घाटन किए जाने के कुछ दिनों बाद पटना के जेपी गंगा पथ के एक हिस्से में आई दरारों तथा अन्य पुलों के निर्माण के संबंध में पटना उच्च न्यायालय के वर्तमान न्यायाधीश द्वारा न्यायिक जांच का आदेश देना चाहिए।

बीजेपी के साथ जाने की तैयारी में वीआईपी के मुकेश सहनी? तेजस्वी यादव को लग सकता है बड़ा झटका

पटना, 16 अप्रैल (एजेंसियां)। बिहार सरकार के पूर्व मंत्री और विकासशील इंसान पार्टी के प्रमुख मुकेश सहनी बीजेपी में शामिल हो सकते हैं। एक बयान से इसकी चर्चा शुरू हो गई है। अगर ऐसा हो गया तो सबसे बड़ा झटका तेजस्वी यादव को लगेगा। बीजेपी के प्रदेश अध्यक्ष दिलीप जायसवाल ने दावा किया है कि महागठबंधन में शामिल एक दल उनके साथ गठबंधन के लिए प्रयास कर रहा है। हालांकि उन्होंने खुलकर मुकेश सहनी का नाम नहीं लिया। बीजेपी नेता दिलीप जायसवाल ने बुधवार को मीडिया से कहा कि हमारे गठबंधन में पांच (बीजेपी, जेडीयू, एलजेपी रामविलास, हम और आरएलएम) पांडव हैं। एक है उनके (महागठबंधन) साथ गठबंधन में जो हमारे यहां प्रयास कर रहे हैं। रात में लुका-छुपी खेल रहे हैं। वो महागठबंधन के मजबूत पार्टनर हैं। अगर उन्होंने सम्मानजनक तरीके से बात की तभी हम लोग विचार करेंगे। इस सवाल पर कि क्या मुकेश सहनी की ओर इशारा कर रहे हैं? इस पर उन्होंने कहा मैं किसी के बारे में कुछ नहीं बोल सकता हूं।

सहनी कर रहे थे महागठबंधन में डिप्टी सीएम के पद की बात

बता दें कि इस साल (2025) बिहार में विधानसभा का चुनाव होने वाला है। इन दिनों मुकेश सहनी अलग-अलग जिलों में अपना कार्यक्रम भी कर रहे हैं। कई जगह उन्होंने यह बात कही है कि अगर महागठबंधन की सरकार बनती है तो तेजस्वी यादव एक तरफ जहां सीएम होंगे तो वहीं वे खुद उपमुख्यमंत्री के पद पर बैठेंगे। हालांकि इसको लेकर कभी आरजेडी या तेजस्वी यादव की ओर से कुछ नहीं कहा गया। अब दिलीप जायसवाल के बयान से बिहार के सियासी गलियारे में नया मुद्दा शुरू हो गया है।

60 सीटों पर दावा ठोक चुके हैं मुकेश सहनी

गौरतलब हो कि वीआईपी प्रमुख मुकेश सहनी महागठबंधन में सीटों पर भी दावा ठोक चुके हैं। हाल ही में कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए उन्होंने यह कहा था कि हम 60 सीट पर चुनाव लड़ेंगे तब जाकर 40 से 50 पर जीत सकते हैं।

हर हाल में 40 सीट पर जीतना है। निषाद समाज के आरक्षण की मांग तब ही पूरी हो सकती है जब कम से कम उनकी पार्टी के 40 विधायक रहेंगे। अब देखना होगा कि दिलीप जायसवाल के बयान पर वीआईपी प्रमुख सहनी या पार्टी की ओर से क्या प्रतिक्रिया दी जाती है।

यूपी विधानसभा चुनाव में संगठन को मजबूत करेगी बसपा: मायावती

लखनऊ, 16 अप्रैल (एजेंसियां)। बहुजन समाज पार्टी की राष्ट्रीय अध्यक्ष और उत्तर प्रदेश की पूर्व मुख्यमंत्री मायावती ने लखनऊ में बैठक की।करीब एक घंटे से अधिक चली बैठक में फैसले अहम लिए गए। बैठक में साल 2027 में प्रस्तावित यूपी विधानसभा चुनाव को लेकर भी चर्चा हुई है। साथ ही संगठन को मजबूत करने से लेकर आगामी चुनावो को लेकर भी चर्चा हुई है। सूत्रों से मिली जानकारी के मुताबिक 2027 विधानसभा चुनाव बीएसपी अकेले लड़ेगी। इसके अलावा मायावती ने कार्यकर्ता को संगठन को मजबूत करने और जानता तक पार्टी की नीतियों को पहुंचाने का निर्देश दिया है। उन्होंने कहा कि सर्व जन हिताय सर्व जन सुखाय के नारे के साथ पार्टी आगे बढ़ेगी। बसपा द्वारा जारी एक प्रेस विज्ञप्ति में कहा गया- मायावती ने उत्तर प्रदेश और उत्तराखण्ड में पार्टी के वरिष्ठ पदाधिकारियों व जिला अध्यक्षों आदि की अहम बैठक में दोनों राज्यों में पार्टी संगठन की समीक्षा की गई। पार्टी के जनाधार को हर स्तर पर बढ़ाने के सम्बंध में पिछले 2 मार्च की बैठक में दिये गये दिशा-निर्देशों की प्रगति रिपोर्ट लेने के साथ ही आगे के लिये कमियों को दूर करके लक्ष्य की समयबद्ध प्राप्ति हेतु भी निर्देश दिये।

गाजियाबाद कमिश्नर अजय मिश्रा के ट्रांसफर पर बजे ढोल

विधायक नंदकिशोर गुर्जर ने खोला था मोर्चा

गाजियाबाद, 16 अप्रैल (एजेंसियां)। योगी सरकार ने गाजियाबाद के पुलिस कमिश्नर अजय कुमार मिश्रा का तबादला कर दिया है। मिश्रा को अब प्रयागराज रेंज का आईजी बनाया गया है। उनकी जगह पर आगरा के पुलिस कमिश्नर जे। रविंदर गौड़ को गाजियाबाद का नया पुलिस कमिश्नर बनाया गया है। अजय कुमार मिश्रा के तबादले के बाद लोनी विधायक नंदकिशोर गुर्जर के आवास पर समर्थकों ने ढोल की थाप पर जमकर डांस किया। पिछले एक साल में अजय कुमार मिश्रा और नंदकिशोर गुर्जर के बीच कई मुद्दों को लेकर ठन चुकी थी। गुर्जर ने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ तक से अजय मिश्रा की शिकायत की थी। अपने ढाई साल के कार्यकाल में अजय कुमार मिश्रा कई बार विवादों में आए। बीजेपी विधायक नंदकिशोर गुर्जर ने तो उनके खिलाफ मोर्चा खोल दिया था। कलश यात्रा के दौरान बीजेपी विधायक की पुलिस से हाथापाई हो गई थी और उनके कपड़े भी फट गए थे। विधायक अपने समर्थकों के साथ धरने पर बैठ गए थे। अजय कुमार मिश्रा का डासना मंदिर के प्रमुख यति नरसिंहानंद से भी विवाद हो चुका था। एक हफ्ते पहले ही मंदिर में जूना अखाड़े की सबसे बड़ी कार्यकारिणी की बैठक हुई थी।

नंदकिशोर गुर्जर ने लिया बुजुर्ग से आशीर्वाद

2003 बैच के आईपीएस अजय कुमार मिश्रा बलिया के रहने वाले हैं। 28 नवंबर, 2022 से वह गाजियाबाद कमिश्नर पद पर तैनात थे। अजय कुमार मिश्रा का तबादला होने के बाद विधायक नंदकिशोर गुर्जर के आवास पर खुशियां मनाई गईं। इसका वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। वीडियो में नंदकिशोर गुर्जर भी नजर आ रहे हैं। वह बुजुर्ग कार्यकर्ताओं को माला पहनाकर उनका आशीर्वाद लेते दिख रहे हैं।

डबल मर्डर केस के मुख्य आरोपी साहिल का हाफ एनकाउंटर, दोनो पैरों में लगी गोली

गाजीपुर, 16 अप्रैल (एजेंसियां)। गाजीपुर डबल मर्डर केस का मुख्य आरोपी साहिल पुलिस एनकाउंटर में घायल हो गया है। साहिल के दोनों पैरों में गोली लगी है और उसे अस्पताल में भर्ती करवाया गया है। साहिल पुलिस हिरासत में रहने के दौरान अपराध में इस्तेमाल हथियार की बरामदगी के लिए गया था, वहां पुलिस टीम को चकमा देकर फायरिंग कर दिया। जवाबी फायरिंग में वह घायल हो गया। आरोपी के कब्जे से पिस्टल और कारतूस बरामद किया गया है। आरोपी पर 50 हजार रुपये का इनाम घोषित किया गया था। जानकारी के अनुसार, गाजीपुर के सैदपुर थाना क्षेत्र के मसुदहा इलाके में पुलिस टीम और एक शातिर बदमाश के बीच मंगलवार को मुठभेड़ हो गई। यह मुठभेड़ 21 मार्च को खानपुर के उचौरी गांव में हुए डबल मर्डर केस के मुख्य आरोपी साहिल खान से हुई। पुलिस टीम साहिल को असलहा बरामद कराने के लिए लेकर गई थी। इसी दौरान उसने पुलिस पर फायरिंग कर दी। जवाबी कार्रवाई में पुलिस ने भी गोली चलाई, जिसमें साहिल के दोनों पैरों में गोली लगी। घायल आरोपी को पुलिस अभिरक्षा में इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

गौरतलब है कि उचौरी गांव में दो युवकों की गोली मारकर हत्या कर दी गई थी। इस मामले में अब तक कुल चार आरोपी गिरफ्तार हो चुके हैं जबकि साहिल खान को भी पुलिस गिरफ्तार करके उसकी निशानदेही पर आला कत्ल की बरामदगी पर उसके बताए स्थान पर ले गई थी। जहां वो मौके का फायदा उठाकर पुलिस इंस्पेक्टर की रिवॉल्वर निकाल कर फायर कर दिया। इससे बचते हुए पुलिस टीम ने फायरिंग कर दिया जिससे साहिल के दोनों पैरों में गोली लगी जिसे उपचार के लिए अस्पताल लाया गया है

दुबई से नेपाल जा रही थी फ्लाइट पायलट को मिला ईंधन कम होने का सिग्नल

करवानी पड़ी लखनऊ में इमरजेंसी लैंडिंग

लखनऊ, 16 अप्रैल (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश के लखनऊ एयरपोर्ट पर एक फ्लाईट की इमरजेंसी लैंडिंग करवाई गई। इस विमान में कुल 157 यात्री और 6 क्रू मेंबर सवार थे। जानकारी के मुताबिक, जैसे ही फ्लाइट ने दुबई से उड़ान भरी, रास्ते में पायलट को ईंधन कम होने का सिग्नल मिला। उस वक्त विमान लखनऊ से होकर गुजर रहा था। तुरंत पायलट ने इसकी जानकारी लखनऊ एयरपोर्ट को दी, जिसके बाद उसकी इमरजैंसी लैंडिंग करवाई गई। एयरपोर्ट अथॉरिटी से अनुमति मिलने के बाद फ्लाइट (एफजेड 1133) को बुधवार सुबह 9:40 बजे लैंड कराया गया। इसके बाद फ्लाइट में ईंधन भरा गया। फिर करीब साढ़े 10 बजे विमान काठमांडू के लिए रवाना हुआ। इससे पहले भोपाल के राजा भोज इंटरनेशनल एयरपोर्ट पर इंडिगो संचालित उड़ान में गंभीर लापरवाही सामने आई थी। मंगलवार को दिल्ली से आने वाली फ्लाइट के यात्री तो भोपाल पहुंच गए, लेकिन उनका सामान दिल्ली एयरपोर्ट पर ही रह गया। चेक इन और बोर्डिंग के बाद यात्रियों ने तसल्ली से अपनी सीट पर बैठकर उम्मीद की थी कि भोपाल में उन्हें सब कुछ सुरक्षित मिलेगा। यात्रियों को सूचित किया गया कि तकनीकी खराबी के चलते उनका सामान दिल्ली में ही छूट गया है। इंडिगो एयरलाइंस ने इसे टेक्निकल ऑपरेशनल रीजन बताकर यात्रियों को उनका सामान अगली फ्लाइट से भोपाल में उपलब्ध कराने का भरोसा दिया, जिसके बाद यात्रियों का आक्रोश कम हो सका।

कई यात्रियों ने दर्ज की ऑनलाइन शिकायत

कई यात्रियों ने तो मामले में डायरेक्टर जनरल सिविल एविएशन से ऑनलाइन शिकायत दर्ज की। इंडिगो की इस अजीब लापरवाही के चलते दिल्ली से भोपाल आने वाली इंडिगो की फ्लाइट ई-6-2172 से मंगलवार को यात्री बिना सामान के भोपाल एयरपोर्ट पहुंच गए थे। बताया जा रहा है कि यह फ्लाइट दिल्ली से शाम 4:45 बजे रवाना हुई थी और करीब 5:55 बजे भोपाल पहुंची। यात्रियों को फ्लाइट में लगभग एक घंटे की देरी का सामना भी करना पड़ा।

अल कायदा के आतंकी समेत 27 गोवंश तस्करों समेत 31 अपराधियों की खुली हिस्ट्रीशीट

पुलिस ने कसा शिकंजा

बरेली, 16 अप्रैल (एजेंसियां)। जिले में अपराध पर प्रभावी नियंत्रण के लिए बरेली पुलिस ने कड़ी कार्रवाई करते हुए आतंकवाद, गोवंश तस्करी, वाहन चोरी और मादक पदार्थ तस्करी जैसे गंभीर मामलों में शामिल 31 अपराधियों की हिस्ट्रीशीट खोली है। इनमें अल-कायदा के लिए युवाओं की भर्ती करने वाला आतंकी मोहम्मद इनामुल हक भी शामिल है। एसएसपी अनुराग आर्य के निर्देश पर इन अपराधियों के खिलाफ विभिन्न थानों में हिस्ट्रीशीट दर्ज की गई है। अब इन सभी की गतिविधियों पर लगातार नजर रखी जाएगी। पुलिस का कहना है कि "जीरो टॉलरेंस" नीति के तहत अपराधियों को चिन्हित कर उनके खिलाफ कठोर कदम उठाए जा रहे हैं। हिस्ट्रीशीट खोले गए अपराधियों में मीरगंज के पप्पू कुरेशी, सिरौली के आबिद अली उर्फ अर्दली और साजिद, बहेड़ी के खलील और हसीय, शीशगढ़ के अफजाल उर्फ छोटे, देवरनिया के इरफान, चांद उर्फ चन्ना, आमिर, अनवार हुसैन, शमशाद, कल्लू उर्फ कलुआ, आरिफ उर्फ पढ़ा, शाहिद, तस्लीम, फतेहगंज पश्चिमी के सलीम और यूसुफ मसूरी, भोजीपुरा के छुट्टन कल्लू, इस्माइल, मो। ताहिर, सलीम उर्फ कालिया, सलमान, जाकिर, फईम, अफसार और नसीम शामिल हैं।

अंकित राय, प्रहलाद गोंड के साथ मुख्तार की पत्नी अफशा अंसारी के सिर पर 50 हजार का इनाम

गाजीपुर, 16 अप्रैल (एजेंसियां)। लेडी डॉन अफशा अंसारी अपने पति मुख्तार अंसारी की मौत पर भी सामने नहीं आई। अफशा अंसारी कहां है? इसका पुलिस-एसटीएफ को कुछ नहीं पता है। एजेंसी लगातार अफशा का पता लगवाने की कोशिश कर रही हैं। मगर हर बार अफशा पुलिस को चकमा देने में कामयाब हो जाती है। पुलिस को उम्मीद थी कि अफशा अपने पति मुख्तार अंसारी की मौत पर को सामने आएंगी। मगर वह उस दौरान भी नहीं दिखाई दीं। इसी बीच अब अफशा अंसारी फिर चर्चाओं में है। दरअसल गाजीपुर पुलिस ने 29 इनामी अपराधियों की लिस्ट बनाई है। इस लिस्ट का सबसे टॉप नाम अफशा अंसारी ही है। दरअसल गाजीपुर पुलिस 15 दिनों का विशेष अभियान चला रही है। इस दौरन इन इनामी अपराधियों और बदमाशों को पकड़ने की कोशिश की जाएगी। ऐसे में अफशा अंसारी एक बार फिर गाजीपुर पुलिस और एजेंसियों के टारगेट पर हैं।

अफशा के साथ अंकित राय-प्रहलाद गोंड कौन हैं?

गाजीपुर पुलिस की इस लिस्ट में कई बड़े अपराधियों और बदमाशों के नाम हैं, जिनपर 25 हजार से लेकर 50 हजार तक का इनाम है। मगर खास बात ये है कि इस लिस्ट में सिर्फ 4 अपराधी ही ऐसे हैं, जिनपर 50-50 हजार का इनाम दर्ज है। बाकी अपराधियों पर 25-25 हजार का ही इनाम हैं। अफशा के साथ अंकित राय, प्रहलाद गोंड के सिर पर भी 50-50 हजार का इनाम है। इसी के साथ करमेश गोंड के सिर पर भी गाजीपुर पुलिस ने 50-50 हजार का इनाम रखा है। बता दें कि अफशा अंसारी के ऊपर गाजीपुर और मऊ, दोनों पुलिस ने इनाम घोषित कर रखा है। दोनों जिलों में मुख्तार अंसारी की पत्नी अफशा के सिर पर 50-50 हजार का इनाम रखा गया है। अफशा कई सालों से फरार चल रही है।

पटना के सारे स्कूल 22 अप्रैल को रहेंगे बंद

एयर शो के आयोजन से शिक्षा विभाग ने लिया ये फैसला

पटना, 16 अप्रैल (एजेंसियां)। बिहार की राजधानी पटना में 22 अप्रैल को सभी सरकारी और निजी स्कूलों में छुट्टी घोषित की गई है। यह निर्णय भारतीय वायुसेना की प्रतिष्ठित सूर्य किरण एरोबेटिक टीम के ऐतिहासिक एयर शो के आयोजन के मद्देनज़र लिया गया है। पटना के जेपी गंगा पथ (मरीन ड्राइव) पर 22 और 23 अप्रैल 2025 को होने वाले इस भव्य आयोजन में वायुसेना के नौ अत्याधुनिक विमान अपनी हैरतअंगेज करतबों का प्रदर्शन करेंगे। शिक्षा विभाग का यह कदम छात्रों को इस ऐतिहासिक आयोजन का हिस्सा बनाने और भारतीय वायुसेना के कार्यशैली, अनुशासन और तकनीकी कौशल से परिचित कराने के उद्देश्य से उठाया गया है। 22 अप्रैल को बच्चों और युवाओं को सूर्य किरण टीम के विमानों के करतबों का लाइव प्रदर्शन दिखाया जाएगा। यह न केवल राष्ट्रभक्ति को प्रोत्साहित करेगा, बल्कि वायुसेना में करियर के अवसरों के प्रति जागरूकता भी बढ़ाएगा। मुख्य कार्यक्रम 23 अप्रैल को आयोजित होगा, जिसमें मुख्यमंत्री नीतीश कुमार मुख्य अतिथि के रूप में शामिल होंगे। यह आयोजन न केवल सैन्य शक्ति का प्रदर्शन होगा, बल्कि यह बाबू वीर कुंवर सिंह के शौर्य दिवस के रूप में भी मनाया जाएगा।

सास-दामाद केस में ताबीज की एंट्री: राहुल की मां ने खोला बड़ा राज! जहां आज आनी थी बरात, वहां पसरा सन्नाटा

अलीगढ़, 16 अप्रैल (एजेंसियां)। जिस घर में शादी के गीत गूंजने थे, उसमें सन्नाटा था। बेटी के हाथ में हल्दी नहीं, आंखों में आंसू थे। वह यह जानना चाह रही थी कि उसके होने वाले पति के साथ गई मां को पुलिस कब तक तलाश सकेगी। बुधवार को जिस गांव में शहनाई बजनी थी, वहां के लोगों ने यह कहते हुए हैरानी जताई कि कोई मां अपनी बेटी के सपनों को कैसे उजाड़ सकती है। दोनों के भागने के नौवें दिन होने वाले दामाद राहुल का फोन खुला तो महिला का पति थाने पहुंच गया। पुलिस कॉल डिटेल खंगालने में जुटी है। कई टीमें आसपास के जिलों में दबिश दे रही हैं। मडराक क्षेत्र के गांव मनोहरपुर कायस्थ की सपना अपने होने वाले दामाद दादों क्षेत्र के गांव मछरिया के राहुल के साथ लेकर छह अप्रैल को भाग गई थी। इससे पहले सपना ने अपने पति

जितेंद्र को कार्ड देने के लिए अपनी बहन के यहां भेज दिया था। वह वापस आया तो घर पर सपना नहीं थी। रातभर तलाशने के बाद गुमशुदगी पुलिस को दी। उधर, राहुल के पिता ने भी गुमशुदगी दर्ज कराई। जितेंद्र ने चार माह पहले अपनी बेटी का रिश्ता राहुल से किया था। 16 अप्रैल को शादी होनी थी। तीन महीने से राहुल व सपना एकदूसरे के संपर्क में थे। दोनों में क्या चल रहा है, यह ठीक से कोई समझ नहीं पाया। भागने से कुछ दिन पहले जितेंद्र को शक हुआ, मगर बेटी की शादी के चलते वह चुप रहे। पुलिस रुद्रपुर, कासगंज, खुर्जा सहित कई स्थानों पर दोनों की तलाश कर रही है। चार दिन से राहुल के पिता ओमवीर, जीजा योगेश व दो दोस्त पुलिस हिरासत में हैं। इनसे पूछताछ की जा रही है। जितेंद्र हर रोज राहुल के फोन पर संपर्क करने की कोशिश में लगे थे। मगर, फोन बंद चल रहा था। मंगलवार की दोपहर करीब तीन बजे पहली बार फोन खुला मगर कई बार मिलाने पर बात नहीं हुई। फोन व्यस्त चल रहा था। इसकी जानकारी देने वे थाने पहुंच गए। सीओ महेश कुमार ने बताया कि फोन डिटेल खंगाली जा रही है। कोशिश है कि जल्द दोनों को तलाश लिया जाए।

राहुल की मां बोली, होने वाली सास पहना गई थी ताबीज

क्षेत्र के ग्राम बौनई के माजरा नगला मछरिया के राहुल की बुधवार को बरात जानी थी। मगर गांव उसकी हरकतों से नाराज है। उसकी मां दिलदो देवी ने बताया कि बेटे की हरकत से पूरा परिवार दुखी है। पति हार्ट के मरीज है। उनको लगातार थाना मडराक की पुलिस की निगरानी में रखा जा रहा है। बेटे की होने वाली सास जब गांव में आयी थी और पांच दिन रूककर गई। इस दौरान उसने बेटे को दो ताबीज पहनाए थे। घर में खाना तक नहीं बन रहा है। आस-पड़ोस के लोग खाना लेकर समझाकर खिला देते हैं।

ब्यूटी पार्लर से मौसेरे भाई संग दुल्हन फरार

मेरठ, 16 अप्रैल (एजेंसियां)। मेरठ के दौराला थाना क्षेत्र के एक गांव में बरात आने से पूर्व दुल्हन ब्यूटी पार्लर से लापता हो गई। पड़ताल करने पर पता चला कि वह रिश्ते के मौसेरे भाई के साथ चली गई है। परिजनों ने दूल्हे और उसके परिजनों को कॉल कर बरात लाने से रोक दिया। शादी की तैयारियां दुल्हन के लापता होने के कारण धरी रह गईं। पिता ने आरोपी युवक के खिलाफ तहरीर देकर कार्रवाई की मांग की है। दौराला के एक गांव निवासी ग्रामीण ने अपनी बेटी का रिश्ता रोहटा थाना क्षेत्र के एक गांव निवासी युवक से तय किया था। सगाई आदि की रस्में हो चुकी थी। देर रात युवती की बरात आनी थी। सुबह से ही परिवार के लोग तैयारी में जुटे थे। मंडप सज चुका था। मंडप से लेकर गांव के बाहर तक सजावट की गई थी। दुल्हन पक्ष के सभी रिश्तेदार आ चुके थे और खाना भी तैयार हो चुका था।

यूपी में डिफेंस सेक्टर को सात गुना बढ़ा दिया है: योगी

25 हजार करोड़ के रक्षा उत्पादों का होगा निर्यात

लखनऊ, 16 अप्रैल (एजेंसियां)। दुनिया भर में रक्षा के मामले में देशों के आत्मनिर्भर बनने की प्रवृत्ति ने डिफेंस सेक्टर को सात गुना बढ़ा दिया है। यही वजह है कि रक्षा क्षेत्र के उद्यमी यूपी के डिफेंस कॉरिडोर को विश्व के प्रमुख निर्यातक बाजार के रूप में देख रहे हैं। अगले चार वर्ष में सिर्फ यूपी से 25 हजार करोड़ के रक्षा उत्पादों का निर्यात होगा। प्रदेश में डिफेंस सेक्टर में ड्रोन, जहाज से लेकर तोपें और गोला बारूद बन रहे हैं। विश्व में अनिश्चितता का माहौल है। रही-सही कसर अमेरिका की टैरिफ नीति ने पूरी कर दी है। इससे देशों में आत्मनिर्भर बनने की होड़ मची है। हर मुल्क इसके लिए खुद को तैयार कर रहा है। वैश्विक उथल-पुथल के बीच यूरोपीय देशों में हथियारों की खरीद तेजी से बढ़ रही है। ऐसे में सबसे तेजी से डिफेंस कॉरिडोर विकसित करने का लाभ यूपी को मिल सकता है। इस सेक्टर में असीम संभावनाएं हैं। ये आंकलन रक्षा क्षेत्र से जुड़े उद्यमियों का है। एमकेयू के चेयरमैन मनोज गुप्ता कहते हैं कि डिफेंस कॉरिडोर के साथ एक्सप्रेसवे के किनारे भी रक्षा इकाइयों को जमीन देने से राज्य के रक्षा उत्पादों के निर्माण में 20 फीसदी की ग्रोथ अगले एक साल में आएगी। उन्होंने कहा कि अदाणी, ब्रह्मोस, भारत डायनामिक के साथ 50 से ज्यादा रक्षा उत्पादक कंपनियों ने यूपी में निवेश किया है। कुछ में उत्पादन भी शुरू हो गया है। अमेरिका की टैरिफ रणनीति के बाद वहां से उत्पाद महंगे होंगे, लेकिन भारत में सस्ते होंगे। रक्षा उद्यमी अविनाश सिंह का मानना है कि सरकारी नीतियों ने इस सेक्टर की ग्रोथ में तेज वृद्धि की है। यही वजह है कि अगले चार वर्ष में सिर्फ यूपी से 25 हजार करोड़ के रक्षा उत्पादों को निर्यात होने का अनुमान है।

ममता बनर्जी बोलीं- योगी सबसे बड़े भोगी

इमामों की बैठक में कहा- मुर्शिदाबाद दंगा में भाजपा-बीएसएफ की मिलीभगत, बांग्लादेशी घुसपैठी बुलाकर दंगे करवाए

कोलकाता, 16 अप्रैल (एजेंसियां)। इमामों की सभा में पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने बुधवार को कहा- यूपी के सीएम योगी बड़ी-बड़ी बातें कर रहे हैं। वह सबसे बड़े भोगी हैं। महाकुंभ में कई लोगों की जान चली गई। उत्तर प्रदेश में मुठभेड़ों में कई लोग मारे गए। योगी लोगों को रैलियां नहीं निकालने देते। वक्फ संशोधन अधिनियम के खिलाफ विरोध-प्रदर्शन के दौरान हुई मुर्शिदाबाद हिंसा के बाद ममता ने कोलकाता के नेताजी इंडोर स्टेडियम में कहा- मुर्शिदाबाद में हुआ दंगा प्री प्लांड था। इसमें भाजपा, बीएसएफ और सेंट्रल एजेंसीज की मिलीभगत थी। बांग्लादेशी घुसपैठियों को देश में बुलाकर ये दंगे करवाए गए। दरअसल, यूपी के सीएम योगी ने मंगलवार को बंगाल हिंसा पर कहा था- बंगाल जल रहा है और मुख्यमंत्री चुप हैं। वह दंगाइयों को शांति दूत कह रही हैं। लातों के भूत बातों से कहां मानने वाले हैं। दंगाइयों के लिए डंडा ही एकमात्र इलाज है। ममता ने धर्मनिरपेक्षता के नाम पर दंगाइयों को आजादी दे दी है। ममता ने कहा कि मुझे मुर्शिदाबाद में हुई हिंसा में बांग्लादेश के शामिल होने की खबर मिली है। क्या बॉर्डर की सुरक्षा बीएसएफ की भूमिका नहीं है? राज्य सरकार अंतरराष्ट्रीय सीमा की रक्षा नहीं करती है। केंद्र सरकार को इसकी जिम्मेदारी लेनी चाहिए। उन्होंने पीएम मोदी से वक्फ कानून को रोकने और अमित शाह के नेतृत्व वाले गृह मंत्रालय को नियंत्रण में रखने की मांग की। ममता ने कहा- मैं प्रधानमंत्री से अमित शाह पर नियंत्रण रखने का अनुरोध करूंगी, वह अपने राजनीतिक एजेंडे को पूरा करने के लिए देश को नुकसान पहुंचा रहे हैं।

प. बंगाल के मुर्शिदाबाद में थम नहीं रही हिंसा धुलियान में आज फिर हुई आगजनी

मुर्शिदाबाद, 16 अप्रैल (एजेंसियां)। पश्चिम बंगाल के मुर्शिदाबाद में हिंसा थमने का नाम नहीं रहे है। मुर्शिदाबाद के धुलियान में आज सुबह फिर आगजनी की घटना हुई। इस इलाके में एक समुदाय विशेष की दुकान को जला दिया गया। यह दुकान चूड़ी और कॉस्मेटिक्स की थी। वक्फ संशोधन कानून के विरोध को लेकर यहां हिंसा भड़क उठी। बड़े पैमाने पर आगजनी और तोड़फोड़ की घटनाएं हुईं हैं। धूलियान क्षेत्र में केंद्रीय बलों को तैनात कर दिया गया है, लेकिन दुकानें अभी भी जल रही हैं। बताया जाता है कि बुधवार सुबह करीब 6 बजे धुलियान क्षेत्र में नगरपालिका के पास स्थित एक कॉस्मेटिक्स की दुकान में कथित तौर पर आग लगा दी गई। बाजार में लोग काफी डरे हुए हैं।

हिंसा के दौरान तोड़े सीसीटीवी

हिंदू और मुस्लिम दोनों समुदायों के लोग दुकानें खोलने से डर रहे हैं। पिछले शुक्रवार को हिंसा के दौरान बाजार के अधिकांश सीसीटीवी तोड़ दिए गए थे। इस बीच, पुलिस कुछ सीसीटीवी फुटेज के आधार पर जांच कर रही है। दुकान के मालिक सौरव साहा का कहना है कि उन्हें कुछ अंदाजा नहीं कि यह किन लोगों ने ऐसा किया।

बांग्लादेशी कट्टरपंथी हिंसा में शामिल: सूत्र

सूत्रों के मुताबिक वक्फ संशोधन एक्ट के खिलाफ मुर्शिदाबाद में हुए आंदोलन के दौरान जो हिंसा फैली उसमें बांग्लादेशी कट्टरपंथी 'स्थानीय नेताओं की मदद से' शामिल थे। सूत्रों ने एक खुफिया रिपोर्ट का हवाला देते हुए कहा कि बांग्लादेश स्थित दो कट्टरपंथी संगठनों- जमात-उल मुजाहिदीन बांग्लादेश (जेएमबी) और अंसारुल्लाह बांग्ला टीम (एबीटी) के सदस्य कथित तौर पर मुर्शिदाबाद हिंसा में शामिल थे। इस हिंसा में तीन लोग मारे गए थे। सूत्रों के मुताबिक बांग्लादेशी बदमाशों द्वारा की गई थी, जिन्हें कथित तौर पर एक राजनीतिक दल के स्थानीय नेताओं की मदद मिली थी। बता दें कि वक्फ संशोधन एक्ट के खिलाफ शुक्रवार और शनिवार को जिले के सुती, धुलियान और जंगीपुर सहित कई इलाकों में हिंसक विरोध प्रदर्शन हुए। जंगीपुर, धुलियान, सुती और शमशेरगंज में बीएसएफ, सीआरपीएफ, राज्य पुलिस और आरएएफ (आरएएफ) के जवानों को बड़ी संख्या में तैनात किया गया है।

खेलने के दौरान बम विस्फोट में दो किशोर घायल

मुर्शिदाबाद के शमशेरगंज में बम विस्फोट में दो किशोर उस वक्त घायल हो गए जब व उत्तर मोहम्मदपुर में एक मैदान में खेल रहे थे। खेल के दौरान ही ब्लास्ट में बच्चे घायल हो गए। बताया जा रहा है कि बुधवार सुबह दो बच्चे मैदान में खेल रहे थे, तभी वहां बम रखा गया था। और फिर, गेंद समझकर खेलते समय, एक बम फट गया।

विस्फोट की जद में आने से दो बच्चे घायल हो गए। दोनों बच्चों को गंभीर हालत में जंगीपुर उपजिला अस्पताल ले जाया गया। हालांकि शमशेरगंज थाने की पुलिस इस बात की जांच कर रही है कि ये बम किसने और किस मकसद से रखे थे। पुलिस ने बताया कि घायलों के नाम मेजा रहमान (12) और अब्दुल अजीत रहमान (14) हैं। घर शमशेरगंज थाने के अंतर्गत तलतला साहेबनगर इलाके में है।

सुधार गृह में मरीज को बुरी तरीके से पीटा, वार्डन के कपड़े धोने से किया था मना

बेंगलुरु, 16 अप्रैल (एजेंसियां)। कर्नाटक की राजधानी बेंगलुरु के बाहरी इलाके नेलमंगला से एक चौंका देने वाली घटना सामने आई है, यहां एक प्राइवेट रिहैबिलिटेशन सेंटर में भर्ती एक व्यक्ति को बेहरमी से पीटा गया। बता दें कि मरीज की गलती बस इतनी है कि उसने वार्डन के कपड़े धोने से मना कर दिया था। अब पुलिस ने इस घटना को लेकर मामला दर्ज कर लिया है। पुलिस ने भी प्रारंभिक जांच में ये बात सामने आई है कि मरीज ने वार्डन के कपड़े धोने और शौचालय साफ करने से इनकार किया था। घटना नेलमंगला ग्रामीण पुलिस सीमा क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले सुधार गृह की बताई जा रही है। बताया गया कि यह मामला फरवरी माह में हुआ था,लेकिन अब घटना की सीसीटीवी फुटेज सामने आई हैं, जिसके आधार पर पुलिस ने सुओ मोटो केस दर्ज कर प्राइवेट रिहैबिलिटेशन सेंटर के मालिक को अरेस्ट कर लिया।

'ईडब्ल्यूएस सर्टिफिकेट पर रोक लगाना गरीब छात्रों से शिक्षा छीनने का कदम', कांग्रेस का रेखा गुप्ता सरकार पर हमला

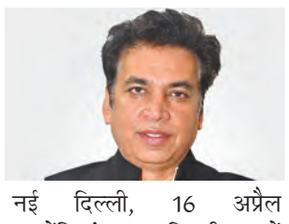

नई दिल्ली, 16 अप्रैल (एजेंसियां)। दिल्ली में ईडब्ल्यूएस सर्टिफिकेट मामले पर भी सियासत अब शुरू हो गई है। कांग्रेस का आरोप है कि दिल्ली में बीजेपी सरकार द्वारा धांधली के नाम पर ईडब्लूएस सर्टिफिकेट बनने पर रोक लगाना, सीधा गरीब छात्रों से शिक्षा छीनने का कदम है। दिल्ली कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष देवेंद्र यादव का कहना है, अगर कहीं धांधली है तो उसकी शिक्षा विभाग पूरी तरह से जांच कर सकता है। ईडब्लूएस सर्टिफिकेट बनने पर रोक लगाने का कांग्रेस पुरजोर विरोध करती है क्योंकि बीजेपी का यह फैसला गरीब विरोधी है।

बीजेपी मुख्यमंत्री पर आरोप

दिल्ली कांग्रेस का रेखा सरकार पर आरोप है कि बीजेपी एससी/एसटी/ओबीसी आरक्षण खत्म करना चाहती है, जबकि इन वर्गों के छात्रों के लिए स्कॉलरशिप और इनके बेहतर शिक्षा के बजट में कटौती करके बीजेपी सरकार ने अपनी मंशा जाहिर कर दी है। उन्होंने कहा कि डबल इंजन की बीजेपी सरकार ने देश सहित दिल्ली में भी अपना पूंजीपति संरक्षण नियम लागू करना शुरू कर दिया है। देवेंद्र यादव ने कहा कि बीजेपी ने झूठे, लुभावने और बेबुनियाद वादे करके दिल्ली की सत्ता हथियाने के बाद एक-एक करके गरीब, वंचित, दलित और आर्थिक रुप से कमजोर लोगों की कमर तोड़ने वाले फैसले ले रही है। देवेंद्र यादव का कहना है कि रेखा गुप्ता सरकार द्वारा दिल्ली में तुरंत प्रभाव से ईडब्लूएस सर्टिफिकेट जारी करने पर रोक लगाकर दिल्ली के प्राईवेट स्कूलों को फायदा पहुंचाने की दिशा में उठाया गया कदम है। देवेंद्र यादव ने कहा कि 2 हफ्ते पहले भी दिल्ली सरकार ने प्राइवेट स्कूलों द्वारा मनमानी फीस बढ़ोत्तरी करने के खिलाफ कोई कड़ा फैसला नहीं लिया है।

स्कूलों की फीस बढ़ाने से अभिभावकों को बच्चे को पढ़ाना बहुत महंगा पड़ेगा। दिल्ली सरकार और बीजेपी की मिलीभगत से दिल्ली की जनता को लूटा जा रहा है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस मांग करती है प्राइवेट स्कूलों में हुई फीस वृद्धि जल्द से जल्द वापस ली जाए। अगर बीजेपी सरकार फीस वापसी की घोषणा नहीं करेगी, तो कांग्रेस फीस वृद्धि के खिलाफ प्रदर्शन करेगी।

19 की उम्र छह राज्यों में धमक

100 से ज़्यादा चोरी के बाद थाने पहुंचकर बोली- साहब! सजा दे दो

राजगढ, 16 अप्रैल (एजेंसियां)। मध्य प्रदेश में राजगढ़ जिले के तीन गांव कड़िया सांसी, हुलखेड़ी और गुलखेड़ी का नाम शायद इस देश की हर राज्य की पुलिस के ज़हन में है। दरअसल ये तीनों गांव पूरे देश में लूट और डकैती की ट्रेनिंग देने के कारण सुर्खियों में रहते हैं और आए दिन देश के कई राज्यों की पुलिस को कई मामलों में यहां के आरोपियों की तलाश रहती है। लेकिन अब इन गांवों की तस्वीर बदलती नज़र आ रही है। इसका ताज़ा उदाहरण है एक ऐसी लड़की जो महज छह साल की उम्र से देश के अलग अलग राज्यों में जाकर चोरी कर रही थी। उसके दबदबे का अंदाज़ा इसी बात से लगा सकते हैं कि वह छह राज्यों में 100 से ज़्यादा चोरियां कर चुकी हैं।

उसी की ज़ुबानी सुनते हैं उसकी कहानी। आखिर आशा (परिवर्तित नाम) का यह हृदय परिवर्तन कैसे हुआ। आपने फिल्मों में देखा होगा कि एक पुलिस अधिकारी किसी गांव में जाता है और लोगों को अपराध छोड़ने की नसीहत देता है। कुछ ऐसा ही राजगढ़ के युवा एसपी आदित्य मिश्रा ने किया। हालांकि उनका तरीक़ा थोड़ा अलग था। उन्होंने हनुमान जी और रावण का उदाहरण देते हुए लोगों को समझाने की कोशिश की। उसी का असर है कि हाल ही में 25 लोग अपराध की दुनिया छोड़कर मुख्यधारा में शामिल हो चुके हैं और अब आशा भी अपनी नई ज़िंदगी के सपने बुन रही है।

असम के सिलचर में पुलिस से भिड़ंत मामले में सात गिरफ्तार

सिलचर, 16 अप्रैल (एजेंसियां)। असम के कछार जिले में वक्फ (संशोधन) अधिनियम के खिलाफ प्रदर्शन के दौरान प्रदर्शनकारियों और पुलिस के बीच हुई झड़प के सिलसिले में सात लोगों को गिरफ्तार किया गया है। पुलिस अधीक्षक नुमल महत्ता ने बताया कि रविवार को बेरेंगा गांव से सिलचर शहर की ओर बिना अनुमति के विरोध मार्च निकाला गया। प्रदर्शनकारियों ने पुलिस पर पथराव भी किया। इसके बाद पुलिस को हल्का लाठीचार्ज करना पड़ा था। पुलिस अधीक्षक महत्ता ने यहां संवाददाताओं को बताया कि हिंसा को और भड़कने से रोकने के लिए जिले में निषेधाज्ञा लागू कर दी गई है। सिलचर पुलिस थाने में मामला दर्ज किया गया है। मंगलवार को बागाधार और काशीपुर इलाके में तलाशी अभियान चलाया गया,

यूट्यूबर बीवी ने दुपट्टे से गला घोंट पति की कर दी हत्या

प्रेमी के साथ ठिकाने लगाई लाश, कैसे हुआ खुलासा?

गुरूग्राम, 16 अप्रैल (एजेंसियां)। यूपी के सौरभ राजपूत मर्डर केस को लोग अभी ठीक से भुला भी नहीं पाए थे कि एक वैसा ही मामला हरियाणा के भिवानी से सामने आया है। इस मामले में यूट्यूबर और रील बनाने की शौकीन महिला ने अपने प्रेमी के साथ मिलकर पति को हत्या कर दी। इसके बाद इंस्टा क्वीन ने प्रेमी के साथ मिलकर लाश को भी ठिकाने लगा दिया। यूट्यूबर रवीना ने घटना की रात करीब 12.30 बजे कथित तौर पर पति प्रवीण के शव को बाइक पर ले जाकर अपने घर से 6 किलोमीटर दूर नाले में फेंक दिया। इस काम को इंस्टा क्वीन रवीना राव ने अपने आशिक के साथ मिलकर अंजाम दिया। बताया जा रहा है कि यूट्यूबर महिला रवीना को उसके पति प्रवीण ने उसके प्रेमी के साथ आपत्तिजनक हालत में देख लिया था।

दादा और चाचा के पास 6 साल का बेटा

यूट्यूबर रवीना ने पहले दुपट्टे से पति का गला घोंटकर हत्या की। फिर प्रेमी की मदद से शव को नाले में फेंक दिया। यूट्यूबर महिला का 6 साल का बेटा है, जो इस समय अपने दादा और चाचा के पास है।

छिंदवाड़ा में वायरल रील का नशा पड़ा भारी

सरकारी गाड़ी पर डांस कर बनाया वीडियो, मिली ऐसी सजा

छिंदवाड़ा, 16 अप्रैल (एजेंसियां)। सोशल मीडिया की दुनिया में फॉलोअर्स और लाइक्स की भूख अब हदें पार करने लगी है। ताज़ा मामला छिंदवाड़ा जिले से सामने आया है, जहां तीन युवकों को इंस्टाग्राम पर वायरल रील बनाने की चाहत में कानून तोड़ना भारी पड़ गया। सरकारी वाहन की छत पर चढ़कर रील बनाना युवकों को न केवल शर्मिंदगी का कारण बना, बल्कि उन्हें पुलिस की कार्रवाई का भी सामना करना पड़ा। घटना छिंदवाड़ा के नागपुर रोड स्थित इमलीखेड़ा अंडर ब्रिज की है। कुछ दिन पहले तीन युवक एक सरकारी कार (एमपी28जेडएफ6712) को सड़क किनारे खड़ी कर उसकी छत पर चढ़ गए और उनके नशे में।।। गाने पर थिरकते हुए इंस्टाग्राम रील शूट की। इस वीडियो को 'सददू' नामक इंस्टाग्राम अकाउंट से शेयर किया गया, जो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो गया। वीडियो सामने आने के बाद पुलिस हरकत में आई।

कोतवाली थाना प्रभारी उमेश गोल्हानी के नेतृत्व में कार्रवाई करते हुए तीनों युवकों की पहचान की गई। आरोपी शादाब अली (20), इशरार (20) और तंजिम खान (23) — तीनों छिंदवाड़ा के सागरपेशा क्षेत्र के निवासी हैं। पुलिस ने मंगलवार रात तीनों को पकड़कर थाने बुलाया, जहां उनसे लिखित माफीनामा लिया गया और मोटर व्हीकल एक्ट के तहत 5 हजार रुपये का जुर्माना भी लगाया गया।

'वक्फ की जमीन पर है ये गांव, खाली करो नहीं तो जमीनों पर अतिक्रमण माना जाएगा'

150 घरों को नोटिस, गांव वाले बोले- हमारे पास हैं सरकारी कागज

वेल्लोर, 16 अप्रैल (एजेंसियां)। तमिलनाडु के तिरुचेंदूरई गांव में हाल ही वक्फ कानून को लेकर विवाद देखने को मिला था। अब वेल्लोर जिले के अनैकट्टु तालुका स्थित कट्टुकोल्लई गांव में की सैयद अली सुल्तान शाह दरगाह द्वारा नोटिस जारी कर यहां के निवासियों की जमीनों को वक्फ की संपत्ति बताया गया है।

वेल्लोर जिले के कट्टुकोलाई गांव में 150 से अधिक परिवारों नोटिस भेजकर कहा गया है कि उनकी संपत्ति वक्फ की है। दरगाह द्वारा जारी नोटिस में ग्रामीणों को वक्फ के साथ औपचारिक समझौता करने और दरगाह प्रबबंधन को जमीन का किराया देने की बात कही गई।

यही नहीं किराया नहीं देने की स्थिति में जमीनों को खाली करने के लिए भी कहा गया है। नोटिस में कहा गया है कि अगर ऐसा नहीं किया गया तो जमीनों पर अतिक्रमण माना जाएगा और वक्फ कानूनों के तहत उनको वापस लिया जाएगा।

नोटिस मिलने के बाद परिवारों में आक्रोश

दरगाह की ओर से नोटिस मिलने के बाद ग्रामीणों में आक्रोश है। उन्होंने इस मामले में वेल्लोर जिला कलेक्टर कार्यालय तक मार्च किया। साथ ही वेल्लोर जिला कलेक्टर से इस मामले में तत्काल हस्तक्षेप की मांग की। वहीं वेल्लोर की जिला कलेक्टर वीआर सुब्बुलक्ष्मी ने समस्या का सौहार्दपूर्ण समाधान निकालने के लिए ग्रामीणों और दरगाह के केयरटेकर एफ सैयद साथम से बातचीत की है। जिला प्रशासन ने ग्रामीणों से फिलहाल किराया न देने को कहा है।

ग्रामीणों ने क्या कहा

ग्रामीणों का कहना है कि वो गांव में पिछले चार पीढ़ियों से रह रहे हैं। उनके पास यह दिखाने के लिए दस्तावेज हैं कि जिस जमीन पर उनके घर हैं, वह उनकी है। एक ग्रामिण ने कहा कि हमारी जमीन रजिस्टर्ड है। हमने वॉटर टैक्स भरा है, लेकिन अब हमें नोटिस देकर कहा गया है कि यह जमीन वक्फ की संपत्ति है।

पहली बार नहीं छिड़ा है विवाद

बता दें कि यह पहली बार नहीं है जब इस तरह का विवाद छिड़ा है। इससे पहले साल 2022 में तमिलनाडु वक्फ बोर्ड ने दावा किया था कि तिरुचिरापल्ली जिले के तिरुचेंदुरई गांव में चोल युग के मंदिर सहित लगभग 400 एकड़ जमीन उसकी है। हालांकि बाद में इस मामले में राज्य सरकार ने हस्तक्षेप किया था और मामला सुलझ गया था।

मम्मी-मम्मी चीखती रही मासूम, रील्स के चक्कर में गंगा में बह गई महिला

उत्तरकाशी, 16 अप्रैल (एजेंसियां)। आजकल रील्स बनाने के चक्कर में लोग अपनी जान से खेल रहे हैं। सोशल मीडिया पर ऐसा ही एक दिल दहलाने वाला वीडियो सामने आया है जिसमें दिख रहा है कि वीडियो शूट के चक्कर में एक महिला चंद सेकेंड में ही गंगा नदी में डूब जाती है और पीछे एक मासूम बच्ची मम्मी-मम्मी चीखती रही।

वो चीख इतना विचलित कर देने वाली थी कि जिसने भी ये वीडियो देखा वह दंग रह गया। घटना उत्तराखंड में उत्तरकाशी के मणिकर्णिका घाट की है। अपने परिवार के साथ यहां घूमने आई नेपाल मूल की महिला भागीरथी नदी में रील बनाने के चक्कर में बह गई। रील बनाते-बनाते महिला ने रियल लाइफ को ही खो दिया। गंगा घाट किनारे महिला रील बना रही थी। पानी काफी ठंडा था और बहाव बहुत तेज। महिला ने बिना किसी सुरक्षा उपाय के नदी में उतरकर रील बनाना शुरू किया। उस समय अचानक महिला का पैर फिसला और वह नदी की तेज धारा में बह गई।

खतरनाक साबित हुआ रील बनाना

वीडियो में देखा जा सकता है कि हादसे के तुरंत बाद वहां मौजूद लोग कुछ समझ नहीं पाए। युवती का छोटी बच्ची घाट पर ही खड़ा होकर मम्मी-मम्मी चिल्लाता रहा लेकिन तब तक बहुत देर हो चुकी थी। सूचना मिलते ही प्रशासन हरकत में आया और एसडीआरएफ तथा स्थानीय पुलिस की टीम ने मौके पर पहुंचकर बड़े पैमाने पर खोज अभियान शुरू किया। हालांकि रेस्क्यू टीम द्वारा काफी ढूंढने के बाद भी महिला का पता नहीं चल पाया है।

रात को उड़ी अफवाह और भीड़ ने कर डाला पथराव, सुबह चल गया दरगाह पर बुलडोजर-

नासिक, 16 अप्रैल (एजेंसियां)। महाराष्ट्र के नासिक में दरगाह के निर्माण को लेकर विवाद छिड़ा हुआ है। रात इसको लेकर बवाल हो गया। शहर के काटे गली इलाके में रात के समय पथराव की घटना हुई, जिसमें 31 पुलिसकर्मी घायल हुए हैं। 57 संदिग्ध मोटरसाइकिलें जब्त की गई हैं। पुलिस ने 15 लोगों को अरेस्ट किया है। बताया जाता है कि दरगाह को लेकर फैली अफवाह के चलते भीड़ भड़क गई, जिसके बाद बिजली कट होने का फायदा उठाकर भीड़ ने पथराव कर दिया। जिस वक्त बवाल हुआ तब भीड़ की संख्या 400 से ज्यादा थी और रात में 500 पुलिसकर्मियों की तैनाती की गई थी। नगर निगम ने कोर्ट के आदेश पर 1 अप्रैल को दरगाह को नोटिस भेजा था। जिसमें कहा गया था कि दरगाह में अवैध निर्माण खुद हटाएं, वरना कार्रवाई की जाएगी। नगर निगम द्वारा आज अवैध निर्माण को हटाने की कार्रवाई की जा रही है। मौके पर भारी पुलिस बल तैनात है। भीड़ को काबू करने के लिए पुलिस ने आंसू गैस का उपयोग किया। जिसके बाद भीड़ तितर-बितर हुई। बताया जा रहा है कि नगर निगम के नोटिस के बाद एक टीम दरगाह पर हुए अवैध निर्माण को हटाने पहुंची थी। इसी बीच अफवाह फैल गई कि दरगाह की ढहाया जा रहा है। इसी पर भीड़ उग्र हो गई और पथराव कर दिया। भीड़ द्वारा की गई पथराव की घटना में 2 सहायक पुलिस आयुक्त समेत 31 पुलिसकर्मी घायल हुए हैं। पथराव करने वाली भीड़ में से 15 लोगों को पुलिस ने हिरासत में लिया है। धार्मिक स्थल के अवैध निर्माण पर कार्रवाई जारी है। अतिक्रमण हटाने का काम एक बार फिर सुबह से शुरू हो गया है। दरगाह के पास पुलिस बंदोबस्त काफी बढ़ाया गया है। दरगाह के आसपास तीनो तरफ के सड़क पर पुलिस तैनात की गई है और किसी भी बाहरी व्यक्ति या गाड़ी को अंदर आने नही दिया जा रहा है। पुलिस वैन लगाकर सड़क को बेरिकेट किया गया है। दरगाह कमेटी का कहना है कि पीर बाबा की यह दरगाह 350 साल पुरानी है। जबकि, सकल हिंदू समाज ने इसे ध्वस्त कर यहां हनुमान मंदिर बनाए जाने की मांग की है।

लड़की बहन योजना को लेकर डिप्टी सीएम अजित पवार का एलान

कहा- यह बंद नहीं होगी, हमने बजट दे दिया

मुंबई, 16 अप्रैल (एजेंसियां)। लड़की बहन योजना के बंद होने की अटकलों को महाराष्ट्र के डिप्टी सीएम अजित पवार ने खारिज किया है। उन्होंने एलान किया कि सरकार की प्रमुख योजना लड़की बहन जारी रहेगी और इसे खत्म करने का कोई सवाल ही नहीं है। योजना के कार्यान्वयन के लिए बजटीय आवंटन किया जा चुका है। इससे पहले राज्य की महिला एवं बाल विकास मंत्री अदिति तटकरे ने कहा कि योजना के तहत दी जाने वाली सहायता राशि में कोई बदलाव नहीं किया गया है। वहीं अन्य योजना के तहत पहले से ही 1,000 रुपये प्राप्त कर रही 7।74 लाख महिलाओं को 500 रुपये का अंतर दिया जा रहा है। उन्होंने कहा कि लड़की बहन योजना के तहत उन महिलाओं को 1,500 रुपये प्रति माह दिए जाते हैं जो किसी अन्य सरकारी योजना का लाभ नहीं ले रही हैं। जिन महिलाओं को अन्य योजनाओं के तहत 1500 रुपये से कम का लाभ मिल रहा है, उन्हें लड़की बहन योजना के तहत अंतर का भुगतान किया जाता है। एनसीपी नेता ने एक्स पर लिखा कि इस नीति के तहत एक हजार रुपये प्रति माह पाने वाली 7,74,148 महिलाओं को 500 रुपये के अंतर का भुगतान किया जा रहा है। लड़की बहन योजना से किसी भी पात्र महिला को बाहर नहीं रखा गया है और 3 जुलाई 2024 के बाद उक्त प्रक्रिया में कोई बदलाव नहीं किया गया है। उन्होंने राज्य विधानमंडल के बजट सत्र के दौरान इस बारे में स्पष्टीकरण दिया है।

महिला को छेड़ता था शराबी दुकानदार

शिकायत की तो पेंट का थिनर डालकर लगा दी आग तड़प-तड़पकर मौत

कासरगोड, 16 अप्रैल (एजेंसियां)। केरल में एक शराबी दुकानदार ने एक महिला को आग लगा दी, जिससे उसकी मौत हो गई। दरअसल, महिला ने मकान मालिक से पड़ोस में रहने वाले एक व्यक्ति के बारे में शिकायत की थी, जो शराब पीकर हर दिन उससे झगड़ा करता था। इसके बाद वो व्यक्ति महिला से जलने लगा। यही नहीं बदले की भावना में उसने महिला पर पेंट थिनर डाला और उसे आग लगा दी। ये घटना केरल के कासरगोड जिले के मन्नादुक्कम की है। यह भयावह घटना 8 अप्रैल को घटी। पुलिस द्वारा दी गई जानकारी के अनुसार, स्थानीय निवासी रमिता नामक महिला किराने की दुकान चलाती थी। तमिलनाडु के रामामृतम नामक व्यक्ति रमिथा की दुकान के बगल में फर्नीचर की दुकान चलाता है। कुछ दिन पहले, पीड़िता रमिथा ने उस मकान के मकान मालिक से शिकायत की, जहां आरोपी रामामृतम रह रहा था।

किराने की दुकान पर बैठी थी महिला

महिला ने आरोप लगाया कि उसने शराब के नशे में उसे परेशान किया। उसकी शिकायत के आधार पर मकान मालिक ने रामामृतम को मकान खाली करने की चेतावनी दी। इससे रामामृतम के मन में रमिथा के प्रति द्वेष उत्पन्न हो गया। वह किसी भी तरह उससे बदला लेना चाहता था। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि रामामृतम ने 8 अप्रैल को अपनी किराने की दुकान पर बैठी रमिथा पर रंग में मिला हुआ थिनर डाल दिया और उसे आग लगा दी।

पुलिस ने विभिन्न धाराओं में मामला किया दर्ज

गंभीर रूप से घायल रमिथा को मैंगलोर के एक अस्पताल में ले जाया गया। रमिथा की मंगलवार को 50 प्रतिशत जलने के कारण मृत्यु हो गई। जब आरोपी रामामृतम ने भागने की कोशिश की तो स्थानीय लोगों ने उसे पकड़ लिया और पुलिस के हवाले कर दिया। पुलिस ने विभिन्न धाराओं के तहत मामला दर्ज कर लिया है।

स्वतंत्र वार्ता

गुरुवार, 17 अप्रैल - 2025

तमिल फतह की तैयारी में भाजपा

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के सामने इस समय सबसे बडी चुनौती बंगाल, तमिलनाडु, केरल के अभेद्य बन चुके किले को फतह करना है। इसके लिए उन्होंने गृहमंत्री अमित शाह को जिम्मेदारी सौंप दी है। रणनीति के तहत ही अमित शाह ने हाल ही में चेन्नई यात्रा भी की है। जहां पहुंच कर उन्होंने अपना कमाल दिखाया और अगले साल होने वाले विधानसभा चुनाव से पहले अन्नाद्रमुक के साथ भाजपा के गठबंधन की घोषणा कर दी। इससे यह द्रविड़ पार्टी अब फिर से एनडीए के पाले में आ गई है। बता दें कि मोदी की राष्ट्रीय अपील और विशाल संसाधनों के बावजूद इन दक्षिणी राज्यों में जीतना भाजपा के लिए मुश्किल रहा है। पिछले 78 सालों में इन राज्यों ने कभी भी भाजपा-संघ की राष्ट्रवादी विचारधारा या हिंदुत्व को स्वीकार नहीं किया है। भाजपा इन राज्यों में हिंदू पहचान को पुष्ट करने वाली वैकल्पिक विचारधारा पेश कर रही है। इसका अंतिम हश्र क्या होगा इसे जानने में कुछ समय और लग सकता है। भाजपा बंगाल या तमिलनाडु में जब भी हारती है, तो उसके आलोचक कहते हैं कि हिंदी भाषी मतदाताओं में लोकप्रिय भाजपा औसत बंगालियों और तमिलों की बारीकियों को समझ नहीं पाती है। जब इन राज्यों के जातीय-मतदाता भाजपा को उसके मौजूदा स्वरूप में स्वीकार करेंगे, तब यह भारतीय सेकुलर राजनीति की एक क्रांतिकारी घटना होगी। भाजपा इसे बखूबी समझती है। धीरे-धीरे ही सही लेकिन द्रविड़ आंदोलन में भी बदलाव दिखाई देने लगा है। 70 के दशक की तुलना में अब मुख्यधारा का भारत एक औसत तमिल के लिए कहीं अधिक आकर्षक और स्वीकार्य है। द्रविड़ आंदोलन के संस्थापक पेरियार या द्रमुक के संस्थापक अन्नादुरै सरीखे दक्षिण की राजनीति में आज कोई बौद्धिक दिग्गज नहीं हैं, जो पहचान-आधारित राजनीतिक प्रयोगों का विरोध कर सके। केंद्र में भी तमिल-नेतृत्व का बड़ा शून्य है। सीएम एमके स्टालिन और अन्नाद्रमुक के सामने एडप्पाडी करुप्पा पलानीस्वामी अपने पूर्ववर्तियों के मुकाबले कहीं नहीं ठहरते।

पलानीस्वामी पर तमिल भाषी पूरा भरोसा नहीं करते हैं। तमिलनाडु में भाजपा के पास कभी भी करुणानिधि और जयललिता जैसा नेतृत्व नहीं रहा। उसके पास शक्तिशाली जातियों या वर्गों का समर्थन भी नहीं है। भाजपा के पास द्रविड़ समाज को आकार देने का संस्थागत इतिहास नहीं है, न ही राज्य के विकास में उसकी गहरी जड़ें हैं। इसके बाद भी भाजपा विचलित नहीं है। वह एक नया वोट बैंक तैयार कर रही है। मोदी ने काशी और तमिलनाडु के बीच विभेद को खत्म करने के लिए ही तमिल प्रतीक सेंगोल संसद में स्थापित किया है। मोदी और शाह ने तमिल भाषा के प्रति पार्टी के सम्मान को परिभाषित किया। पिछले दशक का एक बड़ा राष्ट्रीय घटनाक्रम यह रहा है कि भाजपा ने चुपचाप अपने नारे हिंदी, हिंदू और हिंदुस्तान में सुधार किया है। अब वह हिंदी और सभी क्षेत्रीय भाषाओं' की बात करती है। 2023-24 में, भाजपा ने तमिलनाडु में जबर्दस्त संसाधन लगाए, लेकिन लोकसभा में सीटें जीतने में विफल रही। उसे 11.24 फीसद ही वोट मिले। द्रमुक तमिल राजनीति की केंद्रीय धुरी है। वह सत्तारूढ़ है, साधन-सम्पन्न है, उसके पास प्रशिक्षित कैडर और विशाल संगठन है। लेकिन भ्रष्टाचार, शराब नीति, बिगड़ती कानून-व्यवस्था के कारण सत्ता-विरोधी लहर भी है। सुपरस्टार अभिनेता जोसेफ विजय चंद्रशेखर की तमिलगा वेत्री कषगम ने तमिल राजनीति में धूम मचा रखी है। वे वैचारिक रूप से द्रमुक के करीब हैं। वे द्रमुक के वोटों में सेंध लगा सकते हैं। वे अन्नाद्रमुक को द्रमुक विरोधी वोट हासिल करने से भी रोकेंगे। अमित शाह इस खेल को समझने में माहिर हैं। उनका प्राथमिक मिशन विपक्षी वोटों में टूट को रोकना है। इसलिए भाजपा की राजनीतिक यात्रा में 2026 का तमिलनाडु चुनाव मील का पत्थर साबित होगा।

जब वक्फ बन जाए हिंसा का बहाना

सुरेश गांधी

वक्फ बिल अब कानून का रूप ले चुका है। संसद में देश के सामने यह कानून बना। कानून से किसी को आपत्ति है तो सुप्रीम कोर्ट में चुनौती दी जा सकती है। कई याचिकाएं गई भी हैं। सुप्रीम कोर्ट इसकी वैधता पर सुनवाई करेगा और अपना फैसला लेगा। ऐसे में किसी को भी हक नहीं कि वक्फ कानून की आड़ में देश के माहौल को खराब करे। मगर पश्चिम बंगाल में माहौल बिगड़ चुका है। खास यह है कि मुर्शिदाबाद के एक इलाके से फैली हिंसा की आग अब धीरे-धीरे फैलती जा रही है। पश्चिम बंगाल के कई इलाकों में हिंसक प्रदर्शन जारी हैं। वक्फ कानून के खिलाफ मुसलमान सड़कों पर हैं। उन्हें बरगलाया जा रहा है। इसकी वजह से सैकड़ों हिंदुओं का पलायन हो चुका है। तीन लोगों की जान भी जा चुकी है। अब सवाल है कि क्या पश्चिम बंगाल में ही सबसे अधिक मुसलमान हैं? क्या अन्य राज्यों के मुसलमानों को वक्फ कानून से कोई लेना-देना नहीं? आखिर यूपी-बिहार और महाराष्ट्र के मुसलमान क्यों बेफिक्र हैं? पश्चिम बंगाल में आखिर कौन दंगे की बार-बार साजिश रच रहा है? जबकि सरकार का दावा है कि इससे ग़रीब मुस्लिमों को फायदा होगा। अगर कुछ लोगों को वक्फ एक्ट पर गुस्सा है तो गरीबों को निशाना क्यों बनाया जा रहा है? बावजूद इसके विपक्ष और मुस्लिम संगठन पुराने वक्फ बोर्ड के नियमों को लेकर अड़े हुए हैं। वक्फ कानून को लेकर बंगाल की सियासत ने इस हिंसा को और हवा दी है। इसकी वजह से ही बंगाल में अब मार-काट मच चुका है। आरोप है कि टीएमसी वाले ही इस कानून के खिलाफ लोगों को भड़का रहे हैं। मुर्शिदाबाद में हिंसा, आगजनी और पत्थरबाजी ने यह साबित कर दिया है कि बगैर सियासी घी के यह हिंसा नहीं हो सकती थी। मुर्शिदाबाद हिंसा का टूलकिट भी सामने आया है, जिसमें टेलीग्राम, व्हाट्सऐप और सिग्नल ऐप जैसे सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म से टूलकिट जारी किया जा रहा है। कहां-कैसे प्रदर्शन करना है, सब प्लानिंग हो रही है। खुफिया एजेंसियों की मानें तो बंगाल में वक्फ कानून के विरोध में फैली हिंसा का पैटर्न साल 2019 में सीए के खिलाफ हुए हिंसक प्रदर्शनों की तरह है। मुर्शिदाबाद में हिंसा फैलाने के लिए उसी टूलकिट का इस्तेमाल किया जा रहा है, जिसका प्रयोग सीएए के खिलाफ हुए विरोध-प्रदर्शनों में किया गया था। आरोप यह भी है ममता सरकार के लोग ही दंगा करने वालों को उकसा रहे है। वह नहीं चाहती कि जिन लोगों ने वक्त की आड़ में जमीनों को कब्जा किया है, वह उजागर हो। इसीलिए साजिश के तहत दंगा करवाया जा रहा है। ये वहीं लोग है, जो कभी दलित-मुस्लिम समीकरण तैयार करवाते हैं तो कभी मुस्लिम-ओबीसी समीकरण को फंडिंग करवाते हैं। इसी की आड़ में अभिजात्य मुसलमान विदेशों से हवाला के जरिए फंडिंग लेकर देश में पाकिस्तान-बांग्लादेश के ही नहीं बल्कि अरब देशों के हमदर्द पैदा करते हैं।

वैश्विक उष्णता दुनिया की सबसे बड़ी समस्या!

मनोज अग्रवाल

वैश्विक उष्णता या ग्लोबल वार्मिंग दुनिया के लिए सबसे चिंता का पहलू होना चाहिए आप जानते हैं कि पूरी दुनिया काफी तेजी से प्रगति कर रही है, लेकिन कुछ समस्याएं ऐसी हैं जिसका समाधान अगर समय रहते नहीं किया गया, तो धरती पर आने वाले समय में रहना मुश्किल हो जाएगा। मौजूदा समय में पूरी दुनिया में जलवायु परिवर्तन को लेकर चिंतित है, क्योंकि ग्लोबल वार्मिंग एक बड़ी समस्या बनकर उभरी है। कहा जा रहा है कि जल्द ही इसे काबू नहीं किया गया, तो इंसान ही नहीं बहुत सी और प्रजातियों के अस्तित्व के लिए खतरा बन जाएगा। दुनिया भर में बढ़ते तापमान और जर्मनी, कनाडा और ग्रेट ब्रिटेन जैसे देशों में भयावह प्राकृतिक आपदाओं ने पूरी दुनिया को झकझोर कर रख दिया।हकीकत यह है कि प्रकृति ने अपना विध्वंसक रुप धीरे-धीरे दिखना शुरू कर दिया है। जलवायु परिवर्तन के चलते कभी सूखे का सामना करना पड़ता है तो कभी बाढ़ का सामना करना पड़ता है। गर्मी साल दर साल बढ़ती ही जा रही है। अब तो देश के कई राज्य सर्दियों में भी गैस चैंबर बन जा रहे हैं। अब नई रिसर्च में पता चला है कि बारिश के दौरान कई शहरों में अम्लीय वर्षा ज्यादा हो रही है। इन शहरों में प्रयागराज, विशाखापत्तनम और असम का मोहनबाड़ी शामिल है। इसी प्रकार थार मरुस्थल से उठने वाली धूल की वजह से जोधपुर, पुणे और श्रीनगर में बारिश का पानी क्षारीय हो रहा है। देश में बढ़ता वायु प्रदूषण बारिश के पानी को अम्लीय (एसिडिक) बनाना निश्चित तौर गंभीर खतरे की बात है। एसिड रेन एक तरह की बारिश है जो आसामान्य रूप से अम्लीय होती है। इसके होने के पीछे का मुख्य कारण औद्योगिक और जीवाश्म से निकलने वाले सल्फर और नाइट्रोजन के ऑक्साइड और धूल, कण और वायु प्रदूषण होता है। इसमें एसिड की मात्रा ज्यादा होती है। यह बारिश उन समय होती है जथ वायुमंडल की शुद्ध हवा में जब कोई अनावश्यक तत्व आकर मिलते है। इसकी मात्रा अधिक होना एसिड रेन का कारण बनती है। एसिड रेन होने का मुख्य कारण कारखानों की चिमनियों से निकले वाला धुंआ, वाहन में प्रयोग होने वाला डीजल, गाड़ियों से निकलने वाले धुआं आदि में मौजूद सल्फर ऑक्साइड और नाइट्रोजन ऑक्साइड से एसिड रेन होती है। इसके अलावा कोयला को जलाने से भी सल्फर गैस निकलती है। ऐसे में जब पहली बारिश होती है तो उसे एसिड रेन माना जाता है। एसिड रेन पौधों के पत्तों को नुकसान पहुंचा सकती है। इसके साथ ही उनके ग्रोइंग पावर को कम करता है। एसिड रेन नदियों और झीलों में जीवों के जीवन को नुकसान पहुंचा सकती हैं। अम्लीय चारिश के कारण खेत की मिट्टी भी अम्लीय हो जाती है और खेतों में इसका बुरा असर पड़ता है। अम्लीय वर्षा के कारण सतही जल के उपजाऊ शक्ति में कमी आती है और एल्युमीनियम की सांद्रता बढ़ती है। ये कारक जलीय जीवों के जीवन को नुकसान पहुंचाते हैं। पीएच 5 से कम होने पर अधिकांश मछलियों के अंडे फूटने में असमर्थ होते हैं। भारत मौसम विभाग और भारतीय उष्णकटिबंधीय मौसम विज्ञान संस्थान के एक अध्ययन की रिपोर्ट के अनुसार संस्थानों ने 34 साल के अध्ययन के बाद यह निष्कर्ष निकाला है कि देश के कई हिस्सों में वर्षा जल तेजी से अम्लीय हो रहा है। यह स्थिति विशाखापत्तनम (आंध्रप्रदेश), प्रयागराज (उत्तरप्रदेश) और मोदनवाड़ी (असम) जैसे शहरों में ज्यादा चिंताजनक है। अगर समय रहते प्रदूषण पर नियंत्रण नहीं किया गया, तो इसके दूरगामी प्रभाव पड़ सामने आ सकते हैं। 1987 से 2021 के बीच देश के 10 ग्लोबल एटमॉस्फियर बाँध स्टेशनों (श्रीनगर, जोधपुर, प्रयागराज, मोहनवाड़ी, पुणे, नागपुर, विशाखापत्तनम, कोडाईकनाल, मिनिकॉय और पोर्ट ब्लेयर) पर यह अध्ययन किया गया। इन जगहों पर बारिश के पानी में रसायनों की मात्रा और पीएच स्तर की निगरानी की गई। वर्षा जल का सामान्य पीएच (पीएच) स्तर लगभग 5.6 होता है। चारिश का पानी वायुमंडलीय कार्बन डाइऑक्साइड के कारण स्वाभाविक रूप से थोड़ा अम्लीय होता है। लेकिन, जब यह स्तर 5.65 से नीचे चला जाए, तो इसे 'अम्लीय वर्षा माना जाता है। अध्ययन के अनुसार, पिछले तीन दशकों में कई शहरों में वर्षा जल का पीएच लगातार गिरता जा रहा है, जो पर्यावरण और स्वास्थ्य के लिए खतरे की घंटी है। अध्ययन में पाया गया है कि प्रयागराज में बारिश के दौरान पीएच में हर दशक 0.74 यूनिट की गिरावट दर्ज की गई। पुणे में हर दशक 0.15 यूनिट घटा है। विशाखापत्तनम की अम्लीयता के पीछे तेल रिफाइनरी, उर्वरक संयंत्र और शिपिंग यार्ड से निकलने वाले प्रदूषक माने जा रहे हैं। जोधपुर और श्रीनगर जैसे स्थानों पर आसपास के रेगिस्तानी क्षेत्रों से आने वाली धूल अम्लीय तत्वों को बेअसर करने में सहायक है। यह रिसर्च में देश के 10 प्रमुख शहरों में बारिश के पानी में पीएच लेवल का अध्ययन कर रिपोर्ट तैयार किया गया है। इस अध्ययन में भारतीय उष्णकटिबंधीय मौसम विज्ञान संस्थान के वैज्ञानिक शामिल रहे हैं। वैज्ञानिकों के मुताबिक निगरानी के लिए चिन्हित अधिकांश स्थानों पर पीएच स्तर में काफी गिरावट दर्ज हुई है। यह गिरावट चिंताजनक है। यह स्थिति शहरीकरण और औद्योगिकीकरण की वजह से बनी है। रिसर्च में शामिल वैज्ञानिकों के मुताबिक चाहे अम्लीय बारिश हो या क्षारीय (अल्कलाइन) दोनों ही प्रकार की वर्षा का प्रभाव खतरनाक हो सकता है। इससे जलीय जीवों के साथ ही वनस्पतियों का भी जीवन प्रभावित हो सकता है। वैज्ञानिकों के मुताबिक फिलहाल तो इस एसिड रेन या छारीय बारिश से कोई खतरा तो नहीं, लेकिन यह परिस्थिति चिंताजनक जरूर है। कहा कि बारिश के पानी में पीएच जितना कम होगा, अम्लता उतना ही अधिक होगी। वैज्ञानिकों ने अपनी रिपोर्ट में चताया है कि से 14 के पैमाने में पीएच लेबल की जांच होती है। इसमें सात का पैमान न्यूट्रल है। इसी से तय किया जाता है कि पानी कितना अम्लीय है और कितना छारीय। इस पानी के अध्ययन के लिए 1987 से 2021 तक ग्लोयात एटमॉस्फियर वाच स्टेशन बनाए गए थे। इन स्टेशनों पर बारिश के पानी का अध्ययन किया गया। इसमें अधिकांश स्थानों पर पीएच लेबल में कमी पाई गई है। इसकी वजह वाहनों और औद्योगिक गतिविधियों को बताया गया है। अग्लीय वर्षा रोकने का एक मात्र उपाय है कि हवा को प्रदूषित होने से रोका जाए। इसके लिए धरती को हराभरा करने की जरूरत है। लेकिन देखा जा रहा है कि हमारे जंगलों की कीमत पर बुनियादी ढांचे के निर्माण पर ध्यान केनद्रित करने वाली राज्य सरकारों का ढुलमुल रवैया पहले से खराब हालात को और बदतर बना रहा है। उत्तर भारत से लेकर दक्षिण भारत तक बड़े पैमाने पर वनों की कटाई हुई है। शोध बताते हैं कि बड़े पैमाने पर वनों की कटाई ने हमारे मानसून पर प्रतिकूल असर डाला है, नतीजतन वर्षा का स्तर कम हो गया है। अगर धरती को बचाना है तो वृक्षारोपण ज्यादा से ज्यादा करना होगा, पहले ही काफी देर हो चुकी है, अगर इंसान अभी भी नहीं संभलता है, तो इसकेभयानक परिणाम के लिए तैयार रहना होगा।जानकार लोगों का तो यहां तक मानना है कि यदि उषणता इसी तरह बढती रही तो पृथ्वी पर जीवन बेहद कठिन स्तर पर पहुंच जाएगा। ग्लोबल वार्मिंग, यानी वैश्विक तापमान में वृद्धि, का मुख्य कारण मानवीय गतिविधियों के कारण ग्रीनहाउस गैसों का उत्सर्जन है। यह कार्बन डाइऑक्साइड, मीथेन और नाइट्रस ऑक्साइड जैसी गैसों का जमाव है, जो पृथ्वी के वातावरण में गर्मी को रोककर तापमान को बढ़ाते हैं। इससे जलवायु परिवर्तन होता है और कई नकारात्मक प्रभाव पड़ते हैं, जैसे कि समुद्र का स्तर बढ़ना, चरम मौसम की घटनाओं में वृद्धि, और पारिस्थितिकी तंत्र में बदलाव.

मानवीय गतिविधियों, जैसे कि जीवाश्म ईंधन का जलना, वनों की कटाई, और औद्योगिक प्रक्रियाएं, ग्रीनहाउस गैसों के उत्सर्जन को बढ़ाती हैं.कोयला, तेल, और प्राकृतिक गैस जैसे जीवाश्म ईंधन का जलना कार्बन डाइऑक्साइड का सबसे बड़ा स्रोत है.पेड़ कार्बन डाइऑक्साइड को अवशोषित करते हैं, इसलिए वनों की कटाई से वातावरण में कार्बन डाइऑक्साइड का स्तर बढ़ता है.सीमेंट, रसायन, और अन्य औद्योगिक प्रक्रियाएं भी ग्रीनहाउस गैसों का उत्सर्जन करती हैं।

राहुल गांधी का संकेत गहलोत युग के पटाक्षेप का

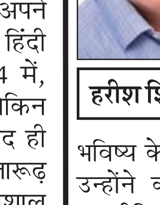

हरीश शिवनानी

पिछले सप्ताह अहमदाबाद में संपन्न कांग्रेस के अधिवेशन के बाद जब राहुल गांधी राजस्थान के रणथंभौर में छुट्टी मनाने आए तो यह किसी को भी अंदाज़ा नहीं था कि वे किसी से प्रदेश में कॉंग्रेस के भविष्य के नेर्तृत्व की चर्चा भी करेंगे; लेकिन उन्होंने की,भले ही संकेतात्मक रूप से। राजनीति संकेतों और प्रतीकों में ही ज़्यादा उभर कर आती है।

सियासत में दो दशक से ज्यादा सक्रिय राहुल गांधी अब इस बात को भली-भांति समझ चुके हैं। इसलिए उन्होंने यहाँ कांग्रेस के किसी बड़े नेता से नहीं, बल्कि सवाईमाधोपुर के ग्रामीण क्षेत्र शेरपुर खिलचीपुर के ब्लॉक अध्यक्ष छुट्टनलाल मीणा से अशोक गहलोत और सचिन पायलट का नाम लेकर पूछा कि राजस्थान में कमान किसे मिलनी चाहिए? राजस्थान की राजनीति पर नज़र रखने वाले जानते हैं कि यह सवाल मामूली नहीं था; इसके मायने गहरे हो सकते हैं; क्योंकि देश के सबसे बड़े प्रदेश में गहलोत-पायलट विवाद राष्ट्रीय स्तर की सुर्खियां रह चुका है।

दरअसल राहुल गांधी का यह सवाल साबरमती के तट पर बनी पार्टी की भविष्य की रणनीति का ही एक हिस्सा है। पार्टी ने घोषणा की कि प्रदेशों में जिला समितियाँ और जिला-स्तरीय नेतृत्व निर्णय लेने और जवाबदेही का आधार बनेंगे। इसी रणनीति के तहत अधिवेशन में राजस्थान के नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली दलित अस्मिता के प्रतीक के तौर पर उभारे गए। जूली के मंदिर में जाने के बाद 'गंगाजल से शुद्धिकरण' वाले प्रसंग को कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने भी उठाया; इसलिए यह संयोग नहीं कि राहुल गांधी ने जिस ब्लॉक अध्यक्ष से सवाल पूछा वो दलित वर्ग से ही है और युवा भी।

देश के सबसे बड़े प्रदेश में सबसे पुरानी पार्टी की कमान की बात अगर पहले पायलट से करें तो उनके पक्ष में अन्य बातों के अलावा महत्त्वपूर्ण मायने रखती है उनकी उम्र। उनकी और गहलोत की उम्र में करीब 26 साल का फासला है।

47 वर्षीय युवा पायलट और 73 वर्ष के अनुभवी गहलोत के बीच पांच वर्ष पहले भले ही मतभेद रहे हों और ये मतभेद पायलट के बागी होने की सीमा तक पहुंच गए हों लेकिन इससे पायलट के राजनीतिक कद में कोई फ़र्क नहीं पड़ा। कॉंग्रेस के केंद्रीय नेर्तृत्व के लिए वे हमेशा 'एसेट' ही रहे। राजस्थान में प्रदेशाध्यक्ष और उपमुख्यमंत्री पद छिन जाने के बावजूद पायलट ने जिस ख़ामोशी से संयम और गरिमा को बनाए रखा, यह उनकी राजनीतिक परिपक्वता को दर्शाता है। उससे इनके कद में बढ़ोतरी ही हुई और केंद्रीय नेर्तृत्व ने उन्हें पार्टी का महासचिव बना कर उनके महत्व को स्वीकार भी किया। जातिगत आधार पर भी पायलट जिस गुर्जर वर्ग से आते हैं, उसका राज्य की राजनीति में काफी प्रभाव है। राज्य की 30-35 सीटों पर गुर्जर जाति का प्रभाव है। गुर्जर परंपरागत रूप से बीजेपी के साथ माना जाता था पर 2018 के विधानसभा चुनाव में पायलट की वजह से गुर्जर समुदाय का झुकाव कांग्रेस की तरफ हो गया लेकिन 2023 के विधानसभा चुनावों में पायलट-गहलोत विवाद से गुर्जरों की नाराज़गी कांग्रेस को काफी भारी पड़ी।

राजस्थान में 34 विधानसभा क्षेत्र अनुसूचित जाति और 25 जनजाति के लिए आरक्षित हैं तो 100 से अधिक सीटों पर ओबीसी समूहों का खासा प्रभाव है। जाट, माली कुम्हार और कुमावत सहित सभी जातियां अब राजनीतिक रूप से काफ़ी सजग और सचेत हो गई हैं। गुर्जर भी इन्हीं में आते हैं।

इन सबमें माली समुदाय अपेक्षाकृत छोटा है। अशोक गहलोत इसी समुदाय से आते हैं। पिछली विधानसभा में पायलट के गुर्जर समुदाय से आठ विधायक थे जबकि माली समुदाय से एकमात्र विधायक गहलोत ही थे।

कमान के अलावा राजस्थान में लगातार वोट संख्या को लेकर भी कांग्रेस की चिंता और चुनौतियां कम नहीं हैं। पिछले चार विधानसभा चुनावों के नतीजे बताते हैं कि कांग्रेस और भाजपा के बीच वोट का अंतर न केवल घटता गया है बल्कि 2023 के चुनाव में तो भाजपा आगे भी निकल गई।

ऐसे में कांग्रेस अगर नेर्तृत्व की कमान किसी युवा, जातिगत समीकरणों में समायोजित होने वाले लोकप्रिय नेता के हाथों में देना चाहे तो पायलट 'अ सूटेबल बॉय' हो सकते हैं। दूसरी ओर यह भी ठोस यथार्थ है कि इसे अशोक गहलोत के युग का पटाक्षेप मानना जायज़ नहीं होगा। सच यही है कि आज भी कांग्रेस में अनुभव, राजनीतिक कूटनीति विपक्ष के दांवपेंच को समझने में अशोक गहलोत के पासंग कोई नहीं है। उनके समवयस्क अन्य नेताओं में संगठन और सरकार चलाने का ठोस अनुभव और प्रशासनिक क्षमता उतनी नहीं है, जितनी गहलोत ने आधी सदी में अर्जित की है।

गहलोत राजस्थान के एकमात्र ऐसे मुख्यमंत्री रहे हैं जिन्होंने तीनों बार अपना कार्यकाल पूरा किया। 1974 में एनएसयूआई के प्रदेशाध्यक्ष से लेकर 1977 में कांग्रेस के संकटकाल में अपनी मोटरसाइकिल बेचकर पहला चुनाव लड़ चुके गहलोत इस रेगिस्तानी सीमांत प्रदेश के गाँव-गाँव, ढाणी-ढाणी तक पग-पग नाप चुके हैं। यह गहलोत की नेर्तृत्व-क्षमता ही थी जिसे महसूस कर सोनिया गांधी ने 2022 में उन्हें पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष के रूप में चुन ही लिया था लेकिन स्वयं गहलोत ने इससे किनारा कर सबको चौंका दिया था।

इसके बावजूद गांधी परिवार का गहलोत में विश्वास बरकरार है। राज्य में भविष्य का नेर्तृत्व तैयार करने के लिहाज से भले हो राजस्थान की कमान पायलट को सौंप दी जाए लेकिन पार्टी गहलोत के अनुभव, पार्टी के प्रति आधी सदी की प्रतिबद्धता और राष्ट्रीय पहचान के मद्देनज़र उन्हें नज़रंदाज़ नहीं कर सकती। सोनिया गांधी के स्वास्थ्य, मल्लिकार्जुन खड़गे की बढ़ती उम्र और राहुल गांधी की अनिच्छुकता के चलते संभव है कि कांग्रेस का अगला राष्ट्रीय अध्यक्ष देश को राजस्थान से ही मिले।फिर भी इस बात को ध्यान में रखना होगा कि जो अक्टूबर 2022 में ख़ुद अशोक गहलोत ने कही थी - राजनीति 'गुणा-भाग' का खेल है, जहां जो दिखता है वो होता नहीं है और जो होता है वो दिखता नहीं है।

दर्द: न धर्म देखे न जात

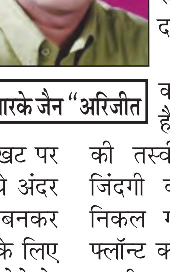

आरके जैन "अरिजीत

इस महंगाई के दौर में, जहां एक चुटकी केसर खरीदने से पहले जेब टटोलनी पड़ती है, एक चीज ऐसी है जो अब भी मुफ्त बरसती है – दर्द। बिना टैक्स, बिना जीएसटी, बिना किसी सब्सक्रिप्शन के। ये ऐसा बिन बुलाया मेहमान है जो दिल की चौखट पर दस्तक तक नहीं देता, सीधे अंदर घुसता है और किराएदार बनकर टिक जाता है। इसे बांटने के लिए न लाइसेंस चाहिए, न इसे लेने के लिए कोई क्वालिफिकेशन और न सरकार की मंजूरी। बस एक ठेस, एक ताना, एक नजर – और दर्द हाजिर, बिल्कुल मुफ्त, सीधे आपके दिल के ठिकाने पर। सब कुछ महंगा हो गया है - दाल-चावल, पेट्रोल, रिश्ते, वफादारी, और यहाँ तक कि मुस्कान भी अब क्रेडिट कार्ड पर मिलती है। लेकिन दर्द? ये तो ऐसा उदार सौदागर है जो मुफ्त में गले लगाता है और जाने का नाम नहीं लेता। ये चाय की आखिरी चुस्की की तरह चिपकता है, जो खत्म होने का नाम ही नहीं लेता। दर्द का बाजार कभी मंदा नहीं पड़ता – न स्टॉक क्रैश, न रिसेशन, बस फ्री डिलीवरी, दर्द का डिलीवरी सिस्टम तो ऐसा है कि स्विगी-जोमैटो सब इसके सामने फीके। दोस्त का "ब्रो, तू अभी तक सेटल क्यों नहीं हुआ?" वाला तीर, रिश्तेदार का "अब तो शादी कर ले" ताना, या मोहल्ले की गुप्ता आंटी का अपने बेटे की विदेशी नौकरी का वायरल रील – हर गली से दर्द की मुफ्त डिलीवरी, वो भी '30 मिनट या फ्री' गारंटी के साथ। आंटी चुप रहें तो दर्द, क्योंकि उनकी खामोशी आपके फ्लॉप स्टार्टअप पर साइलेंट मिस्ड कॉल है। और बोलें तो दर्द, क्योंकि उनका "हमारा बेटा तो ऑस्ट्रेलिया में ठाठ करता है" आपकी जिंदगी को 2-स्टार रेटिंग वाली वेब सीरीज बना देता है। ऊपर से समाज का फ्री का फंडा – "थोड़ा जॉब ढूंढो, देखो शर्मा जी का बेटा CEO बन गया!" बस, दर्द का पैकेज कन्फर्म, सीधा दिल में ड्रॉप।

ट्रेन का टिकट 700 का, मूवी का 400 का, लेकिन ब्रेकअप का दर्द? वो तो फ्लैश डिलीवरी में घर पहुंचता है, वो भी बिना शिपिंग चार्ज। प्रेमी का 'सीन' बिना जवाब? दिल में भूकंप। जवाब में "व्यस्त हूँ"?

सुनामी। कोई डाउन पेमेंट नहीं, बस इमोशनल कर्ज और ब्याज में आंसुओं की किश्तें। और अगर प्रेमी ने "हम सिर्फ दोस्त हैं" कह दिया, तो समझो दिल का पूरा ढांचा ही ढह गया। सरकारी दफ्तरों में दर्द का मेला सजा है। लाइन में खड़े-खड़े कमर टूटे, वो शारीरिक दर्द। फाइल टेबल से टेबल घूमे और काम न हो, वो मानसिक दर्द। अफसर की बनावटी मुस्कान हो या चपरासी की घुड़की, दोनों मुफ्त में दिल तोड़ने का ठेका लिए घूमते हैं। आपकी फाइल "कल आना" के चक्रव्यूह में फंसती है, और समाधान सिर्फ आपके दिल में घूमता रहता है – वो भी मुफ्त का दर्द बनकर।

सोशल मीडिया तो दर्द का डिजिटल सुपरमार्केट है। किसी की मालदीव्स की तस्वीर देखी, और अपनी जिंदगी की साइकिल की हवा निकल गई। कोई नई एसयूवी फ्लॉन्ट करे, तो लगता है आपकी पुरानी स्कूटी आप पर ठहाके लगा रही है। इंस्टाग्राम की स्टोरी आपकी नींद चुराती है, और कोई फिल्टर इस दर्द को छुपा नहीं पाता। किसी ने "लिविंग माइ बेस्ट लाइफ" कैप्शन डाला, और आप अपने ऑफिस की कुर्सी पर अपनी "वर्स्ट लाइफ" का हिसाब करने लगते हैं। ये दर्द मुफ्त है, लेकिन इसकी कीमत आपकी शांति चुकाती है। फिल्मों में भी यही हाल। हीरोइन की विदाई, मां का रोना, बैकग्राउंड में वायलिन। टिकट का पैसा तो वसूल, लेकिन आंसुओं की कीमत मुफ्त। पॉपकॉर्न खत्म होता है, दर्द नहीं। शादी? वो तो दर्द की लाइफटाइम फ्री सब्सक्रिप्शन है। पति का "क्या हुआ" और पत्नी का "कुछ नहीं" – ये वो डायलॉग हैं जो दर्द की स्क्रिप्ट लिखते हैं। पत्नी की खामोशी तूफान का ट्रेलर है, और पति का "बोलो न" वो बटन जो तूफान को रिलीज करता है। सास-बहू का ड्रामा? वो तो मुफ्त दर्द का बोनस पैक – ताने, तकरार, और तमाशा, सब एक ही डील में। और अगर ससुराल में "खाना नमक ज्यादा है" सुन लिया, तो समझो दर्द का मुफ्त कटोरा भर गया।

दर्द का सबसे बड़ा सप्लायर है – उम्मीद। हम उम्मीद करते हैं कि दोस्त वक्त देगा, सरकार सस्ता राशन देगी, बॉस तारीफ करेगा, बेटा/बेटी अच्छे पढ़ेंगे, जॉब करेंगे। लेकिन जब ये सपने टूटते हैं, तो दर्द बिना नोटिस दिल में दाखिल हो जाता है। उम्मीद जितनी ऊंची, दर्द उतना गहरा। फिर भी हम हर बार उम्मीद की दुकान पर लौटते हैं, और हर बार दर्द का मुफ्त सामान लेकर घर आते हैं।

लेकिन दर्द की तारीफ करनी पड़ेगी। ये नकली नहीं, वादों की तरह झूठा नहीं, भरोसे की तरह टूटता नहीं। ये ईमानदार है – जितना देना है, उतना देता है, बिना भेदभाव। अमीर-गरीब, बड़ा-छोटा, सबके लिए बराबर। ये न जात देखता है, न धर्म, न बैंक बैलेंस। ये तो बस दिल की भाषा समझता है। दर्द की मार्केटिंग भी गजब है। इसे न बिलबोर्ड चाहिए, न टीवी ऐड। ये तो मुंह-जुबानी फैलता है। एक गलत बात, एक गलतफहमी, एक टूटा वादा – और दर्द वायरल। ये फेसबुक के ट्रेंड से तेज फैलता है, और ट्विटर के हैशटैग से ज्यादा असर करता है।

हिन्दी के शलाका पुरुष : मुनीन्द्र जी

ऐसे विरले ही लोग होते हैं , जो समाज व देश की दशा व दिशा को बदलने की क्षमता रखते हैं । उनके भीतर का अदम्य उत्साह , लक्ष्य के प्रति अटूट निष्ठा , श्रध्दा व समर्पण ही उन्हें औरों से अलग रखता है ।

नगर के प्रतिष्ठित संपादक , विचारक, भाषाविद हमारे प्रिय मुनीन्द्र जी उनमें से एक हैं । वे बिहार जैसे हिन्दी प्रदेश से चलकर सुदूर दक्षिण भारत स्थित हैदराबाद जैसे महानगर में कदम रखते हैं । यह उनका हिन्दी के प्रचार-प्रसार को लेकर जुनून ही था जो उन्हें हमारे बीच ले आया। वे बड़े आत्मीयता के साथ सभी से मिलते थे। वे मितभाषी थे परंतु हिन्दी के प्रति उतने ही जागरूक व स्पष्टवादी, सहज , सरल, सौम्य व्यक्तित्व के धनी श्रद्धेय मुनीन्द्र जी, उन अध्येताओं , लेखकों में अग्रणी स्थान रखते थे जिनके लिए ' पत्रकारिता , आजीविका का साधन मात्र न था बल्कि एक मिशन रहा ।' वे प्रतिष्ठित पत्रिका ' कल्पना ' के संपादन से जुड़े थे परंतु उसका प्रकाशन स्थगित होने के बाद उन्होंने ' हैदराबाद समाचार ' जो बाद में ' दक्षिण समाचार ' नाम से निकला करता था , का प्रकाशन प्रारंभ किया । पैनी व धारदार शैली में लिखा इसका संपादकीय सदैव पठनीय व विचारोत्तेजक होता था। इसके अलावा ' शब्द - चर्चा ' नाम के कालम में शब्द विशेष को लेकर पाठकों की शंकाओं पर गहन चर्चा की जाती थी , इसे काफी पसंद किया जाता था ।

' पुस्तक समीक्षा ' व ' अभिमत - मंच ' में देश से प्रकाशित अन्य समाचार पत्रों के संपादकीय अंश पाठकों का ध्यान खींचते थे ।

हिन्दी समारोह , गोष्ठियों व हिन्दी कर्मियों से संबंधित नियुक्ति, पदोन्नति व स्थानांतरण से जुड़ी सूचनाओं को प्रमुखता के साथ इस पत्र में स्थान दिया जाता था ।

हिन्दी लेखकों को उन्होंने मंत्र दिया था , ' थोड़ा लिखो लेकिन अच्छा लिखो ।' वे स्वयं भी इसका पालन करते थे। सभा - समारोह में वे थोड़े में अपनी बात रखते थे ।

उन्हें हिन्दी के साथ अंग्रेजी का प्रयोग करना पसंद नहीं था। उनका आग्रह रहता था कि हिन्दी भाषियों को उस क्षेत्र की भाषा सीखनी चाहिए , जहां वे रहते हैं ।

वे लेखन में शुद्धता के हिमायती थे। वे कहते थे कि हमें शब्दों , वर्तनी और उसके प्रयोग में विशेष सावधानी बरतनी चाहिए ताकि शब्द व उसके अर्थ की मर्यादा बनी रहे। साथ ही वर्तनी में एकरूपता पर भी उनका जोर रहता था । वे हमारे कार्यालय के नाम - नाभिकीय ईंधन सम्मिश्र के संक्षिप्त रूप ' नाईस ' से बहुत खुश थे। उन्होंने लिखा कि यह अंग्रेजी के संक्षिप्त रूप ' एन एफ सी ' से अधिक सहज उच्चारण और स्वर साध्य भी है। यह ' एन टी आर ' के बजाय ' नंतारा ' जैसा हो गया है । अब हिन्दी में विज्ञान लेखन होने लगा है इस बारे में उनकी राय थी कि ' अनुवाद अधिक सुगम , बोधगम्य व प्रमाणिक होना चाहिए ।' उनका कहना था कि 'आम जनता तक विज्ञान संबंधी जानकारी जनभाषा हिन्दी में पहुंचने से उसकी उपयोगिता बढ़ेगी ।'

उन्होंने स्वयं की प्रसिद्धि के लिए कोई काम नहीं किया । वे जीवन पर्यन्त हिन्दी की निस्वार्थ सेवा करते रहे । इस लेख के लेखक सहित उन्होंने कितने ही लोगों को इस राष्ट्रीय कर्तव्य से जोड़ा व उनका पथ - प्रदर्शन किया । मां भारती के अनन्य साधक मुनीन्द्र जी की पुण्यतिथि पर हम उन्हें श्रद्धा - सुमन भेंट करते हैं ।

किस ऋषि की थीं 13 बीवियां, जिनसे

पहली बार पैदा हुए देवता और दानव

क्या आपको मालूम है कि देवता और दानव कैसे पैदा हुए। दोनों ही मूलतौर पर एक ऋषि की संतान हैं। ये ऋषि थे कश्यप, जिनके एक दो नहीं बल्कि 13 पत्नियां थीं और सभी बहनें भी थीं। तो ये कहानी काफी रोचक है कि कैसे उनके देवता भी पैदा हुए और दानव भी।

भारतीय पौराणिक कथाओं में ऋषि कश्यप बहुत अहम ऋषि थे। उन्हें इस इस सृष्टि के विस्तारक के तौर पर जाना जाता है। उन्हीं की दो पत्नियों के जरिए सबसे पहले देवता और दानव पैदा हुए, जो बाद में और बढ़ते गए। ये दोनों उनकी अलग पत्नियों दिति और अदिति से पैदा हुए। ऋषि कश्यप की 13 पत्नियां क्यों थीं। वो सभी बहन क्यों थीं। आखिर ऐसा कैसे हुआ कि उन्होंने पहली बार देवता भी पैदा किए और दानव भी। ये कथा विष्णु पुराण, भागवत पुराण, और महाभारत जैसे ग्रंथों में कही भी गई है। हम यहां बताएंगे कि एक ही ऋषि की दो पत्नियों से कैसे देवता भी हुए और दानव भी।

कश्यप और उनकी पत्नियां

ऋषि कश्यप ब्रह्मा के पुत्र मरीचि के बेटे थे। उन्हें दुनिया में सृष्टि को आगे बढ़ाने का जिम्मा मिला। विष्णु पुराण (1.15) के अनुसार, कश्यप ने दक्ष प्रजापति की 13 बेटियों से शादी की। जिनमें दिति और अदिति सबसे खास थीं। सुंदर और प्रतिभाशाली। सवाल उठ सकता है कि दक्ष ने अपनी 13 बेटियों की शादी एक ही शख्स से क्यों की और वो एक ऋषि से।

दक्ष ने अपनी बेटियों को कश्यप को इसलिए सौंपा ताकि वे सृष्टि में कई तरह की प्रजातियों और प्राणियों को जन्म दें। दिति और अदिति, दोनों ही कश्यप की सबसे प्रिय पत्नियां बन गईं। लेकिन दोनों में भारी अंतर था।

अदिति और दिति में क्या था अंतर

अदिति बहुत शांत, धार्मिक और सत्य की प्रतीक थीं। वहीं दिति में बहुत अधिक उग्रता तो थी ही, वह महत्वाकांक्षा और जिद्दी भी थी। इन दोनों के गर्भ से उत्पन्न संतानों ने ही देवता और दानवों के रूप में अपनी पहचान बनाई। यह कथा भागवत पुराण (6.16) और विष्णु पुराण (1.15-17) में विस्तार से मिलती है।

अदिति ने दिया देवताओं का जन्म

विष्णु पुराण (1.15.128-130) के अनुसार, अदिति ने कश्यप से संतान की इच्छा व्यक्त की। कश्यप मान गए। उन्होंने संन्यासपूर्ण जीवन के नियमों का पालन करते हुए संतान पैदा करने के लिए आदिति के साथ संबंध स्थापित किए। ये काम वैदिक विधि और पवित्रता के साथ किया गया। कश्यप ने अदिति को अपना वीर्य दिया, जिससे उनके गर्भ में 12 देवता पैदा हुए। इन्हीं में विष्णु भी थे और सूर्य, जल, अग्नि और धर्म के देवता भी। कश्यप ने अदिति के साथ संतान पैदा करने के सुनिश्चित किया कि उनकी संतानें सृष्टि के लिए अच्छे काम करें। ऐसा ही हुआ भी।

दिति से दानवों का जन्म

दिति की कहानी कुछ अलग थी। भागवत पुराण (3.14) और विष्णु पुराण (1.17) के अनुसार, दिति भी कश्यप से संतान चाहती थी। लेकिन उसकी इच्छा में जलन और प्रतिस्पर्धा थी। वह अदिति की संतानों की शक्ति और प्रतिष्ठा से जलने लगी थी। ये चाहती थी कि उसकी संतानें और ताकतवर हों।

दिति कहां मानने वाली थी

दिति ने जब कश्यप से संतान की बात की तो कश्यप ने उससे कहा ऐसा कुछ समय बाद करना चाहिए। लेकिन दिति कहां मानने वाली थी, उसमें कोई धैर्य नहीं था। उसने कश्यप को असमय यौन संबंध के लिए उकसाया। वैदिक मान्यताओं के अनुसार दोनों में जब संबंध बने तो समय किसी तरह सही नहीं था। हालांकि कश्यप ने दिति को चेतावनी दे दी कि इसका परिणाम सही नहीं होगा।

दो दानव पुत्र पैदा हुए

दिति के दो पुत्र पैदा हुए – हिरण्यकशिपु और हिरण्याक्ष। ये दोनों ही दानवों के रूप में जाने गए, जो अपनी ताकत और गुस्से के लिए कुख्यात थे। दिति की संतानों में अहंकार और विनाशकारी प्रवृत्ति थी, जो उनकी मां की अधीरता और महत्वाकांक्षा का परिणाम थी।

तो आदिति और दिति से दो अलग तरह की संतानें पैदा हुईं। उन्होंने सृष्टि में दो विरोधी ताकतों को पैदा किया यानि देवता और दानव। इन दोनों के बीच हमेशा संघर्ष रहा।

शाहजहांपुर का चमत्कारी मंदिर...पवित्र जलधारा से दूर हो जाते हैं नेत्र रोग!

शाहजहांपुर शहर के हृदय स्थल, मोती चौक इलाके में एक ऐसा मंदिर है जो सदियों से भक्तों की आस्था का केंद्र बना हुआ है। यहां मां फूलमती का प्रसिद्ध मंदिर है, जिसकी स्थापना लगभग 500 वर्ष पहले हुई थी। इस मंदिर की महिमा अपरंपार है, और दूर-दूर से श्रद्धालु मां के दर्शन के लिए खिंचे चले आते हैं। इस मंदिर की सबसे खास बात यह है कि यहां मां फूलमती के चरणों से एक पवित्र जलधारा निकलती है। भक्तों का अटूट विश्वास है कि इस जल को आंखों में लगाने से नेत्र रोग दूर हो जाते हैं और खोई हुई रोशनी भी वापस आ जाती है। यही कारण है कि यहां प्रतिदिन सैकड़ों की संख्या में भक्तगण माता के दर्शन और इस चमत्कारी जल को प्राप्त करने के लिए आते हैं

मंदिर के महंत विजयगिरी बताते हैं कि इस मंदिर का इतिहास उनके पूर्वजों से जुड़ा हुआ है। उनके पूर्वज, पंडित सुखलाल, मां फूलमती के अनन्य भक्त थे। भक्ति से प्रसन्न होकर मां फूलमती ने पंडित सुखलाल को दर्शन दिए थे। इसके पश्चात, पंडित सुखलाल कन्नौज स्थित मां फूलमती के मूल मंदिर से उनके चरणों की एक ईंट को अपने सिर पर रखकर शाहजहांपुर लाए और यहीं स्थापित कर दिया। महंत विजयगिरी गर्व से बताते हैं कि आज यह मंदिर दूर-दूर तक अपनी चमत्कारी शक्तियों के लिए जाना जाता है और उनके परिवार की 9 वीं पीढ़ी अब इस मंदिर की सेवा में समर्पित है।

जुड़वा शिवलिंग वाला अनोखा शिव मंदिर

फूलमती माता मंदिर के समीप ही एक और प्राचीन मंदिर स्थापित है, जो भगवान शिव को समर्पित है। इस मंदिर की विशेषता यहां स्थापित 2 जुड़वा शिवलिंग हैं। यह दोनों शिवलिंग दिनभर में कई बार अपना रंग बदलते हैं, जो भक्तों के लिए आश्चर्य और श्रद्धा का विषय है। माना जाता है कि भोलेनाथ अपने भक्तों की हर मनोकामना यहाँ अवश्य पूर्ण करते हैं।

मरने के बाद कर्ण को स्वर्ग से धरती पर क्यों आना पड़ा वापस?

महादानी से हुई थी बड़ी भूल, मिला सुधार का मौका

महाभारत के पात्रों में कर्ण को महादानी बताया गया है। कहा जाता है कि परिस्थितियां कुछ भी हों, कर्ण के दरवाजे से कोई खाली हाथ वापस नहीं आता था। जो भी उसके पास कुछ मांगने गया, कर्ण उसे वह वस्तु दान स्वरूप जरूर देता था। इस वजह से वह महादानी बना। इंद्र ने छल से उसका कवच और कुंडल मांगा तो बिना किसी चिंता के उसने दान कर दिया। ऐसे ही मरते समय उसने भगवान श्रीकृष्ण को अपने सोने के दांत तोड़कर दान कर दिया था। कहा जाता है कि जो लोग दान करते हैं, उनको मृत्यु के बाद पुण्य का सुख स्वर्ग लोक में प्राप्त होता है। महाभारत के युद्ध में जब कर्ण को वीरगति प्राप्त हुई और उसने प्राण त्याग दिए तो वह अपने दान से अर्जित पुण्य के बल पर स्वर्ग लोक पहुंच गया। लेकिन वहां से उसे वापस धरती पर आना पड़ा क्योंकि उससे बड़ी भूल हो गई थी, जिसे उसे सुधारने का मौका मिला।

जब स्वर्ग पहुंचा कर्ण तो हुआ स्वागत

पौराणिक कथा के अनुसार, जब कर्ण की मृत्यु हुई तो यमराज उसे लेने के लिए आए। दान और पुण्य के कारण कर्ण को स्वर्ग ले जाया गया। स्वर्ग में कर्ण का भव्य स्वागत हुआ। रहने के लिए अच्छा स्थान प्राप्त हुआ, जहां पर हर प्रकार की सुख और सुविधाएं प्राप्त थीं। उसके किए गए दान पुण्य के लिए सराहना की गई और बताया गया कि उसके प्रभाव से उसे स्वर्ग की प्राप्ति हुई है।

कर्ण के चारों तरफ सोना ही सोना, खाने को नहीं मिला अन्न

स्वर्ग में कर्ण जिस स्थान पर रह रहा था, वहां पर चारों तरफ सोना ही सोना था। यह देखकर आश्चर्यचकित हो गया। उसने पूछा कि उसे खाने के लिए अन्न क्यों नहीं दिया जा गया है? इस पर उसे बताया गया कि तुमने अपने पूरे जीवन लोगों को सोने का दान किया। फल और अन्न का दान नहीं किया। अपने पितरों के लिए कभी अन्न का दान नहीं किया। इस वजह से स्वर्ग में होने के बावजूद उसे अन्न और फल नहीं मिला।

भूल सुधार के लिए वापस धरती पर आया कर्ण

कर्ण महादानी था, उसने कहा कि उस अपने पितरों के बारे में ज्ञात नहीं था, वह इस भूल का सुधार करना चाहता है। तब उसे वापस धरती पर भेजा गया। कर्ण धरती पर आया तो उसने अपने पितरों के लिए तर्पण, श्राद्ध किया। उसके बाद अन्न, फल आदि का दान दिया। अन्न का दान करने के बाद फिर से वह स्वर्ग में आ गया।

अन्न दान से स्वर्ग में मिला अन्न

कर्ण ने जब अन्न दान किया तो उसे स्वर्ग में खाने के लिए अन्न दिया गया। इस वजह से कहा जाता है कि हर व्यक्ति को अपने जीवन में अन्न और जल का दान करना चाहिए, ताकि मृत्यु के बाद पितृ लोक में जल और स्वर्ग में अन्न की प्राप्ति हो। इससे जुड़ी एकादशी की भी कथा है, जिसमें एक वृद्धा पूरे जीवन भगवान विष्णु की पूजा करती है, लेकिन अन्न का दान नहीं करती है, इसलिए मृत्यु के बाद उसे स्वर्ग मिलता है, लेकिन अन्न नहीं मिलता है।

अगर सपने में नजर आएं ये चीजें तो हो जाएं सावधान !

कई बार ऐसा होता है कि हम सपनों में कुछ अजीबोगरीब, रहस्यमय या डरावनी चीजें देख लेते हैं। ज्योतिष शास्त्र और स्वप्न शास्त्र के अनुसार हर स्वप्न का कोई न कोई अर्थ अवश्य होता है। कहा जाता है कि सपनों के माध्यम से भविष्य के संकेत मिलते हैं, ये संकेत कभी शुभ होते हैं तो कभी अशुभ। आपने सपने में कुछ विशेष चीजें देखी हैं तो वे आपके लिए क्या संकेत लेकर आई हैं, इस बारे में विस्तार से बता रहे हैं

अशुभ संकेत वाले सपने

अनजान जगह पर खुद को अकेला देखना

आप सपने में अगर खुद को किसी अनजान, सुनसान या अजीब सी जगह पर अकेला पाते हैं और वहां से निकलने की कोशिश कर रहे हैं तो यह इस बात का संकेत है कि आप की लाइफ में कोई बड़ी परेशानी आने वाली है।

पानी में गिरना

अगर आप खुद को पानी में गिरते हुए देखते हैं तो यह दर्शाता है कि आपकी जिंदगी में कोई भावनात्मक हलचल आने वाली है। यह चेतावनी हो सकती है कि आपको भावनात्मक रूप से संभलने की जरूरत है।

पानी में डूबना

अगर आप सपने में डूबते हुए नजर आते हैं तो ये किसी बड़ी मुसीबत या दुर्घटना का संकेत हो सकता है। यह संकेत दिखने पर सावधानी बरतें और कई भी काम जल्दबाजी में न करें।

ऊंचाई से गिरना

अगर आप सपने में खुद को ऊंचाई से गिरते हुए पाते हैं, जैसे कि किसी ऊंची इमारत से तो यह दर्शाता है कि आपकी योजना में कोई गड़बड़ है। आपका वर्तमान रास्ता आपको नुकसान पहुंचा सकता है। आपको अपनी रणनीति पर दोबारा विचार करने की आवश्यकता है।

बिल्ली देखना

अगर आप सपने में बिल्ली देखते हैं तो ऐसे समय में आपको विशेषकर चोरी या शत्रु से सावधान रहने की जरूरत है। ये आर्थिक हानि का संकेत हो सकता है।

सपने में अनजान घर देखना

सपना अगर सुबह के समय आता है यानी ब्रह्म मुहूर्त में तो इसका आपके जीवन से कोई ना कोई संबंध जरूर हो सकता है। ऐसा सपना किसी आगामी घटना का संकेत हो सकता है, जो अच्छी भी हो सकती है और बुरी भी।

क्या करें अगर ऐसे सपने बार-बार आ रहे हैं?

अगर ये सपने आपको बार-बार परेशान कर रहे हैं तो अपने इष्टदेव की आराधना करें।

देवी-देवताओं के मंदिर जाएं, सच्चे मन से प्रार्थना करें और ध्यान करें।

इससे आपके मन की अशांति दूर होगी और ऐसे सपने आना धीरे-धीरे बंद हो सकते हैं।

क्यों श्रेष्ठ माना जाता है वैशाख का महीना?

अंग्रेजी की तरह वैदिक पंचांग के अनुसार हिंदी में भी 12 महीने होते हैं। सभी महीनों का राजा वैशाख माह को माना जाता है। यह माह इस जगत के पालनहार भगवान विष्णु को सबसे प्रिय है। स्कंद पुराण में इसका वर्णन मिलता है। राजा अंबरीष और नारद जी के मध्य संवाद में यह बताया गया गंगा नदी, कल्पतरु वृक्ष, गरुड़ पक्षी और वैशाख माह सर्वश्रेष्ठ है। वैशाख माह के लिए शास्त्रों में कुछ नियम और उपाय बताए गए हैं। इनका पालन करने से समस्त प्रकार के पाप कट जाते हैं। आइए वैशाख माह के महत्व को विस्तार से समझते हैं।

मासों का राजा है बैशाख : नारद जी ने राजा अमरीश को बताया की सभी 12 माह में बैशाख माह सर्वश्रेष्ठ है। वेद विद्या, कल्पतरु का वृक्ष, कामधेनु गाय, नागों में शेषनाग और गरुड़ पक्षी, स्वर्ण धातु, देवताओं में भगवान विष्णु की तरह सर्वश्रेष्ठ हैं। यह माह भगवान विष्णु को सर्वाधिक प्रिय है। इस माह में पितृ यज्ञ से लेकर दान पुण्य आदि करने से भगवान विष्णु जातक को दस हज़ार अश्वमेध यज्ञ का फल देते हैं। इस माह में व्यक्ति को स्नान करना आवश्यक बताया गया है। नारद जी ने बताया की जो व्यक्ति वैशाख माह में नित्य स्नान नहीं करता है उसे देवताओं के द्वारा दारूण श्राप दिया जाता है।

बैशाख माह में दान का महत्व : नारद जी ने राजा अंबरीष को बताया की बैशाख माह में जल दान करने से पितर संतुष्ट हो जाते हैं। इस माह में जल दान और पंखे का दान करना अति श्रेष्ठ है। बैशाख माह में छाते का दान करने से व्यक्ति की मरणोपरांत आत्मा को शांति मिलती है और उसे नरक नहीं भोगना पड़ता है। इस माह में खड़ाऊ अथवा चप्पल का दान करने से व्यक्ति को श्री हरि के चरणों में बैकुंठ प्राप्त होता है। वैशाख माह में गरीबों में भोजन वितरण करना, अन्न का दान करना एवं समस्त भौतिक वस्तुओं के दान करने से श्री हरि की अनंत कृपा प्राप्त होती है।

वैशाख माह सर्वश्रेष्ठ होने का कारण : वैशाख माह में ग्रहों के राजा सूर्य अपनी उच्च राशि मेष में एवं चंद्रमा उच्च राशि वृषभ में होते हैं। यह संयोग साल में एक बार ही बनता है। इसके कारण ग्रह, नक्षत्र, योग, करण आदि कोई भी दोष वैशाख के माह में प्रभावी नहीं होता है। इसलिए वैशाख माह को सर्वश्रेष्ठ माना जाता है।

मूलांक 1 के लोग होते हैं बेहद भाग्यशाली!

जीवन में राजा की तरह करते हैं राज

नंबर वन है काफी विशेष

उन्होंने आगे बताया, नंबर वन बेहद विशेष हैं। अगर आपका जन्म किसी भी महीने के 1,10, 19 या 28 को हुआ है, तो आपका मूल्यांक 1 होगा। यानी कि जब आप इन दोनों नंबर को जोड़ेंगे, तो 1 ही आएगा। वहीं, भगयांक का मतलब होता है कि आप अपना डेट ऑफ बर्थ से लेकर साल ईयर सब कुछ जोड़ लें और लास्ट में, जो नंबर आता है। वह आपका भगयांक होगा।

ऐसे में अगर एक नंबर आता है, तो ऐसे व्यक्ति बहुत ही लकी होते हैं। क्योंकि, उन पर सूर्य भगवान की विशेष कृपा होती है और उस कृपा से उनके अंदर एक लीडरशिप क्वालिटी होती है। वह कभी पीछे रहना पसंद नहीं करते, वह भले एक छोटे से ग्रुप को क्यों ना लीड करें, लेकिन लीडर बनेंगे। इसके अलावा इनका शिक्षा दीक्षा भी बड़ा अच्छा होता है और फिर बड़े-बड़े पद जैसे आईएएस, आईपीएस या सरकारी कोई बड़े ओहदे पर ही बैठते हैं।

उच्च पद पर बैठते हैं

उन्होंने आगे बताया, कई बार लोग आते हैं और कहते हैं। हम अपने बच्चों के डिलीवरी 1 तारीख को करेंगे, लेकिन किस्मत का ऐसा लिखा होता है कि आगे पीछे होता है। दरअसल, न्यूरोलॉजी भी कोई साइंस नहीं है, बल्कि ऊपर वाले का आशीर्वाद है। व्यक्ति खुश निर्धारित नहीं कर सकता कि मेरा बच्चा किस दिन पैदा होगा। ऐसे में भगवान भी बच्चे को एक निश्चित डेट ही देते हैं और वह डेट उस बच्चे की डेस्टिनी तय करती है।

एक नंबर वाले होते हैं उनके अंदर बचपन से ही आपको एक लीडरशिप क्वालिटी देखने को मिलेगी। उसके सपने हमेशा बड़े ही होंगे और सिर्फ सपने ही बड़े नहीं होंगे। बल्कि, उसे वह पूरे करने में दिन रात भी लगाएंगे और उसको कार्य में सफलता भी मिलेगी। क्योंकि, सूर्य भगवान सरकारी पद पर बैठाने वाले होते हैं। ऐसे में सूर्य भगवान की विशेष आशीर्वाद रहती है, तो इस क्षेत्र में बहुत तरक्की पाते हैं।

शनि की साढ़ेसाती या ढैय्या से बचने के उपाय

नकारात्मक ऊर्जा दूर होती है

चींटियों को आटा देने से हमारे घर में फैली नकारात्मक ऊर्जा दूर होती है। बहुत से लोगों ने यह अनुभव किया है कि जब भी वे नियमित रूप से चींटियों को आटा डालते हैं, उनके अटके हुए काम बनने लगते हैं। यह एक तरह का मानसिक विश्वास भी बनाता है जो आपको मजबूत बनाता है।

गुड़ मिलाकर चींटियों को खिलाएं

अगर आप किसी परेशानी से गुजर रहे हैं, जैसे आर्थिक तंगी या कोई बड़ा कर्ज, तो आटे के साथ थोड़ा सा गुड़ मिलाकर चींटियों को खिलाना शुरू करें। यह माना जाता है कि ऐसा करने से धीरे धीरे कर्ज से राहत मिलने लगती है और धन की स्थिति में सुधार आता है।

नारियल का बुरादा मिलाकर चींटियों को खिलाएं

बहुत बार ऐसा होता है कि आप मेहनत तो बहुत करते हैं, लेकिन काम में सफलता नहीं मिलती। ऐसे समय में यह उपाय काफी सहायक हो सकता है। आटे के साथ नारियल का बुरादा मिलाकर चींटियों को खिलाने से भी फायदा होता है। नारियल का बुरादा मीठा और सुगंधित होता है, जो चींटियों को जल्दी आकर्षित करता है और इसे शुभ माना जाता है।

लता दीनानाथ मंगेशकर अवॉर्ड से

सम्मानित होंगे सुनील शेट्टी-श्रद्धा कपूर, 24 अप्रैल को मिलेगा अवॉर्ड

जल्द ही लता दीनानाथ मंगेशकर नाट्यगृह में गुरु दीनानाथ मंगेशकर का 83वां स्मृति दिवस को मनाया जाएगा। इस मौके पर एक आयोजन भी किया जाएगा, जिसमें कला क्षेत्र से जुड़ी कई हस्तियों को सम्मानित किया जाएगा। यह कार्यक्रम 24 अप्रैल की शाम को मुंबई के विले पार्ले (ई) में आयोजित होगा।

ये लोग होंगे सम्मानित

आदित्य बिड़ला समूह के अध्यक्ष पद्म विभूषण श्री कुमार मंगलम बिड़ला को उनके दूरदर्शी नेतृत्व और भारत के विकास में सहयोग के लिए लता दीनानाथ मंगेशकर अवॉर्ड दिया जाएगा। साथ ही सुनील शेट्टी, श्रद्धा कपूर को भारतीय सिनेमा में योगदान के लिए सम्मानित किया जाएगा। सोनाली कुलकर्णी को भी थिएटर, फिल्मों में अपने उम्दा काम के लिए अवॉर्ड मिलेगा। गायिका रीवा राठौड़ को भी लता दीनानाथ मंगेशकर अवॉर्ड मिलेगा। साहित्य में वाग्विलासिनी पुरस्कार श्रीपालजी सबनीस को मिलेगा।

इस आयोजन में थिएटर, फिल्म के कलाकार शरद पोंक्षे और अभिनेता सचिन पिलगांवकर के अभिनय, निर्देशन वाली फिल्मों पर प्रकाश डाला जाएगा, साथ ही अवॉर्ड से सम्मानित भी किया जाएगा।

मोहन भागवत भी होंगे आयोजन में शामिल

पंडित हृदयनाथ मंगेशकर इस समारोह की अध्यक्षता करेंगे और सम्मान श्री मोहन भागवत द्वारा प्रदान किए जाएंगे। मास्टर दीनानाथ मंगेशकर स्मृति प्रतिष्ठान और हृदयेश आर्ट्स द्वारा संयुक्त रूप से यह कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा। पंडित हृदयनाथ मंगेशकर ने कहा, 'हर साल हम उन व्यक्तियों को सम्मानित करते हैं जो समर्पण, उत्कृष्टता और सेवा की भावना को अपनाते हैं, जो मास्टर दीनानाथजी के जीवन में थी। यह उत्सव ना केवल अतीत के लिए एक श्रद्धांजलि है, बल्कि वर्तमान और भविष्य के लिए एक मशाल है।'

वामिका और राजकुमार राव के रोमांटिक अंदाज ने दर्शकों को किया मंत्रमुग्ध

करण शर्मा के निर्देशन में बनी फिल्म 'भूल चूक माफ' का एक गाना रिलीज हुआ है, जिसके बोल हैं 'कोई ना'। इस गाने में दोनों रोमांटिका अंदाज में दिख रहे हैं। आइए जानते हैं इस गाने के बारे में, जो दर्शकों के दिलों को छू रहा है।

'कोई ना गाने' ने दर्शकों को किया मंत्रमुग्ध

बीते दिन फिल्म निर्माताओं ने 'कोई ना' गाने का टीजर जारी किया था और जानकार दी थी कि आज 16 अप्रैल को गाना रिलीज होगा। 'कोई ना गाने' में वामिका गब्बी और राजकुमार राव रोमांटिक अंदाज में दिख रहे हैं। इस गाने को श्रेया घोषाल और हरनूर द्वार गाया गया है। गाना लिखा है इरशाद कामिल ने और इसे कंपोज किया है तनिष्क गाबची और गिफ्टी ने। दो मिनट 51 सेकेंड का यह गाना दर्शकों द्वारा बेहद पसंद किया जा रहा है। इस गाने पर यूजर्स काफी कमेंट कर रहे हैं। एक यूजर ने लिखा कि श्रेया घोषाल की आवाज में जादू है। साथ ही अन्य यूजर ने गाने को मनमोहक बताया।

राजकुमार राव शादी के लिए करेंगे संघर्ष

बीते दिनों निर्माताओं ने फिल्म का ट्रेलर जारी किया था। इसके जरिए ये पता चला था कि फिल्म में वामिका और राजकुमार अपनी शादी के लिए संघर्ष करते दिखेंगे। यह कॉमेडी ड्रामा फिल्म है।

करण शर्मा द्वारा निर्देशित यह फिल्म सिनेमाघरों में 09 मई को रिलीज की जाएगी। इस फिल्म का दर्शकों को बड़ी बेसब्री से इंतजार है। 'स्त्री 2' के बाद राजकुमार राव की यह पहली फिल्म होगी। दिनेश विजन और मैडॉक फिल्म द्वारा इस फिल्म को निर्मित किया गया है। राजकुमार राव की इस कॉमेडी फिल्म का सबको इंतजार है। इस फिल्म में राजकुमार राव और वामिका गब्बी के अलावा सीमा पाहवा भी अहम किरदार में हैं। अब यह देखना दिलचस्प होगा कि क्या वामिका और राजकुमार की शादी फिल्म में हो पाती है या नहीं।

'जाट' पर लगा धार्मिक भावना आहत करने का आरोप, फिल्म बैन करने की उठ रही मांग

सनी देओल की फिल्म 'जाट' पर ईसाई समुदाय की धार्मिक भावनाओं को ठेस पहुंचाने का आरोप लग रहा है। फिल्म के एक सीन को लेकर यह विवाद खड़ा हो रहा है। एक खास सीन के चलते पूरे भारत में ईसाईयों ने अब फिल्म पर प्रतिबंध लगाने की मांग की है, और उन्होंने मांगें पूरी न होने पर फिल्म के कलाकारों और क्रू के खिलाफ विरोध प्रदर्शन और कार्रवाई की चेतावनी भी दी है।

किस सीन को लेकर हो रहा विवाद

फिल्म के एक सीन में रणदीप हुड्डा को चर्च के अंदर दिखाया गया है। एक रिपोर्ट के अनुसार, ईसाई समुदाय ने उस सीन पर आपत्ति जताई है। इसमें रणदीप का किरदार चर्च के अंदर, क्रूस के ठीक नीचे खड़ा हुआ दिखाई देता है, जबकि लोग प्रार्थना कर रहे होते हैं। कथित तौर पर इस सीन में धमकी और गुंडागर्दी दिखाया गया है।

बताया आस्था का अपमान

यह सीन ईसाई समुदाय के लोगों को पसंद नहीं आया। समुदाय के प्रतिनिधियों ने कथित तौर पर कहा है कि यह सीन उनकी आस्था को जानबूझकर अपमानित करने और चर्च की पवित्रता का अनादर करता है। उन्होंने यह भी कहा कि यह दृश्य समुदाय के लोगों को नकारात्मक रूप में दिखा सकता है।

ईसाई समुदाय के सदस्यों ने कथित तौर पर 'जाट' पर प्रतिबंध लगाने की मांग करते हुए सिनेमाघरों के बाहर विरोध प्रदर्शन की योजना बनाई थी, लेकिन पुलिस के हस्तक्षेप के बाद वह रुक गए। उन्होंने निर्माताओं को दो दिन का समय देने का फैसला किया।

उन्होंने चेतावनी दी कि अगर फिल्म पर प्रतिबंध नहीं लगाया गया या उस सीन को फिल्म से नहीं हटाया गया, तो वह सिनेमाघरों के बाहर विरोध करेंगे। 'जाट' के निर्माताओं ने इस पर अभी तक कोई आधिकारिक बयान नहीं दिया है। जाट 10 अप्रैल, 2025 को सिनेमाघरों में रिलीज हुई है।

रजनीकांत की फिल्म 'जेलर 2' में कन्नड़ सुपरस्टार शिव राजकुमार की हो रही एंट्री

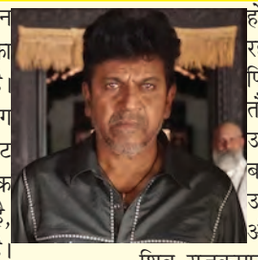

नेल्सन दिलीप कुमार के निर्देशन में बन रही फिल्म 'जेलर 2' का दर्शकों को बड़ी बेसब्री से इंतजार है। रजनीकांत की इस फिल्म की शूटिंग चल रही है। अब इसमें ये अपडेट आ रही है कि पिछले भाग के एक धमाकेदार एक्टर की एंट्री हो रही है, जिसकी आधिकारिक पुष्टि हुई है। आइए जानते हैं पूरी खबर।

कन्नड़ सुपरस्टार शिव राजकुमार इस समय अपनी आगामी फिल्म '45' के प्रचार में व्यस्त हैं। फिल्म के प्रचार के दौरान अभिनेता ने मीडिया से बातचीत करते हुए बताया कि उन्हें 'जेलर' फिल्म से काफी लोकप्रियता मिली। आगे बातचीत में अभिनेता ने कहा कि एक बार फिर से वह 'जेलर' 2 में नजर आएंगे। वह जल्दी ही शूटिंग में शामिल होंगे, क्योंकि फिल्म की शूटिंग चल रही है। इसके अलावा अभिनेता ने फिल्म के पहले भाग में कैमियो के तौर अपने आपको याद किया और उसे उत्कृष्ट बताया। उन्होंने आगे बातचीत में कहा कि रजनीकांत ने उनसे इस भूमिका के बारे में पूछा और उन्होंने तुरंत हां कर दिया था। शिव राजकुमार ने 'जेलर' को हिट बनाने में कैमरामैन और निर्देशक सहित सभी क्रू मेंबर्स का धन्यवाद किया।

'जेलर' की अपार सफलता के बाद 'जेलर 2' की शूटिंग शुरू हो गई है। इस समय केरल में फिल्म की शूटिंग चल रही है। बीते दिनों रजनीकांत का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हुआ था, जिसमें यह देखा गया कि उनका केरल पहुंचते ही शानदार स्वागत किया गया था।

दुआ के साथ नए घर में शिफ्ट होने जा रहे दीपिका-रणवीर

दीपिका पादुकोण और रणवीर सिंह अब जल्द ही अपनी बेटी दुआ के साथ नए अपार्टमेंट में शिफ्ट हो जाएंगे। आज उनके इस करोड़ों आशियाने की पहली झलक सामने आई है, जो फैंस के बीच जमकर वायरल हो रही है।

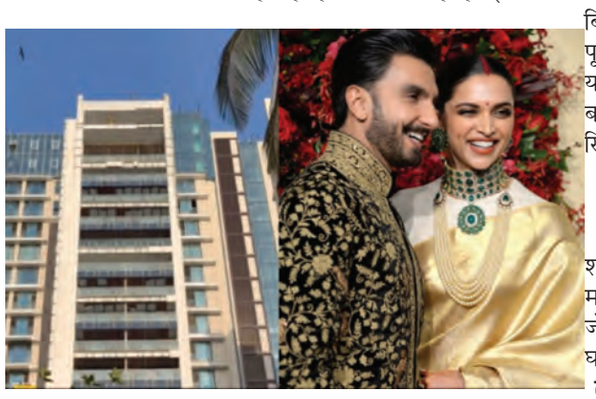

दीपवीर के नए घर का वीडियो हुआ वायरल

मनीकंट्रोल के अनुसार, दीपिका और रणवीर के नए घर की कीमत 100 करोड़ रुपये है। यह अपार्टमेंट बिल्डिंग की 16वीं से 19वीं मंजिल तक है और यह 11,266 वर्ग फीट में फैला हुआ है। सबसे खास बात यह है कि उनका यह नया आशियाना समुद्र के किनारे बना है। इस बिल्डिंग का एक वीडियो आज सोशल मीडिया पर सामने आया है, जो फैंस के बीच जमकर वायरल हो रहा है। इस वीडियो में साफ दिखाई दे रहा है कि बिल्डिंग का निर्माण लगभग पूरा हो गया है। दीपवीर का यह नया आशियाना मुंबई के बांद्रा के बैंडस्टैंड इलाके में स्थित है।

क्या शाहरुख के पड़ोसी हैं रणवीर-दीपिका

इस वीरयल वीडियो में शाहरुख खान का बंगला मन्नत भी दिखाया गया है, जो रणवीर और दीपिका के घर से काफी करीब है।

दीपिका-रणवीर का करियर

दीपिका को आखिरी बार फिल्म 'सिंघम अगेन' में डीसीपी शक्ति शेट्टी के रोल में देखा गया था। वहीं, रणवीर सिंह इन दिनों फिल्म 'धुरंधर' की शूटिंग में व्यस्त हैं। इसके अलावा वह 'डॉन 3' में भी नजर आएंगे।

'गुड बैड अग्ली' के मेकर्स पर लगा बिना इजाजत गाने इस्तेमाल करने का आरोप, इलैयाराजा ने भेजा नोटिस

लोकप्रिय संगीतकार इलैयाराजा ने फिल्म 'गुड बैड अग्ली' के निर्माताओं को बिना अनुमति के उनके गाने इस्तेमाल करने के लिए कानूनी नोटिस भेजा है। उन्होंने मुआवजे के तौर पर पांच करोड़ रुपए मांगे हैं। यह नोटिस उनके वकील के माध्यम से प्रोडक्शन कंपनी मैत्री मूवी मेकर्स को भेजा गया है।

तीन गानों का हुआ फिल्म में इस्तेमाल

इलैयाराजा ने बताया कि फिल्म में उनके तीन मशहूर गाने इस्तेमाल किए गए हैं। इनमें 'ओथा रूबेयम थारेन...', 'एन जोड़ी मंजा कुरुवी...' और 'इलमाई इधो इधो...' शामिल हैं। उन्होंने बिना उनकी मंजूरी के फिल्म में इन गानों के इस्तेमाल का कड़ा विरोध किया है। नोटिस में इलैयाराजा ने टीम को इन गानों को हटाने और बिना शर्त माफी मांगने के लिए सात दिन का समय दिया है।

इन दृश्यों में हुआ प्रयोग

फिल्म में अभिनेता अजित की पिछली फिल्मों के कई संदर्भ हैं। उनकी पुरानी फिल्मों के कई दृश्य, संवाद और तस्वीरें शामिल की गई हैं। इलैयाराजा का गाना 'इलमाई इधो इधो...' एक लड़ाई के दृश्य के दौरान बजाया जाता है। 'ओथा रूबायुम थारेन...' का इस्तेमाल खलनायक अर्जुन दास के परिचय सहित कई दृश्यों में किया गया है।

इससे पहले भी कानूनी कार्रवाई कर चुके हैं इलैयाराजा

यह पहली बार नहीं है जब इलैयाराजा ने कानूनी कार्रवाई की है। पिछले साल मलयालम फिल्म 'मंजुम्मेल बॉयज' में उनके गाने 'कनमनी अनबोदु कधालन...' का इस्तेमाल बिना अनुमति के किया गया था। तब उन्होंने नोटिस भी भेजा था। रिपोर्ट्स के मुताबिक, फिल्म की सफलता के बाद 60 लाख रुपये के मुआवजे के साथ मामला सुलझा लिया गया था।

महेश भूपति की इस खूबी पर दिल हार बैठीं थी लारा दत्ता, दिलचस्प है लव स्टोरी

अदाकारा लारा दत्ता ने कई चर्चित फिल्मों में काम किया है। लारा ने अभिनय से पहले मॉडलिंग के जरिए अपना नाम बनाया। फिर, अभिनय की दुनिया में कदम रखे। इससे पहले वर्ष 2000 में उन्होंने मिस यूनिवर्स का खिताब भी अपने नाम किया। लारा ने बॉलीवुड फिल्म 'अंदाज' से डेब्यू किया। इसके बाद कई और चर्चित फिल्मों का हिस्सा बनीं। निजी जीवन की बात करें तो लारा ने भारतीय टेनिस स्टार महेश भूपति से शादी रचाई।

महेश भूपति की कंपनी को सौंपी गई ये जिम्मेदारी

सोशल मीडिया पर हमेशा एक्टिव रहने वाली बॉलीवुड अभिनेत्री लारा दत्ता और महेश भूपति की पहली मुलाकात बेहद खास थी। ये दोनों ही बंगलूरु से हैं। कहा जाता है कि महेश भूपति ने पहली बार लारा दत्ता को साल

2000 में मिस यूनिवर्स बनने के बाद देखा था। हालांकि, मिस यूनिवर्स से पहले महेश भूपति एक विश्व प्रसिद्ध टेनिस खिलाड़ी बन चुके थे। लारा दत्ता को पहली बार देखने के बाद उन्हें पसंद करने लगे थे। इसके बाद इन दोनों की मुलाकात महेश भूपति की एंटरटेनमेंट और स्पोर्ट्स मैनेजमेंट कंपनी के संबंध में बिजनेस मीटिंग के दौरान हुई, जिसमें लारा दत्ता ने महेश की कंपनी को अपने काम का मैनेजमेंट देखने के लिए कहा था।

कैंडिल लाइट डिनर के दौरान किया प्रपोज

महेश भूपति ने लारा दत्ता को अमेरिका में एक कैंडिल लाइट डिनर के दौरान अंगूठी पहनाकर प्रपोज किया था। इस अंगूठी को महेश ने खासतौर पर खुद ही लारा के लिए डिजाइन करवाया था। उस समय महेश यूएस ओपन खेलने के लिए न्यूयॉर्क गए हुए थे। मीडिया के पूछने पर अक्सर यह दोनों एक-दूजे को अपना सिर्फ दोस्त बताते थे। अपने शांत और हंसमुख स्वभाव के लिए पहचाने जाने वाले महेश भूपति का मैच देखने पहुंची लारा दत्ता उनकी सादगी पर फिदा हो गई थीं।

2011 में रचाई शादी

लारा और महेश भूपति ने सितंबर, 2010 में सगाई की थी। इसके बाद अगले साल 16 फरवरी, 2011 को दोनों ने मुंबई में शादी रचा ली। दोनों ने एक सादगी भरे समारोह में एक-दूजे से शादी रचाई। शादी के 6 महीने बाद लारा ने अनाउंस किया कि वो प्रेग्नेंट हैं। दोनों की एक खूबसूरत बेटी है, जिसका नाम सायरा भूपति है।

महेंद्र कपूर अवॉर्ड शो में गायक के बेटे-पोते ने बांधा समां, बॉलीवुड कलाकार हुए शामिल

महेंद्र कपूर अवार्ड शो के मौके पर गायक के बेटे और पोते ने ऐसा संगीत का समां बांधा कि सभी लोग मंत्रमुग्ध हो गए। इस अवॉर्ड शो में अनूप जलोटा, सुदेश भोसले और हर्षदीप कौर जैसे सिंगर भी शामिल हुए। साथ ही उषा नाडकर्णी, विंदू दारा सिंह, महेश मांजरेकर, दिव्यंका त्रिपाठी और निकितिन धीर जैसे फिल्म, टीवी से जुड़े कलाकार भी अवॉर्ड शो में दिखे। यह सभी लोग गायक महेंद्र कपूर के बेटे रुहान कपूर और पोते सिद्धांत कपूर की संगीत प्रस्तुति देखने के लिए आए थे।

मनोज कुमार को दी गई श्रद्धांजलि

11 अप्रैल को वाईबी चव्हाण ऑडिटोरियम, मुंबई में पद्मश्री महेंद्र कपूर अवार्ड शो का आयोजन किया गया। इस अवॉर्ड शो में अभिनेता मनोज

कुमार को सबसे पहले श्रद्धांजलि दी गई, हाल ही में उनका निधन हुआ। महेंद्र कपूर के बेटे रुहान कपूर ने मनोज कुमार की फिल्म का गीत 'है प्रीत जहां' पेश किया। इस गीत के बाद हॉल 'जय हिंद' के नारे से गूंज उठा। आगे सिद्धांत कपूर ने अपने दादा महेंद्र कपूर के चर्चित गीतों 'चलो एक बार फिर से' और 'नीले गगन के तले' को गाया और दर्शकों को अपनी आवाज से मंत्रमुग्ध कर दिया। सुदेश भोसले ने सिद्धांत की गायिकी की खूब तारीफ की। सिद्धांत ने अपने दादा जी से ही संगीत सीखा था।

सम्मानित हुए कई कलाकार

पद्मश्री महेंद्र कपूर अवार्ड शो में कई फिल्म कलाकारों और अलग-अलग क्षेत्रों की नामी हस्तियों को सम्मानित भी किया गया। इस अवॉर्ड शो का आयोजन दत्तात्रेय माने ने किया था, जिन्होंने इस खास शाम के लिए रूहान कपूर और सिद्धांत कपूर को गेस्ट ऑफ ऑनर के तौर पर बुलाया था। इस अवॉर्ड में चीफ गेस्ट के तौर पर महाराष्ट्र सरकार के उद्योग मंत्री उदय सामंत आए थे। अपने भाषण के दौरान उदय सामंत ने महेंद्र कपूर परिवार की तारीफ की, गायक महेंद्र कपूर को भी श्रद्धांजलि दी।

इस गीत से हुआ कार्यक्रम का समापन

महेंद्र कपूर अवॉर्ड शो का समापन देशभक्ति गीत 'मेरे देश की धरती' से हुआ। इस गीत को रूहान और सिद्धांत ने बहुत ही शानदार ढंग से गाया। दर्शकों ने भी खड़े होकर खूब तालियां बजाकर, गायकों का उत्साह बढ़ाया।

मैटरनिटी क्लीनिक के बाहर बेगम शूरा के साथ दिखे अरबाज, क्या घर आने वाला है नन्हा मेहमान?

अरबाज खान की पत्नी और मेकअप आर्टिस्ट शूरा खान की प्रेग्नेंसी को लेकर अटकलें लगाई जा रही हैं। दरअसल, हाल ही में अरबाज खान और शूरा को एक क्लीनिक के बाहर देखा गया। इसके बाद से लोगों ने कयास लगाने शुरू कर दिए कि शायद शूरा खुशखबरी देने वाली हैं। तमाम यूजर्स कपल को बधाई भी देने लगे।

क्लीनिक के बाहर नजर आए अरबाज-शूरा

शूरा खान ब्लैक लैगिंग्स और ओवरसाइज व्हाइट टीशर्ट में नजर आईं। अरबाज खान शूरा का हाथ थामे अस्पताल के बाहर नजर आए। हालांकि, दोनों किस वजह से क्लीनिक गए फिलहाल आधिकारिक रूप से इसकी पुष्टि नहीं हुई है। एक तरफ इंटरनेट पर शूरा की प्रेग्नेंसी के दावे किए जा रहे हैं, तो वहीं मीडिया रिपोर्ट्स में कहा जा रहा है कि शूरा प्रेग्नेंट नहीं हैं।

2023 में रचाई शादी

मीडिया रिपोर्ट्स में कहा जा रहा है कि कपल किसी मैटरनिटी क्लीनिक नहीं गए थे, बल्कि वे डॉ. राकेश सिन्हा के वुमन हॉस्पिटल, फाइब्रॉइड क्लिनिक गए थे। हालांकि, अरबाज और शूरा किस वजह से अस्पताल पहुंचे, इसकी वजह स्पष्ट नहीं है। बता दें कि अरबाज और शूरा ने दिसंबर 2023 में शादी रचाई।

मेकअप आर्टिस्ट हैं शूरा खान

शूरा खान मेकअप आर्टिस्ट हैं। अरबाज और शूरा की पहली मुलाकात फिल्म 'पटना शुक्ला' के सेट पर हुई। यहां दोनों एक-दूसरे के करीब आए और बात शादी तक पहुंच गई। अरबाज खान की पहली शादी मलाइका अरोड़ा से हुई थी। साल 2017 में दोनों का तलाक हो गया। अरबाज और मलाइका का एक बेटा अरहान खान है।

अक्षय कुमार ने फैंस से की अपील, बोले- 'केसरी 2' का ना करें अपमान, फोन रखें दूर

अक्षय कुमार अभिनीत फिल्म 'केसरी 2' की कहानी जलियांवाला बाग कांड की दर्दनाक घटना पर आधारित है। इस फिल्म को लेकर फैंस काफी उत्साहित नजर आ रहे हैं, जो 18 अप्रैल को रिलीज होने वाली है। अभिनेता इसे लेकर जोरदार प्रमोशन कर रहे हैं। इसकी स्क्रीनिंग के दौरान अक्षय कुमार ने कहा क्यों कहा कि फोन में जब में रखें।

अक्षय कुमार की फैंस से गुजारिश

बीते दिन मंगलवार को 'केसरी 2' फिल्म की स्क्रीनिंग की गई। इसके प्रीमियर कार्यक्रम में फिल्म के पूरे स्टारकास्ट सहित कई दिग्गज पहुंचे। इसी कार्यक्रम में अक्षय कुमार ने मीडिया से बातचीत में कहा कि दर्शकों को इस फिल्म को जरूर देखना चाहिए और अपने देश के अनकहे इतिहास को जानने का प्रयास करना चाहिए। साथ ही उन्होंने अनुरोध किया कि फिल्म देखने के दौरान आप अपने फोन को जेब में रखें और एक-एक संवाद को सुनें। साथ ही उन्होंने कहा कि फिल्म के दौरान सोशल मीडिया चेक करेंगे, तो यह फिल्म के लिए अपमान होगा। इसलिए फोन को दूर रखें।

क्या कहती है 'केसरी 2' फिल्म की कहानी?

फिल्म 'केसरी 2' की कहानी की बात की जाए तो ये जलियांवाला बाग से जुड़ी है। इसमें अक्षय कुमार ने वकील सी शंकरन नायर का किरदार निभाया है, जो ब्रिटिश सरकार के खिलाफ आजादी से पहले कोर्ट में जलियांवाला बाग में हुए नरसंहार का केस लड़ते हैं, इस घटना में शहीद हुए लोगों को न्याय दिलाने का प्रयास करते हैं।

एक नजर फिल्म के कलाकारों की ओर

करण सिंह त्यागी द्वारा निर्देशित इस फिल्म में अक्षय कुमार के अलावा भी कई दिग्गज कलाकार भी मौजूद हैं। फिल्म में आर. माधवन ने एडवोकेट नेविल मैककिनले और अनन्या पांडे ने युवा वकील दिलरीत गिल की अहम भूमिका निभाई हैं। इस फिल्म का निर्माण धर्मा प्रोडक्शन द्वारा किया गया है।

रोहित शेट्टी की आने वाली फिल्म में पुलिस ऑफिसर बनेंगे जॉन अब्राहम

जॉन अब्राहम जहां पहले भी अपनी फिल्मों में पुलिस ऑफिसर का रोल कर चुके हैं, वहीं रोहित शेट्टी भी अपनी कॉप यूनिवर्स वाली फिल्मों के लिए मशहूर हैं। अब जॉन और रोहित अब साथ आए हैं। रोहित की अगली फिल्म में जॉन अब्राहम पुलिस ऑफिसर का रोल करेंगे। जल्द ही इस फिल्म की शूटिंग शुरू होने वाली है।

चार महीने चलेगी फिल्म की शूटिंग

रोहित शेट्टी की आने वाली फिल्म का नाम 'एक्शनेर' बताया जा रहा है। इस फिल्म की शूटिंग लगभग चार महीने तक चलेगी। रोहित की फिल्म की शूटिंग मुंबई की 40 अलग-अलग लोकेशन पर होगी। कुछ मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार रोहित और जॉन अब्राहम फिल्म 'एक्शनेर' की शूटिंग 18 अप्रैल से शुरू करने वाले हैं।

कुछ समय पहले जॉन अब्राहम ने बताया था कि वह रोहित शेट्टी की फिल्म कर रहे हैं और इसकी कहानी बहुत ही खास है। अब खबर है कि रोहित शेट्टी मुंबई पुलिस कमिश्नर रहे राकेश मारिया की जिंदगी से इंस्पायर होकर ये फिल्म बना रहे हैं। 1993 में बॉम्बे ब्लास्ट की छानबीन करने से लेकर 26/11 के आतंकवादी हमलों का सामना करने तक की कहानी फिल्म में दिखाई जाएगी। जॉन फिल्म में मुख्य भूमिका निभाएंगे।

जॉन की इस फिल्म में काम करने की ख्वाहिश

पिछले दिनों भी अपनी फिल्म 'डिप्लोमैट' का प्रमोशन करने के दौरान जॉन अब्राहम ने कहा था कि वह शाहरुख खान की फिल्म 'पठान' का प्रीक्वल चाहते हैं। इस प्रीक्वल में उनके किरदार जिम की कहानी को विस्तार से दिखाया जा सकता है। 'पठान' में जॉन ने विलेन का कैरेक्टर निभाया, जिसका नाम जिम था।

डायबिटीज रोगियों में लिवर कैंसर का खतरा अधिक, इन लक्षणों से कर सकते हैं पहचान

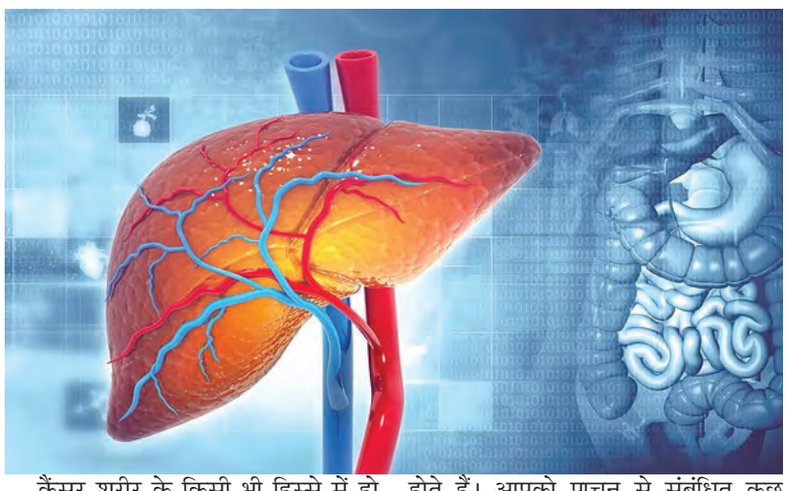

कैंसर शरीर के किसी भी हिस्से में हो सकता है, इस रोग को बहुत खतरनाक माना जाता है। हर साल दुनियाभर में लाखों लोग कैंसर का शिकार होते हैं और इसकी मृत्युदर भी काफी अधिक रही है। लिवर कैंसर भी वैश्विक स्तर पर स्वास्थ्य के लिए बड़ा खतरा रहा है। अध्ययनकर्ताओं ने बताया लाइफस्टाइल की कुछ गड़बड़ आदतें लिवर की समस्याओं, यहां तक कि लिवर कैंसर का भी कारण बन सकती हैं। लिवर कैंसर दुनियाभर कैंसर से होने वाली मौतों का तीसरा प्रमुख कारण है। साल 2020 में अनुमानित 8.30 लाख लोगों की इस बीमारी से मृत्यु हो गई।

लिवर से संबंधित वैश्विक समस्याओं को लेकर लोगों को जागरूक करने और इससे बचाव को लेकर शिक्षित करने के उद्देश्य से हर साल 19 अप्रैल को विश्व लिवर दिवस मनाया जाता है। स्वास्थ्य विशेषज्ञ कहते हैं, लिवर में होने वाला कैंसर पिछले एक दशक में काफी तेजी से बढ़ा है, इससे बचाव को लेकर सभी लोगों को निरंतर प्रयास करते रहना चाहिए।

लिवर में होने वाला कैंसर

लिवर कैंसर, लिवर की कोशिकाओं में शुरू होता है। लिवर कैंसर का सबसे आम प्रकार हेपेटोसेलुलर कार्सिनोमा है, जो मुख्य प्रकार की लिवर कोशिका (हेपेटोसाइट) में होता है। अध्ययनकर्ताओं ने बताया, लिवर कोशिकाओं के डीएनए में परिवर्तन के कारण इसमें कैंसर हो सकता है।

क्रोनिक हेपेटाइटिस संक्रमण या लिवर में लंबे समय से बनी हुई कुछ प्रकार की बीमारियों के कारण भी कैंसर विकसित होने का खतरा रहता है। लेकिन कभी-कभी लिवर कैंसर उन लोगों में भी हो सकता है जिन्हें कोई अंतर्निहित बीमारी नहीं होती।

क्या है लिवर कैंसर की पहचान?

अधिकांश लोगों में प्राथमिक स्थिति में लिवर कैंसर के कोई संकेत या लक्षण नहीं होते हैं। आपको पाचन से संबंधित कुछ समस्याएं जरूर होती रह सकती है हालांकि जैसे-जैसे कैंसर कोशिकाएं बढ़ती जाती हैं इसके लक्षण अधिक स्पष्ट होने लगते हैं। बिना प्रयास के वजन कम होना, भूख न लगना, पेट में दर्द, मतली और उल्टी, कमजोरी और थकान बने रहना, पीलिया की समस्या बार-बार होते रहना भी लिवर कैंसर का शुरुआती संकेत माना जाता है।

किन लोगों में इसका खतरा अधिक

स्वास्थ्य विशेषज्ञ कहते हैं जिन लोगों को हेपेटाइटिस-बी या हेपेटाइटिस सी वायरस का दीर्घकालिक संक्रमण रहा है उनमें लिवर कैंसर का खतरा बढ़ जाता है। सिरोसिस जैसी बीमारियां भी इसके जोखिमों को बढ़ाने वाली हो सकती हैं। इसके अलावा बार-बार फैटी लिवर की समस्या होते रहना, शराब का सेवन भी आपको लिवर कैंसर का शिकार बना सकता है। अध्ययनकर्ताओं ने बताया कि जिन लोगों को डायबिटीज है उन्हें और भी सावधानी बरतने की आवश्यकता है, ऐसे लोगों में लिवर के कैंसर का खतरा समय के साथ बढ़ सकता है।

डायबिटीज रोगियों में कैंसर

अध्ययन से पता चलता है कि टाइप 1 और टाइप-2 दोनों प्रकार के डायबिटीज रोगियों में लिवर कैंसर विकसित होने का जोखिम अधिक हो सकता है। ऐसे लोगों में, बिना मधुमेह वाले लोगों की तुलना में कैंसर का खतरा दो से तीन गुना अधिक देखा गया है। यदि मधुमेह ठीक से नियंत्रित नहीं रहता है तो जोखिम और भी बढ़ जाता है।

हाई ब्लड शुगर की स्थिति में शरीर में कोशिकाओं को ईंधन देने के लिए आवश्यकता से अधिक ग्लूकोज हो जाता है। अतिरिक्त ग्लूकोज के ऑक्सीकरण के दौरान हानिकारक रसायन और फ्री रेडिकल्स रिलीज होते हैं जिससे लिवर कोशिकाओं में कैंसर विकसित होने का जोखिम अधिक बढ़ सकता है।

तेज धूप और बढ़ता तापमान आंखों के लिए भी ठीक नहीं

देशभर में बढ़ती गर्मी के साथ कई प्रकार की बीमारियों का भी खतरा बढ़ गया है। जैसे-जैसे पारा बढ़ता जा रहा है, ये स्थिति स्वास्थ्य संबंधी चिंताओं को भी बढ़ाती जा रही है। स्वास्थ्य विशेषज्ञ कहते हैं, लगातार धूप-गर्मी के संपर्क में रहने वाले, हीटस्ट्रोक के शिकार लोगों में लिवर-किडनी, हाई ब्लड प्रेशर और शुगर बढ़ने का जोखिम हो सकता है। इसके अलावा गर्मी का ये मौसम आपकी आंखों के लिए भी समस्याएं बढ़ाने वाला हो सकता है।

धूप और गर्मी का आपकी आंखों पर कई तरह से असर हो सकता है, मुख्य रूप से सूरज की रोशनी के संपर्क, उच्च तापमान के कारण एलर्जी, ड्राई आइज, फोटोकेराटाइटिस, एलर्जिक कंजंक्टिवाइटिस और आंखों में थकान की समस्या हो सकती है।

आंखों की समस्याएं

आजकल स्क्रीन ज्यादा देखने से लोगों को कम उम्र में ही आंखों की समस्याएं होने लगी हैं। मोबाइल, लैपटॉप के अधिक इस्तेमाल से देखने की क्षमता पर बुरा असर पड़ता है साथ ही आंखें कमजोर भी होने लगती हैं।

इसके अलावा कुछ लोग आंखों को गलत तरीके से धोते हैं, जिससे आंखों से जुड़ी अन्य समस्याओं का भी सामना करना पड़ सकता है। गर्मी के दिनों में आंखें धोने से जलन और सूजन में काफी आराम मिलता है। हालांकि अगर आप गर्मी में ठंडे पानी से आंखें धो रहे हैं तो इसके लिए पहले सही तरीका जान लेना अच्छा होता है।

आंखों को सही तरीके से धोना जरूरी

गलत तरीके से आंखों को धोना कई बार नुकसानदायक भी हो सकता है। अगर आप आंखों को धो रहे हैं तो इसके लिए आंखों को बंद करके उसके ऊपर से ठंडे पानी के छींटे मारने चाहिए। इससे आंखों पर चोट नहीं लगती है।

इसके लिए सिर को सिंक या पीछे की ओर न करते हुए थोड़ा सा झुककर आंखों को धोना चाहिए।

इसके बाद आंखों को धीरे-धीरे करके खोलें और किसी साफ कपड़े से पोछें।

कई बार ठंडे पानी के छीटे आंखों में जाने से आंखों में मौजूद टिशू प्रभावित हो सकते हैं।

इसके साथ ही आंखों को धोने से पहले आपको हाथों को साबुन से अच्छी तरह धोना चाहिए।

क्या कहते हैं विशेषज्ञ?

नेत्र रोग विशेषज्ञ कहते हैं, आंखों को धोने के लिए बहुत ठंडा या गरम पानी इस्तेमाल करने से बचें। अगर आंखों पर मेकअप लगा है, तो पहले मेकअप रिमूवर का इस्तेमाल करें। आंखों को बहुत ज्यादा रगड़ने से बचना चाहिए। गर्मी के दिनों में आंखों में लालिमा, जलन और एलर्जी की दिक्कत हो सकती है। अगर आप इस तरह की किसी भी समस्या से परेशाv हैं तो डॉक्टर से मिलकर कोई आई ड्रॉप ले सकते हैं। बिना डॉक्टरी सलाह के आंखों में कोई भी दवा डालने से बचें।

एक ही साबुन से नहाता है पूरा परिवार तो इसके नुकसान जान लें

गर्मियों के मौसम में नहाना किसे पसंद नहीं होता। इस मौसम में तो लोग दो से तीन बार नहा लेते हैं, जिससे शरीर भी तरोताजा हो जाता है। खासतौर पर अगर नहाते समय अच्छी खुशबू वाली साबुन मिल जाए, तब तो क्या ही कहनें। पर, क्या आप जानते हैं कि ये साबुन जितना आपको फ्रेशनेस का एहसास कराएगी, उतना ही इसके इस्तेमाल से आपके शरीर पर खतरा मंडराएगा।

जी हां, ऐसा तब होता है, जब आपका पूरा परिवार एक ही साबुन से नहाता है। ज्यादातर घरों में साबुन शेयर करना काफी आम बात है, लेकिन ऐसा करना आपके लिए खतरनाक साबित हो सकता है। यहां हम आपको साबुन शेयर करने के नुकसानों के बारे में बताएंगे, ताकि आप भी अपनी त्वचा का ध्यान सही से रख सकें।

हर किसी का स्किन टाइप होता है अलग

यदि आपका परिवार भी एक ही साबुन से नहाता है तो पहले ये जान लें कि हर किसी का स्किन टाइप अलग होता है। इसलिए हर किसी को अपने स्किन टाइप के हिसाब से ही साबुन इस्तेमाल करनी चाहिए।

यदि आप किसी अन्य स्किन टाइप की साबुन का इस्तेमाल करेंगे तो इससे आपको कई परेशानियों का सामना करना पड़ सकता है। कई बार तो इसकी वजह से ड्राइनेस, रैशेस या खुजली की समस्या का सामना भी करना पड़ सकता है।

बढ़ जाता है इंफेक्शन का खतरा

यदि आप एक ही साबुन से नहाते हैं तो त्वचा पर इंफेक्शन का खतरा बढ़ जाता है। कियोंकि कई बार लोगों की त्वचा पर खुजली की समस्या होती है, जिसपर वो ध्यान नहीं देते और एक ही साबुन का इस्तेमाल करके वो अपने परेशानी को दूसरों में ट्रांसफर कर देते हैं। इसलिए यदि इंफेक्शन से बचना है तो अलग साबुन का इस्तेमाल करें।

पीएच लेवल बिगड़ेगा

हर किसी की त्वचा का पीएच लेवल काफी अलग होता है। ऐसे में यदि आप किसी अन्य की इस्तेमाल की हुई साबुन लगाएंगे, तो इससे आपकी त्वचा का पीएच लेवल असंतुलित हो सकता है। इसलिए कभी भी किसी अन्य व्यक्ति का इस्तेमाल किया हुआ साबुन इस्तेमाल न करें।

बढ़ेगा एलर्जी का खतरा

यदि आप एक ही साबुन इस्तेमाल करेंगे तो इससे त्वचा पर लाल चकत्ते, जलन या स्किन इरिटेशन जैसी समस्याएं सामने आ सकती हैं। कई बार तो ये एलर्जी इस कदर बढ़ जाती है कि डॉक्टर तक की हेल्प लेनी पड़ जाती है।

तो क्या करें ?

यदि आप ज्वॉइंट फैमिली में रहते हैं और हर किसी के लिए अलग-अलग साबुन नहीं खरीद सकते तो बॉडी वॉश का इस्तेमाल शुरू कर दें। ये हमेशा पैक और अनछुआ रहता है। जिस वजह से इसके इस्तेमाल से किसी तरह की एलर्जी का खतरा नहीं रहता।

गर्भावस्था में महिलाओं को क्यों होती है बवासीर की समस्या, इसके कारण, लक्षण व उपचार

गर्भावस्था में महिलाओं के शरीर में कई बदलाव होते हैं। साथ ही डिलीवरी से पहले तक कई समस्याओं का सामना भी करना पड़ता है। हालांकि लोगों का मानना होता है कि प्रसव के बाद सब सामान्य हो जाएगा। महिला का शरीर गर्भावस्था से पहले की स्थिति में आ जाएगा। लेकिन ऐसा होता नहीं है। बच्चे की डिलीवरी के बाद कई महिलाओं को बवासीर की बीमारी हो जाती है। भले ही प्रेगनेंसी से पहले महिला को बवासीर की समस्या न हो लेकिन गर्भावस्था में होने वाली पेट संबंधी समस्या के कारण प्रसव के बाद पाइल्स की बीमारी का खतरा बढ़ जाता है। हालांकि प्रेग्नेंसी के दौरान ही अगर महिलाएं इस समस्या से बचाव के उपायों को अपना लें तो बवासीर की समस्या से बचा जा सकता है। आइए जानते हैं गर्भवती महिला को डिलीवरी के बाद क्यों बवासीर की समस्या हो जाती है और पाइल्स से बचाव के लिए गर्भवती को क्या उपाय अपनाने चाहिए।

बवासीर क्या है?

बवासीर में मलाशय के आसपास की नसों में सूजन हो जाती है। असामान्य सूजन और गांठ की समस्या से खुजली व मल त्यागने के दौरान दर्द की शिकायत होती है। बवासीर का आकार बाहर की ओर उभरा हुआ छोटे दाने जैसा होता है।

गर्भावस्था में बवासीर होने की वजह

दरअसल, गर्भावस्था के दौरान यूट्रस का आकार बढ़ जाता है और रक्त संचार में वृद्धि होने लगती है। इस वजह से नसों में आसानी से सूजन आ जाती है। इसके अलावा प्रोजेस्टेरोन नाम के हार्मोन में वृद्धि होने से गर्भवती महिला को कब्ज हो सकता है। कब्ज के दौरान मल काफी सख्त हो जाता है और बवासीर की स्थिति गंभीर हो जाती है। आसान शब्दों में कह सकते हैं कि गर्भवती महिलाएं कब्ज के कारण पाइल्स का शिकार बन जाती हैं। डिलीवरी के दौरान बहुत ज्यादा दबाव बनाने के कारण बवासीर हो सकता है।

बवासीर के लक्षण

* बवासीर की बीमारी में गुदा में दर्द, जलन और खुजली होने लगती है।

* मल त्यागने के दौरान दर्द बढ़ जाता है।

* बैठते समय भी बवासीर के कारण दर्द होता है।

* बवासीर होने पर मल त्यागने के बाद भी फ्रेश महसूस नहीं करते। * मलाशय के पास ऊतकों में सूजन, घाव और रक्तस्राव के संकेत मिलते हैं।

गर्भावस्था में बवासीर से बचाव के उपाय

फाइबर युक्त भोजन का सेवन

प्रेगनेंसी के दौरान कब्ज की समस्या से परेशान महिलाओं को डाइट में फाइबर युक्त भोजन को शामिल करना चाहिए। इसके लिए फल, सब्जी और अनाज का सेवन कर सकती हैं। फाइबर युक्त भोजन कब्ज से निजात दिलाता है और स्टूल को सॉफ्ट रखता है। इससे पाइल्स होने का खतरा कम होता है।

शौच रोके नहीं

गर्भावस्था में जब भी बाथरूम जाने की जरूरत महसूस हो, तो तुरंत शौच के लिए जाएं। स्टूल को रोके नहीं। पेट फ्रेश न होने पर यूट्रस और इंटेस्टाइन में परेशानी होती है और बवासीर की समस्या हो सकती है।

शरीर को हाइड्रेट रखें

गर्भवती महिलाएं खुद को हाइड्रेट रखें। इसके लिए खूब पानी पीएं। तरल पदार्थ जैसे नारियल पानी, नींबू पानी और फ्रूट जूस का सेवन करते रहें। इससे भी पाइल्स की समस्या होने से बचा जा सकता है।

भारतीयों में बढ़ी प्रोसेस्ड फूड्स खाने की आदत इसके दुष्प्रभावों को लेकर डॉक्टरों ने किया सावधान

शरीर को स्वस्थ रखने के लिए पौष्टिक आहार का सेवन करना सबसे आवश्यक माना जाता है। आहार विशेषज्ञ कहते हैं, पौष्टिकता और स्वच्छता के पैमाने पर घर का खाना सबसे बेहतर होता है, हालांकि आंकड़े इसकी उलट कहानी बयां करते हैं।

मिनिस्ट्री ऑफ स्टैटिस्टिक्स एंड प्रोग्राम इंप्लीमेंटेशन और आईसीआईसीआई सिक्यूरिटीज ने हाल ही में इससे संबंधित एक रिपोर्ट जारी कर बताया कि भारतीय लोगों को घर से ज्यादा बाहर खाना खाना पसंद आ रहा है। ज्यादातर भारतीय अक्सर होटल-रेस्त्रां का रुख करते हैं। इतना ही नहीं इसका उनके बजट पर भी असर देखा जा रहा है। उनके कुल बजट का आधा से ज्यादा हिस्सा बाहर खाने पर खर्च हो रहा है।

अब चूंकि लोग बाहर खाना खा रहे हैं, ऐसे में प्रोसेस्ड फूड्स का सेवन भी बढ़ रहा है। सर्वे की रिपोर्ट में पाया गया है कि जहां एक दशक पहले बाहर खाने पर खर्च करीब 41 फीसदी था, वह अब बढ़कर 50 फीसदी से अधिक हो गया है। स्वास्थ्य विशेषज्ञों ने कहा, घर के खाने से दूरी और प्रोसेस्ड-अनहेल्दी खाने की तरफ बढ़ता झुकाव स्वास्थ्य के लिए कई प्रकार से समस्याकारक हो सकता है।

शहरी आबादी में बढ़ी प्रोसेस्ड फूड्स के सेवन की चलन

आईसीआईसीआई सिक्यूरिटीज ने अपनी रिपोर्ट में बताया, गांवों की तुलना में शहरी आबादी में बाहर खाना खाने का चलन अधिक देखा जा रहा है। इतना ही नहीं शहरों की करीब पांच फीसदी आबादी तो ऐसी है जो अक्सर बाहर ही खाना खाती है। इसके अलावा प्रवासी युवा आबादी जो बाहर रहकर काम करती है, उनमें बड़ी संख्या में लोग या तो कैंटीन का खाना खाते हैं या फिर जंक-प्रोसेस्ड फूड्स। मसलन, भारत की बड़ी आबादी में प्रोसेस्ड फूड्स की खपत बढ़ रही है जिसका स्वास्थ्य पर कई प्रकार से गंभीर असर भी हो रहा है।

अधिकतर भारतीयों को नहीं मिल पाते हैं जरूरी पोषक तत्व

आहार विशेषज्ञ कहते हैं, देश में बढ़ती कई प्रकार की क्रोनिक बीमारियों के लिए आहार और लाइफस्टाइल की गड़बड़ी को प्रमुख कारणों में से एक माना जाता रहा है। जिस तरह से आंकड़े बताते हैं कि ज्यादातर लोग बाहर खाना खाते हैं, ऐसे भोजन से शरीर के लिए जरूरी हरी सब्जियों की पौष्टिकता नहीं मिल पा रही है वहीं दूसरी तरफ प्रोसेस्ड-जंक फूड्स की बढ़ती

मात्रा सेहत के लिए कई प्रकार की दिक्कतों को बढ़ाने वाली हो सकती है। प्रोसेस्ड खाद्य पदार्थों को संपूर्ण स्वास्थ्य के लिए हानिकारक माना जाता रहा है।

क्या होते हैं प्रोसेस्ड फूड्स?

प्रोसेस्ड फूड्स उन खाद्यों को कहा जाता है जिन्हें पहले से तैयार करके रख दिया जाता है और लंबे समय तक संरक्षित रखने के बाद उपयोग किया जाता है। लंबे समय तक खराब होने से बचाए रखने के लिए उनमें कई प्रकार के रसायनों को मिलाया जाता है जिसे अध्ययनों में शरीर के लिए हानिकारक पाया गया है। स्वास्थ्य विशेषज्ञ कहते हैं, अधिक मात्रा में प्रोसेस्ड खाद्य पदार्थ वजन बढ़ाने के साथ टाइप-2 डायबिटीज और कुछ प्रकार के कैंसर को बढ़ाने वाले भी हो सकते हैं।

आंखों की नमी बनाए रखने-रोशनी बढ़ाने के लिए वैज्ञानिकों ने बताए उपाय

वैश्विक स्तर पर आंखों से संबंधित कई प्रकार की बीमारियों को समय के साथ बढ़ता हुआ देखा जा रहा है। कुछ दशकों पहले तक आंखों की समस्याओं को उम्र बढ़ने के साथ होने वाले विकारों के रूप में जाना जाता था, हालांकि अब कम उम्र के लोग भी इसके शिकार पाए जा रहे हैं। डॉक्टर्स बताते हैं, लाइफस्टाइल और आहार में गड़बड़ी के अलावा बढ़ा हुआ स्क्रीनटाइम भी आंखों के लिए नुकसानदायक है। इसके कारण कम दिखाई देने से लेकर, ड्राई आइज, आंखों में दर्द, ग्लूकोमा और कुछ स्थितियों में रोशनी तक चले जाने की समस्या भी देखी जा रही है।

स्वास्थ्य विशेषज्ञ कहते हैं, आंखों को स्वस्थ रखने के लिए पौष्टिक आहार के सेवन के साथ नियमित रूप से कुछ अभ्यास करना लाभकारी हो सकता है। पलकों को झपकाने की आदत इसमें सबसे फायदेमंद मानी जाती रही है। माना जाता है कि पलकों को झपकाने से आंखों की नमी बनी रहती है और ड्राई आइज की समस्या का जोखिम कम होता है।

हालिया अध्ययन में शोधकर्ताओं ने इस आदत को आंखों की रोशनी बढ़ाने वाला भी पाया है। क्या आप समय-समय पर पलकों को झपकाते हैं?

पलकें झपकाने से आंखों को मिलता है आराम

अमेरिका की रोचेस्टर यूनिवर्सिटी में हुए अध्ययन के मुताबिक, बार-बार पलक झपकने से न सिर्फ आंखों की नमी को बनाए रखने में मदद मिलती है साथ ही इससे आंखों की रोशनी भी बढ़ती है। शोधकर्ताओं ने बताया कि जब आप पलक झपकाते है तो इससे रेटिना उत्तेजित होती है जिससे छवि साफ दिखने में मदद मिलती है। इतना ही नहीं पलकें झपकने से हमारा दिमाग भी सक्रिय मोड में रहता है। हम जितने देर जागते हैं, उतनी देर में पलकें झपकने से हमारी आंखें करीब 10% समय बंद रहती है, इससे दिमाग को आराम मिलता है।

अध्ययन में क्या पता चला?

विश्वविद्यालय में न्यूरोसाइंटिस्ट बिन यांग ने अपने प्रकाशित पेपर में लिखा है, हमने पाया है कि पलक झपकने से रेटिना की उत्तेजना की शक्ति बढ़ जाती है। आंखों की मांसपेशियों के लिए ये सरल व्यायाम भी है। मांसपेशियां जितनी सक्रिय रहेंगी, रक्त का संचार भी उतना ही ठीक रहता है जिससे आप न सिर्फ आंखों को स्वस्थ रख सकते हैं साथ ही इससे संबंधित कई प्रकार के विकारों को भी कम किया जा सकता है। पिछले शोधों से पता चलता है कि पलकें झपकाने से

हमारी ध्यान क्षमता भी एक्टिव होती है, वस्तुओं को पहचानने में मदद मिलती है। इसके अलावा इससे आंखों को सूखने से बचाने में मदद मिलती है जो कई प्रकार की बीमारियों का प्रमुख कारण रहा है।

ड्राई आइज की समस्या का कम होता है जोखिम

अध्ययनकर्ताओं ने पाया कि पलकों को झपकने से आंखें, मस्तिष्क से मिल रही दृश्य संबंधी जानकारी को पुनः स्वरूपित कर पाती हैं। जिन लोगों में कुछ कारणों से पलकों के न झपकने की समस्या होती है उनमें ड्राई आइज जैसे विकारों का खतरा भी अधिक हो सकता है। ड्राई आइज को अंधेपन का एक प्रमुख जोखिम कारक माना जाता रहा है। स्वास्थ्य विशेषज्ञ कहते हैं, पलकें झपकाने के कई लाभ हैं पर अनावश्यक रूप से पलकों को झपकाने से नुकसान भी हो सकता है।

ज्यादा पलकें झपकाने के भी नुकसान

शोधकर्ताओं ने कहा, आंखों की नमी बरकरार रहे, रोशनी बेहतर बनी रहे इसके लिए समय-समय पर पलकों को झपकाते रहना जरूरी है, पर ज्यादा लाभ के चक्कर में अनावश्यक रूप से ये काम नहीं किया जाना चाहिए। ऐसा करने से आप आंखों की रोशनी जल्दी खो सकते हैं। आंखों को स्वस्थ रखने और अंधेपन जैसी समस्याओं से बचाव के लिए आहार में रंग-बिरंगी सब्जियों को शामिल करें साथ ही स्क्रीनटाइम को कम करना भी जरूरी है।

भारत में पहली बार परीक्षण के तौर पर ट्रेन में एटीएम लगाया गया

नई दिल्ली 16 अप्रैल (एजेंसियां)। भारतीय रेलवे ने ट्रेनों में एटीएम् लगाकर सफल परीक्षण किया है। जो अपने आप में सबसे बड़ी पहल है। वहीं रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने इसका वीडियो भी साझा किया है। जिसमें एटीएम को ट्रेन में कहा लगाया गया है, इसे समझाया गया है। इस खास पहल का मकसद जनता को ट्रेन के सफर के दौरान भी पैसे निकालने की सुविधा देना है।

भारत में पहली बार किसी ट्रेन के अंदर एटीएम मशीन लगाई गई है। इस तरह का पहला प्रयोग महाराष्ट्र की मनमाड-सीएसएमटी पंचवटी एक्सप्रेस (गाड़ी संख्या 12110) में किया गया है। इस पहल को – एटीएम ऑन व्हील्स - नाम दिया गया है। रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने इस एटीएम की वीडियो सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स (पहले ट्विटर) पर शेयर की है, जो खूब चर्चा में है।

ट्रेन में क्यों लगाई गई एटीएम?

यह पहल रेलवे बोर्ड के उस निर्देश का हिस्सा है जिसमें कहा

गया था कि यानि किराए के अलावा कमाई बढ़ाने के लिए नई और नयी सोच के तरीके अपनाए जाएं। इसी के तहत 25 मार्च 2025 को रेलवे ने सभी संभावित वेंडरों के साथ एक बैठक की। इस बैठक में चलती ट्रेनों में मोबाइल एटीएम लगाने का विचार रखा गया, जिसे बाद में मंजूरी भी मिल गई।

कैसे हुआ ट्रायल?

ट्रेन में एटीएम का का पहला ट्रायल 10 अप्रैल 2025 को मनमाड-सीएसएमटी पंचवटी एक्सप्रेस में किया गया। ट्रेन के मिनी पैंट्री (छोटे किचन) वाले हिस्से को एटीएम लगाने के लिए तैयार किया गया। र

`लवे की मैकेनिकल टीम ने यह काम किया और एटीएम को सुरक्षित रूप से फिट किया। रबर पैड और बोल्ट्स की मदद से एटीएम को ट्रेन के चलने के दौरान लगने वाले झटकों और कंपन से बचाया गया। दो अग्निशमन यंत्र भी उस जगह पर लगाए गए हैं, ताकि सुरक्षा बनी रहे।

सोने ने बनाया नया रिकॉर्ड, पहली बार 94 हजार पार

नई दिल्ली 16 अप्रैल (एजेंसियां)। सोने के दाम ने 16 अप्रैल को नया ऑल टाइम हाई बनाया। इंडिया बुलियन एंड ज्वेलर्स एसोसिएशन (IBJA) के अनुसार 10 ग्राम 24 कैरेट सोने का दाम 1,477 बढ़कर 94,579 पर पहुंच गया है। इससे पहले 10 ग्राम सोने की कीमत 93,102 थी।

एक किलो चांदी की कीमत आज 373 बढ़कर 96,575 प्रति किलो हो गई है। इससे पहले चांदी का भाव 95,030 प्रति किलो था। वहीं 28 मार्च को चांदी ने 1,00,934 और 11 अप्रैल को सोने ने 93,353 का हाई बनाया था।

सोने में तेजी के 3 कारण

अमेरिका की टैरिफ पॉलिसी के कारण ट्रेड वॉर का खतरा बढ़ गया है। इससे इकोनॉमी के बढ़ने की रफ्तार धीमी हो सकती है। ग्लोबल मंदी की आशंका भी बढ गई है। ऐसे में लोग सोने में अपना निवेश बढ़ा रहे हैं। मंदी के समय सोने को सुरक्षित निवेश माना जाता है।

डॉलर के मुकाबले रुपए के कमजोर होने से सोने की कीमतों में तेजी आई है। ऐसा इसलिए क्योंकि जब रुपया कमजोर होता है तो इसे इंपोर्ट करने में ज्यादा पैसे खर्च होते हैं। इस साल रुपए में लगभग 4% की गिरावट आई है, जिससे सोने की कीमतों

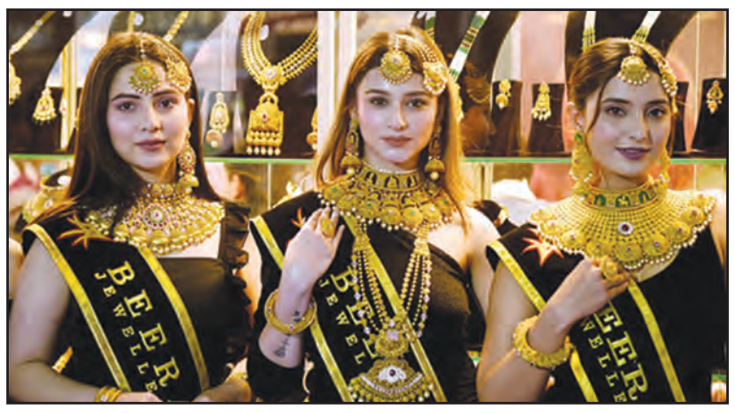

पर दबाव बढ़ गया है।

शादियों का मौसम नजदीक आ रहा है, ऐसे में सोने के गहनों की मांग बढ़ रही है। मुंबई, दिल्ली और चेन्नई जैसे शहरों में ज्वेलर्स ने बताया कि ऊंची कीमतों के बावजूद बिक्री में तेजी है, क्योंकि लोग सोने को निवेश और समृद्धि के प्रतीक के रूप में देखते हैं।

4 महानगरों और भोपाल में सोने की कीमत

दिल्ली : 10 ग्राम 22 कैरेट सोने की कीमत 88,300 रुपए और 10 ग्राम 24 कैरेट सोने की कीमत 96,320 रुपए है।

मुंबई : 10 ग्राम 22 कैरेट सोने की कीमत 88,150 रुपए और 10 ग्राम 24 कैरेट सोने की कीमत 95,180 रुपए है।

कोलकाता : 10 ग्राम 22 कैरेट गोल्ड की कीमत 88,150 रुपए और 24 कैरेट 10 ग्राम सोने की कीमत 96,170 रुपए है।

चेन्नई : 10 ग्राम 22 कैरेट सोने की कीमत 88,150 रुपए और 10 ग्राम 24 कैरेट सोने की कीमत 96,170 रुपए है।

भोपाल : 10 ग्राम 22 कैरेट सोने की कीमत 88,200 रुपए और 10 ग्राम 24 कैरेट सोने की कीमत 96,220 रुपए है।

इस साल अब तक 18,417 रुपए महंगा हो चुका है सोना इस साल यानी 1 जनवरी से अब तक 10 ग्राम 24 कैरेट सोने का दाम 76,162 रुपए से 18,417 रुपए बढ़कर 94,579 रुपए पर पहुंच गया है। वहीं, चांदी का भाव भी 86,017 रुपए प्रति किलो से 10,558 रुपए बढ़कर 96,575 रुपए पर पहुंच गया है। वहीं पिछले साल यानी 2024 में सोना 12,810 रुपए महंगा हुआ था। साल के आखिर तक 1.10 लाख तक जा सकता है सोना अमेरिकी-चीन के बीच बढ़ते ट्रेड वॉर और मंदी की आशंकाओं के कारण इस साल सोना 3,700 डॉलर प्रति औंस तक पहुंच सकता है। इंटरनेशनल रेट के हिसाब से कैलकुलेट करें तो भारत में 10 ग्राम सोने के दाम 1.10 लाख रुपए तक जा सकते हैं। विदेशी इन्वेस्टमेंट बैंक गोल्डमैन सैक्स ने ये अनुमान जारी किया है।

सर्टिफाइड गोल्ड ही खरीदें हमेशा ब्यूरो ऑफ इंडियन स्टैंडर्ड (BIS) का हॉलमार्क लगा हुआ सर्टिफाइड गोल्ड ही खरीदें। सोने पर 6 अंकों का हॉलमार्क कोड रहता है। इसे हॉलमार्क यूनीक आइडेंटिफिकेशन नंबर यानी HUID कहते हैं। ये नंबर अल्फान्यूमेरिक यानी कुछ इस तरह होता है- AZ4524। हॉलमार्किंग के जरिए ये पता करना संभव है कि कोई सोना कितने कैरेट का है।

वित्तीय खुफिया इकाई ने यूनियन बैंक ऑफ इंडिया पर 37 लाख रुपये का जुर्माना लगाया

नई दिल्ली, 16 अप्रैल (एजेंसियां)। वित्तीय खुफिया इकाई (एफआईयू) ने 2011-2014 के लिए संदिग्ध लेनदेन की रिपोर्टिंग में विसंगतियों के लिए यूनियन बैंक ऑफ इंडिया पर कार्रवाई की है। सार्वजनिक क्षेत्र के बैंक पर 37 लाख रुपये का जुर्माना लगाया है।

बुधवार को नियामकीय फाइलिंग में यूनियन बैंक बताया कि उसने "ऐसी गैर-अनुपालन की पुनरावृत्ति से बचने के लिए आवश्यक उपाय किए हैं।

वित्तीय खुफिया इकाई-भारत (एफआईयू-आईएनडी) ने 15 अप्रैल के अपने आदेश में "वर्ष 2011 से 2014 के दौरान संदिग्ध लेनदेन की रिपोर्टिंग में पाई गई विसंगतियों" के लिए 37 लाख रुपये का जुर्माना लगाया है। यूनियन बैंक के शेयर बीएसई पर पिछली क्लोजिंग से 1.88 प्रतिशत बढ़कर 124.70 रुपये पर कारोबार कर रहे थे।

दैनिक पंचांग

ग्रह गोचर

ग्रह स्थिति			लग्नारंभ समय	
सूर्य-	मेष	मे	मेष---	05-52 बजे
चंद्र-	वृश्चिक	मे	वृष---	07-36 बजे
मंगल	कर्क	मे	मिथुन..	09-37 बजे
बुध-	मीन	मे	कर्क---	11-49 बजे
गुरु-	वृष	मे	सिंह---	14-01 बजे
शुक्र-	मीन	मे	कन्या--	16-08 बजे
शनि-	मीन	मे	तुला----	18-13 बजे
राहु-	मीन	मे	वृश्चिक-	20-24 बजे
केतु-	कन्या	मे	धनु.....	22-38 बजे
			मकर...	00-43 बजे
			कुंभ....	02-33 बजे
			मीन....	04-12 बजे

श्री सिद्धार्थी नामक संवत्सर-विक्रम संवत्- **2082**
शक संवत् **-1947**,सूर्य उत्तरायणे,ऋतु- बसंत
महावीर निर्वाण संवत् **-2551**
कलियुग अवधि-**432000** सूर्योदय - 06-02 सूर्यास्त. 18-29
भोग्य कलि वर्ष-**426874**
कलियुग संवत् **-5126** वर्ष,
कल्पारंभ संवत् **-1972949126**
सृष्टि ग्रहारंभ संवत्-**1955885126**
दिशाशूल - दक्षिण - जीरा खाकर घर से निकले
तिथि- चतुर्थी **15-23** तक उपरान्त पंचमी
मास - वैशाख कृष्ण , गुरुवार **17 April**
नक्षत्र - ज्येष्ठा पूर्ण दिनरात तक
योग - वरियान **00-49** तक उप परिघ
करण- बालव **15-23** तक उप कौलव
विशेष:- नक्षत्र शांति
व्रत त्यौहार -

विशेष:- राशिफल गृहों के गोचर के आधार पर लिखा गया है।सूक्ष्म फलादेश क लिए जन्म पत्रिका की सूक्ष्म स्थिति जानने के लिए जन्म कुण्डली दिखाना चाहिए।

राहुकाल 13:50 से 15:24 तक

पं महेशचन्द्र शर्मा मो. 9247132654, 9167555710

दिन का चौघड़िया		रात का चौघड़िया	
शुभ	06:02 - 07:34 शुभ	अमृत	18:29 - 19:57 शुभ
रोग	07:34 - 09:08 अशुभ	चंचल	19:57 - 21:23 शुभ
उत्पात	09:08 - 10:42 अशुभ	रोग	21:23 - 22:49 अशुभ
चंचल	10:42 - 12:16 शुभ	काल	22:49 - 00:15 अशुभ
लाभ.	12:16 - 13:50 शुभ	लाभ	00:15 - 01:41 शुभ
अमृत	13:50 - 15:24 शुभ	उत्पात	01:41 - 03:07 अशुभ
काल	15:24 - 16:58 अशुभ	शुभ.	03:07 - 04:33 शुभ
शुभ	16:58 - 18:29 शुभ	अमृत	04:33 - 06:02 शुभ

आपका राशिफल

मेष चू,चे, चो, ला, ली, लू , ले, लो, अ,

ऐसे अवसरों को पकड़ने की कोशिश करें जो आपको सोचने और उसे अपने तरीके से दुबारा पेश करने का मौका दें । आप इसे उत्साह के साथ कर भी पायेंगे और आपको आनंद भी आएगा । घर में कुछ बदलाव होने ही हैं ,शायद आप अधिक एकाग्रता और अधिक बेहतर अवसरों के लिए किसी नई जगह जाना चाहते हैं ।

वृष ई, उ, ए, जो, वा, वी, वू, वे, वो,

अनुभव सबसे बड़ा अध्यापक है और अभी आपको इसी से सीखना है । भूतकाल से ली हुई सीख की उपेक्षा ना करें ताकि भविष्य की परेशानियों से बच सकें । जरुरतमंदों ,चाहे बच्चे हों या बूढ़े,उनकी मदद करें । ऐसे करने से ही आप सही रास्ते पर चल पायेंगे चाहे आपको अभी इस पर चलने में कोई भी परेशानी आ रही हो ।

मिथुन का, की, कू, घ, ड, छ, के, को, ह,

ग्रहों की स्थिति कुछ ऐसी बन रही है की आपको सुधार करने एवं स्वस्थ होने का विशेष अवसर मिलने वाला है । आप भूतकाल में की हुई अपनी किसी गलती को स्वीकार कर लेंगे और सामने वाले को संतुष्ट करने में कामयाब रहेंगे । ऐसा करके आप अपने दिल से काफी बड़ा बोझ उतार पायेंगे ।

कर्क ही, हू, हे, हो, डा, डी, डू, डे, डो,

आज आप खुद की जरुरत से अधिक आलोचना करने के मूड में हैं । आपको भी पता है कि आपकी अधिकतर चिंताएं निरर्थक हैं,फिर भी आप चिंता करते रहते हैं । इसका एकमात्र समाधान यह है कि अपने किसी ऐसे करीबी से सा अपनी चिंताओं के बारे में बात करें जो आपको सहारा दे सके ।

सिंह मा, मी ,मू ,मे, मो, टा, टी ,टू ,टे,

आज आपको ईमानदारी से काम लेना है। आज का दिन अपने काम की बारीकियों पर ध्यान देने और उन महत्वपूर्ण कामों को पूरे कर लेने के लिए भी बहुत अच्छा है जिन्हें आप कुछ समय से टाल रहे हो । आप इन नीरस रूटीन कामों को पूरा करने में आलस कर रहे हैं लेकिन एक बार आप इन्हें शुरू कर दें तो बहुत जल्दी पूरा भी कर लेंगे ।

कन्या टो पा पी पू ष ण ठ पे पो

यह समय मजे और स्वतन्त्रता दोनों में से किसी एक को चुनने का है । अगर आप जिम्मेदार हैं तो आपको स्वतंत्रता भी मिल ही जायेगी । हालाँकि अत्यधिक परिश्रम के बाद भी आप अपनी मंजिल पर तो नही पहुंच पायेंगे लेकिन बाद में आपको इसका फल जरुर मिलेगा इसलिए परिश्रम करते रहें ।

तुला रा, री, रू ,रे ,रो , ता, ती, तू ,ते,

आपके पास पिछले कामों की भरमार रहेगी,आप पिछले कुछ समय से अपनी जिम्मेदारियों से बचना चाह रहें हैं,आज का दिन आपके उन सब कामों के लिए बहुत अच्छा है । आपको अपने कामो को पूरा करने के लिए इच्छाशक्ति,अनुशासन और एकाग्रता से काम लेना होगा । जिस काम की आप अच्छी खासी योजना बनाये हुए हैं।

वृश्चिक तो,ना,नी, ने,नू, नो, या, यी ,यू,

आपको आज खुद का ही चिंतन करना है । आपके जीवन में इस समय सब कुछ सही चल रहा है ,फिर भी आपको एक प्रकार की बेचैनी महसूस हो रही है जिसे आप व्यक्त नहीं कर पा रहे । इसका एकमात्र समाधान यह है कि आप खुद के बारे में शांत दिमाग से सोचें जिससे आपको अपनी स्थितियों को बेहतर तरीके से देखने में मदद मिलेगी और आप सही समाधान खोज पायेंगे ।

धनु ये, यो,भा, भी, भू धा ,फा, ढा, भे

आपकी वर्तमान जिंदगी में काफी उतार चढाव आ रहे हैं । लेकिन आपको उनसे जल्दी ही छुटकारा मिलने वाला है । अपना नजरिया हमेशा की तरह सकारात्मक बनाये रखें,स्थिति जल्दी ही बेहतर होगी । लोग आपसे सहायता मांगेंगे और आप उनकी सहायता में व्यस्त होकर अपनी चिंताएं भूल जायेंगे ।

मकर भो, जा, जी, खो, खू, खे, खो, गा, गी

आप पिछले कुछ दिनों से काफी व्यस्त दिनचर्या बिता रहे हैं । अब सारी चीजों को व्यवस्थित करने का समय है । आज आपको तुलनात्मक रूप से थोड़ी राहत मिलेगी,लेकिन आपको इस समय का उपयोग अपनी सब चीजों को व्यवस्थित करने में लगाना चाहिए । नही तो सब कुछ और अधिक उलझता जाएगा और आप स्थिति के नियंत्रण से बाहर होने के कारण और भी अधिक परेशान रहेंगे ।

कुंभ गू, गे ,गो, सा, सी, सू, से, सो, दा,

आज ग्रहों की दशा आपको शांत तरीके से अपने बारे में सोचने का मौका देगी । आपने पिछले समय में कई मौकों पर काफी कठोर ढंग से अपनी प्रतिक्रिया दी है लेकिन अब आप मानसिक रूप से काफी शांत स्थिति में हैं । सुलह करने और सम्बन्ध सुधरने के लिए बहुत अच्छा समय है। खुशी पाने का सबसे अच्छा तरीका यह है कि खुद को भी और दूसरों को भी एक दूसरा मौका जरुर दें ।

मीन दी, दू,थ, झ, ञ, दे, दो, चा,ची

आपको समय फिलहाल रेंगता हुआ महसूस हो रहा है ।लेकिन धीरज रखें और अपनी उत्सुकता भी बनाये रखें । हालाँकि आपको अपने किसी वादे या किसी निजी सम्बन्ध की खातिर कुछ समय के लिए अपने लक्ष्यों को एक तरफ करना पड़ सकता है । अपने साथी के साथ विवादों और गलतफहमियों से बचें ।

श्री पंचागुली ज्योतिष केन्द्र

दिन के निचले स्तर से 500 अंक संभला सेंसेक्स

मुंबई 16 अप्रैल (एजेंसियां)। बुधवार, 16 अप्रैल को शेयर बाजार में गिरावट के बाद तेजी रही। सेंसेक्स 309 अंक चढ़कर 77,044 के स्तर पर बंद हुआ। दिन के निचले स्तर से इसमें 500 अंक की रिकवरी हुई। निफ्टी में भी 109 अंक की तेजी रही, ये 23,437 के स्तर पर बंद हुआ। दिन के निचले स्तर से इसमें 164 अंक की रिकवरी आई।

सेंसेक्स के 30 में से 18 शेयरों में तेजी रही। इंडसइंड बैंक के शेयर में सबसे ज्यादा 6.78%, एक्सिस बैंक में 3.95% और अडाणी पोर्ट्स में 1.81% की तेजी रही। मारुति, इंफोसिस और टाटा मोटर्स में 1.50% तक की गिरावट रही।

निफ्टी के 50 में से 33 शेयरों में तेजी रही। NSE के सेक्टोरल इंडाइसेज में सरकारी बैंकों के का इंडेक्स 2.37%, मीडिया का 1.88%, प्राइवेट बैंक का 1.74%, ऑयल एंड गैस का 1.33% और फाइनेंशियल सर्विसेज 0.91% चढ़कर बंद हुए।

ग्लोबल मार्केट में मामूली गिरावट, DIIs ने 6,066 करोड़ के शेयर खरीदे

15 अप्रैल को अमेरिका का डाउ जोन्स 155 अंक (0.38%), नैस्डेक कंपोजिट 8 अंक (0.049%) और S&P 500 इंडेक्स 9 अंक (0.17%) गिरकर बंद हुए।

एशियाई बाजारों में जापान का निक्केई 347 अंक (1.01%) गिरकर 33,920 पर बंद हुआ। कोरिया का कोस्पी 30 अंक (1.21%) की गिरावट रही, ये 2,447 पर बंद हुआ।

चीन का शंघाई कंपोजिट 0.26% गिरकर 3,276 पर बंद हुआ। हॉन्गकॉन्ग के हैंगसेंग इंडेक्स में 409 अंक (1.91%) गिरावट रही, ये 21,057 पर बंद हुआ। 15 अप्रैल को विदेशी निवेशकों (FIIs) ने 6,065.78 करोड़ के शेयर खरीदे। जबकि भारतीय यानी घरेलू निवेशकों (DIIs) ने 1,951.60 करोड़ रुपए के शेयर बेचे।

चौथी तिमाही के नतीजों के बाद IREDA के शेयर में 5% की तेजी

वित्त वर्ष 2024-25 की आखिरी यानी, चौथी तिमाही में पॉजिटिव नतीजों के बाद इंडियन रिन्युएबल एनर्जी डेवलपमेंट एजेंसी लिमिटेड (IREDA) के शेयर में आज 5% से ज्यादा की तेजी है।

जनवरी-मार्च तिमाही में IREDA को 502 करोड़ रुपए का मुनाफा (कॉन्सोलिडेटेड नेट प्रॉफिट) हुआ है। सालाना आधार पर यह 49% बढ़ा है। पिछले वित्त वर्ष की समान तिमाही में कंपनी को 337.39 करोड़ का मुनाफा हुआ था।

रियल एस्टेट का फूट गया बुलबुला?

दिल्ली-मुंबई-पुणे-हैदराबाद सब जगह घट रही है मकानों की बिक्री

नई दिल्ली, 16 अप्रैल (एजेंसियां)। क्या लोगों की आमदनी घट गई है या उन्हें मकान खरीदने के लोन नहीं मिल रहा है? यह सवाल इसलिए पूछा जा रहा है क्योंकि इस साल पहली तिमाही के दौरान भारत के आठ बड़े शहरों में मकानों की बिक्री घटी है। इस साल जनवरी से मार्च के महीने में पिछले साल के मुकाबले 19% कम मकान बिके हैं। इस दौरान मकानों की सप्लाई में भी 10 फीसदी की कमी आई है। बुधवार को यहां जारी रिपोर्ट में यह जानकारी दी गई है। इस रिपोर्ट का कहना है कि इस समय मकान की कीमतें बढ़ रही हैं। देश का आर्थिक विकास भी धीमा हो गया है। इसलिए लोग सावधानी बरत रहे हैं और घर कम खरीद रहे हैं।

वर्ष दर वर्ष आधार पर देखें तो इस

साल पहली तिमाही के दौरान मकानों की बिक्री में सबसे ज्यादा गिरावट मुंबई और हैदराबाद में हुई है। इन दोनों शहरों में इस दौरान मकानों की बिक्री में 26 फीसदी की गिरावट हुई है। इसके पुणे का स्थान है जहां पहली तिमाही में बिक्री 25 फीसदी घटी है। दिल्ली एनसीआर में भी इस दौरान मकानों की बिक्री में 16 फीसदी की कमी देखी गई है। हालांकि इस दौरान बेंगलुरु और चेन्नई में क्रमशः 13 और 8 फीसदी की बढ़ोतरी भी हुई है। इस साल की पहली तिमाही के दौरान इन शहरों में नए मकानों की सप्लाई भी 10% कम हो गई है।

देखा जाए तो पिछले कुछ सालों के दौरान मकानों के दाम बहुत बढ़े हैं। इस वजह से बहुत से लोगों के लिए एक अदद मकान खरीदना मुश्किल हो गया है। इसलिए डेवलपर्स ने भी अपनी उम्मीदें कम कर दी हैं और नए फ्लैट या मकान कम बना रहे हैं।

इस रिपोर्ट के अनुसार साल दर साल आधार पर सबसे ज्यादा सप्लाई में कमी पुणे में हुई है। वहां 38 फीसदी कम न्यू लॉन्चेज हुए हैं। इसके बाद हैदराबाद का स्थान है जहां 33 फीसदी सप्लाई घटी है। अहमदाबाद में 23 फीसदी जबकि मुंबई में 15 फीसी सप्लाई घटी है। इसके उलट कोलकाता में इस दौरान सप्लाई में 138 फीसदी की जोरदार बढ़ोतरी हुई है।

क्रिप्टोकरेंसी को लेकर आया सुप्रीम कोर्ट का निर्णय

कहा- हम कानून नहीं बना सकते

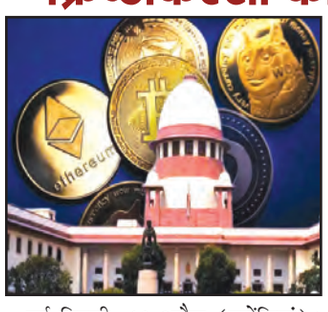

नई दिल्ली, 16 अप्रैल (एजेंसियां)। क्रिप्टोकरेंसी को लेकर सुप्रीम कोर्ट का एक निर्णय आया है। सुप्रीम कोर्ट ने क्रिप्टोकरेंसी पर रेगुलेटरी फ्रेमवर्क बनाने की मांग वाली याचिका को खारिज कर दिया है। कोर्ट ने कहा कि वह कानून नहीं बना सकती। क्रिप्टोकरेंसी एक डिजिटल या वर्चुअल करेंसी है। यह क्रिप्टोग्राफी द्वारा सुरक्षित होती है। इससे इसे नकली बनाना या डबल-स्पेंड करना लगभग असंभव हो जाता है। इसमें ब्लॉकचेन टेक्नोलॉजी का इस्तेमाल होता है।

क्रिप्टोकरेंसी पर रेगुलेटरी फ्रेमवर्क से जुड़ा यह मामला जस्टिस बीआर गवई और जस्टिस ऑगस्टीन जॉर्ज मसीह की बेंच के सामने सुनवाई के लिए आया। याचिकाकर्ताओं के वकील ने कहा कि क्रिप्टोकरेंसी को लेकर देशभर में कई शिकायतें दर्ज की गई हैं। वकील ने कहा कि याचिकाकर्ता केंद्र और अन्य को इस मुद्दे पर रेगुलेटरी फ्रेमवर्क बनाने के लिए निर्देश देने की मांग कर रहे हैं। क्योंकि इसे रेगुलेट करने के लिए कोई कानून नहीं है। जस्टिस गवई ने पूछा, 'यह नीति निर्माताओं के दायरे में है। हम ऐसा कोई निर्देश कैसे जारी कर सकते हैं? हम कानून नहीं बना सकते।' बेंच ने कहा कि याचिकाकर्ता इस मुद्दे पर भारत सरकार को अपना प्रतिवेदन दे सकते हैं। वकील ने तर्क दिया कि कई याचिकाकर्ताओं ने अलग-अलग पुलिस अधिकारियों से संपर्क किया। लेकिन इस मुद्दे पर कोई रेगुलेटरी पॉलिसी नहीं है। बेंच ने कहा, 'याचिका में की गई प्रार्थनाएं विधायिका और कार्यपालिका के दायरे में हैं। इसलिए, हम याचिका पर विचार करने के इच्छुक नहीं हैं।' बेंच ने कहा कि याचिकाकर्ता चाहें तो वे विचार किए जाने के लिए उचित प्राधिकारी को अपना प्रतिवेदन दे सकते हैं। पिछले साल जनवरी में केंद्र ने सुप्रीम कोर्ट को बताया था कि उसने अभी तक क्रिप्टोकरेंसी को रेगुलेट करने और संबंधित अपराधों की प्रभावी ढंग से जांच करने के लिए कोई तंत्र तय नहीं किया है। सुप्रीम कोर्ट विभिन्न राज्यों में क्रिप्टोकरेंसी धोखाधड़ी के आरोप में बुक किए गए एक आरोपी की अलग जमानत याचिका पर सुनवाई कर रहा था।

जेनसोल इंजीनियरिंग के प्रमोटर्स ने की 262 करोड़ की हेराफेरी

सेबी ने डायरेक्टर पद से हटाया; कंपनी का शेयर एक साल में 85% गिरा

नई दिल्ली, 16 अप्रैल (एजेंसियां)। सेबी के एक्शन के बाद इलेक्ट्रिक व्हीकल बनाने और लीज पर देने वाली कंपनी जेनसोल इंजीनियरिंग लिमिटेड का शेयर बुधवार को 5% गिरावट के साथ 122.68 रुपए पर आ गया। कंपनी का शेयर इस साल अब तक 85% से ज्यादा गिर चुका है।

चैप्टर-1: संकट

जेनसोल के शेयर प्राइस में हेरा-फेरी और फंड डायवर्जन की शिकायतों के बाद सेबी ने जून 2024 में जांच शुरू की। जांच में सेबी ने पाया कि कंपनी के प्रमोटर्स ने पर्सनल यूज के लिए फंड का डायवर्जन किया। इसके बाद सेबी ने दोनों भाइयों को डायरेक्टर पोस्ट से हटा दिया। शेयर बाजार में कारोबार करने पर भी रोक लगा दी।

सेबी ने अपने ऑर्डर में कहा जेनसोल में कॉर्पोरेट गवर्नेंस पूरी तरह फेल हो गया। प्रमोटर्स ने इस लिस्टेड कंपनी को अपनी प्रॉपर्टी समझ लिया था। कंपनी का पैसा रिलेटेड पार्टीज में घुमाकर निजी जरूरतों पर उड़ाया गया। इसका नुकसान निवेशकों को उठाना पड़ेगा। जेनसोल का शेयर 2025 में अब तक 85% से ज्यादा गिर चुका है। पिछले 5 कारोबारी दिनों में कंपनी के शेयर में 16.54% की गिरावट दर्ज की गई। वहीं पिछले 1 महीने में शेयर 48.17% टूट चुका है। जेनसोल इंजीनियरिंग का मार्केट कैपिटल 471 करोड़ रुपए है।

चैप्टर-2: हेराफेरी

कंपनी ने इंडियन रिन्यूएबल एनर्जी डेवलपमेंट एजेंसी (इरेडा) और पावर फाइनेंस कॉरपोरेशन (पीएफसी) जैसी संस्थाओं से 977.75 करोड़

रुपए का टर्म लोन लिया। इसमें से 664 करोड़ रुपए से 6,400 इलेक्ट्रिक व्हीकल (EV) खरीदना था, जिन्हें ब्लूस्मार्ट को लीज पर देना था।कंपनी को अपनी तरफ से भी 20% मार्जिन (166 करोड़ रुपए) लगाना था। इस तरह, कुल 830 करोड़ रुपए EV खरीदने में खर्च होने थे। हालांकि, फरवरी 2025 तक 567.73 करोड़ मूल्य के केवल 4,704 व्हीकल ही खरीदे गए। 262.13 करोड़ का हिसाब नहीं हो पाया। सेबी ने जांच में पाया कि जब भी ईवी खरीदने के लिए जेनसोल से गो-ऑटो में फंड ट्रांसफर किया गया, तो अधिकांश मामलों में या तो ये फंड कंपनी को वापस ट्रांसफर कर दिया गया या उन संस्थाओं को भेज दिया गया जो डायरेक्टली या इनडायरेक्टली जेनसोल के प्रमोटरों अनमोल सिंह जग्गी और पुनीत सिंह जग्गी से जुड़ी थी।

सेबी ने अनमोल सिंह के बैंक स्टेटमेंट का भी एनालिसिस किया। इसमें पाया गया कि अधिकांश फंड अन्य संबंधित पक्षों, परिवार के सदस्यों को ट्रांसफर कर गया या व्यक्तिगत खर्चों के लिए इस्तेमाल किया। इसमें लक्जरी फ्लैट खरीदना, ट्रेडिंग, गोल्फ सेट खरीदना शामिल है। जेनसोल ने फंड की हेराफेरी को छिपाने के लिए सेबी, क्रेडिट रेटिंग एजेंसियों (सीआरए) और लेंडर्स के पास फॉल्स "कंडक्ट लेटर्स" जमा किए। इसमें चूक को छिपाने के लिए अपने कर्ज से जुड़े सर्विस ट्रैक रिकॉर्ड को गलत तरीके से पेश किया गया।

चैप्टर-3: शुरुआत

जेनसोल को अनमोल सिंह जग्गी और पुनीत सिंह जग्गी ने 2012 में बनाया था। सोलर एनर्जी कंसलटेंसी और इंजीनियरिंग, प्रोक्योरमेंट एंड कंस्ट्रक्शन (ईपीसी) फर्म के रूप में इसकी शुरुआत हुई थी। इसने अपनी सब्सिडियरी ईवी राइड-हेलिंग प्लेटफॉर्म ब्लूस्मार्ट मोबिलिटी के जरिए ईवी लीजिंग और मैन्युफैक्चरिंग में विस्तार किया। 2019 में जेनसोल के शेयरों की लिस्टिंग एनएसई इमर्ज प्लेटफॉर्म पर हुई थी। इसके बाद 2023 में इसके शेयर नेशनल और बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज पर लिस्ट हुए। 7000 करोड़ रुपए की ऑर्डर बुक और बढ़ते रेवेन्यू के साथ रिन्यूएबल एनर्जी और ईवी सेक्टर में लोगों के एक्साइटमेंट से शेयर 2022 से 2024 के बीच 2,600% चढ़ा।

राहुल-सोनिया के अलावा कौन-कौन से नेता जांच एजेंसियों के रडार पर

> जानते हैं हाई-प्रोफाइल मामलों के बारे में

नई दिल्ली, 16 अप्रैल (एक्सक्लूसिव डेस्क)। नेशनल हेराल्ड मामले में ईडी ने कांग्रेस नेता राहुल गांधी और सोनिया गांधी के खिलाफ चार्जशीट दाखिल कर दी है। दोनों नेताओं पर मनी लॉन्ड्रिंग का आरोप है। इसे लेकर कांग्रेस कार्यकर्ता विरोध प्रदर्शन कर रहे हैं। गौरतलब है कि राहुल-सोनिया गांधी ही नहीं बल्कि देश के कई शीर्ष नेता भ्रष्टाचार के आरोपों से घिरे हैं और इनमें से कई के खिलाफ जांच भी चल रही है। तो आइए जानते हैं कि कौन-कौन से हैं वो शीर्ष नेता, जो केंद्रीय जांच एजेंसियों के निशाने पर हैं।

> लालू यादव परिवार

बिहार के पूर्व सीएम लालू प्रसाद यादव और उनके परिवार के खिलाफ भी ईडी की जांच चल रही है। यह जांच नौकरी के बदले जमीन से संबंधित है। इस मामले में हाल ही में ईडी ने लालू प्रसाद यादव और उनके परिवार के सदस्यों से हाल ही में पूछताछ भी की थी। नौकरी के बदले जमीन मामले में लालू प्रसाद यादव पर आरोप है कि सरकारी नौकरी के बदले लोगों की जमीन कब्जा ली या फिर उन पर लालू यादव परिवार को जमीन सस्ते दामों में बेचने के लिए दबाव बनाया। रेल मंत्री रहते हुए लालू यादव पर यह आरोप लगे थे।

> अरविंद केजरीवाल

दिल्ली के पूर्व सीएम अरविंद केजरीवाल भी शराब घोटाले में मनी लॉन्ड्रिंग के आरोपों का सामना कर रहे हैं। इस मामले में केजरीवाल को बीते साल 21 मार्च को गिरफ्तार किया गया था। इसके चलते केजरीवाल को कई महीने जेल में बिताने पड़े थे और फिलहाल वे जमानत पर बाहर हैं। शराब घोटाले में न सिर्फ अरविंद केजरीवाल बल्कि उनके करीबी नेता मनीष सिसोदिया भी आरोपी हैं।

> हेमंत सोरेन

झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन भी ईडी की कार्रवाई का सामना कर रहे हैं। हेमंत सोरेन पर जमीन घोटाले का आरोप है। यह घोटाला झारखंड में सेना की 4.55 एकड़ जमीन की खरीद-बिक्री से जुड़ा है। यह जमीन रांच के बड़गाई इलाके में है। इस मामले में कई शीर्ष अधिकारी भी जेल में हैं और खुद सीएम हेमंत सोरेन भी जेल जा चुके हैं।

> अभिषेक बनर्जी

टीएमसी महासचिव अभिषेक बनर्जी भी कथित कोयला चोरी से जुड़े मामले में ईडी की जांच का सामना कर रहे हैं। इस मामले में ईडी अभिषेक बनर्जी से कई बार पूछताछ भी कर चुकी है। कोयले के करोड़ों रुपये के गैरकानूनी खनन के मामले की जांच ईडी और सीबीआई दोनों जांच एजेंसियां कर रही हैं। हालांकि इस मामले में दायर चार्जशीट में अभिषेक बनर्जी का नाम नहीं है, लेकिन टीएमसी नेता ईडी के रडार पर हैं।

> डीके शिवकुमार

कर्नाटक के डिप्टी सीएम और वरिष्ठ कांग्रेसी नेता डीके शिवकुमार के खिलाफ भी मनी लॉन्ड्रिंग का मामला चल रहा है। ईडी आय से अधिक संपत्ति के मामले में डीके शिवकुमार के खिलाफ जांच कर रही है। इस मामले में डीके शिवकुमार कुछ दिन जेल भी जा चुके हैं।

'सभी याद रखें सोनिया-राहुल जमानत पर बाहर'

> नेशनल हेराल्ड केस में भाजपा का हमला > ममता को भी सुनाई खरी-खरी

नई दिल्ली, 16 अप्रैल (एक्सक्लूसिव डेस्क)। नेशनल हेराल्ड मनी लॉन्ड्रिंग मामले में भाजपा ने बुधवार को कांग्रेस पर हमला बोला। भाजपा सांसद रविशंकर प्रसाद ने कहा कि सभी को यह बात ध्यान में रखनी चाहिए कि सोनिया गांधी और राहुल गांधी जमानत पर बाहर हैं। कांग्रेस को सरकारी संपत्तियों का दुरुपयोग करने का कोई अधिकार नहीं है। उन्होंने वक्फ कानून का विरोध करने पर पश्चिम बंगाल की सीएम ममता बनर्जी को भी खरी-खरी सुनाई। नेशनल हेराल्ड मनी लॉन्ड्रिंग मामले में राहुल गांधी, सोनिया गांधी और अन्य के खिलाफ ईडी की शिकायत पर भाजपा सांसद रविशंकर प्रसाद ने कहा कि कांग्रेस पार्टी को विरोध करने का अधिकार है, लेकिन उसे सरकारी संपत्तियों का दुरुपयोग करने और इसे नेशनल हेराल्ड को देने का अधिकार नहीं है। इस पूरी संपत्ति को परिवार के हाथों में पहुंचाने के लिए बहुत ही दिलचस्प तरीके से साजिश रची गई। ये संपत्तियां दिल्ली में बहादुर शाह जफर मार्ग पर एक संपत्ति, मुंबई, लखनऊ, भोपाल और पटना में संपत्तियां हैं। उन्होंने कहा कि यंग इंडिया लिमिटेड को एक धर्मार्थ संगठन माना जाता था, लेकिन अब तक यह पता नहीं चला है कि इसने क्या दान किया? 50 लाख रुपये में 90 करोड़ रुपये लिखकर हजारों करोड़ रुपये की संपत्ति हासिल कर ली। एक बात ध्यान में रखनी चाहिए कि राहुल गांधी और सोनिया गांधी जमानत पर बाहर हैं। उन्होंने मामले को खत्म करने के लिए हाईकोर्ट और सुप्रीम कोर्ट का दरवाजा खटखटाया, लेकिन उन्हें कोई राहत नहीं मिली। भाजपा सांसद ने कहा कि राहुल गांधी और सोनिया गांधी को जवाब देना चाहिए कि कानून को अपना काम करने देना चाहिए या नहीं? नरेंद्र मोदी की सरकार कानून को अपना काम करने देगी। सरदार पटेल ने कहा था कि नेशनल हेराल्ड को पैसे देने वाले लोग अच्छे लोग नहीं हैं। फिर भी एक अखबार जिसे कांग्रेस पार्टी का पूरा संरक्षण प्राप्त था, वह क्यों नहीं पनप सका? क्योंकि यह अखबार केवल विज्ञापन इकट्ठा करने और सरकारी सहयोग से संपत्ति बनाने का साधन था। जिस अखबार से आजादी के लिए लड़ रहे लोगों की आवाज को मजबूत करने की उम्मीद थी, उन्होंने उस अखबार को निजी व्यवसाय, एटीएम बना दिया।

खारिज किए कांग्रेस के आरोप

ईडी की चार्जशीट के बाद कांग्रेस ने आरोप लगाया था कि किसी के पास भी लूट करने का लाइसेंस नहीं है। भाजपा ने कांग्रेस के इस आरोप को प्रतिशोध की कार्रवाई बताया। भाजपा नेता रविशंकर प्रसाद ने कांग्रेस से कहा कि वह केवल राजनीतिक प्रतिक्रिया देने के बजाय गांधी परिवार के खिलाफ आरोपों के मूल में जवाब दे। हम कांग्रेस की धमकियों की निंदा करते हैं। उन्होंने सोनिया गांधी के दामाद रॉबर्ट वाड्रा पर हरियाणा में तत्कालीन कांग्रेस सरकार की मिलीभगत से भूमि सौदे में भारी मुनाफा कमाने के आरोप का भी जिक्र किया। उन्होंने ममता बनर्जी पर भी सवाल उठाए।भाजपा सांसद रविशंकर प्रसाद ने कहा कि मैं ममता बनर्जी से कुछ बड़े सवाल पूछना चाहता हूं।

पहला अगर महिलाओं को वक्फ बोर्ड, केंद्र और सभी राज्यों में जगह दी जा रही है, तो क्या आपको इससे कोई दिक्कत है? दूसरा अगर पिछड़े मुसलमानों को वक्फ बोर्ड में प्रतिनिधित्व मिल रहा है, तो क्या आपको इससे कोई दिक्कत है? तीसरा अगर वक्फ के नाम पर गरीब मुसलमानों की जमीनें अवैध रूप से छीनी जा रही हैं, तो क्या आपको इससे कोई दिक्कत है? ममता बनर्जी इन सवालों का जवाब दें।

हिंदू संगठन बोले-जीजीयू नहीं बनेगा जेएनयू

बिलासपुर सेंट्रल यूनिवर्सिटी में किया प्रदर्शन, पुलिस से झड़प; कुलपति को हटाने की मांग

बिलासपुर, 16 अप्रैल (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ के बिलासपुर की गुरु घासीदास सेंट्रल यूनिवर्सिटी के एनएसएस कैंप में हिंदू छात्रों को जबरन नमाज पढ़ाने के विरोध में हिंदूवादी संगठनों विश्वविद्यालय परिसर में प्रदर्शन किया। प्रशासनिक भवन के मुख्य गेट पर चढ़कर नारेबाजी की। इस दौरान पुलिस से झड़प भी हुई। प्रदर्शनकारियों ने वाइस चांसलर को हटाने की मांग करते हुए जीजीयू नहीं बनेगा जेएनयू जैसे नारे लगाए।

बता दें कि एनएसएस कैंप के दौरान ईद पर नमाज पढ़ाने का मामला सामने आने के बाद कुलपति प्रो. आलोक चक्रवाल ने एनएसएस कोआर्डिनेटर को पद से हटा दिया है। वहीं, फैक्ट फाइंडिंग कमेटी मामले की जांच कर रही है। दूसरी तरफ एसएसपी रजनेश सिंह ने यूनिवर्सिटी प्रबंधन से रिपोर्ट मांगी है। हालांकि, अब तक यूनिवर्सिटी ने कोई जवाब नहीं दिया है।

यूनिवर्सिटी को जेएनयू बनाने का आरोप

अब इस मामले में अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद (एबीवीपी) के साथ ही हिंदू सनातनी समाज ने यूनिवर्सिटी को जेएनयू बनाने का आरोप लगाया है। इस मामले में हिंदू संगठनों ने बुधवार को यूनिवर्सिटी परिसर का घेराव कर विरोध प्रदर्शन करने का ऐलान किया है। बता दें कि छात्रों ने आरोप लगाते हुए इस पूरे मामले की शिकायत पुलिस से की है, जिसमें उन्होंने कहा कि उनको मुस्लिम धर्म में कन्वर्ट कराने के लिए यह तरीका अपनाया गया था। इस बहाने उनका ब्रेन वॉश भी किया गया।

छात्रों का आरोप-पहले भी पढ़ाई गई बाइबल

एनएसएस कैंप में शामिल होने वाले छात्र अब इस मामले में खुलकर सामने आ गए हैं। यूनिवर्सिटी के छात्र आस्तिक साहू बीएससी फिजिक्स की पढ़ाई कर रहा है। उनका कहना है कि जिस तरह से सुनियोजित तरीके से छात्रों का ब्रेनवॉश किया गया और नमाज पढ़ाया गया। इसे छात्रों ने पहले ही भांप लिया था। यही वजह है कि छात्रों ने खुलकर विरोध करना शुरू कर दिया है।

उनका आरोप है कि यूनिवर्सिटी में पहले भी बाहर से आए कुछ प्रोफेसर्स ने क्लास रूम में छात्रों को बाइबल पढ़ाई गई थी। इस तरह से प्रोफेसर धर्मांतरण जैसे मुद्दों को बढ़ावा देकर यूनिवर्सिटी का माहौल खराब कर रहे हैं। फैक्ट फाइंडिंग कमेटी इसकी जांच कर दोषियों पर कार्रवाई करे।

मुठभेड़ में 2 नक्सली ढेर

जगदलपुर, 16 अप्रैल (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ में नारायणपुर और कोंडागांव जिले की सरहद पर पुलिस और नक्सलियों के बीच मुठभेड़ हुई है। दोनों तरफ से हुई गोलीबारी में जवानों ने 2 नक्सलियों को ढेर कर दिया। मारे गए नक्सलियों में हलदर (डिविजनल कमेटी मेंबर) पर 5 लाख और रामे एसीएम (एरिया कमेटी मेंबर) पर 5 लाख का इनाम था।

शव के साथ एके-47 जैसे ऑटोमैटिक वेपंस भी बरामद हुए हैं। जवानों ने 2025 में अब तक 148 नक्सलियों को मार गिराया है। दरअसल, पुलिस को सूचना मिली थी कि, कोंडागांव और नारायणपुर जिले की सरहद पर स्थित किलम-बरगुम इलाके में नक्सलियों का जमावड़ा है। इसी सूचना के आधार पर डीआरजी (डिस्ट्रिक्ट रिजर्व गार्ड) और बस्तर फाइटर्स की टीम को 15 अप्रैल को मौके पर भेजा गया।

कवर्धा कलेक्टर ऑफिस को बम से उड़ाने की धमकी

> कश्मीर से आया मेल, आईईडी लगी होने का जिक्र > बम स्क्वायड की टीम कर रही जांच

कवर्धा, 16 अप्रैल (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ के कवर्धा कलेक्टर कार्यालय को आरडीएक्स से उड़ाने की धमकी मिली है। कलेक्टर कवर्धा के ऑफिशियल मेल आईडी पर कश्मीर से मेल आया है, जिसमें दोपहर ढाई बजे तक समय दिया गया है। मेल पर कलेक्ट्रेट परिसर में आईईडी लगी होने का जिक्र भी है। जिसके बाद कलेक्ट्रेट की सुरक्षा बढ़ा दी गई है। पुलिस की बीडीएस टीम पूरे कलेक्ट्रेट परिसर की छानबीन में जुटी है। वहीं सीएम साय ने कहा कि इसकी जांच चल रही है।

परिसर के चप्पे-चप्पे पर जांच जारी

सूचना मिलने के बाद डॉग स्क्वायड और बीडीएस की टीम परिसर के चप्पे-चप्पे पर जांच कर रही है। इस मामले में कबीरधाम कलेक्टर गोपाल वर्मा ने कहा कि, सूचना पुलिस को दी गई है। जिसकी जांच की जा रही है। वहीं, एसपी धर्मेंद्र छवाई ने बताया कि मेल के माध्यम से धमकी मिलने की सूचना मिली है। मौके पर डॉग स्क्वायड की टीम के साथ पुलिस अधिकारियों को जांच के लिए भेजा गया है। धमकी में कहा गया है कि यह हमला तमिलनाडु से ध्यान हटाकर छत्तीसगढ़ की ओर मोड़ने की एक सुनियोजित साजिश का हिस्सा है। मेल के अनुसार, यह साजिश अंतरराष्ट्रीय संगठन कार्टेल और तमिलनाडु के कुछ भ्रष्ट अधिकारियों ने रची है। जिसमें आरएक्स-एस गैलीलियो रिमोट कंट्रोल सिस्टम के जरिए विस्फोट को अंजाम देने की बात कही गई है।

स्थानीय प्रशासन ने इस धमकी को गंभीरता से लेते हुए तत्काल कार्रवाई शुरू कर दी है। कलेक्टर कार्यालय और आसपास के इलाकों को खाली करा लिया गया है। बम निरोधक दस्ते को मौके पर बुलाया गया। साथ ही, पुलिस ने जांच शुरू कर दी है और सुरक्षा व्यवस्था कड़ी कर दी गई है।

जगदलपुर में सीएम ने की अफसरों के परफॉर्मेंस की समीक्षा

साय बोले-बस्तर में मिलेट्स की खेती का स्कोप, कांग्रेस ने जनता को वेंटिलेटर पर डाला

जगदलपुर, 16 अप्रैल (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री विष्णु देव साय और गृहमंत्री विजय शर्मा ने जगदलपुर में संभाग के अफसरों के परफॉर्मेंस की समीक्षा की है। इस बैठक में बस्तर संभाग के सातों जिलों के कलेक्टर, एसपी समेत जिला पंचायत सीईओ शामिल हुए। बस्तर से नक्सलवाद का खात्मा और अंदरूनी इलाके के ग्रामीणों को रोजगार के साथ ही शासन की योजनाओं से कैसे जोड़ें इसपर मंथन हुआ है।

दरअसल, सीएम और गृहमंत्री दोनों पिछले 2 दिनों से जगदलपुर में ही हैं। एक दिन पहले विकसित बस्तर को लेकर विभिन्न समाज के लोगों, पर्यटन के क्षेत्र में काम करने वाले लोगों की बैठक ली थी। बस्तर की तस्वीर और यहां के लोगों की तकदीर बदलने पर मंथन हुआ था। वहीं आज दूसरे दिन जगदलपुर के कलेक्ट्रेट कार्यालय में सातों जिले के अफसरों की बैठक हुई। बीएड शिक्षकों के लिए लिए मुख्यमंत्री ने कहा कि, सीएस की अध्यक्षता में एक कमेटी बनी हुई है। उनके लिए भी हम सोच रहे हैं। मुख्यमंत्री से जब पूछा गया कि कांग्रेस का आरोप है कि भाजपा ने पहले सरगुजा को बेचा, अब बस्तर को बेचने की तैयारी है।

इसका जवाब देते हुए सीएम ने कहा कि, कांग्रेस ने देश की जनता और प्रदेश की जनता को वेंटिलेटर में डाल दिया है। जिस तरह से त्रिस्तरीय पंचायत चुनाव में इन्हें पराजय का मुंह देखना पड़ा है, ये वेंटिलेटर में चले गए हैं। पहले अपना घर संभाले और वेंटिलेटर से बाहर आएं। सीएम विष्णुदेव साय ने कहा कि, कल 5 घंटे की बैठक हुई। इसमें कृषि, पशुपालन, मत्स्य पालन को कैसे आगे बढ़ाएं, यहां उद्योग धंधे को कैसे बढ़ाएं इसपर चर्चा हुई है। बस्तर में पर्यटन की अपार संभावनाएं हैं, तो पर्यटन को यहां कैसे बढ़ा सकते हैं, कैसे देश-विदेशों के लोगों को इससे जोड़ सकते हैं। कौशल विकास से यहां के बेटे-बेटियों को कैसे जोड़ सकते हैं, इन चार विषयों पर मंथन हुआ है। चारों विषयों के जानकार और उसके विशेषज्ञ सभी लोग यहां पर आमंत्रित थे। सभी के सुझाव लिए गए हैं और हमारे अधिकारियों ने सभी को नोट किया है। कृषि के सेक्टर में हमारे बस्तर में मिलेट्स की खेती का बहुत स्कोप है।

कांग्रेस का रायपुर ईडी ऑफिस के बाहर प्रदर्शन

रायपुर, 16 अप्रैल (एजेंसियां)। नेशनल हेराल्ड मामले में सोनिया और राहुल गांधी के खिलाफ ईडी की चार्जशीट के विरोध में कांग्रेस आज देशभर में प्रदर्शन कर रही है। रायपुर में भी कांग्रेस कार्यकर्ता ईडी कार्यालय के बाहर जुटकर नारेबाजी कर रहे हैं। प्रदर्शन में पूर्व सीएम भूपेश, पूर्व डिप्टी सीएम टीएस सिंहदेव और पूर्व राज्यसभा सांसद छाया वर्मा समेत कई कांग्रेसी मौजूद हैं।

वहीं जगदलपुर में कलेक्ट्रेट के बाहर प्रदर्शन कर रहे कांग्रेसियों को पुलिस ने हटा दिया है। यहां सीएम साय और गृहमंत्री विजय शर्मा अफसरों की बैठक ले रहे थे। इसी दौरान एनएसयूआई कार्यकर्ताओं ने काले झंडे दिखाए। ईडी-सीबीआई के खिलाफ नारेबाजी की। एनएसयूआई जिला अध्यक्ष विशाल खंबारी समेत अन्य को पुलिस थाने ले गई है। प्रदर्शन से पहले छत्तीसगढ़ के पूर्व उपमुख्यमंत्री टीएस सिंहदेव ने कहा कि राहुल गांधी के देशभर में सक्रिय होने, एआईसीसी अधिवेशन के फैसलों और इंडिया अलायंस की एकजुटता के बाद यह साफ था कि कोई ना कोई प्रतिक्रिया जरूर आएगी।

ड्रग्स का उत्पादन, वितरण और उपभोग पर कड़ी नजर

> दवा दुकानों की सूची गृह सचिव को उपलब्ध कराने का आदेश

रांची, 16 अप्रैल (एजेंसियां)। मुख्य सचिव अलका तिवारी की अध्यक्षता में मंगलवार को नार्को को-ऑर्डिनेशन सेंटर (एनसीओआरडी) की पांचवीं राज्यस्तरीय समिति की बैठक हुई। बैठक में गृह विभाग की प्रधान सचिव वंदना दादेल, डीजीपी अनुराग गुप्ता, समाज कल्याण सचिव मनोज कुमार, उत्पाद सचिव अमिताभ कौशल, स्कूली शिक्षा सचिव उमाकांत सिंह समेत अन्य विभागों के वरीय अधिकारी मौजूद रहे।

वहीं, संबंधित जिले के उपायुक्त और पुलिस अधीक्षक वर्चुवल माध्यम से जुड़े थे। बैठक में मुख्य सचिव ने ड्रग्स के उत्पादन, वितरण और उपभोग पर कड़ी नजर रखने का निर्देश उपायुक्तों और पुलिस अधीक्षकों को दिया है। साथ ही नशे के अवैध कारोबार से जुड़े तत्वों पर त्वरित और सख्त कार्रवाई करने को कहा। इस मसले से जुड़े सभी संबंधित विभागों को ड्रग्स के खिलाफ कानूनी कार्रवाई के साथ जन जागरुकता अभियान को और गति देने पर भी बल दिया। दवा की दुकानों से नशीली दवाइयां तथा सीरप की बिक्री से जुड़े मसले पर उन्होंने चिंता जताते हुए इसके नेटवर्क को चिह्नित कर कड़ी कार्रवाई का निर्देश दिया। वहीं, लाइसेंसधारी दवा दुकानों की सूची गृह सचिव को उपलब्ध कराने का आदेश दिया, ताकि गैर लाइसेंसी दवा दुकानों पर कार्रवाई सुनिश्चित हो सके। बैठक में बताया गया कि 2024-25 में लगातार अभियान चलाकर पोस्ते की खेती के खिलाफ कार्रवाई की गई है। उसका परिणाम यह है कि 2023-24 में जहां 4860 एकड़ में लगी पोस्ते की फसल नष्ट की गई थी। वहीं, 2024-25 में 27015 एकड़ में लगी फसल का विनष्टीकरण किया गया है। यह पिछले वर्ष की तुलना में छह गुना है। उसी तरह मादक पदार्थों के खिलाफ 2023 में 529 केस दर्ज किये गये थे और 773 गिरफ्तारियां हुईं थीं। 2024 में दर्ज मामलों की संख्या जहां 803 रहीं, वहीं गिरफ्तारियां भी 1062 की गईं। नशे के अवैध धंधे पर नकेल कसने के लिए सभी प्रवर्तन एजेंसियों के लोगों को लगातार प्रशिक्षित किया जा रहा है। स्वापक नियंत्रण ब्यूरो के सहयोग से राज्य के पुलिस पदाधिकारियों को एनडीपीएस एक्ट के महत्वपूर्ण विषयों के संबंध में प्रशिक्षित किया गया है और यह प्रक्रिया लगातार जारी है। साथ ही अनुसंधान प्रशिक्षण विद्यालय, होटवार, रांची में भी प्रशिक्षण लगातार जारी है। इसमें वन विभाग के कर्मियों को भी जोड़ने का निर्देश दिया गया है। वहीं, एनसीबी और राज्य पुलिस को आपसी समन्वय के साथ कार्य करने के लिए एक मानक संचालन प्रक्रिया(एसओपी) भी निर्धारित की गयी है।

'मृत मरीजों के अंतिम संस्कार के लिए मिलेंगे पांच हजार रुपये'

रिम्स में आयोजित बैठक में लिया फैसला

रांची, 16 अप्रैल (एजेंसियां)। झारखंड की राजधानी रांची स्थित राज्य के प्रमुख सरकारी अस्पताल रिम्स में बुधवार को 59वीं शासी परिषद की बैठक आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता राज्य के स्वास्थ्य मंत्री डॉ. इरफान अंसारी ने की। इसमें स्वास्थ्य सचिव अजय कुमार सिंह, रिम्स निदेशक डॉ. राजकुमार, कांके विधायक सुरेश बैठा समेत कई अन्य वरिष्ठ अधिकारी मौजूद रहे। स्वास्थ्य मंत्री ने कहा कि सरकार रिम्स को एक उत्कृष्ट चिकित्सा संस्थान बनाने के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने जोर दिया कि मरीजों को बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं प्रदान करने के लिए हर स्तर पर सुधारात्मक कदम उठाए जा रहे हैं। उन्होंने यह भी निर्देश दिया कि रिम्स में निजी प्रैक्टिस पर रोक लगाने की दिशा में इवनिंग पेड ओपीडी शुरू करने की संभावनाओं की जांच की जाए। साथ ही, मरीजों और उनके परिजनों के साथ संवेदनशील और मानवीय व्यवहार सुनिश्चित करने को कहा।

जब्त मादक पदार्थों का निपटाव सुनिश्चित करें

बैठक में जब्त मादक पदार्थों के निपटाव सुनिश्चित करने पर बल दिया गया। कतिपय जिला द्वारा इस कार्य में पीछे रहने की बात को गंभीरता से लेते हुए तय समय सीमा में उसके निपटाव का निर्देश दिया गया। वहीं, जब्त मादक पदार्थों को सुरक्षित रखने के लिए यथा शीघ्र जिलों में मालखाना निर्माण पर भी बल दिया गया।

ट्रम्प ने चीन पर 100% टैरिफ और बढ़ाकर, 245% किया

चीन बोला-ट्रेड वॉर से नहीं डरते; 5 दिन पहले अमेरिकी सामान पर 125% टैरिफ लगाया था

वॉशिंगटन, 16 अप्रैल (एजेंसियां)। अमेरिका और चीन के बीच टैरिफ वॉर और आगे बढ़ गया है। अमेरिका ने अब चीन पर 100% और टैरिफ लगा दिया है। इसके साथ अमेरिका इंपोर्ट होने वाले चीनी सामान पर कुल टैरिफ 245% हो गया है। चीन ने 11 अप्रैल को अमेरिकी सामान पर 125% टैरिफ लगाया था, जिसके जवाब में ट्रम्प ने नया टैरिफ लगाया है। इससे पहले चीन ने कहा था कि अब वह अमेरिका की तरफ से लगाए जाने वाले किसी भी अतिरिक्त टैरिफ का जवाब नहीं देगा।

चीन बोला-अमेरिका के साथ ट्रेड वॉर से नहीं डरते

अमेरिका की तरफ से नए टैरिफ के ऐलान के बाद चीन ने कहा कि हम अमेरिका के साथ ट्रेड वॉर करने से नहीं डरते। चीन ने दोबारा कहा कि अमेरिका को बातचीत करनी चाहिए। इससे पहले डोनाल्ड ट्रम्प ने कहा था कि चीन को बातचीत की शुरुआत करनी होगी। चीन के विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता लिन जियान ने कहा कि अगर अमेरिका सच में बातचीत को डायलॉग और समझौते के जरिए मुद्दे को सुलझाना चाहता है, तो उसे बेमतलब का दबाव बनाना, डराना और ब्लैकमेल करना बंद करना चाहिए और चीन के साथ बराबरी, सम्मान और आपसी हित के आधार पर बात करनी चाहिए। लिन जियान ने पत्रकारों से कहा कि 245% अमेरिकी टैरिफ के तहत अलग-अलग टैक्स रेट क्या होगा ये आप अमेरिका से ही पूछिए। ये टैरिफ वॉर अमेरिका ने शुरू किया है, हमने नहीं। हम सिर्फ अमेरिका के एक्शन का जवाब दे रहे हैं। हमारे कदम पूरी तरह तार्किक और कानूनी हैं। हम अपने देश के अधिकारों और अंतरराष्ट्रीय व्यापार में ईमानदारी बनाए रखने की कोशिश कर रहे हैं।

चीन ने बोइंग से नए विमानों की डिलीवरी लेने से मना किया

एक दिन पहले जानकारी सामने आई थी कि चीन ने अपनी एयरलाइन कंपनियों को अमेरिकी विमान निर्माता कंपनी बोइंग से नए विमानों की डिलीवरी नहीं लेने के आदेश दिए हैं। ब्लूमबर्ग की रिपोर्ट के मुताबिक बीजिंग ने अमेरिका में बनने वाले विमान के पार्ट्स और डिवाइसेस की खरीद रोकने का आदेश भी दिया है। चीन ने यह आदेश अमेरिका के 145% टैरिफ के जवाब में जारी किया है। बोइंग एयरप्लेन एक अमेरिकी कंपनी है, जो एयरप्लेन, रॉकेट, सैटेलाइट, टेलीकम्युनिकेशन इक्विपमेंट और मिसाइल बनाती है। कंपनी की स्थापना 15 जुलाई 1916 को विलियम बोइंग ने की थी। कई देशों की एयरलाइंस कंपनियां बोइंग के बनाए गए प्लेन का इस्तेमाल करती हैं। बोइंग अमेरिका की सबसे बड़ी एक्सपोर्टर कंपनी है और यह दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी डिफेंस डील करने वाली कंपनी भी है। चीन ने इस ट्रेड वॉर के बीच 7 कीमती धातुओं (रेयर अर्थ मटेरियल) के निर्यात पर भी रोक लगा दी है। चीन ने कार, ड्रोन से लेकर रोबोट और मिसाइलों तक असेंबल करने के लिए जरूरी मैग्नेट यानी चुंबकों के शिपमेंट भी चीनी बंदरगाहों पर रोक दिए हैं।

अमेरिका के टेक्सास में खसरे का प्रकोप, 560 से अधिक मामले सामने आए

ह्यूस्टन, 16 अप्रैल (एजेंसियां)। अमेरिका के दूसरे सबसे बड़े राज्य टेक्सास में खसरे के 561 मामले सामने आए। टेक्सास डिपार्टमेंट ऑफ स्टेट हेल्थ सर्विसेज (डीएसएचएस) ने यह जानकारी दी। डीएसएचएस ने बताया कि पिछले पांच दिनों में 20 नए केस दर्ज किए गए। इसके साथ ही अब तक खसरे से पीड़ित 58 रोगियों को अस्पताल में भर्ती कराया गया है। डीएसएचएस ने मंगलवार को संभावना जताई कि रोग के अत्यधिक संक्रामक होने के कारण इसके मामलों में वृद्धि हो सकती है।

अमेरिकी रोग नियंत्रण और रोकथाम केंद्र ने शुक्रवार को बताया कि इस साल करीब 24 राज्यों में खसरे के 712 मामले सामने आए। इनमें से लगभग 97 प्रतिशत मामले उनके हैं जिनका टीकाकरण नहीं हुआ है या जिनके वैक्सीनेशन की स्थिति स्पष्ट नहीं है। सिन्हुआ समाचार एजेंसी की मानें तो टेक्सास के सार्वजनिक स्वास्थ्य अधिकारियों ने पिछले महीने ही चेतावनी दी थी कि यह प्रकोप कई महीनों तक या पूरे साल तक जारी रह सकता है। उन्होंने बताया कि औसत से कम टीकाकरण स्तर वाली समुदायों को इस प्रकोप से सबसे अधिक नुकसान हो रहा है।

'सुरक्षा परिषद में प्रतिनिधित्व के लिए धर्म आस्था जैसे मापदंडों को आधार बनाना गलत'

न्यूयॉर्क, 16 अप्रैल (एजेंसियां)। भारत ने संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में धर्म और आस्था के आधार पर प्रतिनिधित्व देने के प्रयासों की आलोचना की है। भारत ने कहा कि यह क्षेत्रीय प्रतिनिधित्व के स्वीकृत आधार के बिल्कुल विपरीत है। संयुक्त राष्ट्र में भारत के स्थायी प्रतिनिधि राजदूत पी हरीश ने अंतर-सरकारी वार्ता (आईजीएन) बैठक में ये बात कही। उन्होंने कहा कि पाठ-आधारित वार्ता का विरोध करने वाले लोग यूएनएससी सुधारों पर प्रगति नहीं चाहते हैं।

भारत ने क्यों कही ये बात

पी. हरीश का यह बयान तुर्किए के राष्ट्रपति रेसेप तैयप एर्दोआन के बीते महीने दिए गए उस बयान के बाद आया है, जिसमें एर्दोआन ने कहा था कि एक इस्लामिक देश को भी सुरक्षा परिषद का स्थायी सदस्य बनाया जाना चाहिए। माना जा रहा है कि तुर्किए राष्ट्रपति के उसी बयान के बाद भारत ने धर्म आधारित व्यवस्था का विरोध किया। ब्राजील, जर्मनी, जापान और भारत की सदस्यता वाले जी4 देशों ने भी धर्म और आस्था के आधार पर संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद की सदस्यता देने का विरोध किया है। जी4 देशों का कहना है कि क्षेत्रीय प्रतिनिधित्व एक स्वीकृत आधार है, जो समय की कसौटी पर खतरा भी उतरा है।

भारत का बयान

भारत लंबे समय से सुरक्षा परिषद में बदलाव की मांग कर रहा

हरीश ने कहा कि सुरक्षा परिषद की सदस्यता को मौजूदा 15 से बढ़ाकर 25 या 26 करने की जरूरत है, जिसमें 11 स्थायी सदस्य और 14 या 15 अस्थायी सदस्य शामिल होंगे। वर्तमान में, संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में पांच स्थायी सदस्य हैं, जिनमें चीन, फ्रांस, रूस, यूके और अमेरिका शामिल हैं। बाकी 10 सदस्यों को दो साल के कार्यकाल के लिए गैर-स्थायी सदस्यों के रूप में चुना जाता है। भारत पिछली बार 2021-22 में गैर-स्थायी सदस्य के रूप में परिषद में बैठा था। भारत लंबे समय से सुरक्षा परिषद में बदलाव की मांग कर रहा है।

ब्रिटेन की जेलों में इस्लामी गैंग का कब्जा, शरिया कानून चला रहे, अधिकारी बेबस

कट्टरपंथियों के लिए भर्ती और ब्रेनवॉश करने का ठिकाना बनी जेलें

लंदन, 16 अप्रैल (एजेंसियां)। ब्रिटेन की हाई-सिक्योरिटी जेलों में इस्लामिक कट्टरपंथी गिरोहों का बढ़ता दबदबा जेल प्रशासन और सुरक्षा एजेंसियों के लिए गंभीर चिंता की वजह बन गया है। 2017 के मैनचेस्टर एरीना बम धमाके के दोषी हाशिम अबेदी ने 12 अप्रैल को एचएमपी फ्रैंकलैंड जेल में 3 जेल अधिकारियों पर हमला कर दिया। अबेदी ने अपने साथियों के साथ मिलकर गरम तेल और धारदार हथियारों से हमला किया, जिसमें 2 अधिकारी बुरी तरह घायल हो गए। इस हमले ने एक बार फिर ब्रिटेन की जेलों में मजबूत होते चरमपंथी नेटवर्क को लेकर सवाल खड़े कर दिए हैं। लंदन के एक अखबार की रिपोर्ट के मुताबिक, फ्रैंकलैंड जेल इस समय इस्लामिक गिरोहों के कब्जे में है, जहां कैदियों पर दबाव डालकर या धमकाकर उन्हें अपने गिरोह में शामिल किया जा रहा है।

9/11 हमले के बाद कट्टरपंथी कैदियों की संख्या

2000 के दशक की शुरुआत में 9/11 जैसे आतंकी हमलों के बाद ब्रिटेन में कट्टरपंथी कैदियों की संख्या में अचानक इजाफा हुआ। 2017 तक ब्रिटेन की जेलों में आतंकवाद से जुड़े मुस्लिम कैदियों की संख्या 185 थी। 2024 तक यह संख्या घटकर 157 हुई है, लेकिन फिर भी यह सभी आतंकी कैदियों का 62% हिस्सा है। पूर्व जेल गवर्नर इयान एचसन ने चेताया था कि जेलें कट्टरपंथियों के लिए भर्ती और ब्रेनवॉश का अड्डा बन रही हैं। उनकी रिपोर्ट के बाद खतरनाक आतंकियों के लिए सेपरेशन सेंटर बनाए गए, लेकिन हालात बताते हैं कि समस्या अब भी गंभीर बनी हुई है। 2019 की एक सरकारी रिपोर्ट में बताया गया था कि कुछ जेलों में मुस्लिम ब्रदरहुड नाम से गिरोह सक्रिय हैं। इनका संचालन बाकायदा लीडर, रिक्रूटर, एंफोर्सर और फॉलोअर्स के जरिए होता है। धर्म के नाम पर इन गिरोहों ने शरिया अदालतें भी बना ली हैं, जहां वे अन्य कैदियों पर 'धार्मिक सजा' तक देते हैं। ब्रिटेन की जेलों में मुस्लिम कैदियों की संख्या भी तेजी से बढ़ी है। 2002 में जहां मुस्लिम कैदियों की संख्या 5,500 थी, वहीं 2024 तक यह 16,000 पहुंच गई है। इससे अब कई जेलों में मुस्लिम कैदी 'ब्रदरहुड' के नाम पर ग्रुप बनाकर चलते हैं। कई गिरोह धर्म के नाम पर हिंसा, तस्करी और धमकियों का काम करते हैं।

पूर्व कैदी गैरी ने बताया कि इन गिरोहों का दबदबा इतना है कि अब वे जेलें चलाते हैं। ड्रग्स और पैसे का लेनदेन भी इन्हीं के जरिए होता है। कई कैदियों को जबरन या डर के मारे गिरोह का हिस्सा बनना पड़ता है। एक और पूर्व कैदी रयान ने अपना अनुभव बताया कि जब वह बेलमार्श जेल में था, तो वहां के आतंकी कैदी बाकी कैदियों के लिए किसी 'धर्म गुरु' जैसे थे। फिर धीरे-धीरे आम अपराधी भी उनके संपर्क में आकर कट्टरपंथ की राह पकड़ने लगे। ब्रिटिश प्रिजन ऑफिसर्स एसोसिएशन के महासचिव स्टीव गिलन ने कहा कि स्टाफ कई बार आरोपों के डर से इन गिरोहों पर सख्ती नहीं कर पाता। हालांकि अब जागरूकता और ट्रेनिंग से हालात कुछ बदले हैं।

इजरायल विरोधी प्रदर्शन के दौरान केएफसी कर्मचारी की गोली मारकर हत्या

लाहौर, 16 अप्रैल (एजेंसियां)। पाकिस्तान के पंजाब प्रांत में इजरायल विरोधी प्रदर्शन के दौरान अमेरिकी फास्ट-फूड चेन केएफसी के एक कर्मचारी की हत्या कर दी गई। पुलिस ने यह जानकारी दी। यह घटना प्रांतीय राजधानी लाहौर से लगभग 50 किलोमीटर दूर शेखपुरा में घटी। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक पुलिस ने बताया कि, 15 अप्रैल को सुबह-सुबह बड़ी संख्या में तहरीक-ए-लब्बैक पाकिस्तान (टीएलपी) के कार्यकर्ताओं ने आउटलेट पर धावा बोल दिया। हमलावरों ने रेस्टोरेंट में तोड़फोड़ करते हुए स्टाफ के सदस्यों पर गोलियां चलाईं। आसिफ नवाज नाम के एक कर्मचारी को गोली मार दी गई, जबकि अन्य भागने में सफल रहे। 45 वर्षीय नवाज को तुरंत स्थानीय अस्पताल ले जाया गया लेकिन इलाज के दौरान उनकी मौत हो गई। एक अधिकारी ने बताया, पुलिस जब मौके पर पहुंची तो बदमाश भाग चुके थे।

लीबिया में नाव पलटी, 4 पाकिस्तानी नागरिकों समेत 11 लोगों की मौत

इस्लामाबाद, 16 अप्रैल (एजेंसियां)। उत्तरी अफ्रीकी देश लीबिया में नाव पलटने से 11 लोगों की मौत हो गई। इनमें 4 पाकिस्तानी नागरिक थे। यह जानकारी पाकिस्तान के विदेश कार्यालय ने दी। यह नाव पूर्वी लीबिया के सिर्ते के निकट हरावा तटरेखा के पास विदेशी प्रवासियों को ले जा रही थी। मारे गए चारों पाकिस्तानी सहित सभी 11 लोगों के शव बरामद कर लिए गए हैं। इस दुर्घटना पर पाकिस्तानी प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने दुख व्यक्त किया। उन्होंने देश के नागरिकों को ऐसे मौत के जाल में फंसाने के जिम्मेदार लोगों पर कड़ी कार्रवाई करने की बात कही। प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने सीरिया की राजधानी त्रिपोली में पाकिस्तानी मिशन और विदेश कार्यालय को स्थानीय अधिकारियों के साथ संपर्क कर बचे हुए मृतकों को निकालने के आदेश दिए हैं।

बुधवार को जारी एक बयान में प्रधानमंत्री ने कहा, लीबिया में पाकिस्तानी मिशन से सिर्ते शहर के नजदीक हरावा तटरेखा के पास एक और नाव पलटने की घटना की जानकारी मिलने से दुखी हूं। हमारा मिशन और विदेश कार्यालय स्थानीय अधिकारियों के साथ बचे हुए लोगों के शवों को निकालने के लिए मिलकर काम कर रहे हैं। शरीफ ने आगे कहा कि हमारे नागरिकों को इस मौत के जाल में फंसाने वालों के खिलाफ हम ऐसे तत्वों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई जारी रखेंगे ताकि किसी भी परिवार को ऐसी घटनाओं में अपने प्रियजनों के ताबूत को ले जाने की जरूरत न पड़े।

पाकिस्तानी दूतावास की टीम ने सिर्ते शहर पहुंचने के बाद पाकिस्तानी नागरिकों की मौत की पुष्टि की। चारों मृतक पाकिस्तानियों की पहचान पंजाब के गुजरांवाला निवासी जाहिद महमूद, पंजाब के ही मंडी बहाउद्दीन निवासी समीर अली, सैयद अली हुसैन और असिफ इली के रूप में की गई है। पाकिस्तान विदेश कार्यालय ने अपने बयान में कहा कि त्रिपोली स्थित पाकिस्तान का दूतावास इस दुर्घटना में प्रभावित हुए पाकिस्तानियों के बारे में सक्रियता से जानकारी इकट्ठा कर रहा है और स्थानीय अधिकारियों के साथ लगातार संपर्क में है।

'ये लोग सामाजिक सुरक्षा फंड को लूटना चाहते हैं'

राष्ट्रपति पद से हटने के बाद ट्रंप प्रशासन पर बरसे बाइडन

वॉशिंगटन, 16 अप्रैल (एजेंसियां)। अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति जो बाइडन ने डोनाल्ड ट्रंप का नाम लिए बगैर ट्रंप प्रशासन पर तीखा हमला बोला है। उन्होंने ट्रंप प्रशासन पर सामाजिक सुरक्षा प्रशासन को कमजोर करने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि सामाजिक सुरक्षा प्रशासन को कमजोर इसलिए किया जा रहा है ताकि इसके पैसे को लूटा जा सके। राष्ट्रपति पद से हटने के बाद पहली बार बाइडन ने सार्वजनिक रूप से ट्रंप प्रशासन और उसकी नीतियों पर तीखा हमला बोला।

बाइडन ने ट्रंप प्रशासन को घेरा

बाइडन ने शिकागो में वकीलों के एक राष्ट्रीय सम्मेलन में अपने संबोधन के दौरान कहा कि अब नए प्रशासन को सत्ता में 100 दिन ही हुए हैं, लेकिन इन 100 दिनों में ही इस सरकार ने कितना नुकसान कर दिया है।

उन्होंने संघीय सरकार से बड़े पैमाने पर कर्मचारियों की छंटनी पर नाराजगी जाहिर की और कहा कि सरकार अभी हजारों और कर्मचारियों को निकालने की कोशिश कर रही है। बाइडन ने ट्रंप प्रशासन के कामकाज की आलोचना करते हुए कहा कि ये लोग पहले गोली चला रहे हैं और उसके बाद निशाना लगा रहे हैं और इसके चलते लोगों को काफी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है।

बाइडन ने ट्रंप प्रशासन पर लगाया देश बांटने का आरोप

बाइडन ने सरकार पर देश को बांटने का आरोप लगाया और कहा कि अमेरिका पहले कभी इतना बंटा हुआ नहीं था। उन्होंने कहा कि ये करीब 30 प्रतिशत लोग हैं, लेकिन इनके सीने में दिल नहीं है। बाइडन ने कहा कि सरकार सामाजिक सुरक्षा के फंड में कटौती कर रही है। सामाजिक सुरक्षा प्रशासन में बड़े पैमाने पर कर्मचारियों की छंटनी की गई है, जिससे प्रशासन का कामकाज प्रभावित हुआ है। अब लोग सामाजिक सुरक्षा की वेबसाइट पर लॉगइन करते हैं तो वेबसाइट क्रैश हो जा रही है। इससे लोगों को सामाजिक सुरक्षा का लाभ नहीं मिल रहा। बाइडन ने कहा कि 'लोगों को अपने आप से पूछना चाहिए कि ऐसा क्यों हो रहा है? ये लोग सामाजिक सुरक्षा को निशाना क्यों बना रहे हैं?

राष्ट्रीय चुनाव में देरी का मुद्दा गर्माया यूनुस से मुलाकात करेगी बीएनपी

ढाका, 16 अप्रैल (एजेंसियां)। देश के प्रमुख राजनीतिक दलों में से एक बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी (बीएनपी) बुधवार को अंतरिम सरकार के मुख्य सलाहकार मोहम्मद यूनुस से मुलाकात करेगी। पार्टी दिसंबर 2025 के बाद राष्ट्रीय चुनाव में किसी भी तरह की देरी के खिलाफ है। स्थानीय मीडिया रिपोर्टों के अनुसार, बीएनपी आगामी चुनाव के लिए एक स्पष्ट रोडमैप की मांग करेगी। बीएनपी स्थायी समिति के सदस्य सलाहुद्दीन अहमद ने कहा कि बैठक के दौरान पार्टी अंतरिम सरकार की मंशा पर स्पष्टता की मांग करेगी।

अहमद ने कहा, हम मुख्य सलाहकार को दिसंबर तक चुनाव कराने के उनके वादे की याद दिलाएंगे। उनसे प्रेस कॉन्फ्रेंस के जरिए सार्वजनिक रूप से इसकी पुष्टि करने की अपील करेंगे। हम उनसे चुनाव आयोग को सभी जरूरी तैयारियां पूरी करने का निर्देश देने के लिए भी कहेंगे।

बीएनपी नेताओं ने संकेत दिया कि यदि बैठक के दौरान कोई आम सहमति नहीं बनी तो वे लोकतंत्र की बहाली और इसी वर्ष राष्ट्रीय चुनाव कराने की मांग को लेकर सड़कों पर उतरेंगे। पार्टी ने अगले तीन महीनों के लिए गतिविधियों की रूपरेखा तैयार की है। बांग्लादेशी मीडिया आउटलेट यूएनबी ने पार्टी के अंदरूनी सूत्रों के हवाले से बताया कि ये कार्यक्रम संभवतः रैलियां, मार्च और जुलूस होंगे, जिनकी शुरुआत जमीनी स्तर से होगी।

यूएनबी से बात करते हुए बीएनपी की स्थायी समिति के एक सदस्य ने कहा कि राष्ट्रीय चुनाव को स्थगित करने और वर्तमान अंतरिम सरकार को पांच साल तक सत्ता में बनाए रखने के उद्देश्य से एक अभियान चल रहा है। उन्होंने कहा कि गृह मामलों के सलाहकार जहांगीर आलम चौधरी ने हाल ही में दावा किया था कि जनता चाहती है कि अंतरिम सरकार पांच साल तक बनी रहे। पिछले महीने, राष्ट्र के नाम एक टेलीविजन संबोधन में, यूनुस ने कहा कि चुनाव दिसंबर 2025 और जून 2026 के बीच होंगे।

'गाजा के सिक्योरिटी जोन से नहीं हटेंगे इस्राइली सैनिक'

रक्षा मंत्री बोले-पहले वाली गलती नहीं दोहराएंगे

गाजा, 16 अप्रैल (एजेंसियां)। इस्राइल के रक्षा मंत्री इस्राइल काट्ज का कहना है कि गाजा के सिक्योरिटी जोन में इस्राइली सैनिक अनिश्चितकाल तक तैनात रहेंगे। यह कथित सिक्योरिटी जोन या बफर जोन इस्राइल और गाजा की सीमा पर बनाया गया है, जिसमें गाजा की काफी जमीन नो मेंस लैंड में तब्दील हो गई है। इस्राइली रक्षा मंत्री ने ये भी कहा है कि गाजा के साथ ही लेबनान और सीरिया में भी उनके सैनिक अनिश्चिकाल तक तैनात रहेंगे। गौरतलब है कि जिस कथित सिक्योरिटी या बफर जोन में इस्राइली सैनिक तैनात हैं, वह गाजा के कुल क्षेत्रफल का लगभग 10 प्रतिशत है। इस बफर जोन के जरिए इस्राइल ने पूरे गाजा को चारों तरफ से घेर लिया है और बफर जोन से लोगों को विस्थापित होना पड़ा है। इस्राइली रक्षा मंत्री ने कहा है कि अगर हमास ने बंधकों को नहीं छोड़ा तो इस्राइली सेना गाजा में अपने ऑपरेशन और सघन करती चली जाएगी। उन्होंने कहा कि इससे गाजा और छोटा और अलग-थलग पड़ जाएगा। काट्ज ने कहा कि पहले की तरह इस्राइली सेना जब्त इलाकों को इस बार खाली नहीं करेगी और दुश्मनों और इस्राइल के बीच के बफर जोन में तैनात रहेगी। इस्राइली सेना ने लेबनान के कुछ इलाकों से भी अपने सैनिक हटाने से इनकार कर दिया है। इसी तरह सीरिया में भी इस्राइल ने बफर जोन बना लिया है। इस्राइल की सरकार का कहना है कि 7 अक्तूबर 2023 जैसे हमले रोकने के लिए इस्राइली सेना का इन बफर जोन इलाकों में तैनात रहना जरूरी है।

मालदीव में इस्राइली नागरिकों की एंट्री पर लगी रोक

मालदीव की सरकार ने इस्राइल पासपोर्ट धारकों के मालदीव में एंट्री करने पर रोक लगा दी है। मालदीव की सरकार ने गाजा युद्ध के विरोध में यह कदम उठाया है। इस्राइली नागरिकों की एंट्री रोकने के लिए मालदीव की सरकार ने अपने अप्रवासन कानून में बदलाव किए हैं। इन बदलावों को मंगलवार को मालदीव की संसद से भी मंजूरी मिल गई। हालांकि अभी यह साफ नहीं है कि क्या इस्राइल के साथ दूसरे देश की नागरिकता रखने वाले नागरिकों की भी एंट्री प्रतिबंधित कर दी गई है या नहीं।

भूकंप के झटकों से हिला हिंदुकुश क्षेत्र

काबुल, 16 अप्रैल (एजेंसियां)। अफगानिस्तान के हिंदुकुश क्षेत्र में बुधवार सुबह भूकंप के झटके महसूस किए गए हैं। नेशनल सेंटर फॉर सीस्मोलॉजी (एनसीएस) के अनुसार, रिक्टर स्केल पर भूकंप की तीव्रता 5.9 मापी गई है। एनसीएस ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा, बुधवार तड़के स्थानीय समयानुसार 4:43 बजे अफगानिस्तान के हिंदुकुश क्षेत्र में भूकंप आया। रिक्टर स्केल पर भूकंप की तीव्रता 5.9 मापी गई है।

भूकंप का केंद्र 35.83 डिग्री उत्तरी अक्षांश और 70.60 डिग्री पूर्वी देशांतर पर 75 किलोमीटर की गहराई पर था। अभी तक किसी के हताहत होने या इमारतों को नुकसान की कोई तत्काल खबर नहीं है, लेकिन अधिकारी और मानवीय एजेंसियां स्थिति पर करीब से नजर रख रही हैं। हिंदुकुश पर्वत श्रृंखला (जो उत्तर-पूर्वी अफगानिस्तान में फैली है) यह अत्यधिक भूकंपीय रूप से सक्रिय क्षेत्र का हिस्सा है, जहां जटिल टेक्टोनिक संरचना के कारण भूकंप बार-बार आते हैं।

ट्रम्प को सीधे कवर नहीं कर पाएंगी बड़ी न्यूज एजेंसियां

वॉशिंगटन, 16 अप्रैल (एजेंसियां)। अमेरिका में ट्रम्प प्रशासन ने व्हाइट हाउस प्रेस पूल से रॉयटर्स, ब्लूमबर्ग और एसोसिएटेड प्रेस (एपी) न्यूज एजेंसी को बाहर करने का फैसला किया है। व्हाइट हाउस ने 15 अप्रैल को कहा कि इन न्यूज एजेंसी को प्रेस पूल में अब स्थायी जगह नहीं मिलेगी। प्रेस पूल एक छोटा सा ग्रुप होता है, जिसमें करीब 10 मीडिया संस्थान होते हैं। इसमें कुछ पत्रकार और फोटोग्राफर शामिल होते हैं। ये लोग राष्ट्रपति की हर छोटी-बड़ी गतिविधि को कवर करते हैं और बाकी पत्रकारों को जानकारी देते हैं।

व्हाइट हाउस ने 111 साल पुरानी परंपरा बदली

व्हाइट हाउस प्रेस पूल की शुरुआत 1950 के दशक में राष्ट्रपति ड्वाइट आइजनहावर के समय हुई थी। दरअसल राष्ट्रपति को कवर करने के लिए पत्रकारों की भीड़ बढ़ने लगी। इससे निपटने के लिए पत्रकारों का एक छोटा सा ग्रुप बनाया गया। इसे प्रेस पूल नाम दिया गया। प्रेस पूल में कौन से मीडिया हाउस होंगे यह तय करने की जिम्मेदारी व्हाइट हाउस करेस्पोंडेंस एसोसिएशन (डब्ल्यूएचसीए) के पास थी। यह पत्रकारों का एक स्वतंत्र संगठन है। इसकी स्थापना साल 1914 में हुई थी। बाकी मीडिया संस्थान जो वॉशिंगटन से सीधे जुड़े नहीं हैं, वे अप-टु-डेट रिपोर्टिंग, वीडियो और ऑडियो के लिए इन्हीं न्यूज एजेंसियों पर निर्भर हैं। प्रेस पूल की जिम्मेदारी को इसलिए दी गई थी ताकि व्हाइट हाउस पक्षपाती तरीके से पत्रकारों को न चुन सके और सभी को निष्पक्ष जानकारी मिले। हालांकि, एक सदी से ज्यादा समय से चली आ रही ट्रेडिशन को अब बदल दिया गया है। अब व्हाइट हाउस ही यह तय करेगा कि राष्ट्रपति के करीब कौन सा मीडिया हाउस पहुंच सकता है और कौन नहीं।

रोजाना प्रेस पूल मेंबर्स को चुनेगा व्हाइट हाउस

व्हाइट हाउस की प्रेस सचिव कैरोलिन लेविट ने कहा कि अब उनकी टीम ही रोजाना प्रेस पूल के मेंबर्स को चुनेंगी। इसका मकसद राष्ट्रपति ट्रम्प का संदेश सही दर्शकों तक पहुंचाना और हर मुद्दे के लिए एक्सपर्ट पत्रकारों को रखना है। प्रेस सचिव लेविट ने दावा किया कि इससे प्रेस पूल में ज्यादा वैराइटी आएगी। हालांकि व्हाइट हाउस के इस फैसले को प्रेस की आजादी पर हमला माना जा रहा है। फैसले के विरोधियों का कहना है कि यह कदम स्वतंत्र पत्रकारिता को कमजोर करता है। रॉयटर्स की प्रवक्ता ने कहा, हमारी खबरें हर दिन अरबों लोगों तक पहुंचती हैं।

प्रेस पूल में पत्रकार ही नहीं कंटेंट क्रिएटर भी शामिल होंगे

व्हाइट हाउस ने साफ नहीं बताया, लेकिन प्रेस सचिव लेविट ने कहा कि वे पॉडकास्टर, सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर और 'न्यूज से जुड़े कंटेंट क्रिएटर्स' को मौका देना चाहते हैं। हाल ही में उन्होंने ट्रम्प समर्थक लोगों को मौका दिया है, जैसे पॉडकास्टर सेज स्टील और राइट साइड ब्रॉडकास्टिंग नेटवर्क के ब्रायन ग्लेन। पहले केवल डब्ल्यूएचसीए के सदस्य जिसमें सैकड़ों पत्रकार हैं, वे ही पूल में शामिल हो सकते थे।

नेशनल हेराल्ड मामले में अशोक गहलोत ने कहा
बार-बार लोकतंत्र की हत्या कर रही है बीजेपी
सचिन पायलट ने दिया बड़ा बयान

जयपुर, 16 अप्रैल (एजेंसियां)। राजस्थान सहित देश की सियासत गरमी के इस गरम मौसम में और गरम हो गई है। नेशनल हेराल्ड मामले में ED की कार्रवाई को लेकर राजस्थान के पूर्व सीएम और कांग्रेस नेता अशोक गहलोत ने भाजपा पर जबरदस्त निशाना साधा। अशोक गहलोत ने कहा, देश में इस तरह का माहौल बनाया जा रहा है जैसे कोई बहुत बड़ा घोटाला हो गया है...ये (भाजपा) बार-बार लोकतंत्र की हत्या करने के काम करते हैं। ये बहुत खतरनाक है। अशोक गहलोत ने कहा ईडी पहले भी जांच कर चुकी है। क्लीन चिट भी मिल चुकी है। अब फिर से मामला शुरू कर दिया। ये झूठा मामला है, इसमें कोई दम नहीं है।

यह मामला राजनीति से प्रेरित है – सचिन पायलट

दिग्गज कांग्रेसी नेता व कांग्रेस महासचिव सचिन पायलट ने कहा नेशनल हेराल्ड केस में कोई दम नहीं है। इसे लंबे समय से खींचा जा रहा है।

यह मामला राजनीति से प्रेरित है। हमें न्याय व्यवस्था पर पूरा भरोसा है, हम कानूनी तरीके से लड़ेंगे और हमें न्याय मिलेगा। विपक्ष की आवाज दबाने के लिए सोनिया गांधी और राहुल गांधी को निशाना बनाया गया है। मोदी सरकार के पास कोई सबूत नहीं है, वे सिर्फ विपक्ष की छवि खराब करना चाहते हैं।

महादेव एप मामले में जयपुर के ड्राई फ्रूट व्यापारी के घर ईडी का छापा

जयपुर, 16 अप्रैल (एजेंसियां)। राजधानी जयपुर के तार भी छत्तीसगढ़ की महादेव बैटिंग एप से जुड़ते नजर आ रहे हैं। छत्तीसगढ़ से आई ईडी की टीम ने बुधवार को जयपुर में ड्राई फ्रूट व्यापारी के घर पर छापा मारा। जानकारी के अनुसार, सोडाला स्थित एपल रेजीडेंसी में व्यापारी भरत दाधीच के फ्लैट पर ईडी की टीम सर्च कर रही है। टीम के साथ सेंट्रल फोर्स का जाब्ता भी तैनात किया गया है। जयपुर में ईडी की लगातार दूसरे दिन कार्रवाई हो रही है। मंगलवार को भी कांग्रेस के पूर्व मंत्री प्रताप सिंह खाचरियावास के आवास पर भी ईडी की करवाई हुई थी। महादेव बेटिंग ऐप से जुड़े लोगों के 60 ठिकानों पर सर्च की जा रही है। ये कार्रवाई छत्तीसगढ़, भोपाल (मध्य प्रदेश), कोलकाता (पश्चिम बंगाल), दिल्ली और राजस्थान में एक साथ चल रही है। सूत्रों के अनुसार, कई बड़े नेताओं, सीनियर ब्यूरोक्रेट्स, पुलिस अधिकारियों, महादेव बुक के मुख्य संचालकों और अन्य व्यक्तियों के ठिकानों पर रेड डाली गई है। ईडी को जयपुर से मनी लॉन्ड्रिंग, क्रिप्टो करेंसी और शैल (मुखौटा) कंपनियों से जुड़े सबूत मिले थे। इसी आधार पर यह कार्रवाई की जा रही है। जयपुर के कई बड़े व्यापारी भी ईडी की रडार पर हैं, जिनके खाते महादेव बेटिंग एप से जुड़े पाए गए हैं।

5 जिलों में मिला रेअर अर्थ मेटल का खजाना
एक्सीलेंस सेंटर बनाने का प्रस्ताव सरकार को भेजा

जोधपुर, 16 अप्रैल (एजेंसियां)। मोबाइल, कार, रिन्यूएबल एनर्जी डिवाइस, विभिन्न इलेक्ट्रोनिक गैजेट्स में उपयोग में आने वाली सेमीकंडक्टर में वर्तमान में लिथियम जैसे रेअर अर्थ मेटल (दुर्लभ मृदा धातु) का उपयोग किया जाता है। वर्तमान में इलेक्ट्रोनिक्स उपकरण पूरी तरीके से रेअर मेटल पर निर्भर हैं। देश में इसकी उपलब्धता और बेहतर टेक्नोलॉजी नहीं होने से रेअर मेटल मौजूद होने के बावजूद उसको निकाल नहीं पा रहे हैं। राज्य सरकार से बातचीत के बाद एमबीएम विश्वविद्यालय ने जोधपुर में रेअर अर्थ मेटल का एक्सीलेंस सेंटर स्थापित करने की योजना बनाई है। इसके लिए खनन एवं भूविज्ञान विभाग को 172.65 करोड़ रुपए का प्रोजेक्ट बनाकर भेजा है। अगर प्रोजेक्ट राज्य सरकार स्वीकृत कर लेती है तो आने वाले समय में राजस्थान देश में रेअर अर्थ मेटल्स का हब बन जाएगा।

रेअर अर्थ मेटल की संख्या 17 है।

ऐसा अनुमान है कि राजस्थान में ये सभी 17 धातुएं पाई जाती हैं। विशेषकर बाड़मेर, बीकानेर, अलवर, बांसवाड़ा, उदयपुर में इनके कुछ भण्डार हैं। प्रोजेक्ट के तहत प्रदेश में रेअर अर्थ मेटल की वास्तविक मैपिंग की जाएगी। इसके बाद उनके उत्पादन की सस्ती तकनीक विकसित की जाएगी। टेक्नोलॉजी के लिए कई बड़ी मशीनरी की जरूरत होगी। रेअर अर्थ मेटल्स एक्सीलेंस सेंटर में छात्र-छात्राओं को कोर्स भी करवाए जाएंगे। इससे स्थानीय रोजगार भी उपलब्ध होगा।

होगा प्रदेश का तकनीकी विकास

हमने रेअर अर्थ मेटल्स का एक्सीलेंस सेंटर स्थापित करने का प्रस्ताव बनाकर राज्य सरकार को भेजा है। इसके शुरू होने से राजस्थान की खनिज सम्पदा और तकनीकी विकास काफी आगे चला जाएगा।

क्या है रेअर अर्थ मेटल

रेअर अर्थ मेटल 17 धातु तत्वों का एक समूह है, जिसमें 15 लैंथेनाइड्स धातुओं के अलावा स्कैंडियम और यिट्रियम शामिल है। इनके प्रचुर भण्डार तो मौजूद हैं, लेकिन निष्कर्षण के लिए सस्ती व आसान टेक्नोलॉजी नहीं होने से इनके रेअर अर्थ मेटल कहते हैं। इनमें चुंबकीय, ल्यूमिनसेंट और इलेक्ट्रोकेमिकल के विशेष गुण होते हैं, जिनका उपयोग मॉडर्न टेक्नोलॉजी में बहुतायात में किया जा रहा है।

चीन के कारण जरूरत पड़ी

एमबीएम विश्वविद्यालय के प्रोजेक्ट इंचार्ज डॉ. अरविंद वर्मा ने बताया कि वर्तमान में दैनिक उपयोग में आने वाली अधिकांश इलेक्ट्रोनिक्स गेजेट्स और डिवाइसेस ऑटोमेटिक आ रहे हैं। इसमें मुख्य रूप से रेअर अर्थ मेटल काम आते हैं। देश में 80 प्रतिशत रेअर अर्थ मेटल चीन से आयात किए जाते हैं जो काफी महंगे भी पड़ते है। इसके अलावा टैरिफ वार में अगर चीन ने इसके आयात पर रोक लगा दी तो देश में इलेक्ट्रोनिक्स उद्योग पर संकट आ जाएगा।

कांग्रेस विधायक इंदिरा मीना के एक पोस्ट से मचा हड़कंप
बीजेपी सरकार मुझे मरवाना चाहती है

जयपुर, 16 अप्रैल (एजेंसियां)। सवाईमाधोपुर जिले के बामनवास से विधायक इंदिरा मीना के एक सोशल मीडिया पोस्ट ने सियासी गलियारों में हलचल मचा दी है। उन्होंने भजनलाल सरकार पर हत्या करवाने का आरोप लगाया है। गौरतलब है कि यह आरोप उन्होंने अंबेडकर प्रतिमा के नीचे नाम पट्टिका लगाने को लेकर भाजपा कार्यकताओं से विवाद के बाद लगाया है। विधायक इंदिरा मीना और नगरपालिकाध्यक्ष कमलेश जोशी के नाम की पट्टिका को लेकर रविवार रात को विधायक और भाजपा कार्यकताओं में विवाद हो गया था।

विधायक इंदिरा मीना ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर पोस्ट करते हुए लिखा कि 'भाजपा और सरकार मुझे मरवाना चाहती है, जिसके सबूत मेरे पास हैं।'

बता दें कि विधायक मीना ने रविवार रात समर्थकों संग भाजपा मण्डल अध्यक्ष हनुमंत दीक्षित को घेर लिया और उनकी गाड़ी पर चढ़ गई थी। इस दौरान छीनाझपटी में दीक्षित की शर्ट भी फाड़ दी व हाथापाई की थी। वहीं, भाजपा जिलाध्यक्ष ने इस मामले में विधायक से माफी मांगने को कहा है और प्राथमिकी दर्ज कराने की चेतावनी दी।

दूसरी ओर, विधायक मीना ने भाजपा पदाधिकारियों पर शराब पीकर उत्पात मचाने तथा पट्टिका तोड़ने का आरोप लगाया था। संवेदनशीलता देखते हुए पट्टिकाओं को सुरक्षित स्थान पर रखवाया गया था। हालांकि, इस बीच एक नाम पट्टिका टूट गई थी।

मंत्री किरोड़ी लाल ने महिला के हाथ पर लिखा अपना नंबर, शिकायत लेकर पहुंची थी महिला
कहा- 'मुझे जरूर कॉल करना'

सवाई माधोपुर, 16 अप्रैल (एजेंसियां)। कृषि मंत्री डॉक्टर किरोड़ी लाल मीना मंगलवार को मलारना डूंगर उपखंड क्षेत्र के दौरे पर रहे। इस दौरान उन्होंने अग्रवाल धर्मशाला में 'मंत्री आपके द्वार' कार्यक्रम के तहत जनसुनवाई कर लोगों की समस्याएं सुनी। भीषण गर्मी के मद्देनजर बिजली और पानी की सर्वाधिक समस्याएं सामने आई। जिस पर मंत्री ने तत्परता से समाधान के लिए संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया।

वहीं, गड़िया लुहार समुदाय की एक महिला ने मंत्री से प्रधानमंत्री आवास योजना में नाम जुड़वाने की मांग की। महिला की शिकायत सुनकर किरोड़ी लाल ने तुरंत अधिकारियों को नाम जुड़वाने के लिए निर्देशित किया। साथ ही महिला ने कहा कि अगर नाम नहीं जुड़ा तो आपसे दोबारा बात कैसे होगी। मंत्री किरोड़ी लाल ने उसके हाथ पर अपना नंबर लिखा और कहा कि 'अगर घर न मिले, तो मुझे ज़रूर कॉल करना'

जन सुनवाई के दौरान भड़के मंत्री

जनसुनवाई के दौरान मंत्री ने क्षेत्र में पॉलीहाउस और ग्रीन हाउस की संख्या कम होने पर नाराजगी जाहिर करते हुए कहा कि सरकार पॉलीहाउस और ग्रीन हाउस पर 42 लाख रुपए की लागत पर 32 लाख रुपए का अनुदान दे रही है। उन्होंने कृषि विभाग के अधिकारियों को किसानों को जागरूक कर क्षेत्र में किसानों की उन्नति के लिए पॉलीहाउस और ग्रीन हाउस लगाने का आह्वान किया। मंत्री की जनसुनवाई में विद्युत विभाग, जलदाय विभाग, सार्वजनिक निर्माण विभाग सहित सभी विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे।

खंडार में मगरमच्छ का कहर
भैंसों को पानी पिलाते समय बुजुर्ग किसान पर हमला; दोनों हाथ चबाए

सवाई माधोपुर, 16 अप्रैल (एजेंसियां)। सवाई माधोपुर के खंडार उपखंड क्षेत्र के कराड़की गांव में बनास नदी के किनारे उस समय हड़कंप मच गया, जब एक मगरमच्छ ने भैंसों को पानी पिला रहे एक बुजुर्ग किसान पर हमला कर दिया।

हमले में किसान गंभीर रूप से घायल हो गया, जिसे जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार, कराड़की निवासी 65 वर्षीय कैलाश गुर्जर सोमवार सुबह अपनी भैंसों को पानी पिलाने के लिए गांव के पास स्थित बनास नदी पर गया था। भैंसों के पानी पीने के दौरान कैलाश खुद भी नदी में खड़ा था। इसी दौरान पानी में छिपे एक मगरमच्छ ने अचानक उस पर हमला बोल दिया।

मगरमच्छ के जबड़े इतने मजबूत थे कि उसने किसान के दोनों हाथों को बुरी तरह चबा डाला और जांघ व पैर को भी गंभीर रूप से घायल कर दिया। कैलाश की चीख-पुकार सुनकर पास के खेतों में काम कर रहे ग्रामीण दौड़े और काफी मशक्कत के बाद मगरमच्छ के चंगुल से किसान को छुड़ाया।

घायल अवस्था में ग्रामीणों ने कैलाश को तुरंत जिला अस्पताल पहुंचाया, जहां उसका इलाज जारी है। डॉक्टरों के अनुसार, उसकी हालत गंभीर बनी हुई है।

इस हादसे के बाद ग्रामीणों में आक्रोश फैल गया है। उनका आरोप है कि घटना की सूचना वन विभाग को दी गई, लेकिन विभाग की ओर से कोई भी अधिकारी मौके पर नहीं पहुंचा। ग्रामीणों ने वन विभाग की लापरवाही पर नाराजगी जताते हुए घायल किसान को उचित मुआवजा देने की मांग की है।

लेनदेन को लेकर तगड़ा बवाल
फायरिंग में चार लोग गंभीर घायल, मेडिकल दुकान में भी तोड़फोड़; फैली दहशत

अलवर, 16 अप्रैल (एजेंसियां)। अलवर के उद्योग नगर थाना क्षेत्र के केरवा गांव स्थित चौधरी चरण सिंह चौराहे पर सोमवार को लेनदेन को लेकर हुए विवाद ने हिंसक रूप ले लिया। झगड़े के दौरान मेडिकल स्टोर पर बदमाशों ने अचानक फायरिंग कर दी, जिससे इलाके में अफरा-तफरी मच गई। वारदात में चार लोग गंभीर रूप से घायल हो गए, जिनमें से एक युवक अपनी क्रेटा कार से गुजर रहा था। बदमाशों ने उसकी कार पर भी हमला कर दिया, जिससे उसे गंभीर चोटें आईं।

घायलों को इलाज के लिए सामान्य चिकित्सालय में भर्ती कराया गया है। फायरिंग और तोड़फोड़ से दहशत का माहौल फैल गया है। स्थानीय लोगों का कहना है कि बदमाश मेडिकल स्टोर में घुस गए और वहां जमकर तोड़फोड़ की।

दुकान के शीशे तोड़े, पत्थरबाजी की और देसी कट्टों से फायरिंग कर दी। वारदात को छिपाने के लिए आरोपी दुकान में लगे सीसीटीवी कैमरों की हार्डडिस्क भी उठा ले गए।

घटना के बाद गुस्साए ग्रामीणों ने चौराहे पर जाम लगाकर विरोध प्रदर्शन किया। सूचना पर उद्योग नगर थाना पुलिस और डीएसटी टीम मौके पर पहुंची और कार्रवाई का भरोसा दिलाकर लोगों को समझाइश दी।

ग्रामीणों के मुताबिक, पूरा मामला आपसी लेनदेन का है। आरोप है कि बदमाशों में से एक युवक ने किसी से पैसे उधार लिए थे, जिन्हें वह लौटा नहीं रहा था। जब लेनदेन की बात पर सवाल उठाया गया तो बदमाश करीब 20 हथियारबंद साथियों के साथ मौके पर आ धमके। उनके पास देसी कट्टे, डंडे और हतौड़े थे। उन्होंने मेडिकल स्टोर में हमला कर दिया, जिससे चार लोग गंभीर रूप से घायल हो गए।

प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया कि हमलावरों में अधिकांश युवक मीणा समुदाय से हैं, जो आए दिन इलाके में गुंडागर्दी करते हैं और शाम होते ही शराब के नशे में धुत रहते हैं। घटना के बाद गांव में रोष और डर का माहौल है। ग्रामीणों ने चेतावनी दी है कि यदि जल्द सख्त कार्रवाई नहीं हुई तो वे आंदोलन करेंगे।

ढाई साल की बच्ची पर आवारा कुत्ते का हमला
जबड़े में दबोचकर गाल फाड़ा, 10 टांके आए

अलवर, 16 अप्रैल (एजेंसियां)। राजस्थान के अलवर जिले में आवारा कुत्तों का आतंक थमने का नाम नहीं ले रहा है। शहर में एक बार फिर डरा देने वाली घटना की तस्वीर सामने आई है। यहां एक मासूम बच्ची पर कुत्ते ने हमला कर दिया। आवारा कुत्ते ने मासूम बच्ची के चेहरे को बुरी तरह नोंच डाला। घायल बच्ची का जिला अस्पताल में उपचार जारी है। इससे पहले इसी कुत्ते ने तीन अन्य लोगों पर हमला किया था। जानकारी के मुताबिक अलवर शहर के निकटवर्ती गांव नंगला समावदी में बुधवार सुबह ढाई साल की बच्ची अपने घर के बाहर खेल रही थी। तभी आवारा कुत्ते ने उस पर हमला कर दिया। बच्ची की चीख पुकार सुनकर घरवाले और आसपास के लोग दौड़ते हुए आए। लेकिन, तब तक कुत्ता बच्ची का गाल व जबड़ा काटकर अलग कर चुका था। बच्ची को गंभीर हालत में जिला अस्पताल ले जाया गया। डॉक्टर ने बताया कि बच्ची के काफी चोट आई है। बच्ची के बाएं गाल पर 10 टांके लगाए गए हैं। वहीं, कान, सिर और नाक पर भी चोट के निशान है। हालांकि, बच्ची की हालत अभी खतरे से बाहर है। फिलहाल, बच्ची का अस्पताल में उपचार जारी है। शालीमार के समीप नंगला समावदी गांव में आवार कुत्ते ने बच्ची के अलावा तीन अन्य लोगों पर भी हमला किया। हालांकि, तीन लोगों को ज्यादा चोट नहीं आई है। इस घटना से गुस्साएं ग्रामीणों ने लाठियों से पीट-पीटकर कुत्ते को मौत के घाट उतार दिया है।

रणथंभौर में टाइगर ने किया 7-साल के बच्चे का शिकार
अस्पताल पहुंचे किरोड़ी लाल मीणा

सवाई माधोपुर, 16 अप्रैल (एजेंसियां)। सवाई माधोपुर के रणथंभौर में एक टाइगर ने 7 साल के बच्चे को अपना शिकार बनाया है। बताया जा रहा है कि बच्चा की अपनी दादी के साथ त्रिनेत्र गणेश के दर्शन कर लौट रहा था और इस दौरान अचानक से टाइगर आया और बच्चे को मुंह में दबोचकर जगल में चला गया। टाइगर जंगल में काफी देर तक बच्चे की गर्दन पर पंजा रखकर बैठा रहा और इसके बाद उसने बच्चे को मार दिया। इस घटना के बाद हड़कंप मच गया और लोगों ने गणेश धाम चौकी पर इसकी सूचना दी।

सूचना मिलने के बाद वन विभाग के अधिकारी मौके पर पहुंचे और मंदिर जाने वाले सभी रास्ते बंद कर दिए। वनकर्मियों ने काफी मशक्कत के बाद बच्चे के शव को कब्जे में लेकर जिला अस्पताल में रखवाया।

बच्चा अपने परिवार के साथ त्रिनेत्र गणेश के दर्शन करने आए थे। दर्शन कर लौटते समय टाइगर आया और भीड़ के बीच से कार्तिक को पकड़कर जंगल में ले गया। जूद लोगों ने कार्तिक को बचाने के लिए शोर मचाया, लेकिन उनको सफलता नहीं मिली। प्रत्यक्षदर्शी ने बताया- अचानक जंगल से निकलकर टाइगर आया और बच्चे को मुंह में दबोचकर ले गया। बाघ के हमले की सूचना कैबिनेट मंत्री किरोड़ी लाल मीणा को मिली तो तुरंत जिला अस्पताल पहुंचे। अस्पताल में बच्चे के परिजनों से मुलाकात की और परिवारवालों को ढांढस बंधाया।

54.490 किलो डोडा पोस्त चूरा किया जब्त

अजमेर, 16 अप्रैल (एजेंसियां)। अजमेर जिले के किशनगढ़ थाना पुलिस ने नशे के खिलाफ बड़ी कार्रवाई करते हुए एक तस्कर को गिरफ्तार किया है। आरोपी के पास से 54.490 किलोग्राम अवैध मादक पदार्थ डोडा पोस्त छिलका-चूरा बरामद किया गया है। यह कार्रवाई जिला पुलिस अधीक्षक वंदिता राणा के निर्देश पर की गई, जिन्होंने जिले में अवैध मादक पदार्थों की तस्करी के विरुद्ध सख्त कदम उठाने के आदेश दिए थे। इस अभियान का नेतृत्व अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक ग्रामीण अजमेर दीपक कुमार शर्मा व सीओ वृत्त किशनगढ़ शहर के सुपरविजन में थाना अधिकारी भीखाराम काला ने किया। सीआई भीखाराम काला ने बताया कि दिनांक 15 अप्रैल 2025 को ग्राम बालापुरा में स्थित आरोपी रतन पुत्र किस्तूरा जाट के निवास पर दबिश दी गई। रतन (उम्र 52 वर्ष), निवासी बालापुरा, किशनगढ़ के घर से भारी मात्रा में मादक पदार्थ बरामद किया गया, जिसे जब्त करते हुए आरोपी को मौके पर गिरफ्तार किया गया।

सरकारी शिक्षिका ने बॉयफ्रेंड को घर बुलाकर कर दी हत्या, सड़क किनारे फेंक दिया 'कंकाल'

जोधपुर, 16 अप्रैल (एजेंसियां)। चूरू निवासी नीतेन्द्रराज उर्फ प्रदीप वाल्मीकि हत्या प्रकरण में आरोपी सरकारी शिक्षिका व शिक्षक को रिमाण्ड अवधि पूरी होने के बाद बालेसर न्यायालय में पेश किया गया, जहां से न्यायालय ने दोनों को जेल भेजने का आदेश दिया गया। आरोपी शिक्षिका ममता मीणा व मृतक नीतेन्द्रराज उर्फ प्रदीप के मध्य लंबे समय से प्रेम प्रसंग चल रहा था। जिसको दोनों आरोपियों ने देचू में बुलाकर धोखे से हत्या कर कंकाल सड़क किनारे फेंक दिया था। राजमार्ग 125 जोधपुर-जैसलमेर रोड के निकट देचू बाजार से एक किलोमीटर दूर जैसलमेर रोड की तरफ नवबर 2023 को सिर का कंकाल मिला था, जिसका देचू पुलिस ने बरामद कर उसका डीएनए करवाया गया था। इन्द्राकॉलोनी चूरू निवासी जुगराज वाल्मीकी ने उसके लड़के नीतेन्द्रराज उर्फ प्रदीप वाल्मीकि हत्या प्रकरण में देचू पुलिस थाने में सरकारी शिक्षिका व शिक्षक के खिलाफ दर्ज करवाया था। थानाधिकारी शिवराजसिंह भाटी ने बताया कि पुलिस ने हत्या के अलग-अलग ऐंगल पर जांच की गई। निजी बस से बरामद मृतक के मोबाइल के आधार पर हत्या का पूरा खुलासा होने लगा।

थाने में युवक की मौत का मामला
डीएसपी सहित आठ पर हत्या का मामला दर्ज; पत्नी को मिलेगी नौकरी

झुंझुनू, 16 अप्रैल (एजेंसियां)। झुंझुनू के खेतड़ी थाने में रविवार (13 अप्रैल) रात को युवक की मौत के मामले में प्रदर्शन कर रहे परिजनों के साथ प्रशासन और पुलिस की वार्ता सफल रही, जिसके बाद परिजन पोस्टमार्टम के लिए राजी हुए और थाने के सामने दो दिनों से चल रहा धरना समाप्त हो गया। पूर्व आईएएस केएल मीणा, भामाशाह मनोज घुमरिया और सुरेश मीणा आदि की मौजूदगी में वार्ता हुई। कलेक्टर रामावतार मीणा और एसपी शरद चौधरी भी इसमें शामिल रहे। परिजनों की मांगें मान ली गईं।

सरकारी योजनाओं और भामाशाहों की मदद से मृतक पप्पू मीणा के परिवार को कुल 23.26 लाख रुपये की सहायता दी जाएगी। मृतक की पत्नी को 7500 प्रति माह पेंशन और अजीतगढ़ के पास संविदा पर नौकरी दी जाएगी। डीएसपी और सीआई समेत सभी आरोपी पुलिसकर्मियों पर हत्या की धाराओं में केस दर्ज किया गया है, जिसकी जांच सीआईडी सीबी करेगी। दिनभर ग्रामीण धरने पर बैठे रहे और शाम को कुछ लोगों ने थाने में घुसने का प्रयास किया, जिसे समझाइश देकर शांत किया गया। भामाशाह मनोज घुमरिया ने 5.51 लाख, पूर्व आईएएस केएल मीणा ने 1 लाख, राजेश भाईड़ा और राजेंद्र गुढ़ा ने 1-1 लाख रुपये देने की घोषणा की। कलेक्टर ने बताया कि एससी-एसटी योजना से 8.25 लाख, विक्टिम कंपंसेशन स्कीम से 5 लाख, और अन्य मदों से सहायता दी जाएगी। पुलिस द्वारा मृतक के परिवार से लिए गए 2.5 लाख रुपये भी वापस दिलाए जाएंगे। अब तक कुल सहायता राशि 23.26 लाख रुपये हो गई है।

50 लाख स्मैक के साथ तस्कर गिरफ्तार

शिवपुरी, 16 अप्रैल (एजेंसियां)। शिवपुरी जिले के देहात थाना पुलिस ने राजस्थान के झालावाड़ के रहने वाले रंगलाल मीणा को 208.80 ग्राम स्मैक के साथ गिरफ्तार किया गया है। बरामद की गई स्मैक की अंतरराष्ट्रीय बाजार में कीमत करीब 50 लाख रुपए है। रंगलाल के खिलाफ एनडीपीसी एक्ट के तहत मामला दर्ज कर लिया है। बता दें कि पुलिस द्वारा चलाए जा रहे अभियान के तहत अभी दो दिन पहले भी शहर की कोतवाली पुलिस ने गुना जिले के एक आरोपी को 102 ग्राम स्मैक के साथ गिरफ्तार किया था। इस तरह तीन दिनों में पुलिस ने कुल 300 ग्राम से अधिक स्मैक जब्त की है।

करोड़ों रुपये की ठगी कर फरार हुए आरोपी दंपती साल भर बाद गिरफ्तार, 10-10 हजार का था इनाम

कोटा, 16 अप्रैल (एजेंसियां)। राजस्थान के कोटा की अन्नतपुरा थाना पुलिस ने बड़ी कार्रवाई को अंजाम देते हुए हाई रिटर्न स्कीम में इनवेस्टमेंट का झांसा देकर लोगों से ठगी करने वाले आरोपी दंपती को गिरफ्तार किया है। दोनों पिछले करीब 3 साल से फरार चल रहे थे और वर्तमान में उत्तर प्रदेश में किराए के मकान में रह रहे थे। पुलिस को आरोपी की बेटी के बेचे गए मोबाइल की लोकेशन के आधार पर दोनों की लोकेशन का पता चला था। आरोपी पति-पत्नी पर 10-10 हजार रुपए का इनाम भी कोटा पुलिस ने घोषित किया था।

शहर पुलिस अधीक्षक डॉ अमृता दुहन ने बताया कि आरोपी पवन जैन और उसकी पत्नी मैना देवी मूल रूप से सरसिया तहसील जहाजपुर भीलवाड़ा के निवासी हैं जोकि हाल ही में कुन्हाड़ी लैंडमार्क सिटी में रहते हैं। पवन जैन झालावाड़ जिले में केंद्रीय विश्वविद्यालय में टीचर था। जिसे ऑनलाइन ट्रेडिंग का शौक भी लग गया था। आरोपी ने अपनी सैलरी से शेयर और विदेशी मुद्रा में ट्रेडिंग का काम शुरू कर दिया और 5% मंथली रिटर्न पर रकम ली। यहीं से पवन का लालच बढ़ता गया और उसने अपने जानकार लोगों से 5% मंथली रिटर्न पर रकम ली। पहले तो ऑक्टा एफएक्स नाम के ब्रोकर पर विदेशी मुद्रा ट्रेडिंग की फिर और ज्यादा मुनाफा कमाने के लिए रूस की नॉर्ड एफएक्स कंपनी के ब्रोकर के साथ ट्रेडिंग की।

मिस वर्ल्ड फेस्टिवल में तेलंगाना के पोचमपल्ली हैंडलूम और सांस्कृतिक वैभव की झलक दिखेंगी

हैदराबाद, 16 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। पर्यटन सचिव स्मिता सबरवाल ने 15 मई को होने वाले आगामी मिस वर्ल्ड फेस्टिवल की तैयारियों की देखरेख के लिए प्रसिद्ध पोचमपल्ली हैंडलूम गांव का दौरा किया। यह दौरा वैश्विक दर्शकों के लिए अपनी समृद्ध सांस्कृतिक टेपेस्ट्री और विश्व प्रसिद्ध हैंडलूम विरासत को प्रदर्शित करने की तेलंगाना की प्रतिबद्धता को दर्शाता है। विशेष रूप से क्यूरेट किए गए कार्यक्रम के हिस्से के रूप में, दुनिया भर से मिस वर्ल्ड प्रतियोगी पोचमपल्ली के एक गहन अनुभवात्मक दौरे पर जाएँगी, जिसमें तेलंगाना के हैंडलूम बुनाई की जटिल कलात्मकता की खोज की जाएगी। इस पहल का उद्देश्य राज्य की सदियों पुरानी कपड़ा परंपराओं को उजागर करना है, जो अपने

जीवंत पैटर्न और टिकाऊ शिल्प कौशल के लिए प्रसिद्ध हैं। इस उत्सव का मुख्य आकर्षण तेलंगाना के प्रतिष्ठित हथकरघा उत्पादों का एक भव्य फैशन शो होगा, जिसमें परंपरा और समकालीन भव्यता का मिश्रण होगा। इस कार्यक्रम में तेलंगाना के आकर्षक लोक सांस्कृतिक प्रदर्शन भी होंगे, जिसमें गतिशील चिंदू यक्षगानम, भावपूर्ण शमेटल केनेरा और लयबद्ध रिजा संगीत प्रदर्शन शामिल हैं, जो राज्य की जीवंत सांस्कृतिक विरासत की झलक पेश करेंगे।आईएएस स्मिता सभरवाल ने कहा, "हम मिस वर्ल्ड प्रतियोगियों की मेजबानी करने और तेलंगाना की अनूठी हथकरघा विरासत और सांस्कृतिक समृद्धि को वैश्विक मंच पर पेश करने के लिए रोमांचित हैं।"

"यह कार्यक्रम हमारे कारीगरों की शिल्पकला और तेलंगाना की पहचान को परिभाषित करने वाली कालातीत परंपराओं का उत्सव है।"

पर्यटन विभाग मीडिया और हितधारकों को कला, संस्कृति और विरासत के इस उत्सव में शामिल होने के लिए आमंत्रित करता है, क्योंकि तेलंगाना पोचमपल्ली में दुनिया का स्वागत करने की तैयारी कर रहा है।

पानी की टंकी से गिरकर व्यक्ति की मौत

हैदराबाद, 16 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। पुलिस ने बताया कि गुडीमलकापुर के पास नवोदय कॉलोनी में जल बोर्ड कार्यालय परिसर में पानी की टंकी पर चढ़े एक युवक की बुधवार को टंकी से गिरने के बाद मौत हो गई। किशोर उर्फ चिन्ना की उम्र करीब 35 साल है और वह अपने रिश्तेदार अरुण के साथ जल बोर्ड के दफ्तर आया था, जो जल बोर्ड के दफ्तर में काम करता है।

पुलिस को शक है कि किशोर पानी की टंकी पर चढ़ गया होगा और टंकी के बगल में लगे पेड़ से आम तोड़ने की कोशिश की होगी और इस दौरान वह नीचे गिर गया होगा। उसकी मौके पर ही मौत हो गई। मामले की जांच जारी है।

जापान में मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी का स्वागत

हैदराबाद, 16 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी के नेतृत्व वाले तेलंगाना राइजिंग प्रतिनिधिमंडल का जापान में भारतीय राजदूत महामहिम शिबू जॉर्ज ने स्वागत किया और उनके लिए रात्रिभोज का आयोजन किया।डीएमके सांसद श्रीमती कनिमोझी करुणानिधि, कांग्रेस सांसद के. रघुवीर रेड्डी, पूर्व राज्य मंत्री और सांसद नेपोलियन और अधिकारियों ने बुधवार को टोक्यो में 100 साल पुराने इंडिया हाउस में रात्रिभोज पर चर्चा की।

राज्य में कांग्रेस सरकार फिर लोगों को धोखा दे रही है: कविता

जगित्याल, 16 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। सत्तारूढ़ कांग्रेस पार्टी के लिए धोखा कोई नई बात नहीं है, जिसने 2004 में तेलंगाना देने की बात कहकर लोगों को धोखा दिया था, बीआरएस पार्टी एमएलसी कलवकुंतला कविता ने आरोप लगाया कि सत्तारूढ़ पार्टी अब फिर लोगों को धोखा दे रही है। यहां बीआरएस रजत जयंती समारोह की तैयारी बैठक में बोलते हुए उन्होंने कहा कि कांग्रेस पार्टी यह कहकर महिलाओं के आत्मसम्मान को ठेस पहुंचा रही है कि उसने मुफ्त बस योजना लागू की है। उन्होंने कहा कि मुफ्त बसें उपलब्ध कराने के बाद बसों की संख्या नहीं बढ़ाने से ऐसी स्थिति पैदा हो गई है कि सीटें उपलब्ध नहीं हैं।

उन्होंने आरोप लगाया कि सत्तारूढ़ पार्टी के नेताओं ने कल्याण लक्ष्मी योजना के तहत एक तोला सोना देने की बात कहकर लोगों को धोखा दिया। उन्होंने कहा कि फसल ऋण माफी और किसान बीमा जैसी योजनाएं अभी तक 50 प्रतिशत लोगों तक नहीं पहुंची हैं। उन्होंने कहा कि

कांग्रेस के धोखे को गांव स्तर पर उजागर किया जाना चाहिए और कहा कि भाजपा की भ्रामक नीतियों को भी लोगों तक ले जाना चाहिए। उन्होंने दावा किया कि हल्दी बोर्ड की स्थापना एक नारे के रूप में की गई थी, लेकिन इसे वैधानिकता नहीं दी गई। परिणामस्वरूप, हल्दी बोर्ड के लिए बजट में एक भी रुपया आवंटित नहीं किया गया। केंद्रीय मंत्री बंदी संजय ने कहा कि अगर हल्दी की कीमतें गिरती हैं, तो बोर्ड से पैसा दिया जाएगा। और अगर हल्दी की कीमतें गिरती हैं, तो क्या बोर्ड ने किसानों को पैसा दिया? कविता ने सवाल किया। निजामाबाद के सांसद डी. अरविंद पर निशाना साधते हुए उन्होंने मजाक उड़ाया कि जब उनसे पूछा गया कि दो करोड़ नौकरियों, बोर्ड की वैधता और प्रति व्यक्ति 15 लाख का क्या हुआ, तो सांसद अरविंद बकवास करते हैं और कहा कि इसके अलावा लोगों के लिए कुछ भी उपयोगी बोलने का उनका कोई रिकॉर्ड नहीं है। उन्होंने कहा कि राज्य से आठ कांग्रेस और आठ भाजपा सांसद हैं, उन्होंने आरोप लगाया कि केंद्र ने बजट में तेलंगाना को 8 रुपये भी नहीं दिए उन्होंने कहा कि रजत जयंती समारोह सिर्फ़ पार्टी का उत्सव नहीं है, बल्कि यह तेलंगाना का उत्सव है। कविता ने कहा, "केसीआर एक महान नेता हैं, जिन्होंने तेलंगाना के लोगों को विशेष पहचान दिलाई।"

हरीश राव ने पेयजल संकट के लिए सरकार को ठहराया जिम्मेदार

हैदराबाद, 16 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। पूर्व मंत्री और बीआरएस विधायक टी हरीश राव ने तेलंगाना में व्याप्त पेयजल संकट के लिए सीधे तौर पर कांग्रेस सरकार को जिम्मेदार ठहराया। उन्होंने कहा कि सरकार की लापरवाही और जल आपूर्ति के कुप्रबंधन के कारण यह कृत्रिम सूखा पड़ा है। हरीश राव ने एक्स से कहा कि लोगों को सार्वजनिक नलों, सामुदायिक कुओं और पानी के टैंकरों पर बर्तन और ड्रम के साथ लंबी कतारों में इंतजार करने के लिए मजबूर किया जा रहा है, जैसा कि पहले (तत्कालीन आंध्र प्रदेश में) होता था। उन्होंने कहा कि पूर्व मुख्यमंत्री के चंद्रशेखर राव के नेतृत्व में, मिशन भागीरथ के तहत हर घर को पीने का पानी मिला लेकिन आज, मुख्यमंत्री ए रेवंत रेड्डी इसे भी बरकरार नहीं रख सकते। पूर्व मंत्री ने कहा कि सरकार सिंचाई और पेयजल दोनों ही मामलों में विफल रही है। पानी की कमी के कारण खेत सूख गए, वहीं अब लोग पीने के पानी के लिए तरस रहे हैं। उन्होंने कहा कि लापरवाही और योजना की कमी के कारण सरकार ने नदियों से पर्याप्त पानी संग्रहित नहीं किया।

कृषि मंत्री ने विभिन्न प्रौद्योगिकी कम्पनियों के प्रतिनिधियों के साथ बैठक की

हैदराबाद, 16 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। कृषि मंत्री तुम्मला नागेश्वर राव, कृषि सचिव रघुनंदन राव एवं निदेशक गोपी ने सचिवालय में विभिन्न प्रौद्योगिकी कम्पनियों के प्रतिनिधियों के साथ इस वर्ष संचालित की जाने वाली विभिन्न योजनाओं में प्रौद्योगिकी के उपयोग हेतु बैठक की। इस अवसर पर बोलते हुए मंत्री ने कहा कि उनकी सरकार हर पहलू में एआई का उपयोग करने के बारे में सोच रही है, जैसे कि फसल कीटों का शीघ्र पता लगाना और किसानों को शीघ्र सचेत करना, प्राकृतिक आपदाओं की स्थिति में फसल के नुकसान का त्वरित आकलन, फसल खरीद के लिए पैदावार का शीघ्र आकलन और उपग्रह चित्रों के माध्यम से दर्ज खेती क्षेत्रों की तुलना करना। उन्होंने कहा कि उनकी सरकार

प्रौद्योगिकी कंपनियों के साथ मिलकर काम कर रही है, जिससे इस दिशा में प्रौद्योगिकी को शामिल करके किसानों को लाभ पहुंचाया जा सके।

इसी प्रकार, यह बताया गया कि कृषि और बागवानी विश्वविद्यालय भी विभिन्न उद्देश्यों के लिए उपग्रह इमेजरी डेटा का उपयोग करने में शामिल होंगे। इस अवसर पर बैठक में शामिल इक्रीसैट और एग्रीवास कम्पनियों के प्रतिनिधियों ने विभिन्न राज्यों में प्रौद्योगिकी का उपयोग करते हुए उनके द्वारा क्रियान्वित की जा रही योजनाओं की जानकारी दी। विशेष रूप से, कीटों की पहचान करने और किसानों को सचेत करने के लिए पूर्व चेतावनी प्रणाली का उपयोग किया गया, उपज का अनुमान, सर्वेक्षण संख्या-वार खेती के अंतर्गत क्षेत्र, तथा निम्नलिखित को पावरपॉइंट प्रस्तुति के माध्यम से समझाया गया। कृषि सचिव ने अपने संबोधन में संबंधित कम्पनियों को तकनीकी क्षमता, कार्यान्वयन पद्धति, आवश्यक धनराशि तथा किसानों को होने वाले लाभ पर विस्तृत परियोजना रिपोर्ट प्रस्तुत करने का निर्देश दिया। कृषि मंत्री ने कहा कि सभी बातों की जांच करने के बाद और माननीय मुख्यमंत्री की मंजूरी से राज्य सरकार उक्त कंपनियों के साथ काम करने का निर्णय लेगी।

हरिनाम संकीर्तन मंडपम में ड्रोन उड़ाने के लिए यूट्यूबर हिरासत में

तिरुपति, 16 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। तिरुमाला तिरुपति देवस्थानम (टीटीडी) ने मंगलवार शाम तिरुमाला के हरिनाम संकीर्तन मंडपम में ड्रोन उड़ाने के लिए एक यूट्यूबर को हिरासत में लिया। सतर्कता कर्मियों ने राजस्थान के अंशुमान तरेजा नामक यूट्यूबर की पहचान की। उसे तुरंत हिरासत में लिया गया और ड्रोन को जब्त कर तिरुमाला पुलिस को सौंप दिया गया। टीटीडी की ओर से जारी एक प्रेस विज्ञप्ति में कहा गया है कि पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है और जांच जारी है।

तेलंगाना संवैधानिक, राजनीतिक और वित्तीय संकट का सामना कर रहा है : प्रभाकर

हैदराबाद, 16 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना में मुख्यमंत्री ए रेवंत रेड्डी के नेतृत्व वाली सरकार संवैधानिक, राजनीतिक और वित्तीय संकट का सामना कर रही है, जिससे कल्याणकारी योजनाओं के कार्यान्वयन में गंभीर कठिनाई हो रही है, यह आरोप आज यहां भाजपा के प्रदेश उपाध्यक्ष एनवीएसएस प्रभाकर ने लगाया।

पार्टी मुख्यालय में संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए प्रभाकर ने कहा कि हाल ही में कांग्रेस विधायक दल की बैठक में मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी के भाषण से उनकी सरकार के कामकाज पर उनकी निराशा का पता चलता है। उन्होंने आरोप लगाया कि मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी बार-बार यह कह रहे हैं कि उनकी पार्टी हाईकमान उनके मंत्रिमंडल के विस्तार और राज्य में राजनीतिक नियुक्तियों पर फैसला करेगी।

भाजपा नेता ने आरोप लगाया कि रेवंत रेड्डी सरकार को दिल्ली से नियंत्रित किया जा रहा है और उन्हें राज्य के मुख्यमंत्री के रूप में संवैधानिक प्रमुख के सभी अधिकारों से वंचित किया गया है।

राज्य वित्तीय संकट का भी सामना कर रहा है क्योंकि रेवंत रेड्डी सरकार पूरी तरह से बीयर और भूमि बेचने और एआई भूमि निर्माण की एक और रणनीति पर निर्भर है।

निवेश आकर्षित करने के नाम पर मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी के विदेश दौरे पर कटाक्ष करते हुए प्रभाकर ने कहा कि राज्य के मुख्यमंत्री अक्सर निवेश आकर्षित करने के लिए विदेशों का दौरा कर रहे हैं और सरकार को उनके पिछले दौरे से अब तक प्राप्त निवेश की मात्रा बतानी चाहिए।

मंत्रिमंडल में सामूहिक जिम्मेदारी का अभाव, सरकार और पार्टी के बीच समन्वय की कमी यह बताती है कि नेतृत्व ने आम लोगों का विश्वास खो दिया है। मंत्रियों की समिति शासन के लिए नहीं है, बल्कि यह सत्ता लोलुप मंत्रियों की समिति बन गई है। प्रभाकर ने स्थानीय एमएलसी चुनावों में मतदाताओं से एमआईएम और कांग्रेस और बीआरएस के अपवित्र गठबंधन को हराने के लिए अपने विवेक के अनुसार अपने वोट का प्रयोग करने की अपील की। बुद्धिजीवी समुदाय सरकार के कामकाज से खुश नहीं है।

दासोजू श्रवण ने एमएलसी के रूप में ली शपथ

कांग्रेस शासन के खिलाफ लड़ने की खाई कसम

हैदराबाद, 16 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। विधायक कोटे के तहत एमएलसी चुने गए वरिष्ठ बीआरएस नेता दासोजू श्रवण कुमार ने बुधवार को तेलंगाना विधान परिषद में शपथ ली।

यह समारोह दोपहर 12:30 बजे आयोजित किया गया, जिसमें परिषद के अध्यक्ष गुथा सुखेंद्र रेड्डी ने उन्हें शपथ दिलाई। उपसभापति बंदा प्रकाश, विधान परिषद में विपक्ष के नेता एस मधुसूदन चारी, बीआरएस के कार्यकारी अध्यक्ष के टी रामा राव, वरिष्ठ नेता टी हरीश राव, पी सबिता इंद्र रेड्डी, तलसानी श्रीनिवास यादव, मोहम्मद महमूद अली, टी पद्मा राव और कई अन्य निर्वाचित प्रतिनिधि इस कार्यक्रम में शामिल हुए।

शपथ ग्रहण समारोह के बाद बोलते हुए, श्रवण जिन्होंने लगभग 18 वर्षों तक पार्टी में काम किया है, ने पार्टी अध्यक्ष और पूर्व मुख्यमंत्री के चंद्रशेखर राव के साथ-साथ पार्टी नेताओं केटी रामा राव, टी हरीश राव और कविता को इस अवसर के लिए धन्यवाद दिया। उन्होंने कहा कि उनके चुनाव ने उनके राजनीतिक करियर को पुनर्जीवित किया और उन्होंने जीवन भर तेलंगाना के कल्याण के लिए काम करने की कसम खाई। उन्होंने घोषणा की कि मैं कांग्रेस सरकार के कुशासन को खत्म करने और के चंद्रशेखर राव को तीसरे कार्यकाल के लिए मुख्यमंत्री बनाने के लिए लड़ूंगा।

ईडी ने सुराना ग्रुप के कार्यालयों पर मारे छापे

हैदराबाद, 16 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) के अधिकारी बुधवार को शहर के विभिन्न स्थानों पर स्थित सुराना समूह के प्रबंधन प्रमुखों और प्रतिनिधियों के कार्यालयों और आवासों पर तलाशी ले रहे हैं। उपलब्ध जानकारी के अनुसार, ईडी अधिकारियों की कुल 10 टीमें सिकंदराबाद, बोवेनपल्ली, जुबली हिल्स और बंजारा हिल्स में चार स्थानों पर तलाशी ले रही हैं। पता चला है कि ईडी दिल्ली के जोनल अधिकारी छापेमारी कर रहे हैं।

करीमनगर में डीईओ कार्यालय परिचारक ने की आत्महत्या

करीमनगर, 16 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। जिला शिक्षा कार्यालय में अटेंडर के पद पर कार्यरत गदपा रविंदर ने मंगलवार दोपहर कथित तौर पर कार्यालय की इमारत से कूदकर आत्महत्या कर ली। आत्महत्या का कारण पारिवारिक विवाद बताया जा रहा है। कट्टारामपुर निवासी रविंदर दोपहर में अंबेडकर स्टेडियम परिसर स्थित कार्यालय में आया और बिल्डिंग की छत से कूद गया। उसकी मौके पर ही मौत हो गई। पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है और शव को पोस्टमार्टम के लिए जिला मुख्यालय अस्पताल भेज दिया है।

केबीआर पार्क गणेशजी की पूजा आरती में सभी भक्तों ने भाग लिया, गणेशजी की आरती में 300 शार्दुल भाग लिए, जिसमें राजेंद्र कुमार अग्रवाल, सुरेंद्र कुमार अग्रवाल, गोपाल बलदेवा, माया बाई, संध्या रानी, विजया पुष्पलता दसारी, नारायण विनोद टिकमानी पीसी जैन विजय अग्रवाल प्रवीण अग्रवाल अशोक कुमार अग्रवाल सरायवाला, दिनेश पंचोली, शंकर लाल अग्रवाल अशोक लाखोटिया, बद्री नारायण विडुलदास अग्रवाल बड़े गांव वाले आदि।

सांगावास-जैतारण (राजस्थान) स्थित राधे कृष्ण गौशाला में आगामी 14 मई 2025 को आयोजित होने वाली श्रीमद भागवत कथा एवं नानीबाई का मायरा हेतु अतिथि के रूप में 'आप और हम' के अध्यक्ष धर्मीचन्द कुमावत को आमंत्रित करने राजस्थान से पधारे गौ-भक्त जगदीशप्रसाद कुमावत। साथ में उपस्थित हनुमानलाल बाकरेचा, नारायणलाल घोड़ावड़, सुरेशकुमार बोड़ावड़।

प्रथम पृष्ठ का शेष भाग...

खरगे बोले-जो ...

भाजपा कानून का दुरुपयोग कर रही जो गलत है। कांग्रेस राष्ट्रीय अध्यक्ष ने कहा कि इस केस में कुछ भी गलत नहीं है। अखबार कुछ समय के लिए वित्तीय कारणों से बंद हो गया था। सोनिया गांधी ने उसे ऋण और दान के जरिए दोबारा शुरू करने की कोशिश की। अब भाजपा कहती है कि ऋण लेना भी गलत है। उन्होंने भाजपा पर हमला करते हुए कहा कि भाजपा कानून का गलत इस्तेमाल कर रही है। जो गलत नहीं है, उसे गलत साबित करने की कोशिश की जा रही है। खरगे ने कहा कि हम देशभर में इस अन्याय के खिलाफ विरोध करेंगे और लोगों को सच बताएंगे।

खरगे ने आगे कहा कि हमने एक संगठन से दूसरे संगठन को चलाने के लिए पैसे उधार लिए, इसमें क्या गलत है? उन्होंने कहा कि पंडित नेहरू द्वारा शुरू किया गया 'नेशनल हेराल्ड' अखबार तब बंद हो गया जब हम सत्ता से बाहर हो गए। हमने उसे फिर से शुरू करने की कोशिश की। साथ ही खरगे ने कहा कि अब भाजपा अपने संगठनों का लगातार विस्तार कर रही है। हमें ये जानना है कि पिछले 8-9 सालों में उनके पास इतना पैसा कहां से आया?

वक्फ कानून पर ...

व्यक्ति का पर्सनल लॉ लागू होगा। सिब्बल ने दलील दी कि कलेक्टर वह अधिकारी होता है जो यह तय करता है कि कोई संपत्ति वक्फ है या नहीं। अगर कोई विवाद है तो वह सरकार का हिस्सा होता है और इस तरह वह अपने मामले में न्यायाधीश होता है। यह अपने आप में असंवैधानिक है। इसमें यह भी कहा गया है कि जब तक अधिकारी ऐसा फैसला नहीं करता, तब तक संपत्ति वक्फ नहीं होगी। उन्होंने आगे कहा कि पहले केवल मुसलमान ही वक्फ परिषद और बोर्ड का हिस्सा होते थे, लेकिन संशोधन के बाद अब हिंदू भी इसका हिस्सा हो सकते हैं। यह संसदीय अधिनियम द्वारा मौलिक अधिकारों का सीधा हनन है।

कपिल सिब्बल ने जामा मस्जिद का मुद्दा भी उठाया। सीजेआई ने कहा कि जामा मस्जिद समेत सभी प्राचीन स्मारक संरक्षित रहेंगे। उन्होंने कहा कि ऐसे कितने मामले हैं? इस बारे में कानून आपके पक्ष में है। सभी पुराने स्मारक, जामा मस्जिद भी सरक्षित ही रहेंगे।

इसके बाद सिब्बल ने कहा कि 20 करोड़ लोगों का अधिकार छीना जा रहा है। मान लीजिए कि मेरे पास कोई संपत्ति है। मैं इसे दान करना चाहता हूं। मैं चाहता हूं कि वहां अनाथालय बनाया जाए। इसमें क्या परेशानी है। मुझे रजिस्टर कराना क्यों जरूरी है? इस पर सीजेआई ने कहा कि वक्फ को पंजीकृत कराएंगे तो ये आपकी मदद करेगा। जस्टिस विश्वनाथन ने कहा कि जो अल्लाह का है, वो वक्फ है। कानून में झूठे दावों से बचने के लिए वक्फ डीड का प्रावधान है। इस पर सिब्बल ने कहा कि यह इतना आसान नहीं है। वक्फ सैकड़ों साल पहले बनाया गया है। अब 300 साल पुरानी संपत्ति की वक्फ डीड मांगी जाएगी तो यहां समस्या है।

सुप्रीम कोर्ट ने केंद्र से पूछा कि क्या वह मुसलमानों को हिंदू धार्मिक ट्रस्टों का हिस्सा बनने की अनुमति देने को तैयार है। सुप्रीम कोर्ट ने वक्फ बाय यूजर के प्रावधान पर भी सवाल उठाए। सीजेआई खन्ना ने कहा कि 14वीं और 16वीं शताब्दी की मस्जिदें हैं। उनके पास रजिस्ट्रेशन सेल डीड नहीं होगी। ऐसी संपत्तियों को कैसे पंजीकृत करेंगे। उनके पास क्या दस्तावेज होंगे? ऐसे वक्फ को खारिज कर देने पर विवाद ज्यादा लंबा चलेगा। हम यह जानते हैं कि पुराने कानून का कुछ गलत इस्तेमाल हुआ, लेकिन कुछ वक्फ ऐसे भी हैं, जिनकी वक्फ संपत्ति के तौर पर पहचान हुई। वक्फ बाय यूजर मान्य किया गया। अगर आप इसे रद्द कर देंगे तो समस्या होगी। सीजेआई संजीव खन्ना ने कहा कि एक उच्च न्यायालय को याचिकाओं से निपटने के लिए कहा जा सकता है। हम यह नहीं कह रहे हैं कि कानून के खिलाफ याचिकाओं पर सुनवाई करने और फैसला करने में सुप्रीम कोर्ट पर कोई रोक है। सीजेआई ने साफ किया कि वह कानून पर रोक लगाने के पहलू पर कोई दलील नहीं सुन रहे हैं।

भाजपा शासित राज्य भी कोर्ट पहुंचे

केंद्र और भाजपा शासित राज्य-राजस्थान, महाराष्ट्र, हरियाणा, मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़ व असम सरकारों की ओर से भी याचिकाएं दायर की गई हैं। केंद्र ने शीर्ष अदालत से कोई भी फैसला सुनाने से पहले उनके पक्ष को सुनने का आग्रह किया गया है।

हैदराबाद विवि के ...

सर्वोच्च न्यायालय ने संकेत दिया कि वह नौकरशाहों या मंत्रियों से पर्यावरण कानून की व्याख्याओं को स्वीकार नहीं करेगा, इसके लिए उसने 1996 के अपने फैसले का हवाला दिया, जिसमें पेड़ों की कटाई पर रोक लगाई गई है, यहां तक कि निजी संपत्ति पर भी। न्यायमूर्ति गवई ने चेतावनी दी कि यदि व्यवहार्य बहाली योजना प्रदान नहीं की जाती है तो मुख्य सचिव को गंभीर परिणाम भुगतने पड़ सकते हैं।

उन्होंने चेतावनी देते हुए कहा, "अन्यथा, हम यह अनुमान नहीं लगा सकते कि आपके कितने अधिकारी अस्थायी हिरासत में चले जाएंगे।

हमारी प्राथमिकता पर्यावरण की सुरक्षा करना है। अनुच्छेद 142 के तहत, हम असाधारण उपाय करने के लिए तैयार हैं।" न्यायालय ने केंद्रीय अधिकार प्राप्त समिति (सीईसी) की रिपोर्ट को भी स्वीकार किया, जिसमें दावा किया गया था कि हलफनामों में उचित खुलासा किए बिना भूमि निजी संस्थाओं को गिरवी रख दी गई थी। अंततः, सर्वोच्च न्यायालय ने पर्यावरण और वन्यजीव संरक्षण के लिए उठाए जाने वाले कदमों को रेखांकित करते हुए हलफनामा प्रस्तुत करने का आदेश दिया। इस बीच, वर्तमान स्थिति अपरिवर्तित रहनी चाहिए। अगली सुनवाई 15 मई तक के लिए स्थगित कर दी गई है।

स्वतंत्र वार्ता
Email :
svaarttha2006@gmail.com
svaarttha@rediffmail.com
svaarttha2006@yahoo.com
Epaper :
epaper.swatantravaartha.com
For Advertisement :
swadds1@gmail.com

2028 ओलिंपिक- पोमोना के फेयरग्राउंड में खेले जाएंगे क्रिकेट मुकाबले

128 साल बाद वापसी; 1900 ओलिंपिक में पहली बार खेला गया था

पोमोना, 16 अप्रैल (एजेंसियां)। 2028 लॉज एंजिल्स में आयोजित ओलिंपिक गेम्स में क्रिकेट का आयोजन साउथ कैलिफोर्निया के पोमोना के फेयरग्राउंड में खेला जाएगा। इसके लिए यहां पर अस्थायी तौर पर क्रिकेट स्टेडियम तैयार किया जाएगा। आयोजन समिति ने इसकी घोषणा की।

पोमोना के फेयरग्राउंड जिसे फेयरप्लेक्स के नाम से जाना जाता है। यह लॉस एंजिल्स से लगभग 50 किमी पूर्व में है। यह 500 एकड़ का इवेंट कॉम्प्लेक्स है, जिसने साल 1922 से लॉस एंजिल्स काउंटी फेयर की मेजबानी की है। यह वेन्यू कॉन्सर्ट, ट्रेड शो, स्पोर्ट्स और कल्चरल इवेंट के लिए जाना जाता है। यहां पूरे साल इवेंट आयोजित होते रहते हैं।

पिछले साल टी-20 वर्ल्ड कप में भारत-पाक मैच न्यूयॉर्क में खेला गया था

पिछले साल यूएसए और वेस्टइंडीज में हुए टी-20 वर्ल्ड कप के दौरान न्यूयॉर्क में भारत-पाक का मैच खेला गया था। इसके लिए पॉप-अप स्टेडियम बनाया गया था। इसके अलावा लॉडरहिल में सेंट्रल ब्रोवार्ड स्टेडियम और टेक्सास में ग्रैंड प्रेयरी स्टेडियम में भी वर्ल्ड कप के मैच खेले गए थे।

मेंस और विमेंस दोनों ही कैटेगरी में होगी 6-6 टीमें

ओलिंपिक गेम्स 2028 में क्रिकेट के मेंस और विमेंस दोनों ही कैटेगरी में कुल 6-6 टीमें हिस्सा लेंगी। इसका ऐलान

इंटरनेशनल ओलिंपिक कमेटी पहले ही कर चुकी है। दोनों कैटेगरी में सभी छह टीमें अपने-अपने स्क्वॉड में 15 मेंबर्स चुन सकती हैं। ओलिंपिक में क्रिकेट को पिछले साल शामिल किया गया था। इसमें क्रिकेट के टी-20 फॉर्मेट को चुना गया है।

1900 में ओलिंपिक में खेला गया था क्रिकेट

ओलिंपिक में क्रिकेट केवल एक बार शामिल हुआ था। ओलिंपिक में 128 साल बाद क्रिकेट की वापसी होगी। इससे पहले क्रिकेट 1900 के पेरिस ओलिंपिक में शामिल हुआ था। तब ग्रेट ब्रिटेन और फ्रांस की टीमों ने इसमें हिस्सा लिया था। ग्रेट ब्रिटेन ने गोल्ड और फ्रांस ने सिल्वर मेडल जीता था। दोनों टीमों के बीच केवल एक ही मैच खेला गया था और इसी मैच को फाइनल घोषित कर दिया गया था।

क्वालिफिकेशन प्रोसेस के बारे में अब तक जानकारी नहीं

अभी तक 2028 ओलिंपिक के लिए क्वालिफिकेशन प्रोसेस के बारे में कोई जानकारी नहीं दी गई है। लॉस एंजिलिस ओलिंपिक में अमेरिका का खेलना तय माना जा रहा है, क्योंकि उन्हें मेजबान कोटे का फायदा मिलेगा। इसका मतलब होगा कि अमेरिका के अलावा पांच और टीमें हिस्सा ले सकेंगी और उन्हें क्वालिफिकेशन प्रोसेस से गुजरना होगा।

कॉमनवेल्थ में दो बार खेला गया क्रिकेट

क्रिकेट कॉमनवेल्थ गेम्स में भी 2 बार 1998 और 2022 में शामिल किया गया है। वहीं एशियन गेम्स में 2010, 2014 और 2023 में तीन बार क्रिकेट को जगह मिली। 2023 एशियन गेम्स में भारत ने मेंस और विमेंस दोनों कैटेगरी में अपनी टीमें भेजीं और दोनों में भारत ने गोल्ड मेडल जीता।

351 मेडल इवेंट्स होंगे

2028 ओलिंपिक में कुल 351 मेडल इवेंट्स होंगे, जो पेरिस 2024 के 329 इवेंट्स से 22 ज्यादा हैं। कुल एथलीटों की संख्या 10,500 रखी गई है। इनमें 5,333 विमेंस और 5,167 मेंस एथलीट शामिल हैं।

सुदिरमन कप में सिंधू-सेन करेंगे चुनौती की अगुआई, गायत्री-त्रिसा की जोड़ी टूर्नामेंट से हटी

नई दिल्ली, 16 अप्रैल (एजेंसियां)। गायत्री गोपीचंद और त्रिसा की जोड़ी चोट के कारण चीन के जियामेन में होने वाले सुदिरमन कप में हिस्सा नहीं लेगी। महिला एकल में दो बार की ओलंपिक पदक विजेता पीवी सिंधू और पुरुष एकल में लक्ष्य सेन 27 अप्रैल से चार मई तक होने वाली प्रतियोगिता में भारतीय नेतृत्व की अगुआई करेंगे।

शीर्ष 10 रैंकिंग में शामिल त्रिसा और गायत्री कंधे की चोट से उबर रही हैं। पिछले साल इस जोड़ी ने 22 टूर्नामेंटों में हिस्सा लिया था जबकि इस साल वह पांच टूर्नामेंट खेल चुकी हैं। जोड़ी ने पिछले साल सैयद मोदी टूर्नामेंट जीता था और इसके अलावा दिसंबर में बीडब्ल्यूएफ वर्ल्ड टूर फाइनल्स के सेमीफाइनल में पहुंची थी। उनकी अनुपस्थिति में प्रिया कोंजेंगबाम और श्रुति मिश्रा महिला युगल में उतरेंगी। उनका नाम 14 सदस्यीय टीम में शामिल किया गया है।

भारत को ग्रुप डी में पूर्व चैंपियन इंडोनेशिया, दो बार के उपविजेता डेनमार्क और इंग्लैंड के साथ रखा गया है। पुरुष युगल में सात्विक साईराज रैंकिरेड्डी और चिराग शेट्टी भी चोट से फिट होकर वापसी कर रहे हैं। चिराग में मार्च में ऑल इंग्लैंड चैंपियनशिप के दूसरे दौर में चोट लगी थी। सेन के अलावा पुरुष एकल में एच एस प्रणय होंगे। महिला एकल में सिंधू के अलावा दुनिया की 45वें नंबर की अनुपमा उपाध्याय भी होंगी। मिश्रित युगल में ध्रुव कपिला और तनीषा क्रेस्टो की जोड़ी होगी।

आईपीएल 2025 में मैच फिक्सिंग का खतरा

बीसीसीआई ने सभी टीमों को दी चेतावनी

मुंबई, 16 अप्रैल (एजेंसियां)। भारत में इस समय आईपीएल 2025 का घमासान जारी है, जहां फैंस को कई रोमांचक मैच देखने को मिले हैं। लेकिन अब एक हैरान कर देने वाली खबर सामने आ रही है, जहां दुनिया की सबसे बड़ी क्रिकेट लीग पर मैच फिक्सिंग का साया मंडरा रहा है। इसके खतरे को देखते हुए भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड ने सभी फ्रेंचाइजी को चेतावनी जारी की है। इस कड़ी में बीसीसीआई ने मालिकों, खिलाड़ियों, कोचों, सहयोगी कर्मचारियों और यहां तक कि कमेंटेटरों को भी आगाह किया है कि संदिग्ध साख वाला एक बिजनेसमैन एक्टिव रूप से लीग में शामिल व्यक्तियों को फंसाने की कोशिश कर रहा है।

एसीएसयू ने बढ़ा दी निगरानी

कई केस के बाद भ्रष्टाचार निरोधक और सुरक्षा इकाई ने कई घटनाओं के सामने आने के बाद निगरानी बढ़ा दी है, जिससे क्रिकेट की सबसे ग्लैमरस लीग पर संकट के बादल छा गए हैं। 'क्रिकबज' की एक रिपोर्ट के अनुसार, हैदराबाद के इस बिजनेसमैन की पहचान गुप्त रखी गई है और इसका जुड़ाव कथित तौर पर जाने-माने सट्टेबाजों से है। साथ ही कई मैचों को प्रभावित करने का उसका इतिहास रहा है। एसीएसयू का मानना है कि वह एक्टिव रूप से आईपीएल सर्किल में घुसपैठ करने की कोशिश कर रहा है।

रिपोर्ट्स में चौंकाने वाले दावे

रिपोर्ट में आगे कहा गया कि कथित तौर पर यह व्यक्ति आईपीएल टीमों के साथ खुद को फैन के रूप में पेश करके उनके करीब आने की कोशिश कर रहा है। उसे टीम के होटलों और मैचों में देखा गया है और वह खिलाड़ियों और कर्मचारियों से दोस्ती करने की कोशिश कर रहा है। ऐसी भी जानकारी है कि वह न केवल टीम के सदस्यों को बल्कि उनके परिवारों को भी गिफ्ट दे रहा है। आगे बताया गया है कि वह फैन बनकर उन्हें ज्वैलरी की दुकानों और महंगे होटलों में ले जाने की पेशकश करता था। ऐसे भी संकेत हैं कि उसने अक्सर सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म के जरिए विदेश में रहने वाले रिश्तेदारों से संपर्क करने की कोशिश की होगी।

वनडे में दो बॉल नियम में बदलाव होगा

आईसीसी मीटिंग में प्रस्ताव रखा गया; टेस्ट में 60 सेकेंड स्टॉप क्लॉक हो सकता है लागू

खेल डेस्क, 16 अप्रैल (एजेंसियां)। इंटरनेशनल क्रिकेट काउंसिल वनडे में दो बॉल के नियम में बदलाव पर विचार कर रही है। इस सप्ताह जिम्बाब्वे के हरारे में हुई बैठक में क्रिकेट कमेटी ने पारी के 35वें ओवर से केवल एक बॉल का उपयोग करने का प्रस्ताव रखा है। साथ ही टेस्ट में 60 सेकेंड का स्टॉप क्लॉक भी लागू हो सकता है।

मेंस क्रिकेट कमेटी के अध्यक्ष सौरव गांगुली ने इस नियम के शुरुआत की सिफारिश की है। इसके मुताबिक प्रत्येक पारी की शुरुआत दो नई गेंदों से होगी, जैसा कि अभी होता है। लेकिन बॉलिंग करने वाली टीम को 34वें ओवर के बाद यह फैसला लेना होगा कि वे किस बॉल से खेलना चाहती हैं।

पहले 25 ओवर में बॉल बदलने की सिफारिश की थी

कमेटी ने मीटिंग में पहले 25 ओवर के बाद गेंद बदलने पर विचार किया था। लेकिन इसे कई मेंबर्स से समर्थन नहीं मिला। उनका कहना था कि, 17 ओवर तक बॉल का इस्तेमाल करने के बाद ही यह तय करना ज्यादा सही होगा कि कौन सी गेंद का इस्तेमाल जारी रखा जाए। बोर्ड इस महीने की आखिर में इस पर अपना फैसला सुना सकती है। अक्टूबर 2011 से वनडे में दो नई बॉल का नियम लागू है। अभी वनडे में दो नई बॉल का दोनों साइड से इस्तेमाल किया जाता है। ऐसे में गेंद सख्त बनी रहती है जिससे बल्लेबाजों को खुलकर रन बनाने का मौका मिलता है।

ICC के एक सदस्य ने न्यूज एजेंसी को बताया, कमेटी ने तीन नियमों में बदलाव करने के बारे में सोचा है। वनडे क्रिकेट में एक बॉल का उपयोग, टेस्ट मैच में ओवर रेट की जांच के लिए क्लॉक टाइमर और अंडर 19 मेंस वर्ल्ड कप को 50 ओवर से टी20 में बदलना।

बोर्ड ने टेस्ट क्रिकेट में 60 सेकेंड के स्टॉप क्लॉक पर भी विचार किया है। स्लो ओवर रेट से निपटने के लिए 2024 से इस नियम को टी20 और वनडे में लागू किया गया है। ऐसे में इसे टेस्ट फॉर्मेट में भी लाया जा सकता है।

टाइमर क्लॉक नियम में ओवरों के बीच 60 सेकेंड का समय दिया जाता है। इसके बीच में ही आपको दूसरा ओवर शुरू करना होता है। अगर कोई टीम निर्धारित समय से अपने ओवर पूरा नहीं करती तो उसे 30-यॉर्ड सर्कल में एक एक्स्ट्रा फील्डर लाना होता है।

अंडर-19 वर्ल्ड कप अब टी-20 फॉर्मेट में

कमेटी ने अंडर-19 मेंस वर्ल्ड कप, जो अभी 50 ओवर फॉर्मेट में खेला जाता है। उसे टी20 में बदलने के बारे में सोचा है। लेकिन इस पर अभी कन्फर्मेशन नहीं मिली है। समिति के सदस्यों ने वर्ल्ड टेस्ट चैम्पियनशिप में बोनस-पॉइंट रिवॉर्ड पर भी चर्चा की। हालांकि बाद में इसे मना कर दिया गया।

निशानेबाजी विश्व कप में 18 साल की सुरुचि ने मनु भाकर को हराकर जीता स्वर्ण

लीमा (पेरू), 16 अप्रैल (एजेंसियां)। युवा निशानेबाज सुरुचि इंदर सिंह ने पेरू के लीमा में जारी आईएसएसएफ विश्व कप में लगातार दूसरा स्वर्ण पदक जीता। उन्होंने 10 मीटर एयर पिस्टल स्पर्धा में अपना शानदार प्रदर्शन जारी रखते हुए सोना अपने नाम किया। वहीं, पेरिस ओलंपिक की पदक विजेता मनु भाकर ने रजत पदक जीता। दोनों ने इस प्रतियोगिता में भारत का दबदबा सुनिश्चित किया। इससे पहले स्टार निशानेबाज सौरभ चौधरी ने इसी प्रतियोगिता में कांस्य पदक जीता था।

सुरुचि ने मनु भाकर को हराया

हरियाणा के झज्जर की रहने वाली 18 साल की सुरुचि ने हाल ही में ब्यूनस आयर्स में साल के पहले विश्व कप में स्वर्ण पदक अपने नाम किया। उन्होंने लीमा विश्व कप में 24 शॉट के फाइनल में 243.6 का स्कोर बनाया और मनु को 1.3 अंक से हराकर स्वर्ण पर कब्जा जमाया। चीन की याओ कियानक्सुन ने कांस्य पदक जीता।

सौरभ ने जीता था कांस्य

सुरुचि और मनु के पोडियम पर पहुंचने का मतलब था कि भारत ने बुधवार को हर एक रंग का एक पदक जीत। सौरभ ने पुरुषों की 10 मीटर एयर पिस्टल प्रतियोगिता में कांस्य पदक अपने नाम किया था। लीम विश्व कप में फिलहाल भारत तीन पदकों के साथ शीर्ष पर पहुंच गया है। उसके बाद चीन का नंबर आता है, जिसने पुरुषों की एयर पिस्टल में स्वर्ण पदक जीता था।

सैन्यम 11वें स्थान पर रही थीं

महिलाओं की 10 मीटर एयर पिस्टल में 60 शॉट के क्वालिफिकेशन राउंड में सुरुचि ने 582 अंक बनाकर दूसरा स्थान हासिल किया था, जबकि मनु भाकर ने 578 अंक बनाकर चौथे स्थान पर रहते हुए फाइनल में जगह बनाई थी। भारत की एक अन्य निशानेबाज सैन्यम 571 अंक के साथ 11वें स्थान पर रही।

सुरुचि और सौरभ का शानदार प्रदर्शन

इससे पहले सुरुचि ने हाल ही में ब्यूनस आयर्स में विश्व कप के दौरान सौरभ के साथ 10 मीटर एयर पिस्टल मिश्रित टीम कांस्य भी जीता था। तब सौरभ और सुरुचि ने हमवतन मनु भाकर और रविंदर सिंह को 16-8 से हराया था और कांस्य पदक जीता था। सुरुचि और सौरभ ने 581 स्कोर किया, जबकि मनु और रविंदर का स्कोर 579 रहा था।

मार्क बाउचर बोले- राहुल इंडिया के बेस्ट विकेटकीपर

मुंबई,

साउथ अफ्रीका के पूर्व विकेटकीपर मार्क बाउचर ने कहा कि केएल राहुल इंडिया के बेस्ट विकेटकीपर हैं। वे ही भविष्य में भारत के लिए ज्यादातर मैच खेलते नजर आएंगे। IPL में युवा प्लेयर्स पर बाउचर बोले- प्रियांश आर्या और दिग्वेश राठी ने मुझे बहुत प्रभावित किया है। जियोस्टार एक्सपर्ट बाउचर ने मीडिया से बातचीत के दौरान कहा कि आरसीबी को टूर्नामेंट में आगे बढ़ने के लिए होमग्राउंड पर भी जीतना होगा। टीम बाहर जाकर अच्छा कर रही है, उन्हें घर में भी विनिंग फॉर्म लाना होगा।

प्रियांश आर्या ने बहुत प्रभावित किया

बाउचर बोले, हर आईपीएल सीजन में कुछ यंगस्टर्स परफॉर्म करते हैं। पंजाब किंग्स के प्रियांश ने बेहतरीन शतक लगाया, उनके सामने विकेट गिरते रहे, लेकिन उन्होंने बेहतरीन बैटिंग की और सेंचुरी लगाई। लखनऊ के दिग्वेश राठी ने भी बहुत इम्प्रेस किया है, उन्होंने रवि बिश्नोई को भी पीछे कर दिया है। प्रियांश की टेक्निक बहुत अच्छी है, वे फ्रंट फुट पर बहुत खेलते हैं। मुझे लगता है कि अगर उन्हें शॉर्ट बॉल पर थोड़ा टेस्ट किया जाए तो उन्हें परेशानी हो सकती है।

आरसीबी घर में क्यों नहीं जीत पा रही?

बाउचर बोले, उनकी टीम स्पिरिट बहुत अच्छी है। जब आप बाहर जाते हैं तो आप बहुत सारी टीम एक्टिविटी करते हैं। आरसीबी को इसी का फायदा मिल रहा है। इस सीजन होम टीमों के लिए पिचों ने बहुत बड़ा रोल प्ले किया है। चिन्नास्वामी स्टेडियम की पिच इस सीजन बैटिंग फ्रेंडली नहीं मिली है, मुझे लगता है कि घर में उनकी हार की बड़ी वजह यही है। अगर बेंगलुरु को टूर्नामेंट में आगे बढ़ना

है तो अपने होमग्राउंड पर भी जीतने की आदत डालनी होगी।

विकेटकीपर बैटर्स में राहुल बेस्ट

बाउचर ने आगे कहा, केएल राहुल इस सीजन बेहतरीन परफॉर्म कर रहे हैं। भारत के लिए फ्यूचर विकेटकीपर्स में राहुल इस वक्त मुझे बेस्ट लग रहे हैं। मैच के दौरान विकेटकीपर के पास मैच का बेस्ट व्यू होता है। राहुल सभी विकेटकीपर में अच्छा कर रहे हैं। उनके अलावा जुरेल और पंत ने भी अच्छी परफॉर्म किया है। फिर भी मैं केएल को बेस्ट मानूंगा।

विकेटकीपर अब एक ऑलराउंड पोजिशन हो चुकी है। टीमों को चाहिए कि प्लेइंग-11 का बेस्ट विकेटकीपर बैटिंग भी अच्छी करता हो। जब आप अच्छी बैटिंग करते हो तो वही कॉन्फिडेंस आपकी विकेटकीपिंग में भी रहता है।

टैलेंट स्काउट में बेस्ट टीम है मुंबई इंडियंस

बाउचर ने आगे कहा, मुंबई इंडियंस का स्काउटिंग बिजनेस बेहतरीन है। मैनेजमेंट बहुत सारे एक्स प्लेयर्स को देशभर में भेजकर खिलाड़ी तराशती है। उन्हें प्रैक्टिस के लिए बुलाया जाता है, उनसे सवाल पूछे जाते हैं। इनमें से 40-50 प्लेयर्स को सिलेक्ट कर इंग्लैंड ले जाया जाता है, उन्हें ट्रेनिंग दी जाती है, उन्हें मुंबई इंडियंस की फिलोसॉफी के बारे में बताया जाता है, फिर देखा जाता है कि वे कैसा रिएक्ट करते हैं।

बाउचर ने आगे कहा, 40 में से 5-10 प्लेयर्स ऑक्शन में आते हैं, मैनेजमेंट देखता है कि उनमें से कितने सक्सेसफुल हो सकते हैं। कुछ प्लेयर्स शुरुआती सालों में अच्छा नहीं कर पाते, लेकिन बाद के सालों में दूसरी टीमों के लिए बेहतरीन प्रदर्शन करते हैं। सभी टीमें स्काउटिंग करती हैं, लेकिन मुंबई ने इन सब में खुद को बहुत आगे कर लिया है।

पीएसएल की आईपीएल से तुलना पर भड़का इंग्लिश क्रिकेटर सैम बिलिंग्स

खेल डेस्क,16 अप्रैल (एजेंसियां)। जहां एक तरफ भारत में आईपीएल 2025 खेला जा रहा है तो वहीं पाकिस्तान में पीएसएल चल रहा है। आईपीएल दुनिया की सबसे बड़ी टी20 लीग बन चुकी है तो वहीं अक्सर पाकिस्तान सुपर लीग की आईपीएल से तुलना की जाती है। वहीं ऐसा ही एक सवाल पीएसएल में खेल रहे इंग्लैंड के खिलाड़ी सैम बिलिंग्स से पूछा गया। जिसका करारा जवाब देते हुए इस खिलाड़ी ने पाकिस्तानी पत्रकार की बोलती बंद करा दी।

सैम बिलिंग्स ने दिया करारा जवाब

पाकिस्तान सुपर लीग 2024 में सैम बिलिंग्स लाहौर कलंदर्स के लिए खेल रहे है। वहीं बीते दिन पीएसएल 2025 में कराची किंग्स और लाहौर कलंदर्स के बीच मुकाबला खेला गया। इस मैच के बाद प्रेस कॉन्फ्रेंस में आईपीएल बनाम पीएसएल वाले सवाल पर सैम बिलिंग्स ने जवाब दिया कि "आप चाहते हैं कि मैं कुछ मूर्खतापूर्ण बात कहूं। क्रिकेट की सबसे अच्छी बात यह है कि आप दुनिया भर में कहीं भी जाएं, आपको परिस्थितियों के हिसाब से ढलना पड़ता है। देखिए, इसमें कोई संदेह नहीं है, हर दूसरी प्रतियोगिता आईपीएल से पीछे है।" सैम का मानना है कि पीएसएल की आईपीएल से कोई तुलना नहीं की जा सकती है।

बीती रात पीएसएल 2025 में लाहौर कलंदर्स और कराची किंग्स के खेले गए मैच में लाहौर कलंदर्स ने 65 रन से जीत हासिल की। इस मैच में पहले बल्लेबाजी करते हुए लाहौर ने 20 ओवर में 6 विकेट खोकर 201 रन बनाए थे। लाहौर कलंदर्स की तरफ से बल्लेबाजी करते हुए फखर जमान ने सबसे ज्यादा 76 रन की पारी खेली थी। इसके अलावा डेरेल मिचेल ने 75 रन बनाए थे। वहीं सैम बिलिंग्स के बल्ले से इस मैच में 19 रन निकले थे।

पंजाब ने 15वीं हॉकी इंडिया सीनियर पुरुष राष्ट्रीय चैंपियनशिप जीती

फाइनल में मध्य प्रदेश को हराया

झांसी, 16 अप्रैल (एजेंसियां)। पंजाब ने हॉकी इंडिया सीनियर पुरुष राष्ट्रीय चैंपियनशिप 2025 के डिवीजन-ए के फाइनल में मध्य प्रदेश को 4-1 से हरा दिया और चैंपियनशिप अपने नाम की। उत्तर प्रदेश ने मणिपुर को 5-1 से हराकर तीसरा स्थान हासिल किया। जुगराज सिंह (30वें, 49वें मिनट) ने फाइनल मैच में दो गोल किए जबकि जसकरन सिंह (38वें) और मनिंदर सिंह (46वें) पंजाब के लिए अन्य गोल करने वाले खिलाड़ी रहे। मध्य प्रदेश के लिए प्रताप लाकड़ा (28वें) ने एकमात्र गोल किया। तीसरे-चौथे स्थान के मैच में कुशवाह सौरभ आनंद (29वें, 49वें), शारदा नंद तिवारी (35वें), दीप अतुल (48वें) और शिवम आनंद (60वें) ने उत्तर प्रदेश के लिए गोल किए। मोइरांगथेम रबीचंद्रन सिंह (45वें मिनट) ने मणिपुर के लिए सांत्वना गोल किया।

टीम इंडिया में खेलने के बाद 2-3 लोग ही ऑटोग्राफ मांगते थे

आरसीबी से मिली असली पहचान, जितेश शर्मा का हैरान करने वाला बयान

नई दिल्ली, 16 अप्रैल (एजेंसियां)। भारत में किसी क्रिकेटर का टीम इंडिया के लिए चुना जाना सपने जैसा होता है. भारत की ओर से इंटरनेशनल क्रिकेट में खेलना और प्रदर्शन करना हर किसी का सपना होता है, क्योंकि इसी से खिलाड़ी को पहचान मिलती है. लेकिन RCB के विकेटकीपर-बल्लेबाज जितेश शर्मा ने एक हैरान करने वाला खुलासा किया है. उनका कहना है कि टीम इंडियामें खेलने के बावजूद उन्हें उतनी पहचान नहीं मिली, जितनी आरसीबी से जुड़ने के बाद मिली. अब फैंस उनके ऑटोग्राफ के लिए लाइन लगाते हैं, जबकि भारत के लिए खेलते समय ऐसा नहीं था.

"आरसीबी के बाद ही मिली असली पहचान"

रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु ने एक वीडियो शेयर किया है. इसमें जितेश शर्मा अपने क्रिकेट के सफर में बात कर रहे थे. इस दौरान उन्होंने कहा, "जब मैं सैयद मुश्ताक अली खेलने गया तो वहां लोग जितेश, जितेश, आरसीबी, आरसीबी चिल्ला रहे थे. तब मुझे एहसास हुआ कि मैं कोई छोटी टीम में नहीं गया हूं. आरसीबी के लिए खेलना कोई छोटी चीज नहीं है. इस टीम में कुछ अलग फीलिंग है, क्योंकि 100-150 लोग ऑटोग्राफ के लिए इंतजार कर रहे थे. इसके पहले मैं इंडिया खेल चुका था, तब 2 लोग भी नहीं आए. तब मुझे लगा ये फ्रेंचाइजी कुछ अलग है."

गलती से बने क्रिकेटर

अमरावती के रहने वाले जितेश ने आगे अपने सफर के बार में बताया कि उनके इलाके में खेल बस मजे के लिए होता था. वह शुरू में क्रिकेटर भी बनना ही नहीं चाहते थे. उनका लक्ष्य एनडीए के जरिए सेना में जाना था, लेकिन राज्य स्तर पर खेलने पर 25% छूट मिलती थी. इसलिए उन्होंने दोस्त के कहने पर ट्रायल दिया. विकेटकीपर कॉलम में सिर्फ 3 नाम देखकर उन्होंने अपना नाम लिख दिया—और यहीं से उनकी जिंदगी बदल गई. वो सेना में जाने के बजाय क्रिकेटर बन गए.

जितेश का प्रदर्शन

जितेश का प्रदर्शन जितेश के प्रदर्शन की बात करें तो उन्होंने भारत के लिए 9 टी20 मैच खेले हैं, जिसमें वो कुछ खास नहीं कर सके. वो महज 14.28 की औसत से 100 रन बना सके. वहीं आईपीएल 2025 में उन्होंने बेंगलुरु के लिए 4 पारियों में 29 की औसत और 157 के स्ट्राइक रेट से 88 रन बनाए हैं. इस टूर्नामेंट में ओवरऑल रिकॉर्ड की बात करें तो जितेश ने 46 मुकाबलों में 23 की औसत और 151 के स्ट्राइक रेट से 818 रन बनाए हैं.

राजीव युवा विकास योजना युवाओं का जीवन बदलेगी : भट्टी

डिप्टी सीएम ने युवा विकास योजना पर बैंकर्स के साथ विशेष बैठक की

हैदराबाद, 16 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। उपमुख्यमंत्री भट्टी विक्रमार्क मल्लू ने कहा कि राजीव युवा विकास योजना बेरोजगारों के जीवन में बदलाव लाएगी तथा उनके जीवन स्तर को ऊंचा उठाएगी। यह योजना राज्य में परिवर्तनकारी सिद्ध होगी। उन्होंने बुधवार को ज्योतिराव फुले प्रजा भवन में राजीव युवा विकासम योजना के कार्यान्वयन पर बैंकों के साथ एक विशेष बैठक में बात की। उन्होंने बैंकर्स से आग्रह किया कि वे युवा विकास को महज कल्याणकारी योजना के रूप में न देखें। राज्य सरकार के वरिष्ठ अधिकारियों ने लंबी बैठकें कीं और मानवीय दृष्टिकोण से योजना तैयार की। उन्होंने कहा कि संयुक्त राज्य के इतिहास में किसी भी सरकार ने स्वरोजगार योजनाओं के लिए इतनी बड़ी राशि आवंटित नहीं की है। उन्होंने कहा कि पिछले 10 वर्षों से नौकरी पाने के लिए संघर्ष कर रहे तेलंगाना राज्य के बेरोजगारों की उम्मीदें पूरी नहीं हुई हैं। उन्होंने कहा कि एक ओर राज्य सरकार ने महत्वाकांक्षी रूप से उन बेरोजगारों के लिए स्वरोजगार योजना शुरू की है जो सरकारी नौकरियों में भर्ती होने के बावजूद बेरोजगार रह जाते हैं। राजीव चाहते हैं कि बैंकर्स युवा विकास के माध्यम से राज्य के युवाओं को आर्थिक और सामाजिक रूप से मदद करने के लिए समर्थन प्रदान करें। डिप्टी सीएम ने कहा कि योजना के जरिए राज्य में संपदा का सृजन किया जाएगा। उन्होंने बताया कि राज्य के मुख्य सचिव से लेकर आयुक्तों तक ने इस योजना को तैयार करने और चयनित लोगों को प्रशिक्षित करने में काफी प्रयास किया है। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार 6,000 करोड़ रुपये खर्च करेगी और बैंकर्स को 1,600 करोड़ रुपये का लिंकेज उपलब्ध कराने के लिए आगे आना चाहिए। बैंकर्स को बताया गया कि इस योजना में उत्साहपूर्वक भागीदारी करने से उन्हें अच्छा नाम मिलेगा तथा युवा विकासम योजना से लाभान्वित होने वाले युवाओं को व्यवसाय करने तथा लाभ कमाने के बारे में अधिकारी कम से कम तीन से 15 दिनों का प्रशिक्षण देंगे तथा व्यवसाय में किसी प्रकार की कठिनाई आने पर प्रशिक्षण संस्थान सहायता प्रदान करेंगे। कुछ क्षेत्रों में केवल वाणिज्यिक बैंक हैं, जबकि अन्य क्षेत्रों में ग्रामीण बैंक हैं। बैंकर्स को सलाह दी जाती है कि वे इस योजना को सफल बनाने के लिए एक-दूसरे के साथ सहयोग करें। उपमुख्यमंत्री ने आदेश दिए हैं कि इस योजना को सख्ती से लागू करने के लिए जिला स्तर पर कलेक्टरों और बैंकर्स के साथ जल्द ही बैठक की जाए।

उन्होंने कहा कि पात्र अभ्यर्थियों को स्वीकृति पत्र जारी करने के बाद राज्य स्तर पर एसएलबीसी की एक और बैठक आयोजित की जाएगी। जैसे ही राजीव युवा विकासम के लाभार्थियों को सरकारी हिस्सा जारी किया गया, बैंकर्स ने मांग की कि लिंकेज राशि तुरंत जारी की जाए। बैठक में वित्त विभाग के प्रधान सचिव संदीप कुमार सुल्तानिया, अनुसूचित जाति कल्याण विभाग के प्रधान सचिव श्रीधर, अनुसूचित जनजाति कल्याण विभाग के सचिव सारथ, पिछड़ा वर्ग कल्याण विभाग के सचिव श्रीधर, उपमुख्यमंत्री के विशेष सचिव कृष्ण भास्कर तथा सभी शाखाओं के बैंक अधिकारी शामिल हुए।

24 अप्रैल तक घोषित किए जा सकते हैं तेलंगाना इंटरमीडिएट परिणाम

हैदराबाद, 16 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। इंटरमीडिएट पब्लिक एग्जामिनेशन (आईपीई) मार्च 2025 के परिणाम 24 अप्रैल को या उससे पहले घोषित किए जाएंगे। परीक्षा आयोजित करने वाले इंटरमीडिएट शिक्षा बोर्ड (बीआईई) ने मूल्यांकन प्रक्रिया पूरी कर ली है और परिणाम तैयार करने का काम सेंटर फॉर गुड गवर्नेंस (सीजीजी) द्वारा किया जा रहा है।

एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा कि परिणाम 21 से 24 अप्रैल के बीच किसी दिन घोषित किए जाएंगे। सीजीजी वर्तमान में जांच कर रहा है, जिसमें लगभग पांच से छह दिन लगेंगे। परिणामों की फाइल पहले ही मुख्यमंत्री ए रेवंत रेड्डी को भेज दी गई है, जो शिक्षा मंत्री भी हैं। चूंकि मुख्यमंत्री जापान में हैं, इसलिए उपमुख्यमंत्री द्वारा परिणाम जारी किए जाने की संभावना है। व्हाट्सएप पर नतीजे उपलब्ध कराने के बारे में वरिष्ठ अधिकारी ने कहा कि समय की कमी के कारण अब यह संभव नहीं होगा। अधिकारी ने कहा कि हमें आईटी विभाग से अनुमति लेनी होगी और इस पहल को शुरू करने के लिए एक समर्पित नंबर जारी करना होगा।

गद्दर तेलंगाना फिल्म पुरस्कार जूरी की बैठक अभिनेत्री जयसुधा की अध्यक्षता में आयोजित

व्यक्तिगत श्रेणियों में 1172, फिल्म, वृत्तचित्र और साहित्यिक श्रेणियों में 76 नामांकन

हैदराबाद, 16 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना राज्य सरकार ने सिनेमा की उत्कृष्टता को मान्यता देने के लिए प्रतिष्ठित गद्दर तेलंगाना फिल्म पुरस्कार की शुरुआत की है। प्रसिद्ध अभिनेत्री जयसुधा की अध्यक्षता में जूरी की बैठक बुधवार को एफडीसी कॉन्फ्रेंस हॉल में आयोजित की गई। तेलंगाना फिल्म विकास निगम (टीएफडीसी) के अध्यक्ष दिल राजू ने सदस्यों को संबोधित किया और नामांकन का निष्पक्षता और ईमानदारी के साथ मूल्यांकन करने के महत्व पर जोर दिया। दिल राजू ने जूरी सदस्यों से यह सुनिश्चित करने का आग्रह किया कि पुरस्कार तेलुगु सिनेमा उद्योग को राष्ट्रीय स्तर की पहचान दिलाएं। उन्होंने कहा कि 14 साल के अंतराल के बाद, राज्य सरकार फिल्म पुरस्कार प्रदान कर रही है और उल्लेख किया कि एकीकृत आंध्र प्रदेश के दौरान भी पुरस्कारों के लिए इतनी जबरदस्त प्रतिक्रिया नहीं देखी गई थी। उन्होंने जूरी पर भरोसा जताया, जिसमें सरकार द्वारा नियुक्त विशेषज्ञ और पेशेवर शामिल हैं। इस अवसर पर अभिनेत्री जयसुधा ने कहा कि वह सरकार द्वारा सौंपी गई इस जिम्मेदारी को एक चुनौती के रूप में देखती हैं और आश्वासन दिया कि चयन प्रक्रिया ईमानदारी और समर्पण के साथ की जाएगी। तेलंगाना फिल्म विकास निगम के प्रबंध निदेशक डॉ. एस. हरीश ने बताया कि सरकार ने अभिनेत्री जयसुधा की अध्यक्षता में 15 सदस्यीय जूरी का गठन किया है। उन्होंने कहा कि गद्दार पुरस्कारों के लिए सभी श्रेणियों में कुल 1,248 नामांकन प्राप्त हुए हैं। इनमें से 1,172 नामांकन व्यक्तिगत श्रेणी में हैं और 76 नामांकन फीचर फिल्म, बच्चों की फिल्म, पहली फिल्म, वृत्तचित्र/लघु फिल्म, फिल्म आलोचना और पुस्तकों में हैं।नामांकन की स्क्रीनिंग प्रक्रिया 21 अप्रैल से शुरू होगी। जूरी सदस्यों ने बैठक के दौरान मूल्यांकन प्रक्रिया के रोडमैप पर भी चर्चा की।

40 लाख रुपये की ड्रग्स व वाहन जब्त

हैदराबाद, 16 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। आबकारी पुलिस की एसटीएफबी टीम ने अमेरिका में फ्लोरिडा कॉर्नफ्लावर में उगाए जाने वाले ओजी कुश के साथ-साथ अन्य ड्रग्स और विदेशी शराब की बोतलें जब्त की हैं। आबकारी प्रवर्तन संयुक्त आयुक्त कुरैशी ने बताया कि ड्रग्स के साथ-साथ एसटीएफबी ने गांजा, हशीश सिंथेटिक ड्रग्स और चरस ड्रग्स से भरी एक स्कोडा कार भी जब्त की है। बुधवार को आबकारी भवन में आयोजित मीडिया कॉन्फ्रेंस में जब्त ड्रग्स और आरोपियों को मीडिया के सामने पेश किया गया। कुरैशी ने बताया कि कार और ड्रग्स की कीमत 40 लाख रुपये है। बुधवार को दोपहर करीब 2 बजे काचीगुड़ा रेलवे स्टेशन के पास बी टीम एसआई संध्या टीम ने ड्रग्स जब्त की। काचीगुड़ा रेलवे स्टेशन पर एसटीएफ आबकारी कर्मियों ने संदेह के आधार पर एक व्यक्ति को बाइक और स्कोडा कार पर ओजी कुश की अदला-बदली करते पकड़ा। कार की तलाशी के दौरान 500 ग्राम ओजी कुश, एक किलो गांजा, छह ग्राम चरस, 4.38 ग्राम हशीश सिंथेटिक ड्रग्स और पांच बोतल विदेशी शराब बरामद की गई। संयुक्त आयुक्त सैयद यासीन कुरैशी ने बताया कि दो आरोपियों प्रतीश बट और जय सूर्या को गिरफ्तार कर लिया गया है। कुरैशी के साथ एसटीएफबी टीम लीडर प्रदीप राव, सीआई भिक्षा रेड्डी, एसएस संध्या और बलाराजू और अन्य स्टाफ सदस्य शामिल थे।

वारंगल बैठक में बड़ी संख्या में कार्यकर्ताओं से भाग लेने की अपील

कोत्तागुडेम, 16 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। राज्यसभा सदस्य वड्डीराजू रविचंद्र ने येलंदु विधानसभा क्षेत्र के बीआरएस कार्यकर्ताओं से 27 अप्रैल को वारंगल के एल्कथुर्थी में होने वाली पार्टी की रजत जयंती बैठक में बड़ी संख्या में शामिल होने का आह्वान किया है। बीआरएस येलंदु विधानसभा क्षेत्र की बैठक पूर्व विधायक बनोथ हरिप्रिया नाइक की अध्यक्षता में हुई। इस अवसर पर सांसद ने कहा कि तेलंगाना के लोग वारंगल में होने वाली बैठक में बीआरएस प्रमुख के चंद्रशेखर राव के संबोधन का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं, जिसमें दस लाख लोग शामिल होंगे।

रविचंद्र ने कहा कि सोलह महीने में ही कांग्रेस के शासन से लोग ऊब चुके हैं। कांग्रेस ने सत्ता में आने के लिए कई अव्यवहारिक वादे किए और उन्हें पूरा करने में विफल रही। लोग पछता रहे हैं कि उन्होंने कांग्रेस सरकार चुनकर गलती की। मुख्यमंत्री ए रेवंत रेड्डी, जो यह सपना देख रहे थे कि वे चंद्रशेखर राव की विरासत को मिटा सकते हैं, उन्हें यह समझना चाहिए कि वे बीआरएस प्रमुख की अलग तेलंगाना के लिए लड़ाई के कारण ही मुख्यमंत्री बने हैं।

जीओसी टीएएसए ने आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री से मुलाकात की

हैदराबाद, 16 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना और आंध्र उप क्षेत्र (टीएएसए) के जनरल ऑफिसर कमांडिंग (जीओसी) मेजर जनरल अजय मिश्रा ने आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री नारा चंद्र बाबू नायडू के साथ एक महत्वपूर्ण प्रोटोकॉल बैठक की। बैठक के दौरान, विभिन्न प्रमुख पहलुओं पर चर्चा की गई, जिसमें मुख्यालय दक्षिणी कमान की पहल के अनुसार राष्ट्र और राज्य निर्माण पहलों में सेना की भागीदारी का महत्व, हमारे सैनिकों के बलिदान के सम्मान में नई राज्य की राजधानी (अमरावती) में एक युद्ध स्मारक बनाने की आवश्यकता, पूर्व सैनिकों के कल्याण को प्रभावित करने वाले प्रमुख मुद्दे और उनकी जरूरतों को पूरा करने के संभावित समाधान, राज्य निर्माण गतिविधियों में अनुशासित पूर्व सैनिकों के बड़े समूह को भागीदार बनाने के अवसर, आपदा प्रतिक्रिया और प्रबंधन को बढ़ाने के लिए सेना और राज्य अधिकारियों के बीच समन्वय, सेना और राज्य सरकार के बीच प्रोटोकॉल और सहयोग से संबंधित मामले, भूमि से संबंधित मुद्दों पर चर्चा और अमरावती में सेना और पूर्व सैनिकों के लिए भूमि की आवश्यकताएं शामिल हैं। इस अवसर पर रक्षा प्रौद्योगिकी के विकास में सहयोग की संभावनाओं की तलाश, सेना-उद्योग के बीच संपर्क को सुगम बनाने के लिए अमरावती में सेना प्रौद्योगिकी प्रकोष्ठ की स्थापना की आवश्यकता, स्थानीय उद्योग के विकास को बढ़ावा देने के लिए रक्षा उद्योग क्लस्टर स्थापित करने के लिए राज्य सरकार द्वारा अनुरोध, सशस्त्र बलों के कर्मियों द्वारा अनुरोधों पर उचित संपर्क और प्रतिक्रिया सुनिश्चित करने के लिए एसओपी और प्रोटोकॉल तैयार करने की आवश्यकता पर भी चर्चा की गई।मुख्यमंत्री ने बलों की अनुशासित जीवनशैली को स्वीकार किया और नियमित संपर्क के लिए नई राजधानी में सेना की उपयुक्त उपस्थिति की आवश्यकता पर बल दिया। उन्होंने तिरुमला तिरुपति देवस्थानम (टीटीडी) और श्रीशैलम में सशस्त्र बलों के कर्मियों के लिए दर्शन की सुविधा प्रदान करने का भी वादा किया। प्रोटोकॉल बैठक में विकास, सुरक्षा और कल्याण पहलों को बढ़ावा देने में सेना और राज्य सरकार के बीच निरंतर जुड़ाव और सहयोग के महत्व पर प्रकाश डाला गया।

मंत्री ने ओलावृष्टि से क्षतिग्रस्त फसलों का निरीक्षण किया

हैदराबाद, 16 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। परिवहन मंत्री पोन्नम प्रभाकर ने सिद्दीपेट जिले के अक्कन्नापेट मंडल के पंतुलु तांडा में हाल ही में हुई ओलावृष्टि से क्षतिग्रस्त फसलों का निरीक्षण किया। इस अवसर पर मंत्री ने कहा कि हम किसानों को आश्वासन देते हैं कि हम उनके साथ खड़े रहेंगे क्योंकि पंतुलु तांडा में ओलावृष्टि से धान की फसल को भारी नुकसान हुआ है। मंत्री पोन्नम प्रभाकर ने अधिकारियों को अक्कन्नापेट मंडल में बेमौसम बारिश से हुए नुकसान का ब्यौरा प्रस्तुत करने का आदेश दिया मंत्री पोन्नम प्रभाकर ने उन किसानों के लिए 10 हजार रुपये प्रति एकड़ मुआवजे की घोषणा की जिनकी फसलें नष्ट हो गईं। उन्होंने कहा कि अक्कन्नापेटा मंडल के पांतुलु तांडा में धान की फसल को हाल की बारिश से नुकसान हुआ है। सरकारी आदेशानुसार कृषि अधिकारी पहले ही आकर इसकी रिपोर्ट दे चुके हैं। असमय बारिश से हुए नुकसान की भरपाई कौन कर सकता है? सरकार ने अपनी फसल बर्बाद करने वाले किसानों के लिए प्रति एकड़ 10,000 रुपये देने की घोषणा की है। तेलंगाना में ओलावृष्टि से सब्जी, धान और उत्तरी तेलंगाना में आम की फसलों को नुकसान पहुंचा है। मंत्री ने कहा कि यह एक प्राकृतिक आपदा है। हम भविष्य में किसी भी समस्या के बिना सब कुछ कर रहे हैं।

हम सरकार की ओर से मुआवजा प्रदान कर रहे हैं। यदि गौरवेल्ली से पानी आएगा तो यह पूरा क्षेत्र और अधिक विकसित होगा। मंडल में 40-50 हजार एकड़ कृषि योग्य भूमि है। अब 30 हजार एकड़ तक भूमि पर खेती हो रही है। उन्होंने कहा कि किसान मंचों के माध्यम से हम किसानों के बीच जागरूकता पैदा करेंगे और उन्हें तेल उत्पादन में निवेश करने के लिए प्रोत्साहित करेंगे, क्योंकि इस क्षेत्र में एक तेल उत्पादन कारखाना स्थापित हो चुका है। हम सब्जी की खेती को प्रोत्साहित करेंगे।आसपास के शहर हनमाकोंडा, सिद्दीपेट, जनगांव और करीमनगर हैं। सब्जियाँ उगाने से अधिक लाभ होगा। हम इसके लिए जागरूकता पैदा करेंगे। भविष्य में इस पूरे क्षेत्र को कृषि की दृष्टि से विकसित करने के प्रयास किये जा रहे हैं।

प्रेम में असफल मजदूर ने की आत्महत्या

हैदराबाद, 16 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। प्यार में असफलता से कथित तौर पर परेशान एक व्यक्ति ने मंगलवार रात हुमायूं नगर के मल्लेपल्ली में अपने कमरे में आत्महत्या कर ली। बिहार से निर्माण मजदूर मंसूर आलम (22) हाल ही में आजीविका की तलाश में शहर आया था और मल्लेपल्ली में अपने दोस्तों के साथ रह रहा था। बताया जाता है कि वह अपने पैतृक स्थान की एक महिला से प्रेम करता था। हाल ही में इस जोड़े ने अपने बड़ों को अपने रिश्ते के बारे में बताया, लेकिन दोनों परिवारों ने इसे मंजूरी नहीं दी। पुलिस ने बताया कि माता-पिता द्वारा प्रस्ताव ठुकराए जाने से मंसूर आलम परेशान हो गया और इस सदमे से उबर नहीं पाया। नतीजतन, उसने अपने कमरे में पंखे से लटककर आत्महत्या कर ली, जब वहां कोई नहीं था। हुमायूं नगर पुलिस जांच कर रही है।

भू भारती और नए आरओआर अधिनियम के कार्यान्वयन पर बैठक

जिला कलेक्टर ने अधिकारियों के साथ चर्चा की

हैदराबाद, 16 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। रंगारेड्डी जिला एकीकृत सामुदायिक भवन के बैठक कक्ष में जिला कलेक्टर सी. नारायण रेड्डी, अतिरिक्त कलेक्टर प्रतिमा सिंह, डीआरडीओ संगीता, आरडीओ अनंता रेड्डी, चंद्रकला, जगदीश्वर रेड्डी, वेंकट रेड्डी, नगर आयुक्त, मंडल एमआरओ ने भू भारती और नए आरओआर अधिनियम के कार्यान्वयन पर एक बैठक की ताकि भूमि समस्याओं का स्थायी समाधान प्रदान करने के लिए लाए गए 'भू भारती' का व्यापक प्रचार-प्रसार किया जा सके। इस बैठक में अधिकारों का रिकॉर्ड (आरओआर) - भूमि अधिकार रिकॉर्ड, भू भारती - मुख्य बिंदु, भू भारती - धरनी को प्रतिस्थापित करने के लिए नया भूमि अधिकार रिकॉर्ड, आरओआर पर चर्चा की गई। कलेक्टर ने राजस्व अधिकारियों को भूमि रजिस्ट्री में त्रुटियों के सुधार, कृषि भूमि के पंजीकरण और उत्परिवर्तन, विरासत में मिली भूमि के उत्परिवर्तन, अन्य माध्यमों से अर्जित भूमि के उत्परिवर्तन, सरल अधिकारों के नियमितीकरण, भूमि रजिस्ट्री पासबुक, अपील प्रणाली, संशोधन शक्तियां, कानूनी सहायता और गांव के राजस्व रिकॉर्ड जैसे विभिन्न मुद्दों पर जानकारी दी। उन्होंने कहा कि यह एक ऐसा रिकार्ड है जो यह बताता है कि जमीन पर किसका क्या अधिकार है, गांव के भू-स्वामी कौन हैं, तथा उनकी जमीन कितनी है। इसके अलावा, इसे भूस्वामी अभिलेख भी कहा जा सकता है। उन्होंने कहा कि आज से सभी भूमि पंजीकरण इसी रिकार्ड के आधार पर किए जाएंगे। उन्होंने कहा कि सरकार किसानों के लिए जो भी अच्छा करेगी, उसका स्वागत इसी तरह किया जाएगा। उन्होंने कहा कि जिन लोगों के नाम इस रिकार्ड में होंगे, उन्हें ही भू-स्वामित्व प्रमाण-पत्र और पट्टाधारक पासबुक दी जाएगी। उन्होंने स्पष्ट किया कि सरकार का प्रयास जिले में विवाद मुक्त भूमि नीतियां बनाना है। उन्होंने कहा कि भविष्य में आधार की तरह ही भूमि सर्वेक्षण, माप और सीमाओं जैसे व्यापक विवरणों के साथ 'भूधर' भी पेश किया जाएगा। उन्होंने कहा कि जन संघर्षों से निकले राजस्व कानूनों को योजना के रूप में प्रत्येक किसान और नागरिक को समझाया जाना चाहिए, क्योंकि सरकार का उद्देश्य जनता की समस्याओं का स्थायी समाधान करना है। उन्होंने कहा कि भू भारती को जिले में पायलट प्रोजेक्ट के रूप में लागू करने से पहले 8 विधानसभा क्षेत्रों में जागरूकता सत्र आयोजित किए जाने चाहिए। उन्होंने कहा कि इस कानून को जनता तक पहुंचाने की जिम्मेदारी राजस्व अधिकारियों की है और सरकार की मंशा राजस्व अधिकारियों को जनता के करीब लाने की है। उन्होंने कहा कि किसानों को पूर्ण रूप से शिक्षित करने के लिए प्रत्येक विधानसभा क्षेत्र, राजस्व संभाग, मंडल और गांव में राजस्व सम्मेलन आयोजित किए जाने चाहिए। उन्होंने कहा कि राजस्व विभाग के बारे में बनी भ्रांतियों को दूर करना सभी की जिम्मेदारी है। गांवों और मंडलों में जनता दरबार और राजस्व सम्मेलन आयोजित कर जागरूकता पैदा की जानी चाहिए। उन्होंने कहा कि सरकारी अधिकारियों को विभिन्न सरकारी विभागों के अधिकारियों के साथ मिलकर कानून को सख्ती से लागू करने के लिए मिलकर काम करना चाहिए।

फैंसी नंबर प्लेट का क्रेज

मणिकोंडा आरटीए ने नीलामी में जुटाए 52.6 लाख रुपये

हैदराबाद, 16 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। हैदराबाद में कंपनियों और व्यक्तिगत वाहन मालिकों के बीच वीआईपी नंबर प्लेट की मांग सबसे ज़्यादा है। निजीकृत नंबर प्लेट के इस क्रेज का फ़ायदा उठाते हुए, तेलंगाना क्षेत्रीय परिवहन प्राधिकरण (आरटीए) ने अपने मणिकोंडा कार्यालय में मंगलवार को एक नीलामी के ज़रिए 52.6 लाख रुपए जुटाए।

आरटीए अधिकारियों ने बताया कि पंजीकरण संख्या नीलामी के दौरान कई उच्च मूल्य वाले नंबरों को अच्छी रकम मिली। सबसे ऊंची बोली में से सबसे ऊंची बोली नंबर प्लेट टीजी 07 आर 9999 के लिए लगी, जिसे कॉन्ग्युएंट डेवलपर्स ने 12,49,999 रुपये में खरीदा। हालांकि, यह नीलामी सिर्फ़ एक बड़े विजेता के लिए नहीं थी। फैंसी नंबर प्लेट के लिए कुछ अन्य उच्च-स्तरीय बोलियाँ टीजी 07 एए 0009 थीं, जिसे 8,50,000 रुपये में नीलाम किया गया और रुद्र इंफ्रास्ट्रक्चर प्राइवेट लिमिटेड ने इसे अपने नाम कर लिया, जबकि फ़ूजी सॉफ़्टवेयर सॉल्यूशंस ने फैंसी नंबर 'टीजी 07 एए 0001' को पाने के लिए लगभग 4,77,000 रुपये खर्च किए।

आरटीसी अधिकारियों के अनुसार, व्यक्तिगत पंजीकरण नंबरों की मांग लगातार बढ़ रही है, कार मालिक कई तरह की पसंद व्यक्त कर रहे हैं। चूंकि फैंसी नंबरों की लोकप्रियता लगातार बढ़ रही है, इसलिए परिवहन विभाग को भविष्य में पंजीकरण नंबरों की नीलामी से निरंतर रुचि और राजस्व की उम्मीद है।

पाकिस्तानी नागरिक के हमले में तेलंगाना के दो लोगों की मौत; एक घायल

हैदराबाद, 16 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। दो पीड़ितों के परिवार के सदस्यों ने मंगलवार को दावा किया कि दुबई की एक बेकरी में एक पाकिस्तानी नागरिक ने कथित तौर पर धार्मिक नारे लगाते हुए हमला किया, जिसमें तेलंगाना के दो लोगों की मौत हो गई और तीसरा घायल हो गया। निर्मल जिले के सोन गांव के अष्टपु प्रेमसागर (35) की 11 अप्रैल को तलवार से हत्या कर दी गई, उनके चाचा ए पोशेट्टी ने पीटीआई को बताया। कथित घटना उस बेकरी में हुई जहां पीड़ित काम करते थे। प्रेमसागर पिछले पांच-छह सालों से बेकरी में काम कर रहा था। पोशेट्टी ने बताया कि वह आखिरी बार दो साल पहले अपने परिवार से मिलने आया था।

प्रेमसागर के परिवार में उनकी पत्नी और दो बच्चे हैं। पोशेट्टी ने बताया कि उनके परिवार के सदस्यों को इस त्रासदी के बारे में सूचित नहीं किया गया है और उन्होंने सरकार से उनके पार्थिव शरीर को भारत लाने में मदद करने का आग्रह किया। उन्होंने सरकार से अनुरोध किया कि प्रेमसागर के परिवार की खराब आर्थिक स्थिति को देखते हुए उन्हें सहायता प्रदान की जाए।

इस बीच, केंद्रीय मंत्री जी किशन रेड्डी ने बताया कि दूसरे मृतक का नाम श्रीनिवास था, जो निजामाबाद जिले का रहने वाला था। तीसरे व्यक्ति सागर को हमले में चोट लगी है और उसे अस्पताल में भर्ती कराया गया है, उसकी पत्नी भवानी ने निजामाबाद जिले में संवाददाताओं को बताया। हत्याओं पर दुख व्यक्त करते हुए रेड्डी ने कहा कि उन्होंने विदेश मंत्री एस जयशंकर से बात की है और उनके शवों को भारत लाने में मदद मांगी है। रेड्डी ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा कि दुबई में तेलंगाना के दो तेलुगु युवकों, निर्मल जिले के अष्टपु प्रेमसागर और निजामाबाद जिले के श्रीनिवास की नृशंस हत्या से गहरा सदमा लगा है। इस मामले पर माननीय विदेश मंत्री एस जयशंकर जी से बात की और उन्होंने शोक संतप्त परिवारों को पूर्ण सहायता और शवों को तत्काल वापस लाने का आश्वासन दिया है।

उन्होंने कहा कि विदेश मंत्रालय भी इस मामले में त्वरित न्याय सुनिश्चित करने के लिए काम करेगा। उन्होंने जयशंकर को उनकी मदद के लिए धन्यवाद दिया। केंद्रीय गृह राज्य मंत्री बंदी संजय कुमार ने दुख व्यक्त करते हुए कहा कि उन्होंने विदेश मंत्रालय के अधिकारियों से बात की है और केंद्रीय गृह मंत्रालय के अधिकारी उनके संपर्क में हैं। उन्होंने एक्सिस बैंक पर कहा कि तेलंगाना के दो श्रमिकों श्री अष्टपु प्रेम सागर और श्री श्रीनिवास की दुखद हत्या से मुझे गहरा दुख हुआ है, जिन पर 11 अप्रैल को दुबई में मॉडर्न बेकरी एलएलसी में काम के घंटों के दौरान एक पाकिस्तानी नागरिक ने क्रूरतापूर्वक हमला किया था।

22 और 23 अप्रैल को स्टार्ट-अप एन्क्लेव

हैदराबाद, 16 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। एक मजबूत स्टार्ट-अप इकोसिस्टम विकसित करने, नवाचार और उद्यमशीलता को बढ़ावा देने के लिए, सेंटर फॉर सेल्युलर एंड मॉलिक्यूलर बायोलॉजी (सीसीएमबी), इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ केमिकल टेक्नोलॉजी (आईआईसीटी) और नेशनल जियोफिजिकल रिसर्च इंस्टीट्यूट (एनजीआरआई) सहित हैदराबाद की शीर्ष अनुसंधान और विकास प्रयोगशालाएं 22 और 23 अप्रैल के बीच हैदराबाद के तारनाका स्थित आईआईसीटी में 'स्टार्ट-अप एन्क्लेव हैदराबाद 2025' का आयोजन कर रही हैं। 'नवाचार को उत्प्रेरित करना, पारिस्थितिकी तंत्रों को जोड़ना' विषय पर आयोजित यह सम्मेलन स्टार्टअप्स, उद्यमियों, निवेशकों, उद्योग जगत के नेताओं, शिक्षाविदों और सरकारी अधिकारियों को अंतर्दृष्टि साझा करने, नेटवर्क बनाने और सहयोग के अवसरों का पता लगाने के लिए मंच प्रदान करेगा।

Printed and published by Dr. Gireesh Sanghi on behalf of AGA Publications Ltd., at 396, Lower Tankbund, Hyderabad-500080 Editor: *Dhirendra Pratap Singh *responsible for selection of news under the PRB Act. Postal Licence H/SD/380/21-22, Phone:27644999. Fax:27642512, RNI No.69340/98, Regd.:No.AP/HIN/00196/01/1/97/TC.